

The Female Educators and Fertility A Case Study of Lady Teachers of the City of Allahabad

THESIS

SUBMITTED AT THE
UNIVERSITY OF ALLAHABAD
FOR THE DEGREE OF
DOCTOR OF PHILOSOPHY

UNDER THE GUIDANCE OF
Dr. A. D. Sharma
D. E. D., D. Litt.
PROFESSOR IN ECONOMICS
&
HON. DIRECTOR, AGRO-ECONOMIC RESEARCH CENTRE.

BY
Kalpna Mathur



DEPARTMENT OF ECONOMICS
UNIVERSITY OF ALLAHABAD
ALLAHABAD
1987

शिक्षक महिलायें एवं प्रजननता

(FEMALE EDUCATORS AND FERTILITY)

दिल्ली नगर की शिक्षक महिलाओं का एक वैयक्तिक अध्ययन

(A CASE STUDY OF LAY-TEACHERS OF THE CITY OF DELHI)

प्राक्कथन

प्राक्कथन

भारत की जनसंख्या की वृद्धि की दर चिन्ताजनक है। इस समय की वृद्धि की दर भारत के अपने जनांकिकी इतिहास के लिए भी भयानक और अभूतपूर्व है। 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में ही पायी थी। भारतवर्ष की जनसंख्या में 1901 - 1961 तक की अवधि में इतनी वृद्धि हो चुकी है जितनी कि भारतवर्ष की कुल जनसंख्या 1901 में थी। मानवता के प्रारम्भ से लेकर हमारी गिनती 1901 तक जितनी हो पायी थी उतनी गिनती में हम उसके बाद केवल 60 वर्ष में ही बढ़ गए। अनुमान है कि इस दर पर हमारी जनसंख्या लगभग 30 वर्ष में ही डर डार दुगुनी होती चली जाएगी। इस प्रकार भारतवर्ष की जनसंख्या 2 हजार ईसवी तक ही 100 करोड़ हो जाएगी। हम यदि इस दर पर बढ़ते रहे तो 2060 ई0 में भारतवर्ष की जनसंख्या उतनी होगी जितनी कि 1970 में सम्पूर्ण दुनियाँ की जनसंख्या थी।

जनसंख्या की इस विकट समस्याओं को देखते हुए जनसंख्या को नियन्त्रण में करना होगा। इसमें महिलाओं की एक महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है, तथा यह भी देखा गया है, कि शिक्षा प्रजननता के निर्धारण में एक महत्वपूर्ण कारक है इसलिए प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में इलाहाबाद नगर के परिपेक्ष्य में शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी विचारों का अध्ययन किया गया। अध्ययन में कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं का एक तुलनात्मक अध्ययन रखने का भी प्रयास किया गया है।

मेरे शोध विषय " शिक्षक महिलायें और प्रजननता " इलाहाबाद नगर के संदर्भ में महिला अध्यापिकाओं की समस्या जिसके पूरा होने में मेरे निर्देशक डा० ए० डी० शर्मा, प्रोफेसर - अर्थशास्त्र के अविस्मरणीय व अबाध सहयोग, जिसे शब्द ज्ञान के माध्यम से धन्यवाद की प्रक्रिया के उपरोक्त बाँधकर यह औपचारिकता पूरी कर पाना मेरी सामर्थ्य के परे है। डा० शर्मा ने उस प्राचीन गुरु शिष्य

परम्परा को इस बीसवीं शताब्दी में भी प्रतिरूप देकर हमें इस प्रबन्ध के पूरा होने में जो योगदान दिया है, वह एक साक्षात् दृष्टान्त है। शोध समर्पित ऐसे गुरुवर्य को मेरा शत - शत नमः।

विभाग के अन्य लोगों में प्रोफेसर डी० एस० कुशवाहा, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, डा० बी.के. त्रिपाठी एवं उन सभी शिक्षकों की आभारी हूँ जिन्होंने प्रायः मुझे सहयोग प्रदान किया।

शोध हेतु प्रेरकों में मेरी माँ एवं पिता श्री जगदीश प्रसाद माथुर की विशेष भूमिका है, जिनके आशीर्वाद से यह शोध निर्विघ्न पूर्ण हुआ। उनसे सर्वथा ऐसे सहयोग की अपेक्षा करती रहूँगी।

शोध - प्रबन्ध के पुष्पित एवं पल्लवित होने में गुरु - पत्नी श्रीमती शैला शर्मा का अमित - स्नेह एवं सहयोग निश्चित रूप से अविस्मरणीय है।

मुझे एवं मेरे शोध - प्रबन्ध को एक नयी दिशा एवं आयाम प्रदान करने में अपने सहपाठी अनुसन्धानक डा० शीलप्रिय त्रिपाठी एवं सुश्री मुकुल दुबे सदैव रत रहे, ऐसे समर्पित सहयोगियों को ढेर ही बधाइयाँ।

मेरे परिवार के सदस्यों में बड़ी बहन डा० सुरभि माथुर, चिकित्साधिकारी, देहरादून, छोटी बहने सुश्री पूनम माथुर, शोध - छात्रा, वनस्पति विज्ञान, सुश्री रचना माथुर, शोध - छात्रा, अर्थशास्त्र, डा० शैलेश चन्द्र तिव्हा, चिकित्साधिकारी, देहरादून एवं अनुज सुमित कुमार भी धन्यवाद के पात्र हैं।

शोध की सार्थकता हेतु डा० आर० के० श्रीवास्तव, वरिष्ठ अनुसन्धानक, वनस्पति विज्ञान, सहपाठी श्री योगेश चन्द्र मिश्र, शोध - छात्र, अर्थशास्त्र, सुश्री स्मिता शर्मा, श्री सुनील शर्मा एवं संजय महापात्र सहित वे सभी लोग धन्यवाद के पात्र हैं जिन्होंने सहयोग एवं मंत्रणा दी।

नैतिक रूप से अर्थशास्त्र विभाग, इलाहाबाद विश्व विद्यालय की आभारी हूँ, जिसकी पुस्तकालीय सहायता ने कार्य - सम्पादन में सहयोग दिया।

शोध - टंकण हेतु कु० इन्दु एवं मेसर्स श्रीवास्तव धीसित सेण्टर के प्रति
भी आभार - प्रदर्शन है, जिन्होंने तुरुधिपूर्ण ढंग से कार्य - सम्पादित किया।

दिनांक

फरवरी 9, 1987

इलाहाबाद

कल्पना माधुर

§ कल्पना माधुर §

विषय अनुक्रमणिका

	<u>पृष्ठ-संख्या</u>
पाठकधन	: 1 - iii
सारिणी - सूची	: iv - xiii
मानचित्र - सूची	:
<u>अध्याय</u>	
1. विषय - परिचय एवं अध्ययन का उद्देश्य	: 1- 5
2. क्षेत्र एवं शोध - विधि	: 6- 10
3. परिकल्पना (Hypothesis)	: 11-13
4. न्यादर्श - वितरण (Sample-Distribution)	14- 19
5. उपपत्ति (Findings)	:
अ. शिक्षक महिलायें।	: 20- 102
ब. शिक्षक महिलायें एवं पूर्ण परिवार	: 103- 163
स. शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें	: 164 - 237
द. शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें एवं पूर्ण परिवार	: 238 - 305
6. निष्कर्ष (Conclusions)	: 306 - 320
7. सर्वेक्षण - अनुभव	: 321 - 323
8. नीति हेतु संस्तुतियां	: 324 - 326
9. भविष्य में शोध हेतु संस्तुतियां	: 327 - 328
10. ग्रन्थ संदर्भ - सूची (Bibliography)	: 329 - 340
<u>परिशिष्ट (Appendices)</u>	
अ. इलाहाबाद नगर : आकड़े एवं तथ्य	: 341- 348
ब. प्रश्नावली - पत्रक	: 349-352

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
1.0	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार न्यादर्श का वितरण	15
1.1	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार न्यादर्श का वितरण	16
1.2	शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का वितरण	17
1.3	शिक्षक महिलाओं के कार्यकाल के अनुसार न्यादर्श का वितरण	18
1.4	शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार न्यादर्श का वितरण	19
1.5	शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	20
1.6	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	21
1.7	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	22
1.8	शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	23
1.9	शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति व असहमति	24
2.0	शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विषय में सहमति होने के कारण	25
2.1	शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विषय में असहमत होने के कारण	26
2.2	शिक्षक महिलाओं के मत के अनुसार शिक्षक वर्ग को परिवार नियोजन कार्यक्रम को जनकार्यक्रम बनाने में भूमिका	28
2.3	शिक्षक महिलाओं के अनुसार जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश की स्वीकृति व अस्वीकृति	29
2.4	शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों को जनसंख्या शिक्षा प्रदान करने के विभिन्न शैक्षिक स्तर।	30
2.5	शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन कार्यक्रम को निरूत्साहित करने वाले लोगों को दण्ड की स्वीकृति एवं अस्वीकृति।	31
2.6	शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के सन्दर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श	32
2.7	शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के सन्दर्भ में छात्रों को दिया हुआ परामर्श	33

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
2. 8	शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक स्तर के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श	35
2. 9	शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श	37
3. 0	शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श	38
3. 1	शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक - स्तर के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श	40
3. 2	शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	42
3. 3	शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	43
3. 4	शिक्षक महिलाओं के शैक्षिक स्तर के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	45
3. 5	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु	47
3. 6	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु	49
3. 7	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	51
3. 8	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	53
3. 9	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	55
4. 0	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	57
4. 1	शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार	59
4. 2	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार	61
4. 3	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार	64
4. 4	शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार	66
4. 5	शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार	68
4. 6	शिक्षक महिलाओं के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	70
4. 7	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार का	71

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
4.8	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	73
4.9	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह एवं पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	75
5.0	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह एवं पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	77
5.1	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	79
5.2	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	81
5.3	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	83
5.4	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	85
5.5	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	87
5.6	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	89
5.7	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	91
5.8	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	93
5.9	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	95
6.0	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार चतुसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	97
6.1	शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	99
6.2	शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	101
6.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार छात्रों को दिया गया परामर्श	103
6.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिया गया परामर्श	105

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
6.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिया गया परामर्श	107
6.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिया गया परामर्श	109
6.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	111
6.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिया गया परामर्श	113
6.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु	115
7.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु	117
7.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	119
7.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु	121
7.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	123
7.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु	125
7.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार	127
7.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	129
7.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार	131
7.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार का आकार	133
7.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	135
8.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	137
8.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	139

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
8.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	141
8.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	143
8.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	145
8.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	147
8.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	149
8.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य - जन्म - अन्तराल	151
8.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	153
8.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	155
9.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल	158
9.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	160
9.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल	162
9.3	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	164
9.4	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	166
9.5	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	168
9.6	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	170
9.7	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	173

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
9.8	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	176
9.9	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	178
10.0	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	180
10.1	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	183
10.2	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	185
10.3	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	187
10.4	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	189
10.5	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	191
10.6	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	194
10.7	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	197
10.8	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	200
10.9	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	203
11.0	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	205
11.1	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	208
11.2	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का	210

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
	विभेदात्मक अध्ययन	
11.3	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	213
11.4	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	215
11.5	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	218
11.6	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	221
11.7	शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	223
11.8	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	226
11.9	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	228
12.0	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	231
12.1	शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	234
12.2	शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	236
12.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	238

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
12.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	240
12.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार सम्बन्धियों व मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	242
12.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	245
12.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	247
12.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन	250
12.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	252
13.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन	254
13.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	256
13.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	258
13.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	260
13.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन	262

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
13.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	265
13.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	268
13.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	270
13.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन	272
13.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	274
14.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	277
14.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म- अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	280
14.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	282
14.3	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	284
14.4	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	286
14.5	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	289

सारिणी संख्या	सारिणी का नाम	पृष्ठ संख्या
14.6	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	291
14.7	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	293
14.8	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	296
14.9	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	298
15.0	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	300
15.1	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	302
15.2	पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म- अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन	304
15.3	इलाहाबाद नगर की जनसंख्या वृद्धि 1853-1981	341
15.4	इलाहाबाद नगर एवं जनपद की जनसंख्या वृद्धि	342
15.5	इलाहाबाद की विगत तीन जनगणना वर्षों में जनसंख्या संरचना	343
15.6	इलाहाबाद की ग्रामीण व नगरी जनसंख्या	344
15.7	धर्मानुसार जनपद की जनसंख्या - 1981	345
15.8	जनपद में मान्यता प्राप्त शिक्षा संस्थान	346
15.9	साक्षरता एवं जनसंख्या घनत्व 1981	347
16.0	भारत की कुल जनसंख्या	348

अध्याय - 1

विषय - परिचय एवं अध्ययन का उद्देश्य

(INTRODUCTION AND OBJECT OF THE STUDY)

विषय परिचय

भारत में असीमित जनसंख्या वृद्धि होती जा रही है। यदि इस असीमित वृद्धि पर प्रभावपूर्ण अंकुश नहीं लगाया गया तो यह कहीं तक बढ़ती जायेगी कहना कठिन है। जनसंख्या की समस्या देश और विश्व के सम्मुख उपस्थित अनेक चुनौतियों का अभिन्न अंग है। सीमित साधनों के माध्यम से असीमित जनसंख्या का भरण-पोषण करना असंभव सा है, फिर भी जो कुछ भी साधन उपलब्ध है, उसका अधिकतम प्रयोग एवं उसका लाभ हर नागरिक को प्रदान किया जाय इसके लिए आवश्यक है कि अब लोगों की संख्या में वृद्धि न हो अन्यथा लोगों के समस्त क्रिया कलाप संकुचित एवं अवरोध हो जायेंगे। स्वछन्दता एवं प्राकृतिक सौन्दर्य मात्र कैमरे की लन्ड्री की परिधि एवं छायाकारों के छायांकन में ही सिमित जायेगी। आर्थिक विकास एकदम ठप्प हो जायेगा साथ ही साथ सभी शास्त्रों का मानव कल्याण उद्देश्य समाप्त होता नजर आयेगा जबकि आर्थिक विकास सर्वोत्तम गर्भ निरोधक साधन है, जिसके परिणामस्वरूप व्यक्तियों का जितना अधिक बौद्धिक विकास होगा उतना ही उनके मन में छोटे परिवारों की आकांक्षा उत्पन्न होगी। सन्तति निरोध की प्रक्रिया स्वयमेव प्रचारित प्रसारित होगी। यह निःसन्देह सत्य है, कि हमारे देश में जनसंख्या विस्फोट चल रहा है, जिसके कारण हमारे आर्थिक विकास के लाभ कम हो गये हैं। राष्ट्र का भविष्य और जनसंख्या दोनों मानव कल्याण के लिए प्रश्न चिन्ह से बन गए हैं।

भारत की जनसंख्या सम्बन्धी स्थिति वास्तव में बहुत भयानक है। भारतवर्ष की जनसंख्या 1971 की जनगणना के अनुसार 54.8 करोड़ थी। 1981 की जनगणना के अनुसार यह बढ़कर 68.4 करोड़ हो चुकी है। भारत से अधिक जनसंख्या वाला दुनिया में केवल एक ही देश है और वह है चीन। उत्तरी तथा दक्षिणी अमरीका दोनों की जनसंख्या मिलाकर भी भारत की

जनसंख्या से कम है। वास्तव में पृथ्वी पर लगभग हर सातवाँ व्यक्ति भारतीय है।^x 1941 से लेकर 1971 तक के केवल 30 वर्ष में भारत की जनसंख्या वृद्धि उसकी उस जनसंख्या के बराबर थी जो कि मानव के आदि में 1901 तक भारत में हो पायी थी। 1941 में जनसंख्या 31.9 करोड़ थी जो कि 1971 में 54.8 करोड़ हो गयी और वृद्धि इस प्रकार 22.9 करोड़ हुई। 1901 भारत की कुल जनसंख्या लगभग 23.8 करोड़ थी। 1971-81 के दशक में भारत की जनसंख्या में 13.6 करोड़ वृद्धि हुई। 1971-1981 के दशक में भारत में जनसंख्या की दरउस वृद्धि की दर से लगभग पाँच गुनी है जो वृद्धि की दर भारत में ही वर्तमान शताब्दी के प्रारम्भ में थी। 1971-1981 के दशक में भारत की जनसंख्या की दर दुनियाँ की 1900-1950 की वृद्धि की दर का $2\frac{1}{2}$ गुना रही है।

जनसंख्या वृद्धि की दर केवल जन्म और मृत्यु दर पर ही निर्भर करती है। जन्म दर और मृत्यु दर का शुद्ध शेष ही वृद्धि दर के लगभग बराबर हो जायेगा। जन्म दर तथा मृत्यु दर के तेजी से बढ़ते हुए अन्तर के कारण जनसंख्या की वृद्धि की दर विस्फोटक आकार में बढ़ती रही है जिसके जनसंख्या विस्फोट की स्थिति पैदा हो गयी। अब हमारे सम्मुख प्रश्न है कि प्रजननता क्या है। "प्रजननता" से आशय स्त्रियों द्वारा पैदा किये जाने वाले जीवित शिशुओं की वास्तविक संख्या है। प्रजननता की आधारभूत धारणा एक जनसंख्या की उपलब्धि का वह वास्तविक स्तर है जो वास्तव में होने वाले जीवित शिशु - जन्म की संख्या पर आधारित है। प्रजननता (Fertility) बहुप्रजना (Fecundity) से सर्वथा भिन्न है। बहु प्रजना (Fecundity) स्त्रियों के अधिकतम शिशु पैदा करने की भौतिक

*Population of India & Pakistan - Devis Kingsley

क्षमता को व्यक्त करती है । प्रजनन मूलतः तीन बातों पर निर्भर रहता है वे तीनों निम्नलिखित हैं :-

1. प्रजनन की शक्ति
2. प्रजनन के अवसर
3. प्रजनन सम्बन्धी निर्णय लेना

जो कारक प्रजनन पर प्रभाव डालते हुए दृष्टिगोचर होते हैं वे प्रजनन पर अपना प्रभाव इन तीन प्राथमिक कारकों को प्रभावित करके ही डालते हैं । या तो वे प्रजनन के अवसर प्रदान करते हैं जैसे विवाह की आयु तथा सबका विवाह होना अथवा वे प्रजनन का इरादा बनाने या न बनाने में मदद करते हैं जैसे शिक्षा का स्तर, सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था का असंतोषजनक होना और बच्चों में लड़कों को अधिक महत्व दिया जाना ।

महिलाओं की शिक्षा व प्रतिष्ठा जिस समाज में कम होती है उस समाज में परिवार का आकार भी बड़ा रह सकता है । ऐसे समाज में बहुधा महिलाओं को बच्चा पैदा करने की मशीन समझ लिया जाता है । समाज न उनके कल्याण की चिन्ता करता है और न उनके सुख की । न उसके स्वास्थ्य की और न ही उनके जीवन की । यदि समाज में महिलाएँ शिक्षित हो तो ऐसा समाज उनके ऊपर बहुत सारी प्रसूतियों का भार नहीं डाल सकता । यदि उनकी शिक्षा व प्रतिष्ठा होगी तो उनकी सुविधा उनके सुख उनके स्वास्थ्य और उनके जीवन का महत्व होगा और फिर उनको बहुत सारे बच्चे पैदा करने के लिए विवश नहीं किया जा सकता । इन्हीं विचारों एवं मानव कल्याण के अहम प्रश्नों की उपयोगिता एवं अनिवार्यता को शोध प्रबंध अध्ययन में रखने का प्रयास किया गया है ।

अध्ययन का उद्देश्य

शोध अध्ययन का मूल उद्देश्य इलाहाबाद नगर की शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी विचारों एवं प्रजनन सम्बन्धी स्वयं के परिवार की स्थिति का अध्ययन है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकती हैं। उनके ऊपर न केवल नयी पीढ़ी के निर्माणका दायित्व है, अपितु इनके साथ अपने घर परिवार के सुख एवं समृद्धि का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। शिक्षक महिलाएं जहां प्रजननता के प्रश्न पर आंशिक सहयोग प्रदान कर सकती हैं, वहां अपने गुरुत्तर दायित्व को निभाते हुए इस दिशा में पूर्ण सहयोग प्रदान कर सकती हैं, क्योंकि आज प्रारम्भिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक पाठ्यक्रम में जनसंख्या शिक्षा में समावेश किया जा चुका है। शिक्षा अपने जन्म विकास एवं प्रगति के सभी सोपान परिवार में ही चढ़ने का प्रयास करता है, और ममतामयी माँ के रूप में नारी परिवार का केन्द्र बिन्दु है।

× प्रोधान का विचार था कि जो महिलाएं सामाजिक और बौद्धिक कार्यों में लगी रहती हैं, उनमें मातृत्व की इच्छा भी उतनी प्रबल नहीं रह जाती कून्ज के अनुसार महिलाओं की अधिक शिक्षा व प्रतिष्ठा के साथ-साथ परिवार का आकार घटता है। जो महिलाएं नौकरी करती हैं उनके परिवार निश्चय ही उन महिलाओं से छोटे होते हैं, जो नौकरी नहीं करती। फैल्पस, हैन्डरसन स्वींगलर, कोल, हूबर तथा कून्ज इसी विचार के समर्थक हैं। मत यह है कि जो स्त्री घर में काम करती हैं उसके लिए बच्चे पैदा करना और पालना घर के काम के सम्बन्ध में कठिनाई पैदा नहीं करता। किन्तु उन स्त्रियों के लिए जो घर के बाहर काम करती हैं, अधिक बच्चे पैदा करना और पालना असुविधाजनक हो जात है।^x

अध्ययन का उद्देश्य

शोध अध्ययन का मूल उद्देश्य इलाहाबाद नगर की शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी विचारों एवं प्रजनन सम्बन्धी स्वयं के परिवार की स्थिति का अध्ययन है। शिक्षा के क्षेत्र में कार्य करने वाली महिलाएं इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकती हैं। उनके अपर न केवल नयी पीढ़ी के निर्माणका दायित्व है, अपितु इनके साथ अपने घर परिवार के सुख एवं समृद्धि का प्रश्न भी जुड़ा हुआ है। शिक्षक महिलाएं जहां प्रजननता के प्रश्न पर आंशिक सहयोग प्रदान कर सकती हैं, वहां अपने गुल्तर दायित्व को निभाते हुए इस दिशा में पूर्ण सहयोग प्रदान कर सकती हैं, क्योंकि आज प्रारम्भिक स्तर से लेकर उच्च स्तर तक पाठ्यक्रम में जनसंख्या शिक्षा में समावेश किया जा चुका है। शिक्षा अपने जन्म विकास एवं प्रगति के सभी सोपान परिवार में ही चढ़ने का प्रयास करता है, और ममतामयी माँ के रूप में नारी परिवार का केन्द्र बिन्दु है।

* प्रोधान का विचार था कि जो महिलाएं सामाजिक और बौद्धिक कार्यों में लगी रहती हैं, उनमें मातृत्व की इच्छा भी उतनी प्रबल नहीं रह जाती। कून्ज के अनुसार महिलाओं की अधिक शिक्षा व प्रतिष्ठा के साथ-साथ परिवार का आकार घटता है। जो महिलाएं नौकरी करती हैं उनके परिवार निश्चय ही उन महिलाओं से छोटे होते हैं, जो नौकरी नहीं करती। फैल्स , हैन्डरसन , स्वींगलर, कोल , हूबर तथा कून्ज इसी विचार के समर्थक हैं। मत यह है कि जो स्त्री घर में काम करती हैं उसके लिए बच्चे पैदा करना और पालना घर के काम के सम्बन्ध में कठिनाई पैदा नहीं करता। किन्तु उन स्त्रियों के लिए जो घर के बाहर काम करती हैं, अधिक बच्चे पैदा करना और पालना असुविधाजनक हो जाता है।*

डा० अनूप दत्त शर्मा " भारत में अत्यन्त उंची जन्म दर कारण और निवारण "

शिक्षक महिलाएं छोटे एवं सुखी परिवार की संकल्पना का मूर्ति रूप देते हुए बालक एवं बालिकाओं के व्यक्तित्व सर्वांगीण विकास में अपना सार्थक सहयोग प्रदान करेगीं । निर्विवाद रूप से इस सत्य को सिद्ध करने हेतु ही मैंने अपनी शोध विषय का शीर्षक " शिक्षक महिलाएं और प्रजननता " चुना है ।

अध्याय - 2

क्षेत्र एवं शोध - विधि

(PREMISES AND METHODOLOGY)

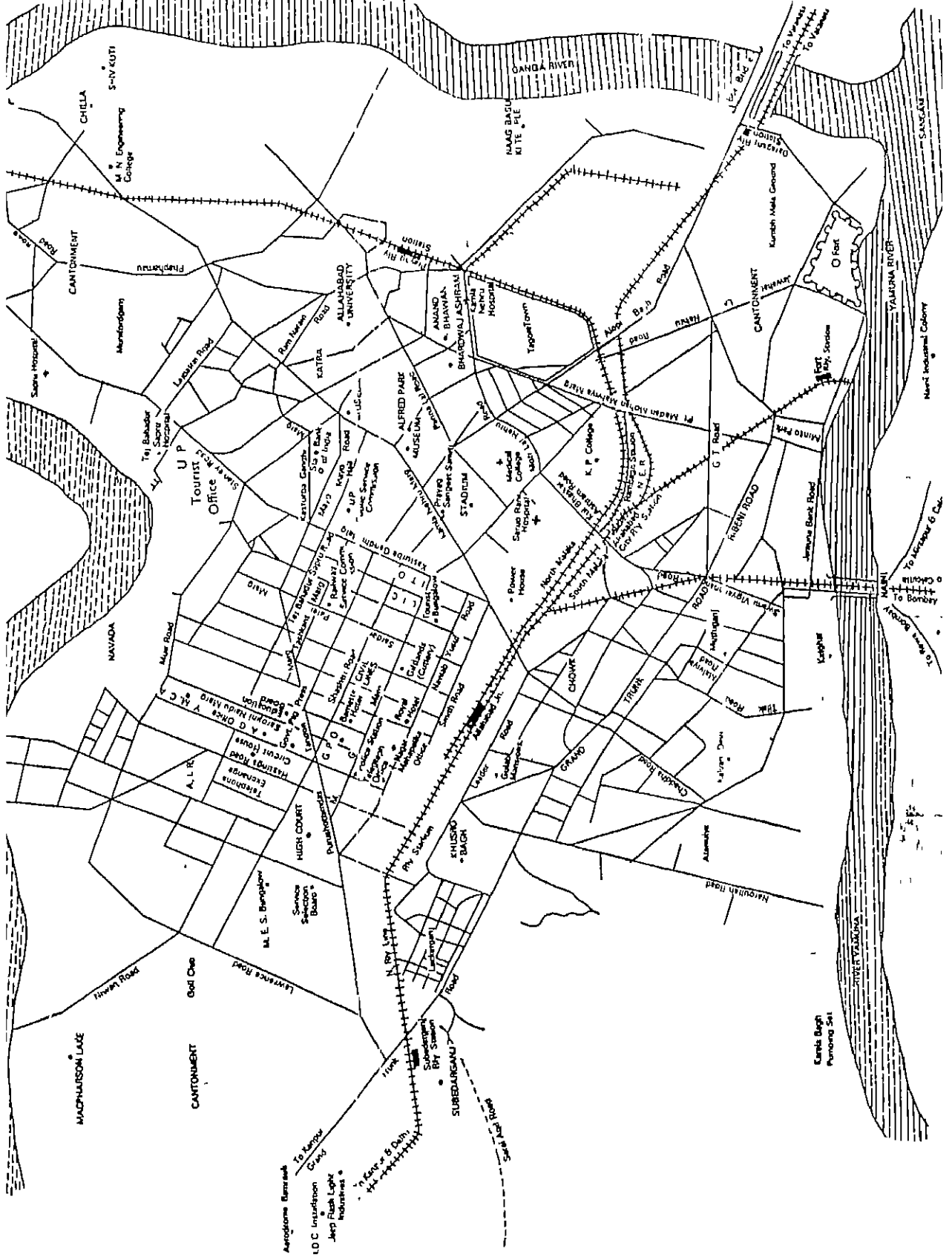
शोध क्षेत्र

प्रस्तुत शोध " शिक्षक महिलायें और प्रजननता " का अध्ययन है। इलाहाबाद नगर के संदर्भ में होने के कारण मनुष्य के प्रजननता - व्यवहार एवं मानवीय निर्णय के साथ शोध उपोदयता की अभिव्यक्ति है।

इलाहाबाद जिले का मुख्यालय एवं सबसे बड़ा नगर है। यह गंगा यमुना के संगम पर बसा है। इसे तीर्थराज प्रयाग भी कहते हैं। प्राचीन काल में यहाँ गंगा यमुना और सरस्वती नदियाँ मिलती थी। इन तीन नदियों के मिलने के कारण ही इसका संगम स्थल " त्रिवेणी " कहलाता है। सरस्वती नदी अब लुप्त हो चुकी है गंगा यमुना नदी के संगम एवं अदृश्य सरस्वती के आंचल में प्रकृति द्वारा बसाया गया यह नगर $25^{\circ}22^{\circ}$ एवं $25^{\circ}30^{\circ}$ उत्तरी आक्षांस तथा $81^{\circ}45^{\circ}$ एवं $81^{\circ}55^{\circ}$ पूर्वी देशान्तर रेखा पर स्थित है। 7261 वर्ग किमी के विस्तृत क्षेत्र में फैला हुआ यह नगर आकार की दृष्टि से प्रदेश में नवें स्थान पर है। सामान्यतः जलवायु जाड़े में अधिक ठंड एवं गर्मी में अधिक गर्मी पड़ती है। नगर की सामान्य वर्षा 976 मिली तथा उच्चतम तापमान 46.7 सेन्टीग्रेट एवं न्यूनतम तापमान 5.2 सेन्टीग्रेट * अंकित की गयी है।

नगर की यातायात एवं परिवहन संचार व्यवस्था उन्नतशील है। इलाहाबाद उत्तर मध्य एवं पूर्वोत्तर रेलवे का महत्वपूर्ण जंक्शन है। उत्तर की ओर फैजाबाद, उत्तर पूर्व की ओर जौनपुर धारापत्ती, पूर्व की ओर हावड़ा, पश्चिम की ओर दिल्ली एवं उत्तर पश्चिम की ओर रायबरेली, लखनऊ भारतीय रेल इलाहाबाद को जोड़ती है। मध्य रेलवे इलाहाबाद को बम्बई से एवं पूर्वोत्तर

* सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद इलाहाबाद, 1984, राज्य नियोजन संस्थान अर्थ एवं संख्या प्रभाग, 30 पृ०



MADHANSOM LAKE

CANTONMENT

CHILLA

M. N. Engineering College

Munabudgam

Supre Hospital

UP Tourist Office

NAVADA

ALLIANCE

God One

CANTONMENT

Phapnau

Trilokya Nagar

UP

Muse Road

HIGH COURT

Madhusudan

CANTONMENT

Laurel Road

Ram Narain

UP

UP

UP

UP

UP

ALLAHABAD UNIVERSITY

KATRA

UP

UP

UP

UP

UP

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

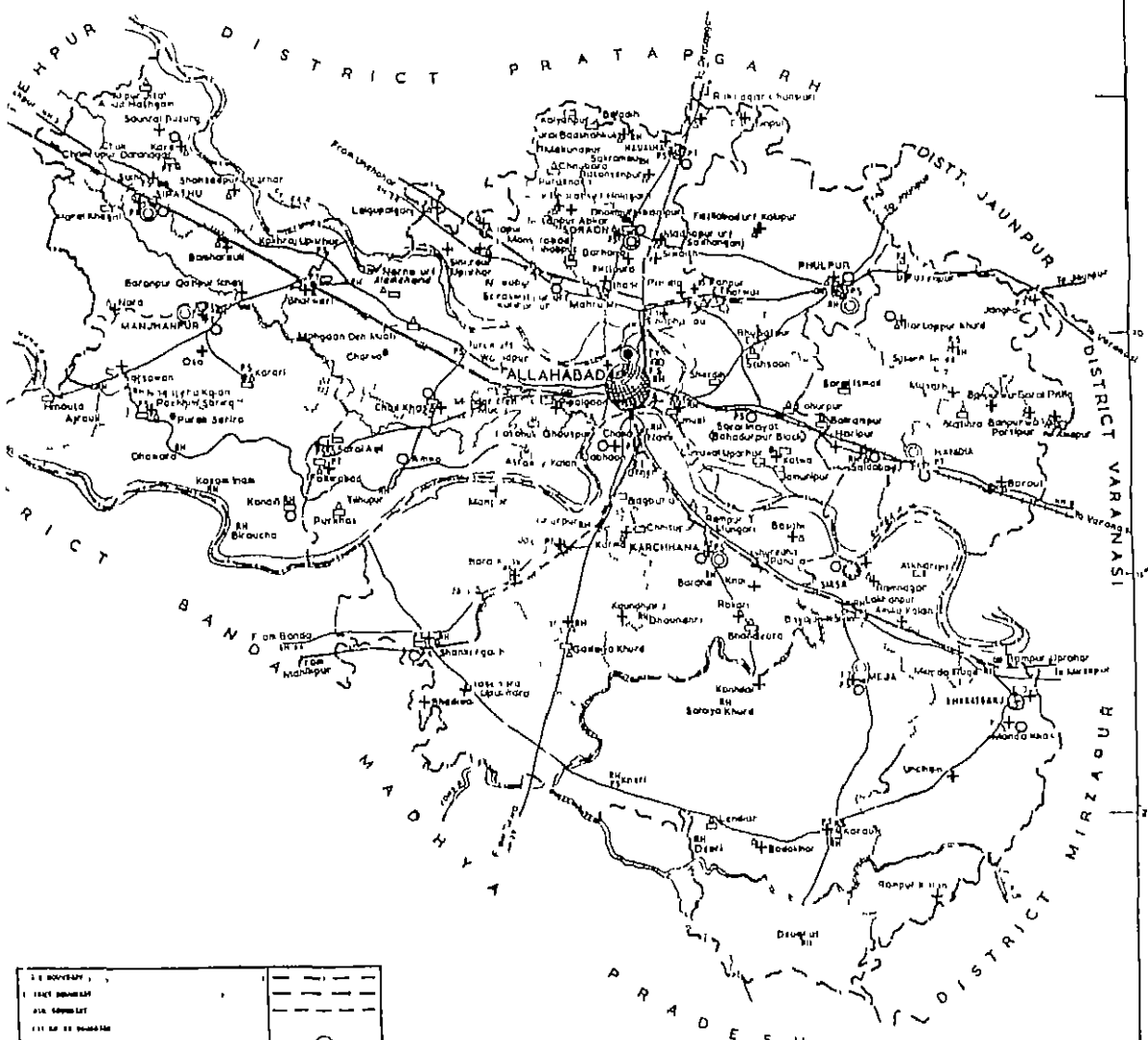
ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

ALLAHABAD UNIVERSITY

DISTRICT ALLAHABAD

5 10 15 20 25



1. BOUNDARY	---
2. RAILWAY	—+—+—+—+—
3. ROAD	—+—+—+—+—
4. CANAL	—+—+—+—+—
5. RIVER	—+—+—+—+—
6. TOWN	○
7. VILLAGE	●
8. TEMPLE	⊕
9. MATH	⊙
10. DARGAH	⊕
11. MOSQUE	⊙
12. CHURCH	⊕
13. HINDU TEMPLE	⊕
14. ISLAMIC TEMPLE	⊙
15. JAIN TEMPLE	⊕
16. BUDDHIST TEMPLE	⊙
17. CHRISTIAN TEMPLE	⊕
18. OTHER TEMPLE	⊙
19. TEMPLE	⊕
20. TEMPLE	⊙



Name of the Tahsil	Area in km ²	Population	No of Villages	No of Towns
WALIA	801.2	218,756	773	—
BEHMANPUR	769.3	226,982	318	—
CHINA	800.7	199,110	368	7
SARAW	881.8	19,634	436	1
PARUPUR	749.8	130,377	568	1
HANDIA	771.3	350,893	632	—
PARCHHANA	679.6	316,278	671	—
M. I. A.	7,586.5	11,77,751	679	2
TOTAL	12,116.2	7,046,728	5,986	8

रेलवे , इलाहाबाद के रामबाग रेलवे स्टेशन को वाराणसी से जोड़ती है। भारत के वायु मानचित्र में इलाहाबाद भी अंकित है, जिसका बमरौली हवाई अड्डा सैनिक एवं असैनिक दोनों दृष्टिकोणों से महत्वपूर्ण है । नगर के दर्शनीय स्थल जिसमें स्लफ्रेड पार्क ,जवाहर प्लेनेटेरियम, भारद्वाज आश्रम , नरायण आश्रम , बड़े हनुमान जी का मंदिर , नागबासुकी का मंदिर , अलोपी देवी का मंदिर, किला, खुसबूबाग, आन्नद भवन, नेहरू बाल भवन, हाईकोर्ट देखने योग्य है ।

शैक्षिक जगत में इलाहाबाद का अपना विशिष्ट स्थान रहा है । साहित्य संगीत एवं कला के क्षेत्र में अग्रणी यह नगर क्रान्ति का प्रतीक माना जाता है । नगर की साक्षरता में भी वृद्धि हुई है। नगर की गौरवमयी परम्परा को स्थापित किये हुए यह नगर विभिन्न शैक्षिक एवं शोध अनुसन्धानों से युक्त है , जहाँ एक विश्वविद्यालय , 13 महाविद्यालय , 1 इंजीनियरिंग कालेज , 1 मेडिकल कालेज , 1 पॉलीटेक्नीक , 1 एग्रीकल्चरल इंस्टीट्यूट , 53 हाईस्कूल एवं इंटरमीडियेट कालेज जिसमें 24 बालिकाओं के एवं बड़ी संख्या में विभिन्न शैक्षिक स्तर के विद्यालय हैं *

राष्ट्रभाषा हिन्दी का प्रचार करने में संलग्न हिन्दी साहित्य सम्मेलन भी अपना अमूल्य योगदान दे रहा है । विद्वानों , कवियों, तथा साहित्यकारों की अटूट परम्परा नगर के गौरव में वृद्धि करती रही है । नगर क्षेत्र में कुमारिल भट्ट तथा शंकराचार्य की वापी ने अपना प्रभाव दिखाया और सूर्यकान्त त्रिपाठी "निराला" , सुमित्रा नन्दन पन्त तथा महादेवी वर्मा जैसे सरस्वती के अमर गायकों की त्रिवेणी का भी स्थल बनाया ।

इलाहाबाद नगर का राजनैतिक महत्त्व भी कम नहीं है, प्रियदर्शि सम्राट अशोक ने कौशाम्बी में ही अपना शिलालेख खुदवाया था, बाद में इसे वहाँ से लाकर इलाहाबाद के किले में स्थापित किया गया । किले का निर्माण अकबर

* सांख्यिकीय पत्रिका , जनपद इलाहाबाद, 1984 राज्य नियोजन संस्थान

ने करवाया था । इस किले में स्थित अक्षयवट, अशोक स्तम्भ आदि प्राचीनता का बोध कराते है । नगर का ऐतिहासिक स्थल सुसुखाग है । यह नगर देश के स्वतन्त्रता संघर्ष का महत्वपूर्ण स्थल रहा है । पं० मोती लाल नेहरू , महामना मदनमोहन मालवीय , राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन , पं० जवाहर लाल नेहरू तथा अन्य स्वतन्त्रता सेनानियो ने नगर को केन्द्र बनाकर स्वतन्त्रता आन्दोलन का संचालन किया । देश को पं० जवाहर लाल नेहरू , श्री लाल बहादुर शास्त्री और इन्दिरा गाँधी के रूप में प्रधानमंत्री देने वाला इलाहाबाद नगर ही है ।

शोध विधि

शोध विषय शिक्षक महिलायें और प्रजननता को इलाहाबाद नगर के संदर्भ में अध्ययन किया जायेगा । इलाहाबाद नगर के विभिन्न शैक्षिक स्तरीय विद्यालयों , माध्यमिक विद्यालयों एवं महाविद्यालयों की महिला अध्यापिकाओं की प्रजननता व्यवहार का अनुभवगम्य अध्ययन होगा । अनुभवगम्य अध्ययन में महत्वपूर्ण रूप से वैचारिक अध्ययन एवं परिकल्पनाओं का वास्तविक सर्वेक्षण धरातल पर अध्ययन महत्वपूर्ण है । वैचारिक अध्ययन में अध्ययन हेतु पुस्तकालय कार्य, विभिन्न विद्वानों चिन्तकों एवं अर्थशास्त्रियों के विचारों का अध्ययन होगा जो निश्चित रूप से शोध परिकल्पनाओं को दिशा निर्देशित करते हुए प्रत्यक्षतः सर्वेक्षण विधि द्वारा वास्तविकता परीक्षण हेतु प्रेरित करेंगे ।

शोध सम्बन्धी तथ्यों की खोज के लिए अनुसंधान की विभिन्न पद्धतियों में से प्रश्नावली पद्धति का चुनाव किया ।

प्रश्नावली पद्धति में विशेष प्रयोजन से निर्मित प्रश्नों की एक व्यवस्थित तालिका होती है , जिसके द्वारा विषय वस्तु से सम्बन्धित सूचनाएं प्राप्त करने में सहायता प्राप्त होती है । इस आधार पर यह कह सकते है , प्रश्नावली तथ्यों को एकत्रित करने का उचित माध्यम है ।

शोध अध्ययन में संरचित प्रश्नावली का प्रयोग किया गया है । जिसमें

अनुसंधान से पूर्व ही प्रश्नावली का निर्माण किया और कुछ प्रश्नावलियों पायलेट सर्वे के द्वारा भरवाई गयी उनकी भरी हुयी प्रश्नावली द्वारा प्राप्त उत्तरों के सत्य प्रमाणित होने पर उसी प्रकार 855 प्रश्नावली विभिन्न शिक्षण संस्थाओं के मान्यता प्राप्त विद्यालयों से भरवाई गयी । प्रयोग की गयी प्रश्नावली मिश्रित प्रश्नावली है जो कि प्रतिबन्धित प्रश्नावली जिसमें प्रत्येक प्रश्न के सम्मुख उनके संभावित उत्तर दिए रहते हैं उत्तरदाता इसी में से अपने उत्तर का चुनाव करता है , जिसके परिणाम स्वरूप प्राप्त सामग्री के वर्गीकरण में सुविधा रहती है , और वर्गों का विभाजन भी पूर्व निश्चित रहता है । अप्रतिबन्धित प्रश्नावली के अन्तर्गत शीर्षक सम्बन्धी विचारों आदि को उत्तरदाता स्वतन्त्र रूप से व्यक्त कर सकता है । अतः मिश्रित प्रश्नावली सर्वेक्षण द्वारा अधिक सत्य तथ्यों की प्राप्ति हुयी ।

प्रश्नावली निर्माण तथा उसके प्रयोग के पश्चात् सैम्पल का चुनाव किया गया जिसमें मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची प्राप्त की गयी , इसके बाद प्रत्येक विद्यालय की पंजिका में वर्णानुसार रैन्डम सैम्पल पद्धति की लाटरी विधि द्वारा सैम्पल का चुनाव किया गया । रैन्डम पद्धति के अन्तर्गत चुनाव करने वाला स्वेच्छा से किसी इकाई का चुनाव कर सकता संयोग तथा अवसर से जो इकाई निर्देशन में स्थान प्राप्त करती है, उसी का अध्ययन किया जाता है प्रस्तुत अनुसंधान में 20% का सैम्पल लिया गया । लाटरी विधि द्वारा वर्णानुसार लिखी गयी समग्र की सभी इकाईयों को छोटे -2 कागज पर लिख कर उनकी गोलियों बना ली गयी फिर प्रत्येक में से प्रतिदर्श की इकाई 20% के अनुसार कागज की उतनी गोलियों को निकाल लिया।

प्रतिदर्श चुनाव के बाद सारणीयन किया जिसमे वर्गीकरण के माध्यम से बिखरी हुयी संकलित सामग्री को एक व्यवस्थित रूप दिया गया । इस प्रकार सारणीयन के द्वारा शोध सामग्री को व्यवस्थित करने के पश्चात् उसकी व्याख्या की और अन्त में की गयी व्याख्या के आधार पर शोध के निष्कर्ष निकाले । शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के साथ - साथ एक तुलनात्मक अध्ययन हेतु नगर

की कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं का भी अध्ययन होगा जो शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार में वास्तविक एवं अपेक्षित परिवर्तन का सूचक होगा ।

अध्याय - 3

* परिकल्पना *

(HYPOTHESIS)

परिकल्पना

शोध समस्या , शिक्षक महिलायें और प्रजननता को इलाहाबाद नगर के संदर्भ में अध्ययन किया जायेगा । इसके लिए द्वितीयक आँकड़ों के साथ -2 प्राथमिक समंको के द्वारा अध्ययन धरातल निर्मित होगा । परिकल्पनाओं के परीक्षण हेतु सर्वेक्षण विधि में अनुसूची - प्रश्नावली पत्रक का आश्रय लेना पड़ेगा । इसके लिए हम सर्वप्रथम एक Tentative प्रायोगिक पत्रक , विभिन्न पुस्तकों व शोध अनुसन्धान की सहायता से बनायेगे तत्पश्चात् कुछ शिक्षक महिलाओं से उन्हें पूरित करवायेगे , उसमें हम देखेंगे कि उन्हें आसानी व सफलतापूर्वक भरने में जो कमियाँ हमें दृष्टिगोचर होंगी उनका सुधार करके प्रश्नावली पत्रक बनायेगे ।

परिकल्पना के निर्माण के लिए अर्थशास्त्रियों , समाजशास्त्रियों एवं वैज्ञानिकों के विचारों एवं स्वयं शोधकर्ता के चिन्तन मनन विभिन्न पुस्तकालयों, पाय्लेट सर्वेक्षण के द्वारा परिकल्पना बनायी गयी है ।

विभिन्न पुस्तकालयों में विभागीय पुस्तकालय, अर्थशास्त्र विभाग , इलाहाबाद विश्वविद्यालय, केन्द्रीय पुस्तकालय, राज्य केन्द्रीय पुस्तकालय जनसंख्या केन्द्र, लखनऊ से सम्बन्धित अध्ययन किया गया है । पुस्तकालय कार्य के साथ विभिन्न विद्वानों के सम्बन्धित कार्यों का अध्ययन किया गया है जिसमें महत्वपूर्ण रूप से जार्ज डब्लू . बर्कले, डेविस किंग्सले , कुमुदिनी डाडिकर, प्रो० एस० एन० अग्रवाल , एम०सी० श्रीवास्तव , डेविड एम० हीर, ग्रनार मिर्डल, विलियम पिटर्सन, माल्पस, चन्द्रशेखर और चन्द्रशेखरन , हैन्डरसन , कारसौर्न्डस आदि है ।

विभिन्न तीन चरणों की शोध प्रक्रिया से आगे बढ़ने पर परिकल्पनाओं का निर्माण हुआ, जिसका परीक्षण इलाहाबाद नगर में किया जायेगा । ये परिकल्पना इस प्रकार है --

1. शिक्षा के स्तर में बृद्धि होने के साथ प्रजननता घटती है । इस प्रकार शिक्षा तथा प्रजनन दर में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है ।
2. शैक्षिक स्तर एवं विवाह की आयु में प्रत्यक्ष सम्बन्ध है, जिनके कारण प्रजननता प्रभावित रहती है ।
3. विवाह के समय आयु एवं प्रजननता में गुणात्मक एवं प्रत्यक्ष सम्बन्ध है ।
4. दहेज की वजह से विवाह की आयु बढ़ती है ।
5. रहन सहन का स्तर एवं प्रजननता में प्रत्यक्ष सम्बन्ध होता है ।
6. व्यवसायिक संरचना प्रजननता को प्रभावित करती है ।
7. अधिकांशतः जनसंख्या के ग्रामीण होने से लोगों में अंधविश्वास, रुढ़िवादिता धर्मान्धता एवं भाग्यवाद की परम्परायें लोगों में व्याप्त है ।
8. विभिन्न धर्मों में प्रजननता के प्रति विभिन्न धारणाएँ पायी जाती हैं। हिन्दू धर्म में परिवार नियोजन भी सहमति तथा इस्लाम धर्म में असहमति पायी जाती है । स्वैच्छिक संस्थाएँ परिवार नियोजन के क्षेत्र में विशेष भूमिका निभा सकती हैं ।
9. शिक्षक महिलायें समाज में आदर्श वर्ग की श्रेणी में आती हैं ।
10. शिक्षक महिलाओं के विचारों का विद्यार्थियों, सहकर्मियों एवं अन्य सम्बन्धित लोगों पर प्रभाव पड़ता है ।
11. शिक्षक वर्ग का अत्याधिक समाजिक सम्पर्क होने के कारण जनसमुदाय पर एवं विशेषकर छात्र एवं छात्राओं एवं महिलाओं पर अत्यधिक प्रभाव पड़ता है ।
12. समाज में एवं विशेषकर शिक्षिकाओं में परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने का कारण शिक्षा, अर्थिक, बच्चों का उचित पालन पोषण एवं महिलाओं का कल्याण है ।

13. जनसंख्या शिक्षा से परिवार नियोजन को प्रोत्साहन मिला है ।
14. शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है
15. प्रजनन मूलर तीन बातों पर निर्भर होता है
 1. प्रजनन की शक्ति
 2. प्रजनन के अवसर
 3. प्रजनन सम्बन्धी निर्णय लेना
16. औद्योगिकरण एवं नगरीकरण प्रजननता को प्रभावित करती है
17. लड़कों को समाज में अधिक महत्व दिये जाने के कारण प्रजननता बढ़ती है।

13. जनसंख्या शिक्षा से परिवार नियोजन को प्रोत्साहन मिला है ।
14. शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है
15. प्रजनन मूलर तीन बातों पर निर्भर होता है
 1. प्रजनन की शक्ति
 2. प्रजनन के अवसर
 3. प्रजनन सम्बन्धी निर्णय लेना
16. औद्योगिकरण एवं नगरीकरण प्रजननता को प्रभावित करती है
17. लड़कों को समाज में अधिक महत्व दिये जाने के कारण प्रजननता बढ़ती है।

अध्याय - 4

न्यादर्श - वितरण

(SAMPLE-DISTRIBUTION)

न्यादर्श - वितरण

हमने इस अध्ययन के लिए 20 X न्यादर्श लिया । इसके लिए शिक्षा निदेशक के कार्यालय से मान्यता प्राप्त विद्यालयों की सूची प्राप्त करके हमने न्यादर्श लिया । हमने विभिन्न चरों के अनुसार न्यादर्श का वितरण किया है ।

ये विभिन्न चर निम्न हैं :-

शैक्षिक स्तर

आयु वर्ग

धर्म

विवाह के समय आयु

कार्यकाल का विवरण

सारिणी संख्या 1.0

आयु वर्ग के अनुसार न्यादर्श का वितरण

आयु वर्ग	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
18 - 20	17	1.99
20 - 25	67	6.84
25 - 40	469	54.85
40 - 50	218	25.50
50 से अधिक	82	9.59
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.0 में आयु-वर्ग के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। आयु वर्ग के अनुसार न्यादर्श के वितरण में शिक्षक महिलायें की आयु को पाँच वर्गों में विभक्त किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में शिक्षक महिलाओं की कुल संख्या 855 है, जिसमें 18-20 आयु वर्ग में 17 {1.99%}, 20-25 आयु वर्ग में 67 {7.84%}, 25-40 आयु वर्ग में 469 {54.85%}, 40-50 आयु वर्ग में 218 {25.50%}, एवं 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें की संख्या 82 {9.59%} हैं।

उपर्युक्त सारिणी से स्पष्ट है, कि 25-40 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 469 {54.85%} रही तथा {18-20} वर्ष की आयु में न्यूनतम रही।

सारणी संख्या 1.।

शैक्षिक स्तर के अनुसार न्यादर्श का वितरण

शैक्षिक स्तर	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
जूनियर हाई स्कूल	6	0.6
इण्टरमीडियेट	157	18.4
स्नातक	256	29.9
स्नातकोत्तर	421	49.2
डी०फिल० एवं अन्य	15	1.8
योग	855	100.0

सारणी संख्या 1.। में शैक्षिक स्तर के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श के वितरण में विभिन्न शैक्षिक स्तर को पाँच स्तरों जूनियर हाई स्कूल, इण्टरमीडियेट, स्नातक, स्नातकोत्तर एवं डी०फिल० स्तर में विभक्त किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें जूनियर हाई-स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं की संख्या 6, {0.6%}, इण्टरमीडियेट 157, {18.4%}, स्नातक 256, {29.9%}, स्नातकोत्तर 421, {49.2%}, एवं डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं की संख्या 15, {1.8%} है।

सारणी से स्पष्ट है, कि सर्वाधिक 421, {49.2%} शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर हैं, लेकिन सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलायें की संख्या 15, {1.8%} है। सर्वाधिक निम्न शैक्षिक स्तरीय मात्र 6 {0.6%}, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षिकायें हैं।

सारिणी संख्या 1.2

शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श
का वितरण

विवाह की आयु ४ वर्ष में ४	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
15 वर्ष से नीचे	31	3.62
15 - 18	148	17.31
18 - 21	141	16.49
21 - 25	227	26.55
25 - 30	119	13.92
30 वर्ष से अधिक	22	2.57
अविवाहित	167	19.53
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.2 में शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु के अनुसार न्यादर्श का विवरण प्रदर्शित है। 15 वर्ष से नीचे विवाह की आयु की शिक्षक महिलायें 31 [3.62%], 15-18 वर्ष की 148 [17.31%], 18-21 वर्ष की 141 [16.49%], 21-25 वर्ष की 227 [26.55%], 25-30 वर्ष की 119 [13.92%], 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु वाली शिक्षक महिलायें 22 [2.57%] तथा अविवाहित शिक्षक महिलायें 167 [19.53%] हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष तथा सबसे कम 30 वर्ष से अधिक है।

सारिणी संख्या 1.3

कार्य - काल के अनुसार न्यादर्श का वितरण

कार्य-काल का विवरण	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
0 - 5	195	22.8
5 - 10	119	13.98
10 - 15	200	23.39
15 - 20	171	20.00
20 वर्ष से अधिक	170	19.99

सारिणी संख्या 1.3 में कार्य-काल के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। कार्य-काल के अनुसार न्यादर्श के वितरण में कार्य-काल को पाँच वर्ग अन्तरालों में विभाजित किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं। 0-5 वर्ष की कार्य-काल की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या 195 {22.8%}, 5-10 वर्ष की कार्य-काल की अवधि में 119 {13.98%}, 10-15 वर्ष की अवधि में 200 {23.39%}, 15-20 वर्ष की कार्य-काल की अवधि में 171 {20.00%}, 20 वर्ष से अधिक कार्य-काल की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या 170 {19.99%} है।

अतः 10-15 वर्ष की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या सबसे अधिक 200 {23.39%} तत्पश्चात् 0-5 वर्ष की कार्य-काल की अवधि 195 {22.8%}, 15-20 वर्ष की अवधि में 171, 20 वर्ष से अधिक कार्य-काल की अवधि में 170 तथा सबसे कम 5-10 वर्ष की अवधि में शिक्षक महिलाएँ की संख्या 119 {13.98%} है।

सारिणी संख्या 1.4

धर्म के अनुसार न्यादर्श का वितरण

धर्म	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हिन्दू	724	84.68
मुसलमान	68	7.96
ईसाई	37	4.32
सिक्ख	21	2.45
अन्य	5	0.59
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.4 में धर्म के अनुसार न्यादर्श का वितरण प्रदर्शित है। धर्म के अनुसार न्यादर्श के वितरण में धर्म को पाँच भागों, हिन्दू, मुसलमान, ईसाई, सिक्ख, एवं अन्य धर्म में विभाजित किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें से 724 {84.68%} हिन्दू, 68 {07.96%} मुसलमान, 37 {04.32%} ईसाई, 21 {02.45%} सिक्ख, 5 {0.59%} अन्य {जिसमें पिछड़ी जाति व नीची जाति} की शिक्षक महिलाएँ हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ हिन्दू 724 {84.68%} तत्पश्चात् 68 {07.96%} शिक्षक महिलाएँ मुसलमान, 37 {04.32%} ईसाई, 21 {02.45%} सिक्ख न्यूनतम शिक्षक महिलाएँ 5 {0.59%} अन्य धर्म की हैं।

अध्याय - 5

उपपत्ति

(FINDINGS)

- ॥अ॥ शिक्षक महिलायें
- ॥ब॥ शिक्षक महिलायें एवं पूर्ण परिवार
- ॥स॥ शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें
- ॥द॥ शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें - पूर्ण परिवार

सारिणी संख्या 1.5

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विषय में सहमति तथा
असहमति

परिवार नियोजन के विषय में विचार	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
सहमत	846	98.95
असहमत	9	1.05
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 1.5 में शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विषय में सहमति तथा असहमति का अध्ययन किया गया है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 846 { 98.95% } शिक्षक महिलाएँ सहमत तथा मात्र 9 { 1.05% } असहमत हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि परिवार नियोजन के विचार से अधिकांश शिक्षक महिलाएँ सहमत तथा बहुत कम शिक्षक महिलाएँ असहमत हैं, इनके असहमत होने का कारण सम्भवतः उनका धर्म ही सकता है।

सारिणी संख्या 1.6

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

आयु-वर्ग	वैचारिक सहमति	सहमत	असहमत	योग
20-30		222॥25.96॥ 100.00	-	222॥25.96॥ 100.00
30-40		326॥38.13॥ 99.69	1॥0.12॥ 0.31	327॥38.25॥ 100.00
40-50		220॥25.73॥ 98.65	3॥0.35॥ 1.35	223॥26.08॥ 100.00
50-60		78॥9.12॥ 93.98	5॥0.58॥ 6.02	83॥9.71॥ 100.00
योग		846॥98.95॥	9॥1.05॥	855॥100%॥

सारिणी संख्या 1.6 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति प्रदर्शित है। 20-30 आयु वर्ग में शत प्रतिशत शिक्षक महिलायें सहमत, 30-40 आयु वर्ग में 99.7% सहमत, 40-50 में 97%, 50-60 में सबसे कम 94% सहमत है, असहमत होने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 1% है जिसमें 65% 50-60 आयु वर्ग की है तथा 20-30 आयु वर्ग में कोई भी महिला असहमत नहीं है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैचारिक सहमति	सहमत	असहमत	योग
शिक्षा			
जूनियर हाई स्कूल	4१०.47१ 66.67	2१०.23१ 33.33	6१०.70१ 100.00
हाई स्कूल	48१5.61१ 94.12	3१०.35१ 5.88	51१5.96१ 100.00
इण्टर मीडिएट	104१12.16१ 98.11	2१०.23१ 1.89	106१12.39१ 100.00
स्नातक	255१29.82१ 99.61	1१०.12१ 0.39	256१29.94१ 100.00
स्नातकोत्तर	420१49.12१ 99.76	1१०.12१ 0.24	421१49.24१ 100.00
डी० फिल०	15१1.75१ 100.00	-	15१1.75१ 100.00
योग	846१98.95१	9१1.05१	855१100%

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा स्तर के अनुसार परिवार नियोजनके विषय में उनकी सहमति एवं असहमति को देखने पर उपर्युक्त सारिणी से स्पष्ट होता है कि, 99% विभिन्न धर्मानुयायी शिक्षक महिलाये परिवार नियोजन के विचार से सहमत है। सारिणी से स्पष्ट है कि स्नातक स्तर से अधिक शिक्षितों में शत प्रतिशत एवं उससे नीचे क्रमशः सहमत स्तर गिरा है। असहमतों में शिक्षित महिलाये अधिक है। यद्यपि उनकी अधिकता की महत्ता अत्यधिक नहीं है फिर भी नगण्य नहीं कहा जा सकता।

सारिणी संख्या 1 8

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

वैवाहिक स्थिति	वैचारिक सहमति		योग
	सहमत	असहमत	
विवाहित	667 78.01 99.26	5 0.58 0.74	672 78.57 100.00
अविवाहित	167 19.53 100.00	-	167 19.53 100.00
विधवा	9 1.05 66.67	3 0.35 25.00	12 1.40 100.00
परित्यक्ता	3 0.35 75.00	1 0.12 25.00	4 0.47 100.00
योग	846 98.95	9 1.05	855 100.00

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार नियोजन के विचार से उनकी सहमति एवं असहमति देखने पर समस्त 99% सहमत शिक्षक महिलाओं में अविवाहितों में शत प्रतिशत एवं विवाहितों में 99.26% सहमति देखी गयी। 12 1.40% विधवा में 3 एवं 4 0.47% परित्यक्ता में मात्र 1 शिक्षक महिला परिवार नियोजन के विचार से सहमत नहीं है। समस्त 9 1.05% असहमत शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 5 0.58% विवाहित है।

शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार नियोजन के विषय में सहमति एवं असहमति

धर्म	वैचारिक सहमति सहमत	असहमत	योग
हिन्दू	723१४. 56१ 99. 86	1१0. 12१ 0. 14	724१४. 68१ 100. 00
मुसलमान	63१७. 37१ 92. 65	5१0. 58१ 7. 35	68१७. 96१ 100. 00
ईसाई	37१४. 33१ 100. 00	-	37१४. 32१ 100. 00
सिक्ख	20१२. 34१ 95. 24	1१0. 12१ 4. 76	21१२. 45१ 100. 00
अन्य	3१०. 35१ 60. 00	2१०. 23१ 40. 00	5१०. 59१ 100. 00
योग	846१९8. 95१	9११. 05१	855 (1००%)

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन के सम्बन्ध में उनके वैचारिक सहमति को देखने पर उपर्युक्त सारिणी से स्पष्ट होता है कि विभिन्न कार्यों में लगभग 99% शिक्षक महिलायें परिवार नियोजन के विचार से सहमत हैं। सहमत होने वालों में हिन्दू एवं ईसाई धर्म के शत प्रतिशत एवं इस्लाम धर्म के लगभग 93%, एवं सिक्ख धर्म के 95% शिक्षक महिलाये हैं।

समस्त 855 शिक्षक महिलाओं में मात्र १.05% महिलाये सहमत नहीं है जो कि किसी विशेष निष्कर्ष पर हमें नहीं ले जाती। हाँ इतना अवश्य है कि इन असहमत होने वालों में इस्लाम धर्मानुयायी शिक्षक महिलायें अपेक्षाकृत अधिक हैं।

सारिणी संख्या 2.0

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने
के कारण

परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने के कारण	शिक्षक महिलाओं के मत	प्रतिशत
आर्थिक कारणों से	502	26.66
बच्चों के अच्छे पालन पोषण के लिए	695	36.91
महिलाओं के सुखी जीवन के लिए	356	18.91
जनसंख्या बृद्धि को रोकने के लिए	330	17.52
योग	1883	100.00

सारिणी संख्या 2.0 में शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमत होने के कारणों के सन्दर्भ में, विभिन्न मत प्रदर्शित है। शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमत 1883 मत प्राप्त हुए हैं, जिसमें आर्थिक कारणों से 502 {26.66%}, बच्चों के अच्छे पालन पोषण के विचार से 695 {36.91%}, महिलाओं के सुखी जीवन के विचार से 356 {18.91%} तथा जनसंख्या बृद्धि को रोकने के विचार से 330 {17.52%} मत प्राप्त हुए हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विचार से सहमति सबसे अधिक, बच्चों के उचित पालन पोषण के विचार से है, इसके पश्चात् आर्थिक कारणों से महिलाओं के सुखी जीवन के विचार से तथा जनसंख्या बृद्धि को रोकने के विचार से हैं।

सारिणी संख्या 2.1

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से असहमत होने
के कारण

परिवार नियोजन के विचार से असहमत होने के कारण	शिक्षक महिलाओं के मत	प्रतिशत
यह धर्म के विरुद्ध है	11	57.89
यह महिलाओं के लिए हानिकारक है	5	26.32
कोई सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि उपलब्ध नहीं है	3	15.79
अन्त में संयमित जीवन न बिताने के कारण सामाजिक आदर्शाँ में पतन हो जायगा	-	-
योग	19	100.00

सारिणी संख्या 2.1 में शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से असहमत होने के कारणों के सन्दर्भ में, विभिन्न मत प्रदर्शित हैं। शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से असहमत 19 मत प्राप्त हुए हैं, जिसमें 11 (57.89%) शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन धर्म के विरुद्ध है, तथा 5 (26.32%) शिक्षक महिलाओं के विचार से यह महिलाओं के लिए हानिकारक है, तथा 3 (15.79%) के विचार से, कोई सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि उपलब्ध नहीं है तथा अन्त में संयमित जीवन न बिताने के कारण सामाजिक आदर्शाँ में पतन हो जायगा, इस विचार से कोई भी मत प्राप्त नहीं हुआ।

अतः निष्कर्षात्मक रूप से हम कह सकते हैं, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं की परिवार नियोजन के विचार से असहमति का कारण, परिवार नियोजन को धर्म

के विरुद्ध मानना है, इसमें अधिकांश मत मुस्लिम शिक्षक महिलाओं के है, इसके पश्चात् असहमत होने का कारण, शिक्षक महिलायें, इसे महिलाओं के लिए हानिकारक समझती है, अन्त में कुछ शिक्षक महिलाओं के अनुसार, कोई सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि उपलब्ध नहीं है। ऐसा उनके परिवार नियोजन के सन्दर्भ में उचित ज्ञान की कमी हो सकती है ।

सारिणी संख्या 2.2

शिक्षक महिलाओं के अनुसार शिक्षक वर्ग की परिवार नियोजन कार्यक्रम
को जन कार्यक्रम बनाने में भूमिका

भूमिका अदा कर सकती है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हां	762	89.12
नहीं	93	10.88
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.2 में शिक्षक महिलाओं के अनुसार शिक्षक वर्ग की परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका की स्वीकृत व अस्वीकृति प्रदर्शित है। न्यायदर्शी में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 762 {89.12%} शिक्षक महिलाओं के विचार से शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन-कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है, तथा 93 {10.88%} शिक्षक महिलाओं के विचार से शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन-कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं कर सकता है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के विचार से शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन-कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है तथा बहुत कम शिक्षक महिलाओं के विचार से शिक्षक वर्ग, परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन-कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा नहीं कर सकता है।

सारिणी संख्या 2.3

शिक्षक महिलाओं के अनुसार जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश

जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	820	95.91
नहीं	35	4.09
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.3 शिक्षक महिलाओं की जनसंख्या शिक्षा की पाठ्यक्रम में समावेश की स्वीकृति व अस्वीकृति प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 820 {95.91%} शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश होना चाहिए तथा 35 {4.09%} शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश नहीं होना चाहिए।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश होना चाहिए तथा बहुत कम शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा का पाठ्यक्रम में समावेश नहीं होना चाहिए।

सारिणी संख्या 2.4

शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों को जनसंख्या शिक्षा
प्रदान करने के विभिन्न शैक्षिक स्तर

जनसंख्या शिक्षा देने का शैक्षिक स्तर	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
1. प्राइमरी	21	2.46
2. जूनियर हाई-स्कूल	135	15.79
3. हाई-स्कूल	478	55.91
4. विश्वविद्यालय	221	25.85
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.4 में शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों को जनसंख्या शिक्षा प्रदान करने के विभिन्न शैक्षिक स्तर का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 21 (2.46%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार विद्यार्थियों को जनसंख्या शिक्षा प्राइमरी से मिलनी चाहिए, तथा 135 (15.79%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार जूनियर हाई-स्कूल से, 478 (55.91%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार हाई स्कूल स्तर से तथा 221 (25.85%) शिक्षक महिलाओं के अनुसार विश्व विद्यालय स्तर से मिलनी चाहिए।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के विचार से जनसंख्या शिक्षा हाई-स्कूल स्तर से मिलनी चाहिए तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके विचार से जनसंख्या शिक्षा, प्राइमरी स्तर से मिलनी चाहिए, उनकी संख्या सबसे कम है।

सारिणी संख्या 2.5

शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन कार्यक्रम को
निरुत्साहित करने वाले लोगों को दंड की स्वीकृति व अस्वीकृति

दंडित किया जाना चाहिए	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हां	681	79.65
नहीं	174	20.35
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.5 में शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन कार्यक्रम को निरुत्साहित करने वाले लोगों को दंड की स्वीकृति व अस्वीकृति प्रदर्शित है 2 । न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं , जिनमें 681 {79.65%} शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन कार्यक्रम को निरुत्साहित करने वाले लोगों को दंडित किया जाना चाहिये तथा 174 {20.35%} शिक्षक महिलाओं के विचार से दंडित नहीं किया जाना चाहिए ।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के विचार से परिवार नियोजन कार्यक्रम को निरुत्साहित करने वाले लोगों को दंडित किया जाना चाहिए तथा बहुत कम शिक्षक महिलाओं के विचार से दंड नहीं मिलना चाहिए, वरन् उनके विचार से उनको ऐसी शिक्षा मिलनी चाहिए , जिनमें कि वह जनसंख्या समस्या को स्वयं समझे तथा परिवार नियोजन कार्यक्रम को अपनाए ।

सारिणी संख्या 2.6

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श

परामर्श दिया है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	662	77.43
नहीं	193	22.57
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.6 में शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है, न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिनमें 662 (77.43%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है, तथा 193 (22.57%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है, तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं। शिक्षक महिलाओं का परामर्श अधिक देने का कारण उनकी शैक्षिक जागरूकता, व अधिक सामाजिक सम्पर्क हो सकता है।

सारणी संख्या 2.7

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया गया परामर्श

आयु	परामर्श दिया है छात्रों की संख्या	परामर्श नहीं दिया है छात्रों की संख्या	योग
20-30	170१ 19.88१ 76.58	52१ 6.08१ 23.42	222१ 25.96१ 100.00
30-40	242१ 28.30१ 74.01	85१ 9.99१ 25.99	327१ 38.25१ 100.00
40-50	198१ 23.16१ 88.79	25१ 2.92१ 11.21	223१ 26.08१ 100.00
50-60	52१ 6.08१ 62.65	31१ 3.63१ 37.34	83१ 9.71१ 100.00
योग	662१ 77.43१	193१ 22.57१	855१ 100११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के

बारे में छात्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 2.7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें से अधिकतर 662 (77.43%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है तथा कम 193 (22.57%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ (30-40) आयु वर्ग की 327 (38.25%) तत्पश्चात् (40-50) तथा (20-30) आयु की भी लगभग बराबर 223 (26.08%) तथा 222 (25.96%) तथा (50-60) आयु वर्ग की निम्नतम 83 (9.71%) हैं, इनमें से अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	280.238 33.33	480.478 66.67	680.708 100.00
हाई स्कूल	354.098 68.63	161.878 31.37	515.968 100.00
इण्टरमीडिएट	768.898 71.69	303.518 28.30	1068.12.398 100.00
स्नातक	1968.22.928 76.56	607.028 23.44	2568.29.948 100.00
स्नातकोत्तर	3398.39.658 80.52	828.9.598 19.48	4218.49.248 100.00
डी.एफ.ओ	1081.178 66.67	580.588 33.33	1581.758 100.00
योग	62877.438	193822.578	8558100.48

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 2.8 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श के 855 शिक्षक महिलाओं में, 662 (77.43%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है, तथा 193 (22.57%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

न्यादर्श के समस्त शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है- जूनियर हाई स्कूल 6 (0.70%), हाईस्कूल 51 (5.96%), इण्टरमीडिएट 106 (12.39%), स्नातक 256 (29.94%), स्नातकोत्तर 421 (49.24%), डी०फिल० स्तरीय 15 (1.75%) शिक्षिकार्य हैं। सबसे अधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर हैं, तथा सबसे कम जूनियर हाई स्कूल स्तरीय हैं। सबसे अधिक शिक्षित डी०फिल० शिक्षक महिलाएँ 15 (1.75%) हैं। जूनियर हाई-कूल शिक्षक महिलाओं में मात्र 33.33% ने परामर्श दिया है, तथा 66.67% ने परामर्श नहीं दिया है। हाई-स्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर, डी०फिल० सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं में अधिकांश ने परामर्श दिया है, तथा इनका परामर्श देने का प्रतिशत शिक्षा के स्तर के साथ-साथ बढ़ा है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर 77.43% शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या 2.9

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे
में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श

परामर्श दिया है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	521	60.94
नहीं	334	39.06
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 2.9 में शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी एवं मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 521 {60.94%} शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है, तथा 334 {39.06%} शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी एवं मित्रों को परामर्श दिया है, तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलायें कम हैं।

सारणी संख्या 3.0

शिक्षण महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों का दिया हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	112१ 13.09१ 50.45	110१ 12.87१ 49.55	222१ 25.96१ 100.00
30-40	218१ 25.49१ 66.67	109१ 12.75१ 33.33	327१ 38.25१ 100.00
40-50	152१ 17.78१ 68.16	71१ 8.30१ 31.84	223१ 26.08१ 100.00
50-60	39१ 4.56१ 46.99	44१ 5.73१ 53.01	83१ 9.71१ 100.00
योग	521१ 60.94१	334१ 39.06१	85१ 100.०१

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता

के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 3.0 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएं हैं जिसमें अधिक 521 (60.94%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है, तथा 334 (39.06%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएं (30-40) वर्ष आयु वर्ग की हैं तत्पश्चात् (40-50), आयु वर्ग की 223 (26.08%), 20-30 आयु वर्ग की 222 (25.96%), तथा न्यूनतम (50-60) आयु वर्ग की 83 (9.71%), शिक्षक महिलाएं हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने सम्बन्धी व मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	4१०.47१	2१०.23१	6१०.70१
	66.67	33.33	100.00
हाई-स्कूल	35१4.09१	16१1.87१	51१5.96१
	68.63	31.37	100.00
इण्टरमीडिएट	66१7.72१	40१4.68१	106१12.39१
	62.26	37.74	100.00
स्नातक	14१16.49१	115१13.45१	256१29.94१
	55.08	44.92	100.00
स्नातकोत्तर	265१30.99१	156१18.24१	421१49.24१
	62.95	37.05	100.00
डीग्रीफ़िलो	10१1.17१	5१0.58१	15१1.75१
	66.67	33.33	100.00
योग	521१60.94१	334१39.06१	855१100.११

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसारपरिवार नियोजन की वांछनीयता के

बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श-

सारिणी संख्या 311 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 52। 60.94% शिक्षक महिलाओं ने सम्बन्धी और मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है, तथा 334।39.06% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

न्यादर्श के समस्त 855 शिक्षक महिलाओं में 6।0.70% जूनियर हाई स्कूल, 51।5.96% हाई स्कूल, 106।12.39% इण्टरमीडिएट 256।29.94% स्नातक, 421।49.24%, स्नातकोत्तर, 15।1.75%, डी०फिल स्तरीय शिक्षक महिलाएँ हैं जिसमें सभी शैक्षिक स्तरों की अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या 3.2

शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे
में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

परामर्श दिया है	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
हाँ	561	65.61
नहीं	294	34.39
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 3.2 में शिक्षक महिलाओं का परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 561 (65.61%) शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 294 (34.39%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि, अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलाएँ कम हैं।

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय का परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	129 ₹ 15.09 ₹ 58.11	93 ₹ 10.88 ₹ 41.89	222 ₹ 25.96 ₹ 100.00
30-40	226 ₹ 26.43 ₹ 69.11	101 ₹ 11.81 ₹ 30.89	327 ₹ 38.25 ₹ 100.00
40-50	162 ₹ 18.95 ₹ 72.65	61 ₹ 7.13 ₹ 27.35	223 ₹ 26.08 ₹ 100.00
50-60	44 ₹ 5.15 ₹ 53.01	39 ₹ 4.56 ₹ 46.99	83 ₹ 9.71 ₹ 100.00
योग	561 ₹ 65.6 ₹	294 ₹ 34.39 ₹	855 ₹ 100 ₹

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे

में जनसमुदाय को परामर्श-

सारिणी संख्या 3.3 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 561 (65.60%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है तथा 294 (34.39%) ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श नहीं दिया है।

समस्त न्यादर्श को (20-30), (30-40), (40-50), (50-60) चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। (20-30) आयु वर्ग में 222 (25.96%) शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 129 (15.09%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 93 (10.88%) ने परामर्श नहीं दिया है। (30-40) आयु वर्ग के 327 (38.25%) शिक्षक महिलाओं में 226 (26.43%) ने परामर्श दिया है, तथा 101 (11.81%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है। (40-50) आयु वर्ग में 223 (26.08%) शिक्षक महिलाओं ने 7.13% (162 (18.95%)) परामर्श दिया है, तथा 61 (7.13%) ने परामर्श नहीं दिया है। (50-60) आयु वर्ग में 83 (9.71%) शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 44 (5.15%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है तथा 39 (4.56%) शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है इनका परामर्श अधिक देने का कारण उनकी धार्मिक जागरूकता एवं अधिक सामाजिक सम्पर्क होने के कारण हो सकता है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
बूनियर हाई-स्कूल	480.478 66.67	280.238 33.33	680.708 100.00
हाई-स्कूल	3283.748 62.74	1982.228 37.25	5185.968 100.00
इण्टरमीडिएट	6687.728 62.26	4084.688 37.74	10682.398 100.00
स्नातक	171820.008 66.79	8589.948 33.20	256829.948 100.00
स्नातकोत्तर	279832.638 66.27	142816.618 33.73	421849.248 100.00
डी०एफ०	981.058 60.00	680.708 40.00	1581.758 100.00
योग	561865.618	294834.398	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श-

सारिणी संख्या 3:4. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें अधिकांश 561 (65.61%) शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, जो कि स्वभाषिक है, तथा 294 (34.3%) शिक्षक महिलाओं का जनसमुदाय को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में अधिक परामर्श देने का कारण उनका शिक्षित तथा सामाजिक सम्पर्क होना है, ऐसा समझा जाता है जो व्यक्ति शिक्षक होगा दूसरों को शिक्षा देगा, वह निश्चय ही अन्य से अधिक जागरूक व समझदार होगा, अतः उसका जनसमुदाय को अधिक परामर्श देना स्वभाषिक ही है।

न्यादर्श के समस्त शिक्षक महिलाओं को उनकी शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है- जूनियर हाई स्कूल 6 (0.70%) हाई स्कूल 51 (5.90%) इण्टरमीडिएट 106 (12.39%) स्नातक 256 (29.94%), स्नातकोत्तर 421 (49.24%) डी०फिल 51 (1.75%) है। इन सभी स्तरों में अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है तथा परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम है।

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु

विवाह की आयु वर्ग	15 वर्ष से नीचे	15-18	18-21	21-25	25-30	30 वर्ष से अधिक	अविवाहित योग
20-30	20.23%	60.70%	32.74%	51.5.96%	16.1.87%	-	115.13.45%
	0.90	2.70	14.41	22.97	7.21		51.80 100.00
30-40	8.96%	62.7.25%	62.7.25%	93.10.88%	61.7.13%	12.1.40%	29 3.39%
	2.45	18.96	18.96	28.44	18.65	3.67	8.87 100.00
40-50	14.1.64%	53.6.19%	32.3.74%	69.8.07%	33.3.86%	6.0.70%	16.1.87%
	6.28	23.77	14.35	30.94	14.79	2.69	7.17 100.00
50-60	7.0.82%	27.3.16%	15.1.75%	14.1.64%	9.1.05%	4.0.47%	7.0.82%
	8.43	32.53	18.07	16.87	10.84	4.82	8.43 100.00
योग	31.3.63%	148.17.31%	141.16.49%	227.26.55%	119.13.92%	22.2.57%	167.19.53%
							855.100.00%

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु-

सांख्यिकी संख्या 35 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें अविवाहित शिक्षक महिलाएँ 167 (19.53%) हैं। शेष शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 227 (26.55%) शिक्षक महिलाएँ 21-25 वर्ष विवाह की आयु की हैं, तत्पश्चात् 15-18 वर्ष विवाह की आयु की शिक्षक महिलाएँ 148 (17.31%), 18-21 वर्ष विवाह की आयु की 141 (16.49%), 25-30 वर्ष विवाह की आयु की 119 (13.92%) शिक्षक महिलाएँ, 15 वर्ष से कम विवाह की आयु की 31 (3.62%), 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु की सबसे कम 22 (2.57%) हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 30-40 आयु की वर्ग में सबसे अधिक 327 (38.25%) शिक्षक महिलाएँ हैं। इसके पश्चात् 20-30 तथा 40-50 आयु वर्ग में लगभग बराबर 222 (25.96%) तथा 223 (26.08%) शिक्षक महिलाएँ हैं तथा 50-60 आयु वर्ग में सबसे कम शिक्षक महिलाएँ हैं। इनमें सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु अधिकतर 21-25 वर्ष है तथा सबसे कम शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 15 वर्ष से कम तथा 30 वर्ष से अधिक है।

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु

वर्ष में-

शिक्षा	विवाह की आयु	15 वर्ष से नीचे					30 वर्ष से अधिक	योग
		15-18	18-21	21-25	25-30	अधिका		
नियर हाई-स्कूल	-	480.478	-	-	-	-	280.238	680.70
		66.67					33.33	100.00
हाई-स्कूल	480.478	2683.048	480.478	1081.178	380.358	180.128	380.358	5185.96
	7.84	50.98	7.84	19.61	5.88	1.96	5.88	100.00
एरमीडिस्ट	680.708	3283.748	2482.818	1681.878	1181.298	580.588	1281.408	106812.3
	5.66	30.19	22.64	15.09	10.38	4.72	11.32	100.00
नासक	1181.298	4184.798	4685.388	6587.608	3884.448	780.828	4885.618	256829.7
	4.30	16.02	17.97	25.39	14.84	2.73	18.75	100.00
नासकोत्तर	1081.178	4385.038	6587.608	131815.328	6387.378	981.058	100811.698	421849.2
	2.38	10.21	15.44	31.12	14.96	2.14	23.75	100.00
गोपिबल	-	280.238	280.238	580.588	480.478	-	280.238	1581.75
		13.33	13.33	33.33	26.67		13.33	100.00
योग	3183.628	148817.318	141816.498	227826.558	119813.928	2282.578	167819.538	85581008

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु:-

सारिणी संख्या 3:6 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं। जिसमें अधिवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167 (19.53%) है। शेष शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 227 (26.55%) शिक्षक महिलायें 21-25 वर्ष विवाह की आयु की हैं, तत्पश्चात् 15-18 वर्ष विवाह की आयु की शिक्षक महिलायें 148 (17.31%), 18-21 वर्ष विवाह की आयु की 141 (16.49%) तथा 15 वर्ष से कम विवाह की आयु की 31 (3.62%) तथा 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु की शिक्षक महिलायें न्यूनतम हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 421 (49.24%) हैं, जिसमें अधिकतर 131 (15.32%) शिक्षक महिलायें की 21-25 वर्ष विवाह की आयु है तत्पश्चात् 256 (29.94%), स्नातक शिक्षक महिलाओं में भी अधिकतर 21-25 वर्ष विवाह की आयु की, इण्टरमीडिएट स्तरीय 106 (12.39%) शिक्षक महिलायें भी अधिकतर 21-25 वर्ष विवाह की आयु की तथा 51 (5.96%) जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलायें की भी 21-25 वर्ष विवाह की आयु है, सर्वाधिक शिक्षित डी०एल० 15 (1.75%) प्रतिवस्त शिक्षक महिलाओं की भी 21-25 वर्ष विवाह की आयु है तथा 30 वर्ष से अधिक विवाह की आयु सभी शिक्षक स्तरों में कम है।

तारिखा संख्या 37

विश्व मरिणाई की आयु - अनुसार मरिणाई क फिन रिपोर्ट को जादनी आयु

विश्व मरिणाई की आयु - अनुसार मरिणाई क फिन रिपोर्ट को जादनी आयु	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष
20-30	5१०.58१ 2.25	3१०.35१ 1.35	4१०.47१ 1.80	8१०.94१ 3.60	11,1.29१ 4.95	112,१3.09१ 50.45	44१5.15१ 19.82	31१३.63१ 13.96	4१०.47१ 1.60	- 100.00
30-40	8१०.94१ 2.45	9१०.05१ 2.75	6१०.70१ 1.83	11११.29१ 3.36	15११.75१ 4.59	174१20.35१ 53.21	64१7.49१ 19.57	35१५.09१ 10.70	5१०.58१ 1.53	- 100.00
40-50	5१०.58१ 2.24	4१०.47१ 1.79	12११.40१ 5.38	15११.75१ 6.73	10११.17१ 4.48	120११4.04१ 53.81	44१5.15१ 19.73	9१2.81१ 10.76	4१०.47१ 1.79	- 100.00
50-60	2१०.23१ 2.41	3१०.35१ 3.61	3१०.35१ 3.61	1००.12१ 36.14	4१०.47१ 8.82	44१५.15१ 53.01	16११.87१ 19.28	9११.05१ 10.84	1१०.12१ 1.20	- 100.00
योग	20१२.34१	19१२.22१	25१२.92१	35१५.09१	40१५.68१	450,52.63१	168११9.65१	84१9.82१	14११.64१	- 85११०0.००१

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु-

सारिणी संख्या 3-7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 450 (52.63%) है, जिसमें 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 174 (20.35%) है। इसके बाद 40-50 आयु वर्ग की 120 (14%) 20-30 आयु वर्ग की 112 (13%) तथा 44 (5%) 50-60 आयु वर्ग की निम्नतम है। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 27 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या 168 (19.65%) है जिसमें 30-40 आयु वर्ग की 64 (7.5%), 40-50 आयु वर्ग की 44 (5%) तथा 50-60 आयु वर्ग में 16 (1.9%) शिक्षक महिलाएँ निम्नतम हैं। ऐसी शिक्षक महिलाएँ जो विवाह की आदर्श आयु 28 वर्ष उचित समझती है उनकी कुल संख्या 99 (11.58%) है जिसमें भी 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाएँ अधिक तथा 50-60 आयु वर्ग की कम हैं। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 21 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम 20 (2.34%), जो कि सरकार के द्वारा निर्धारित विवाह की आयु में हैं, तथापि शिक्षक महिलाएँ 26-28 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

विशेषक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु

विवाह की आदर्श आयु के नीचे शिक्षा	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	योग
जूनियर हाई स्कूल	210.23	-	410.47	-	-	-	-	-	-	-	610.70
	33.33		66.67								100.00
हाई स्कूल	210.23	110.12	111.29	192.22	610.70	510.58	310.35	410.47	-	-	5115.96
	3.92	1.96	21.57	37.25	11.76	9.80	5.88	7.84			100.00
इण्टर मीडियम	210.23	210.23	510.58	410.47	810.94	4415.15	2613.04	1011.17	510.58	-	10612.39
	1.89	1.89	4.72	3.77	7.55	41.51	24.52	9.43	4.72		100.00
स्नातक	810.94	410.47	210.23	510.58	1812.10	14316.73	617.14	1411.64	110.12	-	256129.94
	3.13	1.56	0.78	1.95	7.03	55.86	23.83	5.47	0.39		100.00
स्नातकोत्तर	610.70	1211.40	310.35	710.82	810.94	25129.36	7018.19	5616.55	810.94	-	42149.24
	1.43	2.85	0.71	1.66	1.90	59.62	16.63	13.30	1.90		100.00
डीग्री फॉलो	-	-	-	-	-	710.82	810.94	-	-	-	1511.75
						46.67	53.33				100.00
योग	12012.34	1912.22	2512.92	3514.09	4014.68	450152.63	6819.65	8419.82	1411.64	-	8551100.4

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु-

सारिणी संख्या ३०४ में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु प्रदर्शित है। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 450 (52.6%) हैं, तत्पश्चात् 27 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 168 (19.65%), 28 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 84 (8.4%), 25 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 40 (4.68%), 24 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 35 (3.5%), 21 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 20 (2.34%), 22 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 19 (2.22%), 29 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 421 (49.24%) स्नातकोत्तर हैं, जिसमें 26 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक, दूसरे बाद 61 (7.14%) शिक्षक महिलायें 27 वर्ष उचित समझती हैं। स्नातक 256 (29.94%) शिक्षक महिलाओं से भी सर्वाधिक 143 (16.73%) शिक्षक महिलायें विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष उचित समझती हैं, इसके बाद 27 वर्ष तथा 28 वर्ष की आयु को शिक्षक महिलायें विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। इण्टरमीडिएट शिक्षक महिलायें भी इसी आयु को लड़कों के विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। सर्वाधिक शिक्षक डी०फिल० शिक्षक महिलायें भी 26 तथा 27 वर्ष को ही विवाह की आदर्श आयु समझती हैं। जूनियर हाई स्कूल शिक्षित महिलायें 23 वर्ष को हाई स्कूल शिक्षित महिलायें 24 वर्ष को सबसे अधिक उचित समझती हैं।

भारिणी संख्या ३१

शिक्षक माहिनाजो भा आयु के अनुसार गणकियो के फिर विवाह की जादना आयु

आयु वर्ग	18 से नाचे	18	19	20	21	22	23	24	25	योग
20-30	2१0-23१ 0.90	28१3-27१ 12.61	11१1-29१ 4.95	37१4-23१ 16.67	25१2-92१ 11.26	52१6-08१ 23.42	21१2-46१ 9.46	46१5-38१ 20.72	-	222१25-96१ 100.00
30-40	1१0-12१ 0.31	20१2-34१ 6.12	16१1-87१ 4.89	56१6-55१ 17.13	40१4-68१ 12.23	113१13-22१ 34.56	34१3-98१ 10.39	47१5-49१ 14.37	-	327१38-25१ 100.00
40-50	-	13१1-52१ 5.83	6१0-70१ 2.69	34१3-98१ 15.25	49१5-73१ 21.97	65१7-60१ 29.15	24१2-81१ 10.76	32१3-74१ 14.35	-	223१26-08१ 100.00
50-60	1१0-12१ 1.20	5१0-58१ 6.02	1१0-12१ 1.20	29१3-39१ 34.94	13१1-52१ 15.66	21१2-46१ 25.30	6१0-70१ 7.23	7१0-82१ 8.43	-	83१9-71१ 100.00
कुल योग	4१0-47१	66१7-72१	34१3-98१	156१18-25१	127१14-85१	251१2-92१	85१9-94१	132१15-44१	-	555१100.०१

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु

सारिणी संख्या 3.9 में शिक्षक महिलाओं के आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 251 $\{2.92\}$ प्रतिशत लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष मानती है, तत्पश्चात् 20 वर्ष विवाह की आदर्श आयु मानने वाली शिक्षक महिलायें 156 $\{18.25\}$, 24 वर्ष उचित समझने वाली 132 $\{15.44\}$, 21 वर्ष उचित समझने वाली 127 $\{14.85\}$ 23 वर्ष उचित समझने वाली 85 $\{9.94\}$, तथा 18 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें कम 66 $\{7.72\}$ हैं।

समस्त न्यादर्श 855 शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों $\{20-30\}$ $\{30-40\}$, $\{40-50\}$, $\{50-60\}$ में विभक्त किया है। $\{20-30\}$ आयु वर्ग में 222 $\{25.96\}$ शिक्षक महिलायें हैं, इस आयु वर्ग की अधिक 52 $\{6.08\}$ शिक्षक महिलायें 22 वर्ष को, तथा 46 $\{5.38\}$ 24 वर्ष को तथा 37 $\{4.32\}$ 20 वर्ष को आदर्श मानती हैं। $\{30-40\}$ आयु वर्ग में 327 $\{38.25\}$ शिक्षक महिलायें हैं तथा 40-50 आयु वर्ग में 223 $\{26.08\}$ शिक्षक महिलायें तथा 50-60 आयु वर्ग में 83 $\{19.71\}$ शिक्षक महिलायें इन सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें 20-24 वर्ष को लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

विश्वकर्मसिद्धियों की विद्या के अनुसार लड़कियों के लिये विद्याएँ की आदर्श आयु

वर्ष में

विद्याएँ की आदर्श आयु	18	19	20	21	22	23	24	25	25 वर्ष में अधिक	योग
विद्याएँ										
सुनियर वर्ग स्कूल	480.47	280.23	-	-	-	-	-	-	-	680.70
	66.67	33.33								100.00
हार्ड स्कूल	480.47	-	141.64	780.82	182.11	580.58	380.35	-	-	5185.96
	7.84		27.45	13.73	35.29	9.80	5.88			100.00
इन्टर मीडियट	180.12	580.58	680.70	1781.99	3183.63	1081.17	1281.40	-	-	10682.39
	0.94	4.72	5.66	16.03	29.24	9.43	11.32			100.00
स्नातक	180.12	364.21	280.23	414.79	627.25	2983.39	3584.09	-	-	256829.94
	0.39	14.06	0.78	16.01	24.21	11.32	13.67			100.00
स्नातकोत्तर	280.23	1781.99	280.23	627.25	13185.32	4184.79	768.88	-	-	421849.24
	0.47	4.04	5.70	14.72	31.12	9.74	18.05			100.00
डीग्री फिलो	-	-	-	-	-	981.05	680.70	-	-	1581.75
						60.00	40.00			100.00
योग	480.47	680.72	380.98	156818.25	127814.85	251829.36	8589.94	132815.44	-	8558100.8

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की

आदर्श आयु-

सारिणी संख्या 4.0 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु प्रदर्शित है। न्याय में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं। सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 25।१२९.३६% लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष उचित समझती हैं तत्पश्चात् 20 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएँ 156।१८.२५%, 24वर्ष उचित समझने वाली 132।१५.५५%, 21 वर्ष उचित समझने वाली 127।१५.८५%, 23 वर्ष उचित समझने वाली 85।९.९५% है, 18 वर्ष उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम 66।७.७२% है, यद्यपि सरकार के द्वारा लड़कियों की विवाह की आयु 18 वर्ष है, तथापि शिक्षक महिलाएँ इसे आदर्श आयु न मानकर 20-24 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर हैं जिसमें अधिकांश शिक्षक महिलाएँ 20-24 वर्ष को, स्नातक, इण्टरमीडिएट, हाई स्कूल शिक्षक महिलाएँ भी 20-24 वर्ष को ही विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। सर्वाधिक शिक्षक डी०फिल० शिक्षक महिलाएँ भी 22 वर्ष ही विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

सारिणी संख्या 4।

शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार

परिवार का आकार बच्चों की संख्या	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
एक बच्चा	99	11.58
दो बच्चे	253	29.59
तीन बच्चे	165	19.29
चार बच्चे	73	8.54
पाँच बच्चे	27	3.16
पाँच बच्चे से अधिक	13	1.52
कोई बच्चा नहीं	58	6.78
अविवाहित	167	19.53
योग	855	100%

सारिणी संख्या 4। में शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है, उनकी संख्या 99 (11.58%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके दो बच्चे हैं, उनकी संख्या 253 (29.59%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके तीन बच्चे हैं, उनकी संख्या 165 (19.29%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके चार बच्चे हैं, उनकी संख्या 73 (8.54%) है, तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में पाँच बच्चे हैं, उनकी संख्या 27 (3.16%) है तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ, जिनके परिवार में पाँच बच्चे से अधिक

है, उनकी संख्या 13 {1.52%} है तथा ऐसी शिक्षक महिलायें जिनके कोई बच्चा नहीं है, उनकी संख्या 58 {6.78%} तथा अधिवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167 {19.53%} है ।

उपर्युक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि ऐसी शिक्षक महिलायें, जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 {29.59%} है, तथा सबसे कम 13 {1.52%} शिक्षक महिलायें हैं जिनके परिवार का आकार पाँच बच्चे है ।

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
	30४3.51४	51४5.96४	11४1.29४	1४0.12४	-	-	17४1.99४	112४13.09४	222४2.
	13.51	22.97	4.95	0.45			7.66	50.45	100.00
	38४4.44४	124४14.50४	77४9.01४	25४2.92४	9४1.05४	2४0.23४	20४2.34४	32४3.74४	327४3
	11.62	37.92	23.55	7.65	2.75	0.61	6.12	9.79	100.00
	18४2.11४	65४7.60४	59४6.90४	33४3.86४	12४1.40४	7४0.82४	13४1.52४	16४1.87४	223४2
	8.07	29.15	26.46	14.79	5.38	3.14	5.83	7.17	100.00
	13४1.52४	13४1.52४	18४2.11४	14४1.64४	6४0.70४	4४0.47४	8४0.94४	7४0.82४	83४9.
	15.66	15.66	21.69	16.87	7.23	4.82	9.64	8.43	100.00
	99४11.58४	253४29.59४	165४19.29४	73४8.54४	27४3.16४	13४1.52४	58४6.78४	167४19.53४	855४10

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार-

सारिणी संख्या 4.2 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें अविवाहित शिक्षक महिलाएँ 167 (19.53%), तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके कोई बच्चा नहीं है, उनकी संख्या 58 (6.78%) है। शेष शिक्षक महिलाओं में ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके मात्र दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 (29.59%) है, तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 165 (19.29%), एक बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ 99 (11.58%), चार बच्चे वाली 73 (8.54%), पाँच बच्चे वाली 27 (3.16%) पाँच से अधिक बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ न्यूनतम 13 (1.52%) हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श की शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों (20-30), (30-40), (40-50), (50-60), में विभक्त किया गया है, सबसे अधिक 327 (38%) शिक्षक महिलाएँ (30-40) आयु वर्ग में हैं, इसके बाद लगभग बराबर शिक्षक महिलाएँ (20-30) तथा (40-50) आयु वर्ग में हैं तथा सबसे कम (50-60) आयु वर्ग में हैं। सबसे अधिक (30-40) आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाएँ हैं तथा पाँच से अधिक बच्चे वाली सबसे कम हैं। (20-30) आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं तत्पश्चात् एक बच्चे वाली है जिससे प्रकट होता है, इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में बच्चों की संख्या की प्रवृत्ति घटने की है, (30-40), (40-50) आयु वर्ग में अधिकांशतः शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं ये संभवतः शिक्षक महिलाओं के शिक्षित होने की वजह है। (20-35) वर्ष की महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, यदि इस आयु वर्ग की महिलाओं को परिवार नियोजन सम्बन्धित उचित जानकारी दी जायेगी तो निश्चित ही जनसंख्या वृद्धि में कमी होगी तथा इससे अधिक जन कल्याण होगा।^x (50-60) आयु वर्ग में तीन बच्चे वाली

* A study of attitudes of married couples towards family planning in Ahmedabad.

शिक्षक महिलायें सबसे अधिक है । सम्भवतः इस वर्ग में आदर्श संख्या यही रही होगी ।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं के परिवार में मात्र दो बच्चे हैं, तथा कम आयु वर्ग में परिवार के आकार की प्रवृत्ति घटने की है ।

सारिणी संख्या 4.3

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	कोई बच्चा से अधिक नहीं	अविवाहित	योग
बुनियाद स्कूल	-	-	30.35	-	-	10.12	20.23	60.70
			50.00			16.67	33.33	100.00
हाई स्कूल	50.58	131.52	141.64	111.29	30.35	-	20.23	515.96
	83.33	25.49	27.45	21.57	5.88	3.92	5.88	100.00
इण्टरमीडिएट	121.40	252.92	263.04	141.64	50.58	70.82	121.40	10612.39
	11.32	23.58	24.53	13.21	4.72	6.60	11.32	100.00
स्नातक	133.51	758.77	515.96	192.22	80.94	40.47	212.46	25629.94
	5.08	29.29	19.92	7.42	3.13	1.56	18.75	100.00
स्नातकोत्तर	495.7	13515.79	698.07	273.16	101.17	40.47	273.16	10011.69
	11.64	32.07	16.39	6.41	2.38	0.95	23.75	100.00
डीप्लोमा	30.35	50.58	20.23	20.23	10.12	-	20.23	151.75
	20.00	33.33	13.33	13.33	6.67		13.33	100.00
योग	9911.58	25329.59	16519.29	738.54	273.16	131.52	586.78	16719.53
								855100.8

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार:-

सारिणी संख्या 4-3 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनके परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यायदर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) अविवाहित तथा 58 (6.78%) ऐसी शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनके परिवार में कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं में, ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सर्वाधिक 253 (29.59%) है, तत्पश्चात् तीन बच्चे रखने वाली शिक्षक महिलाएँ 165 (19.29%), एक बच्चा रखने वाली 99 (11.58%), चार बच्चे रखने वाली 73 (8.54%) तथा पाँच व पाँच से अधिक बच्चे वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 421 (49.24%) स्नातकोत्तर हैं, जिसमें सर्वाधिक 135 (15.79%) शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं, तत्पश्चात् स्नातक स्तरीय शिक्षक महिलाएँ 256 (29.94%) हैं जिसमें से सबसे अधिक 75 (8.77%) हैं जिसमें से शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं। सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलाएँ डी०एफ्ल० 15 (1.75%) हैं जिसमें सबसे अधिक 5 (0.58%) शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे, तत्पश्चात् एक बच्चा 3 (0.35%) रखती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं, जो वस्तुतः उनकी शिक्षा का परिणाम है, तथा सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलाओं के परिवार में भी दो बच्चे हैं।

तारिखी संख्या 44

शिक्षक महाविद्यालयों के धर्म के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	निःसन्तान	अविवाहित	योग
हिन्दू	82१9.59१ 11.33	214१25.03१ 29.56	146१17.08१ 20.17	58१6.78१ 8.01	29१2.34१ 2.76	9१1.05१ 1.24	50१5.85१ 6.91	145१16.96१ 20.03	724१84.68१ 100.00
मुसलमान	6१0.70१ 8.82	17१1.99१ 25.00	11१1.29१ 16.18	7१0.82१ 10.29	4१0.47१ 5.88	3१0.35१ 4.41	6१0.70१ 8.82	14१1.64१ 20.59	68१7.96१ 100.00
ईसाई	8१0.94१ 21.62	10१1.17१ 27.03	5१0.58१ 13.51	7१0.82१ 18.92	-	1१0.12१ 2.70	2१0.23१ 5.41	4१0.47१ 10.81	37१4.32१ 100.00
सिख	2१0.23१ 9.52	9१1.05१ 42.86	2१0.23१ 9.52	1१0.12१ 4.76	3१0.35१ 14.29	-	-	4१0.47१ 19.05	21१2.45१ 100.00
अन्य	1१0.12१ 20.00	3१0.35१ 60.00	1१0.12१ 20.00	-	-	-	-	-	5१0.59१ 100.00
	99१1.58१	253१29.59१	165१19.29१	73१9.54१	27१3.16१	13१1.52१	58१6.78१	167१19.53१	855१100.११

शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार

सारणी संख्या 4.4. में शिक्षक महिलाओं के धर्म के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। समस्त न्यायार्थ में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिनमें 724 (84.68%) हिन्दू, 68 (7.96%) मुसलमान 4.32% ईसाई, 2.45% सिक्ख तथा 0.59% अन्य धर्म के अनुयायी हैं। हिन्दू शिक्षक महिलाओं में 41% के एक तथा दो बच्चे हैं। 32% के दो से अधिक बच्चे हैं, 7% निःसन्तान तथा 20% अविवाहित है। मुसलमान शिक्षक महिलाओं में 34% के मात्र एक या दो बच्चे हैं 36% के दो से अधिक बच्चे हैं। निःसन्तान 8.82% तथा 20.59% अविवाहित शिक्षक महिलायें हैं। ईसाई शिक्षक महिलाओं में 49% के एक या दो बच्चे हैं तथा 34% के दो से अधिक बच्चे हैं निःसन्तान 5% तथा अविवाहित 11% है। सिक्ख धर्मानुयायियों में 53% के मात्र दो बच्चे हैं, तथा 28% के दो से अधिक बच्चे तथा 19% अविवाहित है शेष अन्य धर्म की शिक्षक महिलायें मात्र 5 (0.59%) हैं, जिनमें दो बच्चे वाली शिक्षक महिलाये अधिक है।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि विभिन्न धर्मानुयायी शिक्षक महिलाओं में सिक्ख, ईसाई एवं हिन्दू धर्मानुयायी महिलाओं ने एक एवं दो बच्चों को परिवार आकार में सर्वाधिक महत्त्व दिया जबकि अपेक्षाकृत इस्लाम धर्मानुयायियों ने दो से अधिक बच्चों को परिवार में महत्त्व दिया है।

सारिणी संख्या 4.5.

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार

वैवाहिक स्थिति	परिवार का आकार						योग
	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	
विवाहित	94११३.६६१	249१३6.१9१	162१२3.५5१	71११0.३2१	27१३.92१	13११.89१	672१९7.67१
	13.99	37.05	24.11	10.57	4.02	1.93	100.00
विधवा	3१०.44१	4१०.58१	3१०.44१	2१०.29१	-	-	12११.7०१
	25.00	33.33	25.00	16.67	-	-	100.00
परित्यक्ता	2१०.29१	-	-	-	-	-	4१०.58१
	50.00	-	-	-	-	-	100.00
योग	99११4.39१	253१३6.77१	165१२3.98१	73११0.61१	27१३.92१	13११.89१	688११00.११

शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार

सारिणी संख्या 4.5 में शिक्षक महिलाओं की वैवाहिक स्थिति के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है समस्त न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें 688 विवाहित तथा 167 अविवाहित हैं। 688 विवाहित शिक्षक महिलाओं में उनकी वैवाहिक स्थिति इस प्रकार है - 672 $\%$ 97.67% $\%$ उविवाहित, 12 $\%$ 1.74% $\%$ विधवा, 4 $\%$ 0.58% $\%$ परित्यक्ता है। 672 $\%$ 98% $\%$ विवाहित शिक्षक महिलाओं के परिवार में दो बच्चे वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 37% हैं तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम 4% एवं निः सन्तान 8% हैं। दो बच्चे के पश्चात् तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 24% हैं। एक बच्चे व दो बच्चे वाली विधवा शिक्षक महिलायें 58% हैं, तीन तथा चार बच्चे वाली 42% हैं, पाँच बच्चे, पाँच बच्चे से अधिक रखने वाली तथा निः सन्तान शिक्षक महिलाओं की संख्या शून्य है। परित्यक्ता शिक्षक महिलाओं में 50% शिक्षक महिलायें तथा 50% में मात्र एक बच्चा है, स्पष्ट है कि परित्यक्ता होने के कारण उनका परिवार का आकार नहीं बढ़ा है।

इस प्रकार स्पष्ट है कि विधवा एवं परित्यक्ता शिक्षक महिलाओं का परिवार आकार विशेष अधिक नहीं है। उनकी संख्या भी अपेक्षाकृत कम होने के कारण विशेष निष्कर्ष नहीं निकल सकते। विवाहित महिलाओं का ही परिवार आकार सर्वाधिक है। जिन्होंने दो एवं तीन बच्चों को परिवार में सर्वाधिक महत्त्व दिया है।

सारिणी संख्या 4.6

शिक्षक महिलाओं के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

परिवार का आकार	शिक्षक महिलाओं की संख्या	प्रतिशत
एक बच्चा	55	6.43
दो बच्चा	681	79.65
तीन बच्चे	106	12.39
चार बच्चे	11	1.29
पाँच बच्चे	2	0.03
योग	855	100.00

सारिणी संख्या 4.6 में शिक्षक महिलाओं के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार प्रदर्शित है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में एक बच्चा उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 55 (6.43%) दो बच्चे उचित समझने वाली 681 (79.65%), तीन बच्चे उचित समझने वाली 106 (12.39%), चार बच्चे उचित समझने वाली 11 (1.29%), पाँच बच्चे उचित समझने वाली 2 (0.03%) हैं।

अतः निष्कर्षात्मक रूप से हम कह सकते हैं, कि एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक, इसके बाद तीन बच्चे व एक बच्चा उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें हैं, चार तथा पाँच बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं, जिनमें कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता, अतः हम यह कह सकते हैं, कि शिक्षक तीन बच्चे तक ही उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 4.7

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक "आदर्श परिवार" का आकार

आयु	आदर्श परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
20-30	12१.40१ 5.41	192१22.46१ 86.49	16१1.87१ 7.21	1१0.12१ 0.45	1१0.12१ 0.45	--	222१25.96१ 100.00	
30-40	25१2.92१ 7.65	249१29.12१ 76.15	48१5.61१ 14.68	4१0.47१ 1.22	1१0.12१ 0.31	--	327१38.25१ 100.00	
40-50	10१1.17१ 4.48	174१20.35१ 78.03	33१3.86१ 14.79	6१0.70१ 2.69	--	--	223१26.08१ 100.00	
50-60	8१0.94१ 9.64	66१7.72१ 79.52	9१1.05१ 10.84	--	--	--	83१9.71१ 100.00	
योग	55१6.43१	681१79.65१	106१12.39१	1११1.29१	2१0.23१	--	855१100.११	

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार-

सारिणी संख्या 4.7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 693 (81%) है, इसके बाद तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 96 (11.22%) एक बच्चा उचित समझने वाली 50 (5.85%), चार बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें की संख्या 12 (1.40%), पांच व पांच से अधिक बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम हैं, जिनसे कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों (20-30), (30-40), (40-50), (50-60), में विभक्त किया गया है। (20-30) आयु वर्ग में 222 (25.96%) शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 23.27% है, तत्पश्चात् एक बच्चा, तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें हैं, सभी वर्गों की शिक्षक महिलायें एक आदर्श परिवार में दो ही बच्चे उचित समझती हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक हैं।

सारिणी संख्या 48

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार

शिक्षा	परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
जूनियर हाई स्कूल	-	4१०.47१	2१०.23१	-	-	-	-	6१०.70१ 100.00
हाईस्कूल	2१०.23१ 3.92	42१4.91१ 82.35	5१०.58१ 9.80	2१०.23१ 3.92	-	-	-	51१5.96१ 100.00
इण्टरमीडिएट	6१०.70१ 5.66	87१०.18१ 82.08	13१1.52१ 12.26	-	-	-	-	106११2.39१ 100.00
स्नातक	18१2.11१ 7.03	214१25.03१ 83.59	18१2.11१ 7.03	4१०.47१ 1.56	2१०.23१ 0.78	-	-	256१29.94१ 100.00
स्नातकोत्तर	28१3.27१ 6.65	320१37.43१ 76.01	68१7.92१ 16.15	5१०.58१ 1.18	-	-	-	421१49.24१ 100.00
डी०एफ०	1१०.12१ 7.14	14११.64१ 93.33	-	-	-	-	-	15११.75१ 100.00
योग	55१6.43१	681१79.65१	106११2.39१	11११.29१	2१०.03१	-	-	855११00.१

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार—

सारिणी संख्या 4.8 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार के बारे में दी गयी राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 690 (80.58%) है, जिसमें स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 337 (39.42%) तथा जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम है। तत्पश्चात् एक बच्चों को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या 86 (11.46%) तथा तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या 67 (6.43%) है। सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर 421 (49.24%) हैं, जिसमें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक (39.42%) तथा एक बच्चा उचित समझने वाली 28 (3.27%), तीन बच्चे उचित समझने वाली (5.7%) है। सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० शिक्षक महिलाओं की संख्या 15 है। जिसमें अधिकांश 14 (1.64%) दो बच्चे उचित समझती हैं।

अतः स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलायें जूनियर हाई स्कूल, हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं ने एक आदर्श परिवार में सबसे अधिक दो बच्चों को उचित माना है तथा दूसरे स्थान पर तीन बच्चे उचित माने हैं जबकि स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं ने भी दो बच्चे उचित माने हैं लेकिन दूसरे स्थान पर एक बच्चा उचित समझा है।

सारिणी संख्या 4.9

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच अन्तराल

आयु वर्ग	जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
20-30	57१6.67१	19१2.22१	12१1.40१	5१0.58१	-	17१1.99१	112१13.09१	222१25.96१	222१25.96१
	25.68	8.56	5.41	2.25		7.66	50.45	100.00	100.00
30-40	165१19.29१	52१6.08१	48१5.61१	9१1.05१	1१0.12१	20१2.34१	30१3.51१	327१38.25१	327१38.25१
	50.46	15.90	14.68	2.75	0.31	6.12	9.17	100.00	100.00
40-50	116१13.57१	37१4.33१	32१3.74१	6१0.70१	3१0.35१	13१1.52१	19१2.22१	223१26.08१	223१26.08१
	52.02	16.59	14.35	2.69	1.35	5.83	8.52	100.00	100.00
50-60	40१4.68१	12१1.40१	13१1.52१	2१0.23१	1१0.12१	8१0.99१	7१0.52१	83१9.71१	83१9.71१
	48.19	14.46	15.66	2.41	1.20	9.64	8.43	100.00	100.00
योग	378१44.21१	120१14.04१	105१12.28१	22१2.57१	5१0.58१	58१6.78१	167१19.53१	855१100.१	855१100.१

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म

के बीच में जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 4.9 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें 167 § 19.53% शिक्षक महिलायें अविवाहित 58 § 6.78% शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जिनके कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं में विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में एक वर्ष के जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 378 § 44.21% हैं तत्पश्चात् दो वर्ष 120 § 14.04% तीन वर्ष 105 § 12.28% चार वर्ष 22 § 2.57%, पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम 5 § 0.5% हैं। अधिकांश महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच में कम अन्तराल रखा है।

न्यादर्श की शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में § 20-30, § 30-40, § 40-50, § 50-60 में विभक्त किया है। § 30-40 आयु वर्ग में सर्वाधिक 327 § 38.15% शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें सबसे अधिक 165 § 19.2% शिक्षक महिलाओं में एक वर्ष का जन्म अन्तराल है तथा न्यूनतम जिसे नगण्य समझना ही उचित है पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल है। समान अनुपात सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं में देखा गया है। अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक तथा पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल वाली न्यूनतम है।

सारिणी संख्या 5.0

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच आदर्श जन्म अन्तराल

वर्ष में -

आयु वर्ग	आदर्श जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	योग				
20-30	102	11.92	64	7.4	48	5.6	6	0.2	222	25.96		
	45.95	28.83	21.62	2.70	0.90				100.00			
30-40	167	19.53	99	11.53	22	2.5	25	2.9	14	1.6	327	38.25
	51.07	30.26	6.73	7.65	4.28				100.00			
40-50	108	12.6	51	5.9	14	1.6	20	2.3	30	3.5	223	26.08
	48.43	22.87	6.28	8.97	13.45				100.00			
50-60	50	5.8	9	1.05	3	0.3	17	1.9	4	0.4	83	9.71
	60.24	10.84	3.61	20.48	4.82				100.00			
योग	427	49.9	223	26.08	87	10.1	68	7.9	50	5.8	855	100.0

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के

बीच में आदर्श जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 5.0. में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएं हैं, जिसमें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में 427 (49.9%) शिक्षक महिलाएं एक वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानती हैं। इसके बाद दो वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाएं 223 (26.08%) तथा तीन वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानने वाली 87 (10.10%), चार वर्ष का जन्म अन्तराल मानने वाली 68 (7.90%), पांच वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाएं सबसे कम 50 (5.80%) हैं।

समस्त न्यादर्श को पांच आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 222 (25.96%), तथा 30-40 आयु वर्ग में 327 (38.25%), तथा 40-50 आयु वर्ग में, 83 (9.71%), 50-60 आयु वर्ग के हैं। इसमें सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाएँ एक वर्ष के जन्म के अन्तराल को विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 5-1

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल वर्ष में—

शिक्षा	जन्म-अन्तराल एक वर्ष में—	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
यूनियर हाई-स्कूल	-	280.238	180.128	-	-	-	180.128	280.238	680.708
		33.33	16.67				16.67	33.33	100.00
हाई-स्कूल	3684.218	380.358	780.828	-	-	-	280.238	383.518	5185.968
	70.59	5.89	13.73				3.92	5.88	100.00
इण्टरमीडिएट	6687.728	1882.118	280.238	180.128	-	-	780.828	1281.408	106812.398
	62.26	16.98	1.89	0.94			6.60	11.32	100.00
स्नातक	89810.408	2983.398	5786.678	1281.408	-	-	2182.468	4885.618	256829.948
	34.77	11.33	22.27	4.69			8.20	17.58	100.00
स्नातकोत्तर	184821.528	6687.728	3083.518	981.058	580.588	-	2783.168	100811.698	421849.248
	43.71	15.68	7.13	2.14	1.19		6.41	23.75	100.00
डीग्रीजो	380.358	280.238	880.948	-	-	-	-	280.238	1581.758
	20.00	13.33	53.33						100.00
योग	378844.218	20814.088	105812.288	2282.578	580.588	-	5886.788	167819.538	8558100.888

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म

के बीच में जन्म अन्तराल—

सारिणी संख्या 5.1 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें ऐसी शिक्षक महिलायें जिनमें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में एक वर्ष का अन्तराल है, सर्वाधिक 378 (44.21%) है तत्पश्चात् दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाये 120 (14.04%) तीन वर्ष का 105 (12.28%) है, चार वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर स्तरीय 421 (49.24%) है, जिसमें सर्वाधिक 378 (44.21%) शिक्षक महिलाओं एक वर्ष का जन्म अन्तराल है, दो वर्ष तथा तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर हैं। सर्वाधिक शिक्षित डी०एल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है, अधिवाहित शिक्षक महिलाओं की संख्या 167 (19.53%) तथा ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है, उनकी संख्या 58 (6.78%) है। अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में कम जन्म अन्तराल रखती है, यह कम जन्म अन्तराल एक वर्ष का है। पाँच तथा पाँच से अधिक जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम या नहीं के बराबर हैं।

सारिणी संख्या 5.2

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल

शिक्षा	आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
जूनियर हाई स्कूल	-	280.238	33.33	280.238	280.238	-	-	680.708 100.00
हाई-स्कूल	2382.698	1181.298	21.57	580.588	380.358	981.058	-	5185.968 100.00
इण्टरमीडिएट	5185.968	3283.748	30.19	1081.178	580.588	880.948	-	106812.398 100.00
स्नातक	128814.978	6487.498	25.00	2683.048	1882.118	2082.348	-	256829.948 100.00
स्नातकोत्तर	217825.388	109812.758	109812.758	4284.918	4084.688	1381.528	-	421849.248 100.00
डीग्रीफिलो	880.948	580.588	580.588	280.238	-	-	-	1581.758 100.00
योग	427849.948	223826.088	223826.088	87810.188	6887.958	5085.858	-	855810088 100

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच

में आदर्श जन्म अन्तराल:-

सांख्यिकी संख्या 522 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें एक वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 427 (49.94%) है, तत्पश्चात् दो वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 223 (26.08%), तीनवर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 87 (10.18%) चार वर्ष का अन्तराल 68 (7.95%), पांच वर्ष का अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 50 (5.85%) हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें स्नातकोत्तर 421 (49.24%) है, जिसमें एक वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 217 (25.3%) तत्पश्चात् दो वर्ष का अन्तराल उचित समझने वाली 109 (12.75%), तीन वर्ष, चार तथा पांच वर्ष का अन्तराल उचित समझती है। समान अनुपात स्नातक स्तरतीय, इण्टरमीडिएट हाईस्कूल, जूनियर हाई स्कूल एवं डी०एफ० शिक्षक महिलाओं में देखा गया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में कम अन्तराल ही उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 5.3

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म-अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु वर्ष	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँचवर्ष	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित लागू नहीं है	योग	
20-30	14११.64१	9११.05१	26१३.04१	8१०.94१	6१०.70१	17११.99१	112११3.09१	30१३.51१	222१२5.96१
	6.31	4.05	11.71	3.60	2.70	7.66	50.45	13.51	100.00
30-40	38१४.44१	50१५.85१	92११0.76१	33१३.86१	24१२.81१	20१२.34१	32१३.74१	38१४.44१	327१३8.25१
	11.62	15.29	28.13	10.09	7.34	6.12	9.79	11.62	100.00
40-50	29१३.39१	37१४.33१	67१७.84१	25१२.92१	18१२.11१	13११.52१	16११.87१	18१२.11१	223१२6.08१
	13.00	16.59	30.04	11.21	8.07	5.83	7.17	8.07	100.00
50-60	9११.05१	13११.52१	20१२.34१	8१०.94१	5१०.58१	8१०.94१	7१०.82१	13	83११9.71१
	10.84	15.66	24.09	9.64	6.02	9.64	8.43	15.66	100.00
योग	90११0.53१	109११2.75१	205१२3.98१	53१६.19१	53१६.19१	58१६.78१	167११9.53१	99११1.58१	855११00११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के बीच में जन्म

अन्तराल-

सारिणी संख्या 5:3 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) शिक्षक महिलाएँ अधिवाहित 99 (11.58%) शिक्षक महिलाओं के मात्र एक बच्चा है, तथा 58 (6.78%) शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक 205 (23.98%) हैं, इसके बाद दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ 109 (12.75%) तथा एक वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली 90 (10.53%) तथा चार वर्ष का जन्म अन्तराल वाली 74 (8.68%) तथा पाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे कम हैं।

न्यादर्श को पाँच आयु वर्गों में विभक्त किया गया है।

{20-30} आयु वर्ग में 222 (25.96%) शिक्षक महिलाएँ हैं, {30-40} आयु वर्ग में 327 (38.25%) शिक्षक महिलाएँ, {40-50} आयु वर्ग में 223 (26.08%) शिक्षक महिलाएँ तथा {50-60} आयु वर्ग में 83 (9.71%) शिक्षक महिलाएँ हैं। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में अधिकतर पहिले व दूसरे बच्चे के जन्म के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है तथा बहुत कम शिक्षक महिलाओं में पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल है।

सारिणी संख्या 5.4

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श

जन्म अन्तराल

आयु वर्ग	जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच वर्ष से अधिक है	लागू नहीं है	योग
20-30	380.358	87810.18	108812.68	1681.88	880.98	-	-	222825.968	100.00
30-40	580.588	121814.158	120814.038	4084.678	3083.508	1181.298	4.95	327838.238	
40-50	1481.648	5083.518	110812.868	4084.688	2182.458	280.238	0.89	680.708	223826.058
50-60	1982.228	981.058	4585.268	580.588	380.358	-	-	280.238	8389.718
योग	4184.798	247828.898	383844.798	101811.798	6287.248	1381.528		880.938	6558100.48

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में

आदर्श जन्म अन्तराल -

सारणी संख्या 5.4. मैशिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 383 {44.79%} हैं, तत्पश्चात दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 247 {28.89%} चार वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 101 {11.79%}, पांच वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 62 {7.24%}, एक वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 41 {4.79%} तथा पांच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम 13 {1.5%} हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श की शिक्षक महिलायों को चार आयु वर्गों {20-30} {30-40}, {40-50}, {50-60} में विभक्त किया गया है। इसमें सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं तीन वर्ष, दो वर्ष के जन्म अन्तराल को सबसे अधिक मानती हैं, तथा पांच वर्ष से अधिक के जन्म अन्तराल को बहुत कम शिक्षक महिलायें उचित समझती हैं।

सारिणी संख्या 55

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म -अन्तराल

जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	लाडू नहीं है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	180.128	280.238	-	-	-	180.128	280.238	-	680.708
	16.67	33.33				16.67	33.33		100.00
हाई-स्कूल	580.588	780.828	212.468	380.358	580.588	280.238	380.358	580.588	5185.968
	9.80	13.72	41.18	5.88	9.80	3.92	5.88	9.80	100.00
इण्टरमीडिएट	1381.528	1281.408	404.688	380.358	780.828	780.828	1281.408	1281.408	106812.398
	12.26	11.32	37.74	1.89	6.60	6.60	11.32	11.32	100.00
स्नातक	2783.168	3083.518	6287.258	1181.298	2783.168	2182.468	4885.618	3083.518	256829.948
	10.54	11.71	24.21	4.29	10.54	8.20	18.75	11.71	100.00
स्नातकोत्तर	4084.688	5586.438	8089.368	5786.678	1381.528	2783.168	100811.698	4985.738	421849.248
	9.50	13.06	19.00	13.53	3.08	6.41	23.75	11.63	100.00
डी०एफ०	480.478	380.358	280.238	-	180.128	-	280.238	380.358	1581.758
	26.67	20.00	13.33		6.67		13.33	20.00	100.00
योग	90810.538	109812.758	205823.988	7488.658	5386.198	5886.788	167819.538	99811.588	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में जन्म

अन्तराल-

सारिणी संख्या 55 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित हैं। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें 167 (19.53%), अधिपाहित, 99 (11.58%) ऐसी शिक्षक महिलाएँ जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है 58 (5.78%) शिक्षक महिलाएँ के कोई बच्चा नहीं हैं। शेष शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक 205 (23.98%) है, तत्पश्चात् दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ 109 (12.75%), एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली 90 (10.53%), है। पांच तथा पांच से अधिक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर है, तत्पश्चात् स्नातक डिप्लोमा डिप्लोमा स्नातक स्नातकोत्तर है इन सभी स्तरों में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या का अनुपात सर्वाधिक है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि अधिकांश शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है।

सारिणी संख्या 5-6

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व
दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल

आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लाग नहीं है	योग
शिक्षा								
जूनियर हाई स्कूल	380.358	280.238	180.128					680.708
	50.00	33.33	16.67					100.00
हाई स्कूल	280.238	208.2.348	780.828	1581.758	380.358	280.238	280.238	5185.968
	3.92	39.22	13.73	29.41	5.89	3.92	3.92	100.00
इण्टरमीडिएट	380.358	3183.638	4485.158	1581.758	580.858	280.238	680.708	106812.398
	2.83	29.24	41.51	14.15	4.72	1.89	5.66	100.00
स्नातक	981.058	4985.738	123814.398	5085.858	2082.348	580.588		156829.948
	3.52	19.14	48.05	19.53	7.81	1.95		100.00
स्नातकोत्तर	2282.578	137816.028	203823.748	2182.468	3483.988	480.478		421849.248
	5.22	32.54	48.22	4.99	8.08	0.95		100.00
डी०एच०	280.238	880.948	580.588					1581.758
	13.33	53.33	33.33					100.00
योग	4184.798	247828.898	383844.798	101811.818	6287.258	1381.528	880.948	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में

आदर्श जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 56. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 383 (44.79%) तत्पश्चात् दो वर्ष के जन्म अन्तराल को 247 (28.89%), चार वर्ष का अन्तराल को 101 (11.81%), पांच वर्ष के जन्म अन्तराल को 62 (7.25%) एक वर्ष के जन्म अन्तराल को 41 (4.79%) तथा पांच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 13 (1.52%) न्यूनतम हैं। 8 (0.94%) शिक्षक महिलाएँ ऐसी हैं, जो एक आदर्श परिवार में केवल एक बच्चा उचित समझती हैं अतः उन्होंने पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल नहीं बताया है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर 421 (49.24%) हैं, तत्पश्चात् स्नातक, इण्टरमीडिएट हाई स्कूल, जूनियर हाई स्कूल हैं, जिसमें सभी शैक्षिक स्तरीय शिक्षक महिलाओं ने पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीनवर्ष के जन्म अन्तराल को उचित माना है। सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलायें 15 (1.75%) हैं जिसमें से अधिक 8 (0.94%) शिक्षक महिलायें दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित मानती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि सर्वाधिक शिक्षक महिलायें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं तथा सर्वाधिक शिक्षित शिक्षक महिलायें पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच में दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं।

तारिणां सख्या 5.7

शिक्षक महिलाओं का आयु के अनुसार दूतर व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल

आयु वर्ग	जन्म अन्तराल	एक बर्ष	दो बर्ष	तीन बर्ष	चार बर्ष	पांच बर्ष	पाँच बर्ष से अधिक नहीं	दोई बच्चा नहीं	अविवाहित	तागू नहीं है	योग
20-30	2१०.23१ 0.90	1१०.12१ 0.45	5१०.58१ 2.25	3१०.35१ 1.35	1१०.12१ 0.45	-	17११.99१ 7.66	112११3.09१ 50.45	81११9.47१ 36.48	222११25.96१ 100.00	
30-40	8१०.94१ 2.45	17११1.99१ 5.19	68११7.95१ 20.79	15११1.75१ 4.59	5१०.58१ 1.53	-	20११2.34१ 6.12	32११3.74१ 9.78	162११8.95१ 49.54	327११36.25१ 100.00	
40-50	7१०.82१ 3.14	16११1.87१ 7.17	70११6.19१ 31.39	14११1.64१ 6.26	4१०.47१ 1.79	-	13११1.52१ 5.83	16११1.87१ 7.17	83११9.11१ 37.22	223११26.08१ 100.00	
50-60	5१०.35१ 3.61	6१०.70१ 7.23	26११3.04१ 31.33	5१०.56१ 6.02	2१०.23१ 2.41	-	४१०.94१ 9.64	7१०.82१ 8.43	26११3.04१ 31.33	85११9.71१ 100.00	
योग	20११2.34१	40११4.68१	1६१११9.77१	37११4.33१	12११1.40१	-	58११6.78१	167११9.53१	352११41.17१	855११100.१	

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 5.7 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 167 {19.53%} शिक्षक महिलायें अविवाहित, 58 {6.78%} शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं तथा 352 {41.16%} शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं, शेष शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें इसके अधिक 169 {19.77%} हैं तथा पांच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे कम हैं। एक वर्ष, दो वर्ष, चार वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं जिनसे कोई विशेष शिक्षक नहीं निकाला जा सकता है।

न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। {30-40} आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलायें हैं तत्पश्चात् {20-30}, {40-50}, के लगभग बराबर तथा {50-60} आयु वर्ग में सबसे कम हैं। इन सभी आयु वर्गों में शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल सबसे अधिक तथा पांच वर्ष से अधिक का अन्तराल सबसे कम है।

सारिणी संख्या 5.8

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म-अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु वर्ग	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच वर्ष से अधिक है	लागू नहीं है	योग
20-30	8१०.9१	20१2.3१	80१9.3१	12१1.40१	98१1.4१	4१०.4१	-	222१26.96१
	3.60	9.00	36.03	5.40	44.14	1.80		100.00
30-40	19१1.6१	42१4.9१	213१24.91१	36१4.2१	7१3.8१	8१०.9१	2१०.2१	327१33.25१
	5.81	12.84	65.14	11.01	2.14	2.45	0.61	100.00
40-50	13१1.5१	28१3.2१	100१11.69१	24१2.8१	48१5.6१	6१०.7१	4१०.4१	223१26.08१
	5.83	12.56	44.84	10.76	21.52	2.69	1.79	100.00
50-60	5१०.5१	10१1.1१	34१3.9१	8१०.9१	17१1.9१	2१०.2१	7१०.8१	83११9.71१
	6.02	12.05	40.96	9.64	20.48	2.41	8.43	
योग	45१5.2१	100१11.69१	427१49.94१	80११9.3१	170११9.88१	20१2.3१	13११1.5१	855११00.११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच में

आदर्श जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 5.8 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 427 {49.94%} हैं, तत्पश्चात् पांच वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 170 {19.88%}, दो वर्ष के अन्तराल को उचित समझने वाली 100 {11.69%} चार वर्ष के अन्तराल को उचित समझने वाली 80 {9.3%} तथा एक वर्ष व पांच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम हैं। शिक्षक महिलायें दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन व उससे अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझती हैं इससे कम जन्म अन्तराल वह उचित नहीं समझती हैं। 13 {1.5%} शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जो मात्र दो बच्चे उचित समझती हैं अतः उनके अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता है।

सम्पूर्ण न्यादर्श की 855 शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों {20-30}, {30-40}, {40-50}, {50-60} में विभक्त किया गया है। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाएं दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच तीन तथा उससे अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझती हैं।

भारिणी संख्या 59

शिक्षण महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे से तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल

जन्म - अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	कोई बच्चा नहीं	अधिसाहित	लागू नहीं है	योग
डूनियर हाई स्कूल	280.238	180.128	-	-	-	180.128	280.238	-	680.708
	33.33	16.67				16.67	33.33		100.00
हाई स्कूल	280.238	480.478	1581.758	780.828	-	280.238	380.358	1882.118	5185.968
	3.92	7.84	29.41	13.73		3.92	5.88	35.29	100.00
इण्टर मीडिकल	480.478	1281.408	2582.928	280.238	780.828	780.828	1281.408	3784.338	106812.398
	3.77	11.32	23.58	1.89	6.60	6.60	11.32	34.91	100.00
स्नातक	580.588	280.238	56865.888	1982.228	-	2182.468	4885.618	105812.288	256829.948
	1.95	0.78	21.88	7.42		9.20	18.75	41.02	100.00
स्नातकोत्तर	981.058	2082.348	6988.078	981.058	380.358	2783.168	100811.698	184821.528	42849.248
	2.14	4.75	16.39	2.14	0.71	6.41	23.75	43.78	100.00
STD फिलड	-	-	380.358	-	280.238	-	280.258	880.958	1581.758
			20.00		13.33		13.33	53.33	100.00
योग	2082.348	4084.688	169819.718	3784.338	1281.408	5886.768	167819.538	352841.178	8558100.88

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में

जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 5.9. में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) शिक्षक महिलाएँ अधिवाजि 382 (44.16%) शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं तथा 58 (6.78%) शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं है। शेष शिक्षक महिलाओं में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 169 (19.76%) है, तथा पाँच व पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ बहुत कम 12 (1.50%) है। तीन वर्ष के जन्म अन्तराल के बाद दो वर्ष, चार वर्ष तथा एक वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ हैं।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर 421 (49.24%) है, तत्पश्चात् स्नातक 256 (29.94%) इण्टरमीडिएट 106 (12.39%), हाई स्कूल 51 (5.96%) तथा जूनियर हाई स्कूल 6 (0.70%) शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ सर्वाधिक 169 (19.76%) है। 352 (41.16%) शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं, जिसके दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल का ध्यान नहीं उठता ।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाएँ सबसे अधिक तथा पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल बहुत कम तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल नहीं है।

सारिणी संख्या 6.0

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म-अन्तराल

आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा								
जूनियर हाई-स्कूल	-	-	380.358	180.128	280.238	-	-	680.708
			50.00	16.67	33.33			100.00
हाई-स्कूल	380.358	981.058	3183.638	380.358	380.358	-	280.238	5185.968
	5.88	17.65	60.78	5.88	5.88		3.92	100.00
इण्टरमीडिएट	280.238	1581.768	2082.348	2683.048	3483.988	1081.178	-	106812.398
	1.89	14.15	18.87	24.52	32.08	9.43		100.00
स्नातक	-	2582.928	130815.208	3083.518	6587.608	280.238	480.478	256829.948
		9.77	50.78	11.72	25.39	0.78	1.56	100.00
स्नातकोत्तर	3884.448	4585.268	136815.918	2082.348	6687.728	880.948	780.818	421849.248
	9.03	10.69	32.30	4.75	15.68	1.90	1.66	100.00
डीग्रीफ़िलो	280.238	680.708	780.828	-	-	-	-	1581.758
	13.33	40.00	46.67					100.00
योग	4585.268	100811.708	427849.948	8089.368	170819.888	2082.348	1381.528	8558100.888

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श

जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 6.0 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच में आदर्श जन्म अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 427 (49.9%) है तत्पश्चात् पाँच वर्ष का अन्तराल उचित समझती है। एक वर्ष तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बहुत कम है।

सम्पूर्ण न्यादर्श के सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ स्नातकोत्तर हैं, तत्पश्चात् स्नातक, अण्टरमीडिएट, डी०एफ० व जूनियर हाई स्कूल स्तरीय हैं, जिसमें तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाएँ दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक उचित समझती हैं तत्पश्चात् पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझती हैं।

जन्म अन्तराल **एक वर्ष** **दो वर्ष** **तीन वर्ष** **चार वर्ष** **पांच वर्ष** **पांच वर्ष से अधिक** **कोई बच्चा भविष्यदिन नहीं है** **योग**

आयुवर्ग

20-30	-	-	-	1१०.12१	-	17१.99१	112१.13.09१	92१.10.76१	222१.25.96१
				0.45		7.66	50.45	41.44	100.00
30-40	5१०.58१	18१.2.11१	4१०.47१	3१०.35१	1१०.12१	20१.2.34१	32१.3.74१	239१.27.95१	327१.38.25१
	1.53	5.50	1.22	0.92	0.31	6.12	9.79	73.09	100.00
40-50	8१०.95१	7१०.62१	25१.2.92१	5१०.58१	1१०.12१	13१.1.52१	16१.1.87१	142१.16.61१	223१.26.08१
	3.59	3.14	11.21	2.24	0.45	5.83	7.17	63.68	100.00
50-60	4१०.47१	3१०.35१	12१.1.40१	2१०.23१	3१०.35१	-	8१०.93१	7१०.82१	83१.9.71१
	4.82	3.61	14.46	2.41	3.61		9.64	8.43	100.00
योग	17१.99१	15१.75१	55१.6.43१	12१.1.40१	2१०.23१	58१.6.78१	167१.19.53१	517१.60.47१	855१.100.११

शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच में

जन्म अन्तराल-

सारणी संख्या 6.1 में शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) अविवाहित 58 (6.78%) शिक्षक महिलाओं के कोई बच्चा नहीं तथा 517 (60.47%) शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं। श्रेष्ठ शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चे के बीच में सबसे अधिक अन्तराल तीन वर्ष तथा सबसे कम पाँच वर्ष से अधिक का है एक वर्ष, दो वर्ष, चार, पाँच वर्ष के जन्म अन्तराल के कम होने के कारण कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। (30-40) आयु वर्ग में सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ हैं तथा (20-30), (40-50), आयु वर्ग में लगभग बराबर शिक्षक महिलाएँ हैं तथा (50-60) आयु वर्ग में सबसे कम शिक्षक महिलाएँ हैं। इन सभी आयु वर्गों की शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल सबसे अधिक तथा पाँच वर्ष से अधिक का अन्तराल सबसे कम है।

शांतिना संख्या 6 2.

शिक्षक महिलाओं को शिक्षा के अन्तार तीतर बच्चे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल

शिक्षा	जन्म-अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	जागू नहीं	योग
सुनियर हाई स्कूल	-	-	-	-	-	-	-	180.128	280.238	380.358	680.708
								16.67	33.33	50.00	100.00
हाई स्कूल	280.238	180.128	280.238	480.478	480.478	180.128	180.128	280.238	380.358	328.748	518.968
	3.92	1.96	3.92	7.84	7.84	1.96	3.92	5.88	5.88	62.75	100.00
इण्टर मीडियट	180.128	380.358	158.1.758	380.358	280.238	280.238	-	780.828	128.1.408	638.7.378	1068.12.398
	0.94	2.83	14.15	2.83	1.89	-	-	6.60	11.32	59.43	100.00
स्नातक	580.588	680.708	118.1.298	280.238	680.708	180.128	180.128	218.2.468	488.5.618	1568.18.208	2568.29.948
	1.95	2.34	4.29	0.78	2.34	0.39	0.39	8.20	18.75	160.94	100.00
स्नातकोत्तर	680.708	580.588	278.3.168	380.358	-	-	-	278.3.168	1008.11.698	2538.29.598	4218.49.248
	1.43	1.19	6.41	0.71	-	-	-	6.41	23.75	60.09	100.00
डीग्री डिप्लोमा	380.358	-	-	-	-	-	-	-	280.238	108.1.168	158.1.758
	20.00								13.33	66.67	100.00
योग	178.1.998	158.1.758	558.6.438	128.1.408	128.1.408	280.238	280.238	588.6.788	1678.19.538	5178.60.468	8558.100.788

शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के बीच में

जन्म अन्तराल-

सांख्यिकी संख्या 6:2 में शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के बीच में जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें 167 (19.53%) अविवाहित, 58 (6.78%) जिनके कोई बच्चा नहीं तथा 817 (60.47%) जिनके मात्र दो बच्चे हैं। शेष शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चों के जन्म के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक 55 (6.43%) है। तत्पश्चात् एक तथा दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाएँ हैं। पाँच वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं का संख्या न्यूनतम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलाएँ 421 (49.24%) हैं, जिसमें अधिकतर शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है। सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० 15 (1.75%) शिक्षक महिलाओं में अधिकांश 10 (1.17%) शिक्षक महिलाओं के मात्र एक या दो बच्चे हैं, जिनके तीसरे व चौथे बच्चों के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता ।

अतः स्पष्ट है, कि अधिकांश 517 (60.47%) शिक्षक महिलाओं के मात्र एक या दो बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चों के जन्म के बीच में जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता, शेष शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चों के बीच में तीन वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सर्वाधिक तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या न्यूनतम है।

सारिणी संख्या 6.3

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयताके संदर्भ में छात्रों को दिया हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया	परामर्श नहीं दिया	योग
20-30	482.198 100.00	-	482.198 100.00
30-40	20810.998 32.79	41822.538 67.21	61833.528 100.00
40-50	43823.638 40.19	64835.168 59.81	107858.798 100.00
50-60	582.758 50.00	582.758 50.00	1085.498 100.00
योग	72839.568	110860.448	18281008

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की आयु

के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में उनके द्वारा छात्रों

को दिया हुआ परामर्श:-

सारिणी संख्या 6.3 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में 110 §50.44%§ शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को परामर्श नहीं दिया है, तथा 72 §39.65%§, शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु-वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 §2.19%§ महिलाएँ, 30-40 आयु वर्ग में 61 §33.52%§, §40-50 आयु वर्ग में 107 §58.79%§ एवं 10 §5.49%§ शिक्षक महिलाएँ 50-60 आयु वर्ग की हैं। परामर्श देने वाली सभी महिलाओं में 20-30 आयु वर्ग की सभी शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, परन्तु आयु बढ़ने के साथ-साथ परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या घटी है। संभवतः इसका कारण अधिक आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं का छात्रों को परिवार नियोजन सम्बन्धित ज्ञान देने में शर्म व संकोच हो सकता है।

सारिणी संख्या - 6.4

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार निर्वाजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिया गया परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	2१1.09१ 66.67	1१0.55१ 33.33	3१1.65१ 100.00
हाई-स्कूल	6१3.29१ 31.58	13१7.14१ 68.42	19१10.44१ 100.00
इन्टरमीडिएट	10१5.49१ 34.48	19१10.44१ 65.52	29१15.93१ 100.00
स्नातक	18१9.89१ 34.62	34१18.68१ 65.38	52१28.57१ 100.00
स्नातकोत्तर	33१18.13१ 44.00	42१23.08१ 56.00	75१41.21१ 100.00
डॉक्टरेट	3१1.65१ 75.00	1१0.55१ 25.00	4१2.19१ 100.00
योग	72१39.56१	110१60.44१	182१100.०१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श:-

सारिणी संख्या 6.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिया गया परामर्श प्रदर्शित है। न्यादश में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। 182 शिक्षक महिलाओं में 72, 39.56% ने छात्रों को परामर्श दिया है, तथा 110, 60.44% ने परामर्श नहीं दिया है।

न्यादश के शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है - जूनियर हाई स्कूल 381.65%, हाई स्कूल 19, 10.44%, इण्टर मीडिएट 29, 15.93%, स्नातक 52, 28.57%, स्नातकोत्तर 75, 41.21%, डी० फिल० मात्र 4, 2.19%, है। जूनियर हाई स्कूल व डी० फिल० शिक्षक महिलाओं ने छात्रों को अधिक परामर्श दिया है, तथा हाई स्कूल, इण्टर मीडिएट, स्नातक, स्नातकोत्तर ने छात्रों को परामर्श नहीं दिया है।

सारिणी संख्या -65

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन

की वारिणीयता के संदर्भ में तम्बन्धी व मित्रों को दिया हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	381.658	180.558	482.198
	75.00	25.00	100.00
30-40	35819.238	26814.298	61833.528
	57.38	42.62	100.00
40-50	71839.018	36819.788	107858.798
	66.36	33.64	100.00
50-60	482.198	683.298	1085.498
	40.00	60.00	100.00
योग	113862.098	69837.918	182810088

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की
वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को दिया हुआ परामर्श-

सारिणी संख्या 6.5 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें पूर्ण परिवार वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनमें 113 {62.09%} शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को परामर्श दिया है, तथा 69 {37.9%} ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को उनकी आयु के अनुसार चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 {2.19%}, 30-40 आयु वर्ग में 61 {33.52%}, 40-50 आयु वर्ग में 107 {58.79%}, 50-60 आयु वर्ग में 10 {5.49%} हैं। इसमें 20-30, 30-40, 40-50, आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है तथा 50-60 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में अधिक ने परामर्श नहीं दिया, इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं का परामर्श कम देने का कारण परिवार नियोजन से सम्बन्धित कम ज्ञान होना तथा परिवार नियोजन सम्बन्धित जानकारी देने में शर्म व संकोच आदि हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया गया परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
बृजिनगर हाई-स्कूल	2१1.09१ 66.67	1१0.55१ 33.33	3११.65१ 100.00
हाई-स्कूल	13१7.14१ 68.42	6१3.29१ 31.58	19१10.44१ 100.00
इण्टरमीडियट	16१8.79१ 55.17	13१7.14१ 44.83	29१15.93१ 100.00
स्नातक	31१17.03१ 59.62	21१11.54१ 40.38	52१28.57१ 100.00
स्नातकोत्तर	47१25.82१ 62.67	28१15.38१ 37.33	75१41.21१ 100.00
डीग्री	4१2.19१ 100.00	-	4१2.19१ 100.00
योग	113१62.09१	69१37.91१	182१100.००

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को

दिया हुआ परामर्श-

सारिणी संख्या 6.6 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में 113 § 62.09% § शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी और मित्रों को परामर्श दिया है तथा 69 § 37.91% § ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है- जूनियर हाई स्कूल स्तरीय 3 § 1.65 §, हाईस्कूल 19 § 10.44 § इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० स्तरीय 4 § 2.19% § है। जूनियर हाईस्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं में 50% ने परामर्श दिया है, तथा 50% ने परामर्श नहीं दिया है। हाई-स्कूल, इण्टरमीडिएट स्नातक, स्नातकोत्तर, शैक्षिक स्तरों की अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, तथा डी०फिल० शिक्षक महिलाओं में शत-प्रतिशत ने परामर्श दिया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धी व मित्रों को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या - 6.7

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार
परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय
को दिया हुआ परामर्श

आयु वर्ग	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	3११.65१	1१0.55१	4१2.19१
	75.00	25.00	100.00
30-40	39१21.43१	22१12.09१	61१33.52१
	63.93	36.07	100.00
40-50	78१42.86१	29१15.93१	107१58.79१
	72.89	27.10	100.00
50-60	6१3.29१	4१2.19१	10१5.49१
	60.00	40.00	100.00
योग	126१69.23१	56१30.77१	182१00.०१

पूर्ण परिवार {Completed family} वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार

परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

सारिणी संख्या 6.7 में पूर्ण परिवार { Completed family } वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिनमें पूर्ण परिवार { Completed family } वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनमें 126 {69.23%} शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 56 {30.77%} ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को उनकी आयु के अनुसार चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 {2.19%}, 30-40 आयु वर्ग में 61 {33.52%}, 40-50 आयु वर्ग में 107 {58.79%}, 50-60 आयु वर्ग में 10 {5.49%} है। इसमें सभी आयु वर्ग भी अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को परामर्श दिया है।

सारिणी संख्या - 6.8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया गया परामर्श

शिक्षा	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	1४0.558 33.33	2४1.09४ 66.67	3४1.65४ 100.00
हाई-स्कूल	11४6.04४ 57.89	8४4.39४ 42.11	19४10.44४ 100.00
इण्टरमीडिएट	19४10.44४ 65.52	10४5.49४ 34.48	29४15.93४ 100.00
स्नातक	36४19.78४ 69.23	16४8.79४ 30.77	52४28.57४ 100.00
स्नातकोत्तर	55४30.22४ 73.33	20४10.99४ 26.67	75४41.21४ 100.00
डीग्री	4४2.19४ 100.00	-	4४2.19४ 100.00
योग	126४69.23४	56४23.77४	182४10४४४

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श

सारिणी संख्या 6.8 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिया हुआ परामर्श प्रदर्शित है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलाएँ हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में 126 § 69.23% § शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, तथा 56 § 30.77% § शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है— जूनियर हाई-स्कूल 3 § 1.65% §, हाई स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० 4 § 2.19% § है। जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं में अधिक 75% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है, तथा मात्र 25% ने परामर्श दिया है। विभिन्न शैक्षिक स्तरीय शिक्षक महिलाओं में अधिकांश शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, तथा शैक्षिक स्तर के बढ़ने के साथ-साथ अधिक परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बढ़ी है, तथा सबसे अधिक शिक्षित डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं ने शत प्रतिशत परामर्श दिया है।

उपररोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु

विवाह की आयु

आयु वर्ग	15 वर्ष से नीचे	15-18 वर्ष	18-21 वर्ष	21-25 वर्ष	25-30 वर्ष	30 वर्ष से अधिक	योग
20-30	-	-	31.65	180.55	-	-	42.19
			75.00	25.00			100.00
30-40	-	42.19	180.55	348.18.68	158.24	73.85	6133.52
		6.56	1.64	55.73	24.59	11.48	100.00
40-50	-	73.85	180.55	6937.91	26814.29	42.19	10758.79
		6.54	0.93	64.49	24.29	3.74	100.00
50-60	-	180.55	42.19	52.75	-	-	105.49
		10.00	40.00	50.00			
योग	-	126.59	94.95	10959.89	4122.53	116.04	182100.8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु

सारिणी संख्या 6.9 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें ऐसी शिक्षक महिलायें जिनकी विवाह की आयु 21-25 वर्ष है उनकी संख्या सर्वाधिक 60% है। 15 वर्ष से कम किसी भी शिक्षक महिला की विवाह की आयु नहीं है। 21 वर्ष से नीचे विवाह की आयु वाली 11% शिक्षक महिलायें तथा 25 वर्ष से अधिक विवाह की आयु वाली 29% शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 48.19% शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें अधिक 75% की विवाह की आयु 18-21 वर्ष है 30-40 आयु वर्ग 56% की 21-25 वर्ष विवाह की आयु है तथा लगभग 8% की 21 वर्ष से कम है, तथा 25 वर्ष से अधिक लगभग 36% शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु है। 40-50 आयु वर्ग में लगभग 65% शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष है तथा लगभग 8% की 21 वर्ष से कम है, तथा 28% की 25 वर्ष से अधिक है। 50-60 आयु वर्ग में 50% शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष है, 21 वर्ष से कम विवाह की आयु वाली 50% शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु

विवाह की आयु	15 वर्ष से नीचे	18-21 वर्ष	21-25 वर्ष	25-30 वर्ष	30 वर्ष से अधिक	योग
शिक्षा						
जूनियर हाई स्कूल	-	381.658	-	-	-	381.658
		100.00				100.00
हाई स्कूल	-	984.958	683.298	381.658	180.558	19810.448
		47.37	31.58	15.78	5.26	100.00
इण्टर मीडिस्ट	-	-	180.558	984.958	381.658	29815.938
		3.45	55.17	31.03	10.34	100.00
स्नातक	-	-	482.198	31817.038	1789.348	52828.578
		7.69	59.62	32.69	-	100.00
स्नातकोत्तर	-	-	482.198	53829.128	1186.048	75841.218
		5.33	70.67	14.67	9.33	100.00
डी० फिल०	-	-	-	381.658	180.558	482.198
				75.00	25.00	100.00
योग	-	1286.598	984.958	109859.898	41822.538	1828100.88

पूणे परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह

की आयु:-

सारिणी संख्या 7.0 में पूणे परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूणे हो चुके हैं। 182 शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 109 § 59.89% § शिक्षक महिलायें 21-25 वर्ष विवाह की आयु की हैं, तत्पश्चात् 25-30 वर्ष विवाह की आयु की 41 § 22.53 § 30 वर्ष से अधिक 11 § 6.04% § 6.04% § तथा 18-21 वर्ष विवाह की आयु को 9 § 4.95% § न्यूनतम है।

सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 75 § 41.21% § स्नातकोत्तर हैं, जिसमें अधिक 53 § 29.12% § शिक्षक महिलाओं का विवाह की आयु 21-25 वर्ष 11 § 6.04% § शिक्षक महिलाओं को 25-30 वर्ष है, स्नातक इण्टर मीडियट, हाई स्कूल, डी० फिन० सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं की विवाह की आयु 21-25 वर्ष अधिकतर है।

सांख्यिकी संख्या - 7 J

पुरुष परिवार वाली शिक्षण मस्तिष्कालों का आयु के अनुसार नमूनों के लिए विभागे को आदर्श आयु

आयु वर्ग	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	योग
20-30	-	-	-	100.55	211.09	100.55	100.55	-	-	-	412.19
				25.00	50.00	25.00					100.00
30-40	-	-	-	211.09	1500.24	1387.14	42.19	2212.09	582.75	-	6133.52
				3.28	24.59	21.31	6.56	36.19	8.19		100.00
40-50	100.55	-	-	811.39	1085.49	6636.20	944.95	984.05	482.19	-	10758.79
	0.93			7.48	5.35	61.68	6.41	5.41	3.74		100.00
50-60	211.09	-	100.55	100.55	42.19	-	100.55	-	100.55	-	1015.47
	20.00	10.00	10.00	10.00	40.00	10.00			10.00		100.00
योग	311.65	-	100.55	116.04	30816.40	6144.51	15.824	3117.03	1085.49	-	182100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु:-

सारिणी संख्या 7/1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनमें परिवार पूर्ण हो चुके हैं। लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 81 § 44.51% § है, इसके पश्चात् 28 वर्ष को 31 § 17.03% § शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं, 25 वर्ष को आदर्श मानने वाली 30 § 16.48% § है। 28 वर्ष से ऊपर आयु को आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें शून्य तथा 25 वर्ष से नीचे आदर्श मानने वाली 8% है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% § शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 50%, 26 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती है। 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% § शिक्षक महिलाये हैं, जिसमें 22 § 12.09% §, 28 वर्ष को तथा 15 § 8.24% §, 25 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती है। 40-50 आयु वर्ग में अधिकतर 26 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती है। 50-60 आयु वर्ग में 25 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती है। 20-30 तथा 50-60 आयु वर्ग में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं ने 28 वर्ष एवं 40-50 आयु वर्गीय महिलाओं ने 26 वर्ष आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है।

गतिरथा संख्या 7-
 पूरा परिष्कार पाया गया है कि 1.0 विगत के गार्डन में

वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	पूरा योग
परिष्कार	241.09	110.55	-	-	-	-	-	-	-	-	351.65
	66.67	33.33									100.00
परिष्कार	180.55	-	180.55	512.75	512.75	512.75	512.75	412.19	-	-	1910.44
	5.26	5.26	26.32	26.32	15.79	21.05					100.00
परिष्कार	-	-	31.05	512.75	116.59	281.09	512.75	281.09	512.75	-	2915.95
	-	10.34	17.24	41.37	6.69	6.69	17.24				100.00
परिष्कार	-	-	-	42.19	147.69	2010.99	412.19	914.95	10.55	-	52128.57
	-	7.09	26.91	38.46	7.69	17.31	1.91				100.00
परिष्कार	-	-	31.05	65.29	412.75	512.75	108.79	4.19	-	-	75-1.21
	-	4.06	8.00	6.67	6.67	21.35	5.33				100.00
परिष्कार	-	-	-	-	31.05	10.55	-	-	-	-	42.19
	-	-	-	-	75.00	25.00					100.00
पूरा योग	31.05	10.55	10.55	3010.46	1568.24	3117.03	15.49	-	-	-	16210.21

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु

सारिणी संख्या 7.2 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में दी गयी राय प्रदर्शित है। सर्वाधिक 81.44.51% शिक्षक महिलायें 26 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। इसके पश्चात 28 वर्ष को 17.03% तथा 25 वर्ष को 16.48% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। सारिणी से स्पष्ट है कि 25 वर्ष व उससे अधिक आयु को आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें 92% हैं, तथा 25 वर्ष से कम आयु को आदर्श मानने वाली मात्र 8% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में जूनियर हाई स्कूल स्तरीय मात्र 3 हैं, जिसमें 66.67% ने 21 वर्ष को आदर्श माना है, हाई स्कूल स्तरीय 19 में अधिकता 25 तथा 26 वर्ष, को 42% ने, स्नातक स्तरीय में 39% ने 26 वर्ष को, स्नातकोत्तर में 55%, 26 वर्ष को तथा 22%, 28 वर्ष को डी० फिल० स्तरीय में 75% 26 वर्ष को आदर्श माना है। शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ - साथ शिक्षक महिलाओं ने लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु में वृद्धि दिखायी पड़ी है।

सारणी संख्या - 73

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तकियाओं के तिर किताह की आदतों आयु

आयु वर्ग	18 वर्ष	19 वर्ष	20 वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	25 वर्ष योग से ऊपर
20-30	-	-	-	-	-	211.098	211.098	-	422.198
						50.00	50.00		100.00
30-40	-	-	2111.548	422.198	2312.648	422.198	914.958	-	61833.528
			34.43	6.56	37.70	6.56	14.75		100.00
40-50	-	683.298	281.098	1688.798	35819.238	29115.938	1186.018	814.398	107158.798
		5.61	1.67	14.95	32.71	27.10	10.28	7.48	100.00
50-60	-	42.198	110.558	-	211.098	-	31.658	-	1015.498
		40.00	10.00	20.00	30.00				100.00
योग	-	1015.498	311.658	37820.35	41222.52	45228.528	20110.998	19110.448	1821100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए

विवाह की आदर्श आयु:-

सारिणी संख्या 7.3 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिनमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। इन शिक्षक महिलाओं में लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष आदर्श समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 52.57% हैं, तत्पश्चात् 21 वर्ष, आदर्श समझने वाली 41.52%, 21 वर्ष आदर्श समझने वाली 37.33%, 24 वर्ष उचित समझने वाली 19.44%, 23 वर्ष 20.99% शिक्षक महिलायें हैं। 20 वर्ष से कम विवाह की आयु आदर्श समझने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 8% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है - 20-30 आयु वर्ग में 4.19% शिक्षक महिलायें हैं जिनमें 23 व 24 वर्ष को शिक्षक महिलायें विवाह की आदर्श आयु मानती हैं। 30-40 आयु वर्ग में 20 तथा 22 वर्ष को तथा 40-50 में 20 वर्ष 21 वर्ष तथा 22 वर्ष को तथा 50-60 आयु वर्ग में 18 वर्ष को विवाह की आदर्श आयु मानती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलायें लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 20 से 22 वर्ष आदर्श मानती हैं तथा सबसे अधिक 22 वर्ष को आदर्श आयु मानती हैं।

भारतीय संख्या - 7.4

पूर्व परिवार धारण विश्वक मॉडलिंग व. शिक्षा के अनुसार नृसिद्धि के लिए दिखाए वी मासिक आय

विषय की आदमी आय से कम	18 वर्ष	19 वर्ष	20 वर्ष	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	25 वर्ष से अपर	कुल योग
शिक्षा										
पुनियर हाई स्कूल	180.55	211.09	-	-	-	-	-	-	-	381.65
	33.33	66.67								100.00
हाई स्कूल	311.65	-	211.09	73.95	211.09	211.09	311.65	-	-	19110.44
	15.78		10.53	36.84	10.53	10.53	15.79			100.00
इण्टर मीडियट	110.55	-	94.95	84.39	94.95	211.09	-	-	-	29115.95
	3.45		31.03	27.59	31.03	6.89				100.00
स्नातक	110.55	110.55	158.24	118.04	137.14	63.29	512.75	-	-	52128.57
	1.92	1.92	28.85	21.15	25.00	11.54	9.62			100.00
स्नातकोत्तर	412.19	-	116.04	158.24	2815.38	73.85	1015.49	-	-	75141.21
	5.33		14.67	20.00	37.33	9.33	13.33			100.00
डीग्रेज्ड	-	-	-	-	-	31.65	110.55	-	-	412.19
						75.00	25.00			100.00
कुल योग	1015.49	311.65	3720.33	4122.53	52128.52	2010.99	1910.44	-	-	182100.41

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु

सारिणी संख्या 7.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु के बारे में दी गयी राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं जिसमें 22 वर्ष को आदर्श आयु मानने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 29% हैं 21 वर्ष को 23% तथा 20 वर्ष को 20% शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं। 18 वर्ष से कम विवाह की आदर्श आयु को किसी भी शिक्षक महिला ने नहीं स्वीकारा है। 19-20 को आदर्श मानने वाली 9% शिक्षक महिलायें 22 वर्ष से अधिक 23 वर्ष व 24 वर्ष को 21% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय अधिकांशतः 19 वर्ष को आदर्श मानती हैं हाई स्कूल स्तरीय 21 वर्ष को, इण्टर मीडिएट व स्नातक स्तरीय 20-22 वर्ष को, स्नातकोत्तर 22 वर्ष को तथा डी० फिल० 23 वर्ष को आदर्श मानती हैं सर्वाधिक स्नातकोत्तर शिक्षक महिलायें 22 वर्ष को, तथा सर्वाधिक शिक्षित डी० फिल० स्तरीय 23 वर्ष को आदर्श मानती हैं। विवेचन से स्पष्ट है कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ विवाह की आदर्श आयु में वृद्धि दिखायी पड़ी है।

सारिणी संख्या - 7.5

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार

आयु	परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	पांच बच्चे से अधिक	योग
20-30	-	180.55	381.65	-	-	-	-	482.19
		25.00	75.00					100.00
30-40	683.29	25813.74	1789.34	783.85	582.75	180.55	61833.52	
	9.84	40.98	27.87	11.48	8.19	1.64	100.00	
40-50	1186.04	34818.68	36819.78	1487.69	683.29	683.29	107858.79	
	10.28	31.78	33.64	13.08	5.61	5.61	100.00	
50-60	-	482.19	-	683.29	-	-	-	1085.49
		40.00	60.00					100.00
योग	1789.34	64835.16	56830.77	27814.84	1186.04	783.85	1828100.88	

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार

सारिणी संख्या 7.5 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं। ऐसी शिक्षक महिलायें जिनके दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सबसे अधिक 64 § 35.16% § है इसके बाद तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 56 § 30.77% §, चार बच्चे वाली 27 § 14.84% §, एक बच्चे वाली 17 § 9.34% §, पाँच बच्चे वाली 11 § 6.04% § तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलायें सबसे कम 7 § 3.85% § हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% §, 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% §, 40-50 आयु वर्ग में 107 § 58.79% §, 50-60 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § हैं। 40-50 आयु वर्ग में 107 § 58.79% § शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 36 § 19.78% § हैं दो बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 34 § 18.68% § हैं। सबसे कम पाँच बच्चे और पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 33.52% § शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें दो बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 25 § 13.74% § हैं, तीन बच्चे वाली 17 § 9.34% §, तथा पाँच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम मात्र 1 § 0.55% § हैं। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% § शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें तीन बच्चे वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक हैं। 50-60 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § हैं जिसमें चार बच्चे वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक हैं।

सारिणी संख्या - 7-6

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आय के अनुसार आदर्श परिवार का आकार

आय	आदर्श परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
20-30	100.55	100.55	201.09	-	-	-	-	402.19
	25.00	25.00	50.00					100.00
30-40	116.04	3921.43	904.95	201.09	-	-	-	61033.52
	18.03	63.93	14.75	3.28				100.00
40-50	105.49	8245.06	1508.24	-	-	-	-	107058.79
	9.35	76.64	14.02					100.00
50-60	100.55	301.65	603.29	-	-	-	-	1005.49
	10.00	30.00	60.00					100.00
योग	23012.64	125068.68	32017.58	201.09	-	-	-	182000

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार

का आकार:-

सारिणी संख्या $\frac{7.6}{}$ में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं $\{$ पूर्ण परिवार वाली $\}$ का अध्ययन किया गया है।

एक आदर्श परिवार में दो बच्चे आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलाओं का संख्या सर्वाधिक 125 $\{$ 68.68% $\}$ है, इसके बाद तीन बच्चे 32 $\{$ 17.58% $\}$ एक बच्चा 23 $\{$ 12.64% $\}$ तथा चार बच्चे आदर्श मानने वाली न्यूनतम मान 2 $\{$ 1.09% $\}$ है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है, 20-30 आयु वर्गों में 4 $\{$ 2.19% $\}$, शिक्षक महिलायें हैं, 30-40 आयु वर्ग में 61 $\{$ 33.52% $\}$ शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें अधिकतर दो बच्चे आदर्श मानती हैं, 40-50 आयु वर्ग में 107 $\{$ 58.79% $\}$ में 82 $\{$ 45.06% $\}$ दो बच्चे तथा 50-60 आयु वर्ग में तीन बच्चे आदर्श मानती हैं।

अतः उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि लगभग 70% शिक्षक महिलायें $\{$ पूर्ण परिवार वाली $\}$ एक आदर्श परिवार में दो बच्चे आदर्श मानती हैं।

सारिणी संख्या - 7.7

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार

परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
शिक्षा							
जूनियर हाई-स्कूल	-	-	3११.65१	-	-	-	3११.65१ 100.00
हाई-स्कूल	1१०.55१	6१३.30१	7१३.85१	2११.09१	3११.65१	-	19११0.44१ 100.00
5.26	31.58	36.84	10.53	15.78			
इंटरमीडिएट	3११.65१	8१४.39१	9१४.95१	4१२.19१	2११.09१	3११.65१	29११5.93१ 100.00
10.34	27.59	31.03	13.79	6.89	10.34		
स्नातक	5१२.75१	15१४.24१	17१९.34१	11१६.04१	2११.09१	2११.09१	52१२8.57१ 100.00
9.62	28.85	32.69	21.15	3.85	3.85		
स्नातकोत्तर	8१४.40१	31११7.03१	20११0.99१	10११5.49१	4१२.19१	2११.09१	75११41.21१ 100.00
10.67	41.33	26.67	13.33	5.33	2.67		
डॉ०फिल०	-	4१२.19१	-	-	-	-	4१२.19१ 100.00
योग	17१९.35१	64१३5.16१	56१३0.77१	27११4.84१	1११६.04१	7१३.35१	182११00.११

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार परिवार का आकार :-

सारिणी संख्या 7.7 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार का आकार प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। ऐसी शिक्षक महिलायें, जिनके परिवार में दो बच्चे हैं, उनकी संख्या सबसे अधिक 64 § 35.16% है, इसके बाद तीन बच्चे वाली 56 § 30.77%, चार बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 27 § 14.84%, एक बच्चा रखने वाली शिक्षक महिलायें 17 § 9.35%, पांच बच्चे वाली शिक्षक महिलायें 11 § 6.04%, तथा पांच बच्चे से अधिक वाली शिक्षक महिलायें मात्र 7 § 3.85% हैं।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई-स्कूल 3 § 1.65%, हाई-स्कूल 19 § 10.44%, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93%, स्नातक 52 § 28.57%, स्नातकोत्तर 75 § 41.21%, डी०फिल० 4 § 2.19% है, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं में 100% शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं।

हाई-स्कूल इण्टरमीडिएट, स्नातक स्तरीय शिक्षक महिलाओं के परिवार में तीन बच्चे सबसे अधिक 33% है इसके बाद दो बच्चे हैं परन्तु स्नातकोत्तर व डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं के परिवार में, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं में अधिकतर 41.23% दो बच्चे हैं, तथा डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलाओं के शत प्रतिशत दो बच्चे हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है कि शिक्षा स्तर बढ़ने से परिवार का आकार घटा है।

सांख्यिकी संख्या 7.8

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार का आकार

शिक्षा	आदर्श परिवार का आकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे से अधिक	योग
जूनियर हाई-स्कूल	-	1१0.55१	2१1.09१	-	-	-	3१1.65१ 100.00
हाई स्कूल	-	13१7.14१	4१2.19१	2१1.09१	-	-	19१10.44१ 100.00
इंटरमीडिएट	2१1.09१	19१10.44१	8१4.39१	-	-	-	29१15.93१ 100.00
स्नातक	4१2.19१	37१20.33१	11१6.04१	-	-	-	52१28.57१ 100.00
स्नातकोत्तर	17१9.34१	51१28.02१	7१3.85१	-	-	-	75१41.21१ 100.00
डिप्लोमा	-	4१2.19१	-	-	-	-	4१2.19१ 100.00
योग	25१12.64१	125१68.68१	32१17.58१	2१1.09१	-	-	182१100.११

पूर्ण परिवार $\&$ Completed family $\&$ वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के

अनुसार "आदर्श परिवार" का आकार-

सारिणी संख्या 7.8 में पूर्ण परिवार $\&$ Completed family $\&$ वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक "आदर्श परिवार" के आकार के बारे में राय प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार $\&$ Completed family $\&$ वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में, शिक्षक महिलाओं के अनुसार एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक 125 $\&$ 68.68% $\&$, इसके बाद तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 32 $\&$ 17.58% $\&$, एक बच्चा उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 23 $\&$ 12.64% $\&$ तथा चार बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 2 $\&$ 1.09% $\&$ हैं।

पूर्ण परिवार $\&$ Completed family $\&$ वाली शिक्षक महिलायों की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई-स्कूल 3 $\&$ 1.65% $\&$, हाई-स्कूल 19 $\&$ 10.44% $\&$, इण्टरमीडिएट 29 $\&$ 15.93% $\&$, स्नातक 52 $\&$ 28.57% $\&$, स्नातकोत्तर 75 $\&$ 41.21% $\&$, डी०फिल० 4 $\&$ 2.19% $\&$ हैं। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक महिलाओं में दो बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 25% तथा तीन बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 75% हैं। हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट, स्नातक शिक्षक महिलायें सबसे अधिक दो बच्चे उचित समझती हैं, इसके बाद तीन बच्चे उचित समझती हैं, स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षक महिलायें दो बच्चे सबसे अधिक उचित समझती हैं, तथा इसके बाद एक बच्चा उचित समझती हैं। सर्वाधिक शिक्षित डी०फिल० शिक्षक महिलायें दो बच्चे उचित समझती हैं।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, कि सभी शैक्षिक स्तर की शिक्षक महिलायें एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझती हैं।

सारिणी तंख्या - 7.9

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चों के जन्म के बीच जन्म अन्तराल

आयु	जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30		2११.०9१	-	2११.०9१	-	-	-	4१२.१9१
		50.00		50.00				100.00
30-40		25११३.७4१	29११५.९3१	4१२.१9१	2११.०9१	११०.५5१	-	6११३३.५2१
		40.98	47.50	6.56	3.76	१.64		100.00
40-50		48१२6.३7१	37१२0.३3१	१4१७.६9१	6१३.२9१	2११.०9१	-	१07१५8.७9१
		44.86	34.58	१3.06	5.4	१.87		100.00
50-60		११०.५5१	8१४.३9१	११०.५5१	-	-	-	१0१५.49१
		१0.00	80.00	१0.00				100.00
योग		76१४१.७6१	74१४0.६6१	2११११.५4१	8१४.३9१	3११.६5१	-	१82११00.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चे के जन्म के बीच जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 7.9 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। ऐसी शिक्षक महिलायें, जिनमें विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच एक वर्ष का जन्म अन्तराल है उनकी संख्या सबसे अधिक 76 § 41.76 §, इसके बाद दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें 74 § 40.66% §, तीन वर्ष का जन्म-अन्तराल वाली 8 § 4.39% §, पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 3 § 1.65% § न्यूनतम है। 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% § शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें एक और तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% § शिक्षक महिलायें हैं जिसमें एक तथा दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें बराबर 25 § 13.74% § है तथा चार तथा पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल मात्र 1 § 0.55% § है। 40-50 आयु वर्ग में 107 § 58.79% § है जिसमें एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 48 § 26.37% § तथा पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम है। 50-60 आयु वर्ग में 10 § 5.59% § शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक है।

सारिणी संख्या- ४.०

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल

आयु वर्ग	आदर्श जन्म अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30	-	3१1.65१	1१0.55१	-	-	4१2.19१	100.00	4१2.19१
30-40	4१2.19१	4११22.53१	10१5.49१	6१3.29१	9.84	61१33.52१	100.00	61१33.52१
40-50	39१21.43१	51१28.02१	9१4.94१	4१2.19१	3.74	107१58.79१	100.00	107१58.79१
50-60	1१0.55१	9१8.41१	-	-	-	10१5.49१	100.00	10१5.49१
योग	44१24.18१	104१57.14१	20१10.99१	10१5.49१	4१2.19१	182१100.४१	-	182१100.४१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले

बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या $\frac{8.0}{-}$ में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 104 § 57.14% § तथा पांच तथा पांच से अधिक जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली न्यूनतम 4 § 2.19% § है। दो वर्ष के पश्चात् एक वर्ष आदर्श मानने वाली 44 § 24.18% §, तीन वर्ष 20 § 10.99% § तथा चार वर्ष 10 § 5.49% § शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं।

सम्पूर्ण न्यादर्श को चार आयु वर्गों में विभक्त किया गया है 20-30 आयु वर्ग में 4 § 2.19% §, 30-40 आयु वर्ग में 61 § 33.52% §, 40-50 आयु वर्ग में 10 § 5.49% § है। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें दो वर्ष को विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल मानती हैं।

सारिणी संख्या 8.1

पूर्व परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म अन्तराल

वर्ष में— जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	योग
शिक्षा							
जूनियर हाई-स्कूल	—	21.09%	180.55%	—	—	—	381.65%
		66.67	33.33				100.00
हाई-स्कूल	84.39%	683.29%	381.65%	180.55%	180.55%	—	19810.44%
	42.11	31.58	15.79	5.26	5.26	—	100.00
इण्टरमीडिएट	105.49%	1186.04%	783.85%	—	180.55%	—	29815.93%
	34.48	37.93	24.14		3.45		100.00
स्नातक	2212.09%	23812.64%	482.19%	281.09%	180.55%	—	52828.57%
	42.31	44.23	7.69	3.85	1.92		100.00
स्नातकोत्तर	3818.13%	31817.03%	683.29%	582.75%	—	—	75841.21%
	44.00	41.33	8.00	6.67			100.00
डिप्लोमा	81.65%	180.55%	—	—	—	—	482.19%
	75.00	25.00					100.00
योग	76841.76%	74840.66%	21811.54%	814.39%	381.65%	—	1828100%

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म अन्तराल:-

सांख्यिकी संख्या ३.१ में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच जन्म-अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में ८५५ शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली १८२ शिक्षक महिलाओं में विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच एक वर्ष का जन्म-अन्तराल रखने शिक्षक महिलायें सबसे अधिक ७६§४१.७६%§, दो वर्ष का जन्म-अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें ७४§४०.६६%§, तीन वर्ष का जन्म-अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें ८§४.३९%§ एवं पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें मात्र ३§१.६५%§ है।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल स्तरीय ३ §४.६५%§, शिक्षक महिलायें हाई स्कूल स्तरीय १९§१०.४५%§, इण्टरमीडिएट, स्तरीय २९§१५.९३%§, स्नातक ५२§२८.५७%§, स्नातकोत्तर ७५§४१.२१%§, एवं डी०फिल० स्तरीय ४§२.१९%§ शिक्षक महिलायें हैं। इसमें जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक उचित समझती है। हाई-स्कूल, इण्टरमीडिएट स्नातक स्नातकोत्तर शिक्षक महिलायें एक वर्ष एवं दो वर्ष के जन्म अन्तराल दोनों को अधिक उचित समझती है। डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच एक वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक उचित समझती है। अधिक समय तक शिक्षक जीवन के बाद प्रथम सन्तान की शीघ्र इच्छा इन शिक्षक महिलाओं के मनोवृत्तियों को दर्शाती है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म-अन्तराल

वर्ष में--

शिक्षा	आदर्श जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच वर्ष से अधिक	योग
जूनियर हाई-स्कूल	-	2१1.09१	1१0.55१	-	-	-	-	3१1.65१
		66.67	33.33					100.00
हाई-स्कूल	5१2.75१	11१6.04१	3०1.65१	-	-	-	-	19१10.44१
	26.32	57.29	15.79					100.00
इण्टरमीडिएट	6१3.29१	13१7.14१	8१4.39१	-	2१1.09१	-	-	29१15.93१
	20.69	44.83	27.59		6.89			100.00
स्नातक	16१8.79१	24१13.18१	2१1.09१	8१4.39१	2१1.09१	-	-	52१28.57१
	30.77	46.15	3.85	15.38	3.85			100.00
स्नातकोत्तर	17१9.34१	50१27.47१	6१3.29१	2१1.09१	-	-	-	75१41.21१
	22.67	66.67	8.00	2.67				100.00
डी०एफ०	-	4१2.19१	-	-	-	-	-	4१2.19१
		100.00						100.00
योग	44१24.18१	104१57.14१	20१10.99१	10१5.49१	4१2.19१	-	-	182१100.११

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म-अन्तराल-

सारिणी संख्या 8.2 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक 104 § 57.14% § है। एक वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें 44 § 24.18% §, तीन वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 20 § 10.99% §, चार वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 10 § 5.49% § तथा पांच वर्ष का जन्म- अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सबसे कम 4 § 2.19% § हैं।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल 3 § 1.65% §, हाई स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० 4 § 2.19% §, है। जूनियर हाई-स्कूल शिक्षक महिलायें दो वर्ष तथा तीन वर्ष के अन्तराल को एक बराबर उचित समझती है, हाई-स्कूल इण्टरमीडिएट शिक्षक महिलायें सबसे अधिक दो वर्ष के अन्तराल को तथा इसके बाद तीन वर्ष के अन्तराल को उचित समझती है। स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलायें सबसे अधिक दो वर्ष के अन्तराल को, तत्पश्चात् एक वर्ष के अन्तराल को उचित समझती है तथा डी०फिल० शिक्षक महिलायें शत प्रतिशत दो वर्ष के अन्तराल को ही उचित समझती है।

उपरोक्त विवेचन में स्पष्ट है, कि पूर्ण परिवार § Completed family § वाली सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलायें विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच दो वर्ष के अन्तराल को सबसे अधिक उचित समझती हैं।

सारिणी तंख्या - 8.3

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म-अन्तराल

वर्ष में--	जन्म-अन्तराल							
आयु	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं	योग
20-30	1४०.55४	-	3४1.65४	-	-	-	-	4४2.19४
	25.00		75.00					100.00
30-40	14४7.69४	23४12.64४	13४7.14४	3४1.65४	2४1.09४	-	6४3.29४	61४33.52४
	22.95	37.70	24.59	4.92	3.28		9.84	100.00
40-50	22४12.09४	37४20.32४	22४12.09४	7४3.85४	8४4.39४	-	11४6.04४	107४58.79४
	20.56	34.57	20.56	6.54	7.48		10.28	100.00
50-60	-	-	6४3.29४	4४2.19४	-	-	-	10४5.49४
			60.00	40.00				100.00
योग	37४20.33४	60४32.97४	44४24.18४	14४7.69४	10४5.49४	-	17४9.34४	182४100.४४

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे

बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या ४.३ में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। सम्पूर्ण न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिनमें 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिनके परिवार पूर्ण हो चुके हैं। 182 शिक्षक महिलाओं में 17 $\%$ 9.34% शिक्षक महिलाओं के मात्र एक बच्चा है, अतः पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं में, दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक हैं, तथा पाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल वाली न्यूनतम हैं। एक वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 37 $\%$ 20.33% तथा तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 44 $\%$ 24.18% , चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 14 $\%$ 7.61% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार स्थिति इस प्रकार है - 20-30 आयु वर्ग में 4 $\%$ 2.19% , 30-40 आयु वर्ग में 61 $\%$ 33.52% , 40-50 आयु वर्ग में 107 $\%$ 58.79% , 50-60 आयु वर्ग में 10 $\%$ 5.49% है। 20-30 आयु वर्ग में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सर्वाधिक हैं। 30-40, 40-50 आयु वर्ग में दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली सर्वाधिक हैं। 50-60 में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें अधिक हैं। 20-30 तथा 50-60 आयु वर्ग में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकला जा सकता है। 30-40, 40-50 में शिक्षक महिलाओं में दो वर्ष का जन्म - अन्तराल अधिक है अतः हम देखते हैं कि पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में पहिले व दूसरे बच्चे के बीच अधिकतर दो वर्ष का जन्म - अन्तराल है।

सारिणी संख्या - 8.4

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पाँचले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच
आदर्श जन्म - अन्तराल

वर्ष में	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	भाग नहीं है	योग
आदर्श जन्म अन्तराल								
20-30	1१0.55१	-	1१0.55१	2१1.09१	-	-	-	4१2.19१
	25.00		25.00	50.00				100.00
30-40	4१2.19१	16१8.79१	31१17.03१	4१2.19१	4१2.19१	2१1.09१	-	61१33.52१
	6.56	26.23	50.81	6.56	6.56	3.28		100.00
40-50	6१3.29१	23१12.64१	44१24.18१	11१6.04१	15१8.24१	2१1.09१	6१3.29१	107१58.79१
	5.61	21.49	41.12	10.28	14.02	1.87	5.61	100.00
50-60	2१1.09१	-	5१2.75१	2१1.09१	-	-	1.0.55१	10१5.49१
	20.00		50.00	20.00			10.00	100.00
योग	13१7.14१	39१21.43१	81१44.51१	19१10.43१	19१10.43१	4१2.19१	7१3.85१	182१100.१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे

बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का वितरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है, जिसमें 7 $\%$ 3.85% शिक्षक महिलाओं ने पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श नहीं बताया है। शेष शिक्षक महिलाओं में 81 $\%$ 44.51% ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को आदर्श माना है इसके पश्चात् दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को चार तथा पांच वर्ष को बराबर तथा पांच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें मात्र 4 $\%$ 2.19% हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को आयु के अनुसार चार आयु वर्गों. 20-30, 30-40, 40-50, 50-60 में विभक्त किया गया है। इसमें 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें, अधिकतर चार वर्ष में तथा शेष सभी आयु वर्ग की तीन वर्ष को आदर्श जन्म - अन्तराल मानती है।

सारिणी संख्या - 8.5

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल वर्ष में—

जन्म अन्तराल शिक्षा	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	10.55	21.09	-	-	-	-	-	31.65
	33.33	66.67						100.00
हाई-स्कूल	10.55	63.29	52.75	10.55	52.75	-	10.55	1910.44
	5.26	31.57	26.32	5.26	26.32		5.56	100.00
इण्टरमीडिएट	73.85	63.29	116.04	10.55	10.55	-	31.65	2915.93
	24.15	20.69	37.93	3.45	3.45		10.34	100.00
स्नातक	147.69	179.34	116.04	10.55	42.19	-	52.75	5228.57
	26.92	32.69	21.15	1.92	7.69		9.62	100.00
स्नातकोत्तर	137.14	2714.83	168.79	116.04	-	-	84.39	7541.21
	17.33	36.00	21.33	14.67			10.67	100.00
डी०फिल०	10.55	21.09	10.55	-	-	-	-	42.19
	25.00	50.00	25.00					100.00
योग	3720.33	6031.98	4424.18	147.69	105.49	-	179.54	182100.00

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा

के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल:-

सांख्यिकी संख्या 8.5 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे में बीच जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यायार्थ में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 17§9.34% शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जिनके परिवार में मात्र एक बच्चा है। जिसमें ऐसी शिक्षक महिलायें जिनके पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल है, उनकी संख्या सबसे अधिक 51§28.02% है। इसके पश्चात् तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें 44§24.18%, एक वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें 37§20.33%, चारवर्ष का जन्म अन्तराल वाली 14§7.69% तथा पाँच वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें न्यूनतम मात्र 9§4.95% है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है।—
जूनियर हाई स्कूल स्तरीय 3§1.65%, शिक्षक महिलायें हाई-स्कूल स्तरीय 19§9.44%, इण्टरमीडिएट स्तरीय 29§15.93%, स्नातक 52§28.57%, स्नातकोत्तर 75§41.21%, एवं डी०एल स्तरीय 4§2.19% शिक्षक महिलायें हैं। इसमें सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं के पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल है। * अधिकांश महिलाओं में औसत अन्तराल 2.2 वर्ष पाया गया है। अध्ययन में भी यह तथ्य स्पष्ट रूप से परिलक्षित है।

* Differential urban Fertility- Lucknow-Dr. Saksena, D.N.

पुर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूतरे बच्चे के बीच आदर्श

जन्म अन्तराल

वर्ष में--

शिक्षा	आदर्श जन्म अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
जूनियर हाई-स्कूल	2१1.09१	1	-	-	-	-	-	-	3१1.65१
		66.67	33.33						100.00
हाई-स्कूल	2१1.09१	7१3.85१	36.84	6१3.29१	4१2.19१	-	-	-	१9१10.44१
		11.11	31.58	31.58	21.05				100.00
इण्टरमीडिएट	1१0.55१	13१7.14१	44.83	8१4.39१	3१1.65१	1१0.55१	1१0.55१	2१1.09१	29१15.93१
		3.45	27.59	27.59	10.34	3.45	3.45	6.89	100.00
स्नातक	3१1.65१	8१4.39१	15.38	19१10.44१	4१2.19१	1११6.04१	3१1.65१	4१2.19१	52१28.57१
		5.77	36.54	36.54	7.69	21.15	5.77	7.69	100.00
स्नातकोत्तर	5१2.75१	10१5.49१	13.33	47१25.82१	5१2.75१	7१3.85१	-	1१0.55१	75१41.21१
		6.67	62.67	62.67	6.67	9.33		1.33	100.00
डीग्रीफिलो	-	-	-	1१0.55१	3१1.65१	-	-	-	4१2.19१
				25.00	75.00				100.00
योग	1०१7.14१	39१21.4०१	81१44.50१	19१10.44१	19१10.44१	4१2.19१	4१2.19१	7१3.85१	182१100११

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के

अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल-

सारिणी संख्या 8.6 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म-अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिनमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 182 शिक्षक महिलाओं में पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 65 § 35.71% § है, दो वर्ष का जन्म अन्तराल उचित समझने वाली 39 § 21.43% §, चार वर्ष तथा पांच वर्ष के जन्म-अन्तराल को उचित समझने वाली एक बराबर 19 § 10.44% §, एक वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझने वाली 13 § 7.14% §, तथा पांच वर्ष से अधिक जन्म-अन्तराल उचित समझने वाली शिक्षक महिलायें सबसे कम 4 § 2.19% § है, तथा 23 § 12.64% § शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जो मान एक बच्चा उचित समझती हैं, अतः पहिले व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल 3 § 1.65% §, हाई-स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% § स्नातकोत्तर 75 § 41.21% §, डी०फिल० 4 § 2.19% § है। जूनियर हाई-स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलायें एक तथा दो वर्ष के जन्म अन्तराल को एक बराबर उचित समझती हैं हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलायें दो तथा तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को एक बराबर, इण्टरमीडिएट स्तरीय दो वर्ष के जन्म अन्तराल को, तत्पश्चात् तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं। स्नातक, स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षक महिलायें सबसे अधिक तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को उचित समझती हैं। डी०फिल० स्तरीय शिक्षक महिलायें चार वर्ष में जन्म अन्तराल को सबसे अधिक उचित समझती हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के दीय जन्म - अन्तराल

आयु वर्ग	जन्म- अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक है	योग
20-30		1१0.55१	-	2१1.09१	-	-	-	4१2.10१
		25.00		50.00				100.00
30-40		8१4.39१	15१8.24१	7१3.85१	-	-	-	61१33.52१
		13.11	24.59	11.48				57.38
40-50		7१6.54१	16१14.95१	21१19.63१	6१3.29१	12१6.59१	-	107१58.79१
		3.85	8.79	11.54	5.61	11.21		42.06
50-60		3१1.65१	-	3१1.65१	-	-	-	10१5.49१
		30.00		30.00				40.00
योग		19१10.44१	31१17.03१	33१18.13१	6१3.29१	12१6.59१	-	81१44.51१
								182१100.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे

बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.7 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विवरण प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिनमें 182 शिक्षक महिलायें १ पूर्ण परिवार वाली १ का अध्ययन किया गया है। 81 १ 44.51% १ शिक्षक महिलाओं के मात्र दो बच्चे हैं, अतः दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक 33 १ 18.13% १, चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली 6 १ 3.29% एक तथा दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें क्रमशः 19 १ 10.44% १, एवं 31 १ 17.03% १ हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार स्थिति इस प्रकार है 20-30 आयु वर्ग में 4 १ 2.19% १, 30-40 आयु वर्ग में 61 १ 33.52% १, 40-50 आयु वर्ग में 107 १ 58.79% १, 50-60 आयु वर्ग में 10 १ 5.49% १ है। 20-30 आयु वर्ग मात्र 4 १ 2.19% १ पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलायें हैं जिनमें तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें अधिक हैं। 30-40 आयु वर्ग में 61 १ 33.52% १ जिनमें दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें अधिक हैं। 40-50 आयु वर्ग में भी तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें अधिक हैं। 50-60 आयु वर्ग में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें तीन हैं 30-40 तथा 40-50 आयु वर्ग में दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें अधिक तथा 20-30 तथा 50-60 आयु वर्ग में तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें भी हैं, लेकिन इनकी संख्या बहुत कम होने के कारण इनमें कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। इस प्रकार दूसरे बच्चे व तीसरे के मध्य तीन एवं दो वर्ष अन्तराल वाली सर्वाधिक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूतरे व तीतरे बच्चे के बीच आदर्श जन्य - अन्तराल

आयु वर्ग	जन्म अन्तराल वर्ष में	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक है	लागू नहीं है	योग
20-30	-	-	4१2.19१	-	-	-	-	-	4१2.19१ 100.00
30-40	5१2.75१	12१6.59१	36१19.78१	-	-	6१3.29१	9.84	2१1.10१	61१33.52१ 100.00
40-50	13१7.14१	19१10.44१	47१25.82१	6१3.29१	12१6.59१	6१3.29१	5.61	4१2.19१	107१58.79१ 100.00
50-60	1१0.55१	-	3१1.65१	-	-	2१1.09१	20.00	4१2.19१	10१5.49१ 100.00
योग	19१10.44१	31१17.03१	90१49.45१	6१3.29१	12१6.59१	14१7.69१	40.00	10१5.49१	182१100.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 8.8 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें सभी आयु वर्ग की अधिकांश लगभग 50% महिलायें तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को आदर्श मानती हैं, इसके पश्चात् दो वर्ष के जन्म अन्तराल को 17% तथा एक वर्ष में जन्म - अन्तराल को 10% शिक्षक महिलाये तथा तीन वर्ष से अधिक जन्म - अन्तराल को 17% शिक्षक महिलायें आदर्श मानती हैं तथा लगभग 6% ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श नहीं बताया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग में श्रेष्ठ प्रतिशत शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को, 30-40 आयु वर्ग में 59% तीन वर्ष तथा लगभग 20% दो वर्ष तथा 8% एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को तथा तीन वर्ष से अधिक लगभग 10% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। 40-50 आयु वर्ग में लगभग 44% तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को 30% तीन वर्ष से कम अन्तराल को तथा 22% तीन वर्ष से अधिक अन्तराल को शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। 50-60 आयु वर्ग में 30% ने तीन वर्ष तथा 10% तीन वर्ष से कम तथा 20% तीन वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल को आदर्श माना है।

इस प्रकार 30-40 एवं 50-60 आयु वर्ग की अपेक्षा 40-50 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने सर्वाधिक महत्त्व तीन वर्ष अन्तराल को एवं तीन से कम वर्ष अन्तराल को अपेक्षाकृत तीन से अधिक वर्ष जन्म - अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया है।

दूर परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच

जन्म अन्तराल

वर्ष में-	सक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
जन्म-अन्तराल								
शिक्षा								3५1.65४
जूनियर हाई स्कूल	-	2४1.09४	1४0.55४	-	-	-	-	100.00
		66.67	33.33					
हाई-स्कूल	2४1.09४	4४2.19४	4४2.19४	1४५.55४	1४0.55४	-	7४3.85४	1५४10.44४
	110.53	21.05	21.05	5.26	5.26		36.84	100.00
इंटरमीडिएट	3४1.65४	4४2.19४	8४4.39४	1४0.55४	2४1.09४	-	11४6.04४	29४15.93४
	1५.34	13.79	27.59	3.45	6.89		37.93	100.00
स्नातक	7४3.85४	11४6.04४	6४3.29४	2४1.09४	6४3.29४	-	20४10.99४	52४28.57४
	13.46	21.15	11.54	3.85	11.54		38.46	100.00
स्नातकोत्तर	7४3.85४	10४5.49४	14४7.69४	2४1.09४	3४1.65४	-	39४21.43४	75४41.21४
	9.33	13.33	18.67	2.67	4.00		52.00	100.00
डीग्रीफ़िल	-	-	-	-	-	-	4४2.19४	4४2.19४
							100.00	100.00
योग	19४10.44४	31४17.03४	33४18.13४	6४3.29४	12४6.59४	-	81४44.51४	182४100.४४

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की
 शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 8.9 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 81 § 44.51% §, शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जिनके मात्र दो बच्चे हैं, अतः उनके दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। इस प्रकार यह 101 शिक्षिकाओं में दूसरे तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल का वास्तविक अध्ययन है। दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक तथा चार वर्ष का जन्म अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें सबसे कम हैं।

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है-- जूनियर हाई स्कूल स्तरीय 3 § 1.65% §, हाई स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% § स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% § डी०फिल० स्तरीय 4 § 2.19% § है। इसमें अधिकतर सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं के दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल है। * अधिकतर महिलाओं में औसत अन्तराल 2.2 वर्षों का देखा गया है। *

दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल रखने वाली 101 शिक्षक महिलाओं में जहाँ सर्वाधिक 31 शिक्षक महिलायें के 2 वर्ष का जन्म अन्तराल रखा वहीं सर्वाधिक शिक्षित लगभग 21 शिक्षक महिलायें स्नातक स्नातकोत्तर हैं। अध्ययन में महत्वपूर्ण रूप से एक तथ्य और भी उभर कर आया, वह यह कि, लोगों के चार से अधिक वर्ष का भी जन्म अन्तराल रखा है। चार वर्ष का जन्म अन्तराल

* Differential urban fertility Lucknow, Dr. Saksena.

जहाँ 3.29% लोगों ने रखा वहीं पर पाँच एवं पाँच से अधिक वर्षों का जन्म अन्तराल लगभग 14% महिलाओं ने रखा। जहाँकि मैं इसका प्रभाव अपेक्षाकृत अच्छा ही होगा। क्यों कि अध्ययन में जहाँ 45% महिलाओं ने मात्र 2 बच्चों के बाद पूर्ण परिवार के आकार को अपनाया वहीं शेष 55% में लोगों ने शीघ्र ही 3 बच्चों के बाद पूर्ण परिवार के विचार को अपनाया। बच्चों के मध्य जन्म अन्तराल के वर्षों के बढ़ने से निश्चित ही माँ एवं बच्चे के स्वास्थ्य पर धनात्मक प्रभाव पड़ेगा।^x

x Family, Magazine-Ministry of family welfare
Government of India.

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा की अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल

शिक्षा	जन्म- अन्तराल	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
प्रैरियर हाई स्कूल	-	-	281.098	180.558	-	-	-	-	381.658
			66.67	33.33					100.00
हाई-स्कूल	281.098	281.098	1186.048	-	281.098	-	281.098	281.098	19810.448
	10.53	10.53	57.89		10.53		10.53		100.00
इण्टर मीडियट	180.558	482.198	984.958	281.098	281.098	582.758	884.398	-	29815.938
	3.45	13.79	31.03	6.89	17.24	27.59			100.00
स्नातक	-	582.758	38820.878	482.198	482.198	281.098	281.098	281.098	52828.578
		9.62	73.08	7.69	5.77	3.85	3.85		100.00
स्नातकोत्तर	1487.698	20810.998	29815.938	-	281.098	482.198	683.298	75841.218	
	18.67	26.67	38.67		2.67	5.33	8.00		100.00
डी0 फिल0	281.098	180.558	180.558	-	-	-	-	-	482.198
	50.00	25.00	25.00						100.00
योग	19810.448	31817.038	90849.458	683.298	1286.598	1487.698	1085.498	1828100.888	

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 9.0 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें अधिकतर 50% शिक्षक महिलायें तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल उचित समझती हैं। तीन वर्ष के पश्चात् दो वर्ष के अन्तराल को 17% तथा एक वर्ष के अन्तराल को लगभग 10% शिक्षक महिलायें उचित समझती हैं। तीन वर्ष से अधिक के जन्म - अन्तराल को लगभग 18% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है, तथा 6% ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श नहीं बताया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को आदर्श माना है, जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष के पश्चात् चार वर्ष को आदर्श माना है, एक व दो वर्ष को आदर्श मानने वाली जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शून्य है। हाई स्कूल स्तरीय तीन वर्ष से कम वर्ष को 21% ने, इण्टर मीडियट स्तरीय 17% ने, स्नातक लगभग 10% ने, स्नातकोत्तर लगभग 45% ने तथा डी० फिल० स्तरीय 75% ने आदर्श माना है।

इस प्रकार जहाँ अपेक्षाकृत कम शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने अधिक जन्म अन्तराल को आदर्श नहीं माना है वहीं पर उच्च शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने कम जन्म - अन्तराल के साथ - साथ अधिक जन्म - अन्तराल को भी उचित एवं आदर्श माना है।

सारिणी संख्या - 9.1

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल

जन्म अन्तराल आयु	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
20.30	-	-	-	-	-	482.198 100.00	482.198 100.00
30.40	381.658 4.92	582.758 8.19	482.198 6.56	180.558 1.64	-	4826.378 78.69	61833.528 100.00
40.50	482.198 3.74	783.858 6.54	1387.148 12.15	281.098 1.87	-	81844.518 75.70	107858.798 100.00
50.60	180.558 10.00	381.658 30.00	180.558 10.00	180.558 10.00	-	482.198 40.00	1085.498 100.00
योग	884.398	1588.248	1889.898	482.198	-	137875.278	1828100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 9.1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यायदर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें 75% शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं अधिक लगभग 10% शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल है, इसके पश्चात् 8% दो वर्ष को तथा 4% एक वर्ष जन्म अन्तराल वाली तथा न्यूनतम चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट हरेता है कि 20-30 आयु वर्ग में सभी शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं परन्तु तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य अन्तराल हेतु कोई उत्तर नहीं दिया है। शेष जितनी शिक्षिकाओं ने जन्म - अन्तराल बताया है उनकी संख्या विभिन्न आयु वर्गानुसार इतनी कम है जिससे हम किसी विशेष निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते। सारिणी से भी यह तथ्य स्पष्ट है कि 75% महिलाओं पर यह लागू नहीं है मात्र 25% ने ही उत्तर दिया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 9.1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं जिसमें 182 शिक्षक महिलाओं के परिवार पूर्ण हो चुके हैं, जिसमें 75% शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं अधिक लगभग 10% शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल है, इसके पश्चात् 8% दो वर्ष को तथा 4% एक वर्ष जन्म अन्तराल वाली तथा न्यूनतम चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं को आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट हरेता है कि 20-30 आयु वर्ग में सभी शिक्षक महिलाओं के तीन बच्चे हैं फलतः तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य अन्तराल हेतु कोई उत्तर नहीं दिया है। शेष जितनी शिक्षिकाओं ने जन्म - अन्तराल बताया है उनकी संख्या विभिन्न आयु वर्गानुसार इतनी कम है जिससे हम किसी विशेष निष्कर्ष पर नहीं पहुँच सकते। सारिणी से भी यह तथ्य स्पष्ट है कि 75% महिलाओं पर यह लागू नहीं है मात्र 25% ने ही उत्तर दिया है।

सारिणी संख्या- 9.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तोले बच्चे व चौथे बच्चे के टीचि जन्म-अन्तराल

वर्ष में --

शिक्षा	जन्म-अन्तराल	एक	दो	तीन	चार	पाँच	पाँच से अधिक	लागू नहीं है	योग
पूनियर हाई-स्कूल	-	-	-	-	-	-	-	3१1.65१	3१1.65१
								100.00	100.00
हाई-स्कूल	2१1.09१	1५0.55५	1१0.55५	1१0.55५	1०.55५	-	-	14१7.69१	19१10.44१
	10.53	5.२०	5.26	5.26	5.26	-	-	73.68	100.00
इण्टरमीडिएट	2१1.09१	1५0.55५	5१2.75५	5१2.75५	1१0.55५	-	-	20१10.99१	29१15.93१
	6.89	3.45	17.24	17.24	3.45	-	-	68.97	100.00
स्नातक	2१1.09१	5१2.75५	8१4.39१	8१4.39१	-	-	-	37१20.33१	52१28.57१
	3.85	9.62	15.38	15.38	-	-	-	71.15	100.00
स्नातकोत्तर	2१1.09१	10१5.49१	1१0.55५	1१0.55५	2१1.09१	-	-	59१32.42१	75१41.21१
	2.67	13.33	1.33	1.33	2.67	-	-	73.67	100.00
जीजीएमओ	-	-	-	-	-	-	-	4१2.19१	4१2.19१
								100.00	100.00
योग	6५4.39१	17१934५	15१6.24५	15१6.24५	4१2.1५१	-	-	137१75.27१	132१100५११

पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की

शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल:-

सारिणी संख्या 9.2 में पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल प्रदर्शित है। न्यादर्श में 855 शिक्षक महिलायें हैं, जिसमें पूर्ण परिवार § Completed family § वाली 182 शिक्षक महिलाओं का अध्ययन किया गया है। 137 § 75.27% § शिक्षक महिलायें ऐसी हैं, जिनके मात्र तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता लगभग 44 % शिक्षक महिलाओं के तीसरे चौथे बच्चों के मध्य जन्म अन्तराल में अध्ययन किया गया है। तीसरे बच्चे व चौथे बच्चे के बीच दो वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें सबसे अधिक, इसके पश्चात् तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें 15 § 8.24% § हैं, तथा सबसे कम चार वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं। पूर्ण परिवार § Completed family § वाली शिक्षक महिलाओं की शैक्षिक स्थिति इस प्रकार है--जूनियर हाई स्कूल 3 § 1.45% §, हाई स्कूल 19 § 10.44% §, इण्टरमीडिएट 29 § 15.93% §, स्नातक 52 § 28.57% §, स्नातकोत्तर 75 § 41.21% § डी०फिल० स्तरीय 4 § 2.19% § है। जूनियर हाई स्कूल हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं के तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल कम है। इण्टरमीडिएट स्नातक, स्नातकोत्तर शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल अधिक है शैक्षिक स्तर के बढ़ने के साथ-2 शिक्षक महिलाओं में तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल अधिक रहा है।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलायें में तीसरे -चौथे संतान के मध्य जन्म अंतराल कम वर्ष अधिक पायी गयी है। चार वर्ष के जन्म अंतराल करने की प्रवृत्ति सबसे कम एवं इससे अधिक जन्म अन्तराल करने की प्रवृत्ति को अधिक स्पष्ट करती है। जैसे कम शिक्षित शिक्षिकाओं मात्र एक वर्ष के अंतराल को एवं अधिक शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने एक से अधिक 2 एवं 3 वर्ष के अंतराल को स्वीकार किया है।

संविधान-संख्या-९३

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों

को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

वर्ग	महिलाये	परामर्श दिया	परामर्श नहीं दिया	योग
20-30	शिक्षक	170 {19.89 %}	52 {6.09 %}	222 {25.96 %}
		76.58	23.42	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
30-40	शिक्षक	242 {28.30 %}	85 {9.94 %}	327 {38.24 %}
		74.01	25.99	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
40-50	शिक्षक	178 {23.16 %}	25 {2.92 %}	223 {26.09 %}
		83.79	11.21	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
50-60	शिक्षक	52 {6.09 %}	31 {3.63 %}	83 {9.71 %}
		62.65	37.34	100.00
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-
योग	शिक्षक	662 {77.43 %}	193 {22.57 %}	855 {100 %}
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 9.3 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिए गए परामर्श के सम्बन्ध में मात्र शिक्षक महिलायें ही महत्वपूर्ण हैं। अन्य महिलाओं का छात्रों को परामर्श देने का औचित्य ही नहीं उठता। न्यायार्थ की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 77% ने छात्रों का परामर्श दिया है, जबकि शेष 23% ने परामर्श नहीं दिया है।

छात्रों को परामर्श देने वाली 77% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 28.30% 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें हैं जो न्यायार्थ की समस्त शिक्षक महिलाओं का 38% है। 40-50 आयु वर्ग में सबसे अधिक 88% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात् 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं 30-40 आयु वर्ग की तथा 50-60 आयु वर्ग की भी शिक्षक महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से सबसे कम परामर्श दिया है।

संविधान-सूची-१५

शिक्षक, कार्यालयी, एवं घरेलू-महिलाओं की शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षा विभाजन की बांँधीयता के बारे में छात्रों को दिये गये परामर्श का विवेकानुसूची-१५

परामर्श शिक्षा	महिलाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
अशिक्षित	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	- - -	- - -	- - -
प्राथमरी	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	- - -	- - -	- - -
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	2 १0 23 १ 33.33	4 १0 47 १ 66 67	6 १0 70 १ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	35 १4 09 १ 68.63	16 १1 87 १ 31.37	51 १5 96 १ 100.00
इंटरमीडियट	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	76 १9 89 १ 71.69	30 १3 51 १ 29.30	106 १12 39 १ 100.00
स्नातक	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	196 १22 92 १ 76.56	60 १7 02 १ 23.44	256 १29 94 १ 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	339 १39 65 १ 80.52	82 १9 59 १ 19.48	421 १49 24 १ 100.00
डी.प्ल.	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	10 १1 17 १ 66 67	5 १0 58 १ 33.33	15 १1 75 १ 100.00
योग	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	662 १77 43 १	193 १22 57 १	855 १100 १

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 9.4- में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिये गए परामर्श के सम्बन्ध में मात्र शिक्षक महिलायें ही महत्वपूर्ण हैं। अन्य महिलाओं का छात्रों को परामर्श का औचित्य ही नहीं उठता। न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 77% ने छात्रों को परामर्श दिया है, जबकि शेष 23% ने परामर्श नहीं दिया है।

छात्रों को परामर्श देने वाली 77% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 81% स्नातकोत्तर महिलायें हैं, जो न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं का 40% है। शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ छात्रों को अधिक संख्या में परामर्श देने की प्रवृत्ति दिखायी पड़ी है। परामर्श न देने 23% में सर्वाधिक स्नातकोत्तर स्तरीय है। इनमें भी शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ छात्रों की संख्या में वृद्धि हुई है।

तालिका-संख्या- 35

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार-नियोजन की वांछनीयता के बारे में

सम्बन्धी एवं मित्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

परामर्श आयु वर्ग	महिनाये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	शिक्षक	112 ½ 13.09 ½ 50.45	110 ½ 12.97 ½ 49.55	222 ½ 25.96 ½ 100.00
	कार्यालयी	134 ½ 19.44 ½ 42.78	206 ½ 26.01 ½ 57.22	360 ½ 45.45 ½ 100.00
	घरेलू	218 ½ 25.46 ½ 53.05	178 ½ 20.79 ½ 44.95	396 ½ 46.26 ½ 100.00
30-40	शिक्षक	218 ½ 25.49 ½ 66.67	109 ½ 12.75 ½ 33.33	327 ½ 39.25 ½ 100.00
	कार्यालयी	114 ½ 14.39 ½ 36.54	179 ½ 25.00 ½ 63.46	312 ½ 37.39 ½ 100.00
	घरेलू	103 ½ 12.03 ½ 43.64	133 ½ 13.54 ½ 56.36	236 ½ 27.57 ½ 100.00
40-50	शिक्षक	152 ½ 17.78 ½ 68.16	71 ½ 9.30 ½ 31.84	223 ½ 26.09 ½ 100.00
	कार्यालयी	48 ½ 5.61 ½ 60.76	31 ½ 3.62 ½ 39.24	79 ½ 9.97 ½ 100.00
	घरेलू	53 ½ 6.19 ½ 36.81	91 ½ 10.63 ½ 63.19	144 ½ 16.92 ½ 100.00
50-60	शिक्षक	39 ½ 4.56 ½ 46.99	44 ½ 5.73 ½ 53.01	83 ½ 9.71 ½ 100.00
	कार्यालयी	19 ½ 2.39 ½ 46.34	22 ½ 2.79 ½ 53.66	41 ½ 5.19 ½ 100.00
	घरेलू	25 ½ 2.92 ½ 31.25	55 ½ 6.43 ½ 68.75	80 ½ 9.35 ½ 100.00
योग	शिक्षक	521 ½ 60.94 ½	334 ½ 39.06 ½	855 ½ 100.2 ½
	कार्यालयी	335 ½ 42.29 ½	457 ½ 57.70 ½	792 ½ 100.2 ½
	घरेलू	399 ½ 46.61 ½	457 ½ 53.39 ½	856 ½ 100.2 ½

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के संदर्भ में सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श का

विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 9.5— में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अन्तराल के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात शिक्षक तथा कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है।

30-40 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, इसके पश्चात कार्यालयी एवं घरेलू महिलाये है, इस आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है। इसके पश्चात घरेलू महिलाये है परामर्श देने में कार्यालयी महिलाये सबसे पीछे है।

40-50 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है। इस आयु वर्ग में परामर्श देने में कार्यालयी महिलाओं का स्थान दूसरा है।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाये परामर्श देने में लगभग बराबर है, तथा घरेलू महिलाये परामर्श देने में पीछे है।

सारिणी से स्पष्ट है, कि शिक्षक महिलाये परामर्श देने में सबसे आगे है, इसके पश्चात घरेलू तथा कार्यालयी महिलाये है। 20-30 आयु वर्ग में घरेलू महिलाओं का स्थान प्रथम है, जबकि अन्य आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं का स्थान पहला तथा कार्यालयी महिलाओं का स्थान दूसरा है।

श्रीश्रीश्री-मूल्या 9.6

श्रीश्रीश्री, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की श्रीश्री के अनुसार परिवार नियोजन की कार्यक्षमता के बारे में सम्बन्धी एवं सिद्धों को दिये गये प्राप्ति का विवेकितक उपपन्न

प्राप्ति श्रीश्री	महिलाये	प्राप्ति दिया हे	प्राप्ति नहीं दिया हे	योग
अश्रीश्री	श्रीश्रीक	-	-	-
	कार्यलयी	-	-	-
	घरेलू	4 १०.४७ १ 5 ५३	64 १७.४८ १ 94 12	68 १७.९४ १ 100 00
प्राप्तमती	श्रीश्रीक	-	-	-
	कार्यलयी	-	-	-
	घरेलू	21 १२.४५ १ 30 00	49 १५.७२ १ 70 00	70 १८.१८ १ 100 00
जूनियर हाई स्कूल	श्रीश्रीक	4 १०.४७ १ 66.६७	2 १०.२३ १ 33.३३	6 १०.७० १ 100.००
	कार्यलयी	5 १०.६३ १ 31 25	11 ११.३९ १ 68.७५	16 १२.०२ १ 100.००
	घरेलू	36 १४.२१ १ 4७ ३७	40 १४.६७ १ ५२.६३	76 १८.८८ १ १००.००
हाई स्कूल	श्रीश्रीक	35 १४.०९ १ 68.६३	16 ११.८७ १ ३१.३७	51 १५.९६ १ १००.००
	कार्यलयी	17 १२.१५ १ ३५.४२	३१ १३.९१ १ ६४.५८	48 १६.०६ १ १००.००
	घरेलू	76 १८.८८ १ ५२.७८	68 १७.९४ १ ४७.२२	144 १६.९२ १ १००.००
इट रमी डिप्ट	श्रीश्रीक	66 १७.७२ १ 6२.२६	40 १४.६८ १ ३७.७४	106 १२.३९ १ १००.००
	कार्यलयी	31 १३.९१ १ ३५.२३	57 १७.१७ १ ६४.७७	88 ११.११ १ १००.००
	घरेलू	60 १७.०१ १ ५१.७२	56 १६.५४ १ ४८.२८	116 १३.५५ १ १००.००
स्नातक	श्रीश्रीक	141 १६.४९ १ ५५.०८	115 १३.४५ १ ४४.९२	256 १९.९४ १ १००.००
	कार्यलयी	116 १४.६५ १ ४०.७०	169 १२.३४ १ ५९.२९	285 १५.९८ १ १००.००
	घरेलू	72 १८.४१ १ ३७.५०	120 १४.०२ १ ६२.५०	192 २२.४३ १ १००.००
स्नातकोत्तर	श्रीश्रीक	265 १३०.९९ १ ६२.९५	1५६ १९.२४ १ ३७.०५	421 १४९.२४ १ १००.००
	कार्यलयी	164 १२०.७१ १ ४६.८६	-	350 १४४.१९ १ १००.००
	घरेलू	128 १४.९५ १ ६८.०९	60 १७.०१ १ ३१.७१	188 १२१.७६ १ १००.००
डी फिल.	श्रीश्रीक	10 ११.१७ १ ६६.६७	5 १०.५८ १ ५३.३३	15 ११.७५ १ १००.००
	कार्यलयी	2 १०.२५ १ ४०.००	3 १०.३१ १ ६०.००	5 १०.६३ १ १००.००
	घरेलू	2 १०.२३ १ १००.००	-	2 १०.२३ १ १००.००
योग	श्रीश्रीक	521 १६०.९४ १	334 १३९.०६ १	855 ११००.१ १
	कार्यलयी	335 १४२.२९ १	457 १५७.७० १	792 ११००.१ १
	घरेलू	399 १४६.६१ १	457 १५३.३९ १	856 ११००.१ १

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गए परामर्श का

विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 9.6- में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में "सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिये गए परामर्श" का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि, शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक जागरूकता समाज कल्याण के प्रति होती है। न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 61% ने सम्बन्धियों एवं मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में परामर्श दिया है। घरेलू महिलाओं में लगभग 47% ने परामर्श दिया है, जबकि समस्त कार्यालयी महिलाओं में मात्र 42% ने ही परामर्श दिया है।

अशिक्षित एवं प्राथमरी तक शिक्षित घरेलू महिलाओं ने परिवार नियोजन हेतु परामर्श सबसे कम दिया है। शिक्षक महिलाओं में जूनियर हाई स्कूल से लेकर विभिन्न शैक्षिक स्तरों की सर्वाधिक महिलाओं ने परामर्श दिया है। लगभग 67% जूनियर हाई स्कूल स्तरीय ने 69% हाई स्कूल स्तरीय ने, 62% इण्टर मीडिएट स्तरीय ने 55% स्नातकों ने, 63% स्नातकोत्तरों ने एवं 67% डी० एम० स्तरीय उच्च शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है।

समस्त कार्यालयी महिलाओं में 42.29% ने ही परामर्श दिया है, जो शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं से कम है, लेकिन उनमें उच्च शिक्षितों ने अपेक्षाकृत अधिक परामर्श दिया है। इण्टर मीडिएट एवं उतसे कम शिक्षित कार्यालयी महिलाओं में परामर्श की प्रवृत्ति कम दिखायी पड़ी है।

घरेलू महिलाओं में शिक्षक महिलाओं से कम लेकिन कार्यालयी महिलाओं से अधिक परामर्श देने की प्रवृत्ति दिखायी षड़ी है। अशिक्षितों एवं प्राइमरी शिक्षितों में तो सबसे कम लेकिन जूनियर हाई स्कूल से लेकर स्नातक स्तर तक परामर्श देने की प्रवृत्ति बढ़ी है। स्नातकोत्तर स्तर में सर्वाधिक 68% घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया जो महत्वपूर्ण है।

इस प्रकार शिक्षा, परिवार नियोजन परामर्श देने की प्रवृत्ति में प्रभावी होती है। शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक घरेलू महिलाओं में उससे कम लेकिन कार्यालयी महिलाओं में कुछ विकृचित ता स्वस्थ दिखायी पड़ा है, फिर भी अधिक शिक्षित कार्यालयी महिलाओं में यह प्रवृत्ति अपेक्षाकृत अधिक है।

सारणी-एचए-१७

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार-निर्वाह की वांछनीयता के बारे में

जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

प्रतिशत वर्ग	महिलाये	परामर्श दिया	परामर्श नहीं दिया	योग
20-30	शिक्षक	129 { 15.09 }	93 { 10.88 }	222 { 25.96 }
		59.11	41.89	100.00
	कार्यालयी	186 { 23.48 }	174 { 21.97 }	360 { 45.45 }
		51.67	48.33	100.00
	घरेलू	68 { 7.94 }	328 { 38.32 }	396 { 46.26 }
		17.17	82.92	100.00
30-40	शिक्षक	226 { 26.43 }	101 { 11.91 }	327 { 39.25 }
		69.11	30.89	100.00
	कार्यालयी	74 { 9.34 }	238 { 30.05 }	312 { 39.39 }
		23.72	76.28	100.00
	घरेलू	32 { 3.74 }	204 { 23.93 }	236 { 27.57 }
		13.56	86.44	100.00
40-50	शिक्षक	162 { 18.95 }	61 { 7.13 }	223 { 26.08 }
		72.65	27.35	100.00
	कार्यालयी	17 { 2.14 }	62 { 7.93 }	79 { 9.97 }
		21.52	78.48	100.00
	घरेलू	60 { 7.01 }	84 { 9.91 }	144 { 16.92 }
		41.67	58.33	100.00
50-60	शिक्षक	44 { 5.15 }	39 { 4.56 }	83 { 9.71 }
		53.01	46.99	100.00
	कार्यालयी	20 { 2.53 }	21 { 2.65 }	41 { 5.18 }
		48.78	51.22	100.00
	घरेलू	30 { 3.50 }	50 { 5.84 }	80 { 9.35 }
		37.50	62.50	100.00
योग	शिक्षक	561 { 65.61 }	294 { 34.39 }	855 { 100.00 }
	कार्यालयी	297 { 37.50 }	495 { 62.50 }	792 { 100.00 }
	घरेलू	394 { 46.03 }	462 { 53.97 }	856 { 100.00 }

शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की

वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या -१७- में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

20-30 आयु वर्ग में, सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है, जबकि इसी वर्ग की घरेलू महिलायें परामर्श देने में अत्यधिक पीछे हैं। इस आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं की संख्या यद्यपि अपेक्षाकृत कम है, लेकिन महत्वपूर्ण है, दूसरी ओर इस वर्ग में अन्य महिलाओं की संख्या अधिक है, लेकिन उन्होंने परामर्श कम दिया है।

30-40 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं की संख्या सबसे अधिक, इसके पश्चात कार्यालयी व घरेलू महिलायें हैं, इस आयु वर्ग में भी सबसे अधिक 69% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, दूसरी ओर अन्य महिलाओं ने परामर्श बहुत कम दिया है।

40-50 आयु वर्ग में भी सबसे अधिक 72.65% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, कार्यालयी महिलाओं में 21% ने परामर्श दिया है तथा अधिक 78% ने परामर्श नहीं दिया है घरेलू में 42% ने परामर्श दिया है, तथा 58% ने परामर्श नहीं दिया।

50-60 आयु वर्ग में भी सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात कार्यालयी महिलाओं ने तथा सबसे कम घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है।

सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाओं ने सबसे अधिक 65.61% ने परामर्श दिया है, इसके पश्चात घरेलू महिलाओं 46% ने तथा सबसे कम कार्यालयी

महिलाओं 37% ने परामर्श दिया है। निश्चित रूप से कार्यालयी महिलाओं में परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में परामर्श देने के विषय में उनकी जुगुप्सा निराशाजनक है, इसके विपरीत शिक्षक महिलाओं का व्यवहार उत्साहजनक रहा है।

छात्रिणी - संस्था १३

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की
वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विद्येयात्मक आयवन

परामर्श शिक्षा	महिलाये	परामर्श दिया हे	परामर्श नहीं दिया	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	68 { 7.94 }	68 { 7.94 }
			100.00	100.00
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	28 { 3.27 }	42 { 4.91 }	70 { 8.18 }
		40.00	60.00	100.00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	4 { 0.47 }	2 { 0.23 }	6 { 0.70 }
		66.67	33.33	100.00
	कार्यालयी	2 { 0.25 }	14 { 1.77 }	16 { 2.02 }
	12.50	87.50	100.00	
	घरेलू	36 { 4.21 }	40 { 4.67 }	76 { 8.88 }
		47.37	52.63	100.00
हाई-स्कूल	शिक्षक	32 { 3.74 }	19 { 2.22 }	51 { 5.96 }
		62.74	37.25	100.00
	कार्यालयी	10 { 1.26 }	38 { 4.79 }	48 { 6.06 }
	20.83	79.17	100.00	
	घरेलू	72 { 8.41 }	72 { 8.41 }	144 { 16.82 }
		50.00	50.00	100.00
इण्टरमीडियेट	शिक्षक	66 { 7.72 }	40 { 4.68 }	106 { 12.39 }
		62.26	37.74	100.00
	कार्यालयी	24 { 3.03 }	64 { 8.08 }	88 { 11.11 }
	27.27	72.73	100.00	
	घरेलू	60 { 7.01 }	56 { 6.54 }	116 { 13.55 }
		51.72	48.28	100.00
स्नातक	शिक्षक	171 { 20.00 }	85 { 9.94 }	256 { 29.97 }
		66.79	33.20	100.00
	कार्यालयी	114 { 14.39 }	171 { 21.59 }	285 { 35.98 }
	40.00	60.00	100.00	
	घरेलू	72 { 8.41 }	120 { 14.02 }	192 { 22.43 }
		37.5	62.5	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	279 { 32.63 }	142 { 16.61 }	421 { 49.24 }
		66.27	33.73	100.00
	कार्यालयी	145 { 18.31 }	205 { 25.89 }	350 { 44.19 }
	41.43	59.57	100.00	
	घरेलू	124 { 14.49 }	64 { 7.48 }	188 { 21.96 }
		65.96	34.04	100.00
डी.फिन.	शिक्षक	9 { 1.05 }	6 { 0.70 }	15 { 1.75 }
		60.00	40.00	100.00
	कार्यालयी	2 { 0.25 }	3 { 0.38 }	5 { 0.63 }
	40.00	60.00	100.00	
	घरेलू	2 { 0.23 }	-	2 { 0.23 }
		100.00	-	100.00
योग	शिक्षक	561 { 65.61 }	294 { 34.39 }	855 { 100.0 }
	कार्यालयी	297 { 37.50 }	495 { 62.50 }	792 { 100.0 }
	घरेलू	394 { 46.03 }	462 { 53.97 }	856 { 100.0 }

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन

की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक

अध्ययन: -

सारिणी संख्या 9.8 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यादर्श की समस्त महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 66% शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को परामर्श दिया है। शेष ने परामर्श नहीं दिया है। घरेलू महिलाओं में 46% ने परामर्श दिया है, शेष 54% ने परामर्श नहीं दिया है। कार्यालयी महिलाओं ने सबसे कम लगभग 38% ने परामर्श दिया है शेष 62% ने परामर्श नहीं दिया है।

शिक्षा का जनसमुदाय को दिये गये परामर्श से निश्चित ही प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। अधिक परामर्श देने वालों का प्रतिशत उच्च शिक्षितों में अधिक एवं कम परामर्श दाताओं का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम शिक्षितों में अधिकतर देखा गया है। शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में विभिन्न शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने में उनकी संख्या में भी वृद्धि दिखायी पड़ी है। शिक्षक महिलाओं ने अपेक्षाकृत घरेलू एवं कार्यालयी महिलाओं ने अधिक परामर्श दिया है। कार्यालयी महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श न देने में धीरे-धीरे कमी आयी है, यह भी महत्वपूर्ण तथ्य पाया गया है।

शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 9.9 में विभिन्न महिलाओं का उनकी आयु के अनुसार "विवाह की आयु" का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में एवं घरेलू महिलाओं का 18-21 आयु में हुआ है। सर्वेक्षण में लगभग 20% शिक्षक, 7% कार्यालयी एवं 1% घरेलू महिलायें अविवाहित पायी गईं।

समस्त शिक्षक महिलाओं में मात्र लगभग 4% का विवाह 15 वर्ष से कम आयु में हुआ है। 15-18 आयु में 17%, 18-21 आयु में 16%, 21-25 आयु में 27% एवं 25 से अधिक आयु में लगभग 17% का विवाह होना पाया गया। कार्यालयी महिलाओं में सबसे कम मात्र 2% का विवाह 15 से कम आयु में देखा गया। सर्वाधिक 53% कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में पाया गया। 25 से अधिक आयु में मात्र 4% का विवाह हुआ है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 46% का विवाह 18-21 आयु में एवं 19% का 15-18 आयु में पाया गया। लगभग 10% घरेलू महिलाओं का विवाह 25 से अधिक आयु में देखा गया।

आयु - वर्ग के अनुसार उनके विवाह आयु को देखने पर यह देखा गया कि 20-30 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21 वर्ष के बाद ही पाया गया जबकि सर्वाधिक घरेलू महिलाओं का कुछ शीघ्र आयु में विवाह होना देखा गया।

सारणी-संख्या-100

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

विवाह की आयु	महिलाये	15वर्ष से नीचे	15-13वर्ष	19-21वर्ष	21-25वर्ष	25-30वर्ष	30वर्ष से अधिक	विवाह-हित	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	32 १३.७४ ४७.०६	21 १२.४५ ३०.८९	8 १०.९३ ११.७६	7 १०.८२ १०.२९	-	-	-	68 १७.९४ १००.००
ग्राहमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	19 १२.२२ २७.१४	34 १३.९७ ४८.५७	7 १०.८२ १०.००	6 १०.७० ८.५७	-	-	4 १०.४७ ५.७१	7० १३.१३ १००.००
जूनियर	शिक्षक	4 १०.४७ ६६.६७	-	-	-	-	-	2 १०.२३ ३३.३३	6 १०.७० १००.००
हाई स्कूल	कार्यालयी	5 १०.६३ ३१.२५	4 १०.५१ २५.००	5 १०.६३ ३१.२५	2 १०.२५ १२.५०	-	-	-	१६ १२.०२ १००.००
	घरेलू	9 ११.०९ ११.८४	23 १२.६९ ३०.२६	१९ १२.२२ २५.००	१५ ११.७५ १९.७४	7 १०.८२ ९.२१	-	-	76 ११.८८ १००.००
हाई स्कूल	शिक्षक	4 १०.४७ ७.८४	26 १३.०४ ५०.९८	4 १०.४७ ७.८४	१० ११.१७ १९.६१	3 १०.३५ ५.८८	१ १०.१२ १.९६	3 १०.३५ ५.८८	५१ १५.९६ १००.००
	कार्यालयी	7 १०.८८ १४.५८	9 ११.१४ १८.७५	१२ ११.५२ २५.००	११ ११.३९ २२.९२	५ १०.६३ १०.४२	-	4 १०.५१ ८.३३	४९ १६.०६ १००.००
	घरेलू	6 १०.७० ४.१७	३० १३.५० २०.८३	९ ११.३३ ६७.३६	4 १०.४७ २.७८	3 १०.३५ २.०९	-	4 १०.४७ २.७८	१४४ १६.९२ १००.००
इट 1-	शिक्षक	6 १०.७० ५.६६	३२ १३.७४ ३०.१९	२४ १२.८१ २२.६४	१६ ११.८७ १५.०९	११ ११.२९ १०.३८	५ १०.५९ ४.७२	१२ ११.४० ११.३२	१०६ १२.३९ १००.००
मी डिप्ट	कार्यालयी	3 १०.३८ ३.४१	9 ११.१४ १०.२३	५४ १६.८२ ६१.३६	१७ १२.१५ १९.३२	-	-	५ १०.६३ ५.६९	८८ ११.११ १००.००
	घरेलू	-	6 १०.७० ५.१७	९२ १०.७५ ७९.३१	१२ ११.४० १०.३४	6 १०.७० ५.१७	-	-	११६ १३.५५ १००.००
स्नातक	शिक्षक	११ ११.२९ ४.३०	४१ १४.७९ १६.०२	४६ १५.३८ १७.९७	६५ १७.६० २५.३९	३८ १४.४४ १४.८४	7 १०.८२ २.७३	४९ १५.६१ १८.७५	२५६ १९.९४ १००.००
	कार्यालयी	-	११ ११.३९ ३.८६	६६ १९.३३ २३.१६	१८० २२.७३ ६३.१६	९ ११.१४ ३.१६	२ १०.२५ ०.७०	१९ १२.३९ ६.६७	२८५ २३.९९ १००.००
	घरेलू	-	३० १३.५० १५.६३	८४ १९.८१ ४३.७५	५१ १५.९६ २६.५६	२६ १३.०३ १३.५४	-	4 १०.४७ २.०८	१९२ २२.४३ १००.००
स्नातक	शिक्षक	१० ११.१७ २.३९	४३ १५.०३ १०.२१	६९ १७.६० १५.४४	१३१ १५.३२ ३१.१२	६३ १७.३७ १४.९६	९ ११.०५ २.१४	१०० ११.६९ २३.७५	४२१ १९.२४ १००.००
कोत्तर	कार्यालयी	-	२९ १३.५४ ८.००	६९ १८.७१ १९.७१	२१० २६.५२ ६०.००	११ ११.३९ ३.१४	-	३० १३.७९ ८.५७	३५० २४.१० १००.००
	घरेलू	-	२१ १२.४५ ११.१७	८६ १०.०९ ४५.७४	४१ १४.७९ २१.८१	४० १४.६७ २१.२८	-	-	१८८ २१.९६ १००.००
डी.फिल.	शिक्षक	-	२ १०.२३ १३.३३	२ १०.२३ १३.३३	५ १०.५९ ३३.३३	४ १०.४७ २६.६७	-	२ १०.२३ १३.३३	१५ ११.७५ १००.००
	कार्यालयी	-	-	-	-	३ १०.३८ ६०.००	२ १०.२५ ०.५७	-	५ १०.६३ १००.००
	घरेलू	-	-	-	२ १०.२३ १००.००	-	-	-	२ १०.२३ १००.००
योग	शिक्षक	३१ १३.६२	१४८ १७.३१	१४१ १६.४९	२२७ २६.५५	११९ १३.९२	२२ १२.५७	१६७ १९.५३	८५५ १००.००
	कार्यालयी	१५ ११.८९	६१ १७.७०	२०६ २६.०१	४२० २५.०३	२८३ २३.५४	४ १०.५१	५८ १७.३२	७९२ १००.००
	घरेलू	६६ १७.७१	१६५ १९.२८	३९३ १५.९१	१३८ १६.१२	९९ १९.५९	-	१२ ११.४०	८५६ १००.००

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 10.0 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनकी विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यादर्श की समस्त शिक्षिकाओं में लगभग 20% कार्यालयी महिलाओं में लगभग 7% एवं घरेलू महिलाओं में 1.4% अविवाहित होने के कारण उनकी विवाह आयु के विषय में कुछ नहीं कहा जा सकता है। लेकिन शेष महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षिकाओं एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में हुआ है। सर्वाधिक घरेलू महिलाओं का विवाह 18-21 आयु में हुआ है। 18-21 आयु में सबसे कम शिक्षिकाओं ने एवं सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने किया है। 21-25 आयु में सर्वाधिक कार्यालयी एवं सबसे कम घरेलू महिलाओं ने विवाह किया है। 25 से अधिक आयु में विवाह शिक्षिकाओं ने सर्वाधिक एवं कार्यालयी महिलाओं ने सबसे कम किया है। 15 वर्ष से कम आयु में विवाह घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक किये हैं। यदि 21 वर्ष से कम एवं उससे अधिक आयु में विवाहित महिलाओं के विषय में देखें तो सारिणी से स्पष्ट होता है कि 21 से कम आयु में शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाएँ बराबर हैं, वही घरेलू महिलाओं से उनका 1:2 का अनुपात है। लगभग 36% शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं की तुलना में 73% घरेलू महिलाओं का विवाह 21 से कम आयु में हुआ है।

शिक्षा के अनुसार उनके विवाह आयु को देखने पर स्पष्ट होता है कि 15 वर्ष से कम आयु में विवाहित शिक्षक महिलाओं में शिक्षक स्तर में वृत्ति के साथ उनकी संख्या में कमी आयी। ठीक यही बात 15-18 एवं 18-21 आयु में विवाहित शिक्षक महिलाओं के साथ देखा गया लेकिन 21-25 आयु में विवाहित कम शिक्षित शिक्षिका में विवाह की कम प्रवृत्ति एवं अधिक शिक्षितों में इस आयु वर्ग में विवाह की अधिक प्रवृत्ति देखी गयी है।

कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं में निम्न स्तरीय शिक्षा ही विवाह प्रवृत्ति एवं उच्च शिक्षा विलम्ब विवाह को बढ़ावा देती है। यह बात सर्वेक्षण

से स्पष्ट हुई। यह तथ्य घरेलू महिलाओं में भी देखा गया लेकिन उनमें उच्च शिक्षितों की कमी के कारण विशेष महत्वपूर्ण तथ्य प्रकाश में नहीं आये। न्यायार्थी में 30 से अधिक आयु में विवाह करने वाली घरेलू शून्य, कार्यालयी मात्र 0.51% एवं शिक्षक महिलायें 2.57% है।

श्री गिरणी-सिद्धि-101

रिहाटक, कायास्थिती एवं षरुत्-परिनाशो की आयु के अनुसार नष्टको के लिये किया है की आदर्श आयु का विवेचनालक अक्षराल

विवरण	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	26वर्ष	27वर्ष	28वर्ष	29वर्ष	30वर्ष	योग
रिहाटक	50.58	30.35	40.47	30.94	11.1.29	112.13.09	44.5.15	31.3.63	40.47	-	222.25.96
कायास्थिती	2.25	1.35	1.30	3.60	4.95	50.45	19.82	13.96	1.30	-	100.00
षरुत्	-	20.23	10.13	60.76	19.2.39	10.1.26	55.6.94	252.31.83	10.1.26	5.0.63	360.45.45
रिहाटक	20.23	0.56	0.28	1.67	5.28	2.78	15.28	70.00	2.79	1.39	100.00
कायास्थिती	0.51	0.51	-	2.27	35.35	4.7.47	6.57	5.30	0.76	1.01	100.00
षरुत्	-	80.94	1.83	3.36	15.1.75	174.20.35	64.7.49	35.4.09	5.0.51	-	327.38.25
रिहाटक	2.45	2.75	2.80.25	7.0.33	25.3.16	80.1.10	46.5.81	140.17.68	9.1.01	2.0.25	312.39.39
कायास्थिती	-	0.64	0.64	2.24	8.01	25.64	14.74	44.87	2.56	0.64	100.00
षरुत्	20.23	13.1.52	10.12	18.2.10	22.14.25	55.6.43	7.0.82	12.1.40	2.0.23	2.0.23	236.27.57
रिहाटक	0.85	5.51	0.42	7.63	51.69	23.31	2.97	5.08	0.85	0.85	100.00
कायास्थिती	-	50.58	4.0.47	15.1.75	10.1.17	120.14.04	44.5.15	9.2.81	4.0.47	-	223.26.08
षरुत्	18.2.10	11.1.29	5.0.58	16.1.97	60.7.01	60.7.02	2.08	15.97	0.69	0.69	100.00
रिहाटक	2.41	3.61	3.61	1.0.12	4.0.47	4.5.15	16.1.87	9.1.05	1.0.12	-	83.9.71
कायास्थिती	1.0.13	6.0.76	5.0.63	8.1.01	5.0.65	2.0.25	6.0.76	5.0.76	2.0.25	-	41.5.13
षरुत्	25.2.92	14.1.40	3.8.75	11.1.29	6.0.70	4.0.47	2.0.23	12.1.40	-	1.0.12	30.9.35
रिहाटक	20.2.34	19.2.2.2	25.2.92	35.4.09	40.4.68	4.50.65	2.63.1.8	19.65	84.0.92	14.1.64	855.100.2
कायास्थिती	1.0.13	14.1.77	12.1.52	28.3.54	67.3.71	107.13.51	121.15.28	64.04.41	2.0.27	2.3.41	67.0.99
षरुत्	47.5.42	43.04	24.2.80	54.6.31	3.28	39.32	25.2.29	56.39	4.44	69	6.0.70

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए

विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.1 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

लड़को हेतु आदर्श विवाह आयु के 21 वर्ष से नीचे एवं 21 से 30 वर्ष की परिधि में शिक्षक महिलाओं ने 21 से नीचे एवं 30 वर्ष में विवाह को आदर्श नहीं माना है। सर्वाधिक 53% शिक्षक महिलायें 26 वर्षायु में विवाह आदर्श मानती हैं। 26 से कम आयु में विवाह को 16% एवं 26 से अधिक आयु में विवाह को लगभग 31% ने महत्व दिया है। सर्वेक्षण में पाया गया कि 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक ने 26, 27 एवं 28 वर्ष में विवाह को आदर्श महत्व दिया है लेकिन अन्य आयु वर्ग की महिलाओं ने सर्वाधिक 26 तथा 27 वर्षायु में विवाह को आदर्श महत्व दिया है।

लगभग 51% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्षायु में विवाह लड़को हेतु आदर्श माना है। 28 के बाद इन्होंने कम महत्व दिया है। 21 वर्ष से कम आयु में विवाह को आदर्श नहीं माना है। 21-24 को भी आंशिक महत्व दिया है लेकिन 25-27 वर्षायु में विवाह को लगभग 38% ने महत्व दिया है। यद्यपि सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्षायु को महत्व दिया है लेकिन इसमें 20-30 एवं 30-40 आयु वर्ग की महिलायें अन्य आयु से अत्यधिक हैं।

घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 38% ने 25 वर्षायु में लड़को का विवाह आदर्श माना है। लगभग 18% ने 25 से कम आयु में विवाह को आदर्श माना है। लगभग 30% महिलाओं ने 26 को भी महत्व दिया है। लेकिन 26 के बाद 14% ने ही आदर्श माना है। यद्यपि सर्वाधिक महिलाओं ने 25 वर्षायु को आदर्श माना है लेकिन इसमें 20-30 वर्ग की महिलायें सर्वाधिक नहीं हैं। इन्होंने 26 वर्षायु में विवाह को सर्वाधिक महत्व दिया है।

संविधान-संघ-२

विभाग, कार्यलयी एवं घोष मस्तिशो की शिवा के अणुगत लक्ष्य के लिए विधाह की खाली आय का विशालक अणुगत

खाली आय	विभाग	21वर्ष से नीचे	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	26वर्ष	27वर्ष	28वर्ष	29वर्ष	30वर्ष	योग
विभाग	विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यलयी	कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घोष	घोष	16 1/2 23.53	1.87	-	-	-	8 20.93 11.76	12 11.40 17.65	24 22.80 35.29	4 20.47 5.88	4 20.47 5.88	-	68 17.94 100.00
गृह-मन्त्री	विभाग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यलयी	कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घोष	घोष	12 17.14	1.40 17.14	-	-	-	-	20 22.34 28.57	28 33.27 40.00	6 20.70 8.57	4 20.47 5.71	-	70 28.18 100.00
जीवन-व्यय	विभाग	-	2 20.23 35.33	-	4 20.47 66.67	-	-	-	-	-	-	-	6 20.70 100.00
कार्यलयी	कार्यलयी	-	1 20.13 6.25	6 20.76 37.50	4 20.51 25.00	3 20.39 18.75	2 20.25 12.50	-	-	-	-	-	16 27.02 100.00
घोष	घोष	4 20.47 5.26	3 20.35 3.95	5 20.58 6.58	-	5 20.58 6.58	3 20.56 51.32	12 21.40 15.79	-	9 20.93 10.53	-	-	76 28.88 100.00
कार्यलयी	विभाग	-	2 20.23 3.92	1 20.14 1.96	11 21.27 21.59	19 22.22 37.25	6 20.70 11.76	5 20.58 9.80	3 20.35 5.88	4 20.47 7.94	-	-	51 25.96 100.00
घोष	कार्यलयी	-	-	-	2 20.25 4.17	5 20.63 10.42	6 20.76 12.50	17 22.15 35.42	11 21.39 22.92	7 22.15 14.58	-	-	48 26.06 100.00
घोष	घोष	4 20.47 2.78	15 21.75 10.42	3 20.35 2.08	-	7 20.82 4.86	45 25.26 31.25	48 25.61 33.33	-	12 21.40 8.33	6 20.70 4.17	4 20.47 2.78	144 28.88 100.00
खण्ड-मन्त्री	विभाग	-	2 20.23 1.99	2 20.23 1.99	5 20.58 4.72	4 20.47 3.77	8 20.94 7.35	44 25.15 41.51	26 23.04 24.52	10 21.17 9.43	5 20.58 4.72	-	106 23.39 100.00
कार्यलयी	कार्यलयी	-	-	2 20.25 2.27	-	3 20.38 3.41	13 21.44 14.77	31 23.91 35.23	22 22.79 25.00	17 22.15 19.32	-	-	88 21.11 100.00
घोष	घोष	4 20.47 3.45	8 20.93 6.39	12 21.40 10.34	-	9 21.05 7.76	47 25.40 7.76	20 22.34 17.24	-	12 21.40 10.34	-	4 20.47 3.45	116 23.55 100.00
सैनिक	विभाग	-	8 20.94 3.13	4 20.47 1.56	2 20.23 0.78	5 20.58 1.95	18 22.10 7.03	14 23.16 55.86	61 27.14 22.83	14 21.64 5.47	1 20.17 0.39	-	256 27.94 100.00
कार्यलयी	कार्यलयी	-	-	4 20.51 1.40	3 20.38 1.05	8 21.01 2.81	29 26.66 10.18	38 24.79 13.33	26 23.28 9.12	165 20.83 57.89	12 21.52 4.21	-	285 23.98 100.00
घोष	घोष	7 20.82 3.65	-	4 20.47 2.08	-	17 21.99 8.85	88 25.10 45.83	28 22.67 10.42	20 22.34 10.42	4 20.47 2.05	-	-	192 22.43 100.00
सैनिक	विभाग	-	6 20.70 1.43	12 21.40 2.85	3 20.35 0.71	7 20.82 1.66	8 20.94 1.90	25 29.36 59.62	70 29.19 16.63	56 26.55 13.30	8 20.94 1.90	-	421 29.24 100.00
वोत्तर	कार्यलयी	-	-	2 20.25 0.57	3 20.38 0.86	9 21.14 2.57	19 22.39 5.43	21 22.65 6.00	62 27.83 17.71	213 26.89 60.86	14 21.77 4.00	7 20.89 2.00	350 24.19 100.00
घोष	घोष	-	-	-	4 20.47 2.15	8 20.93 4.26	76 29.59 40.43	68 27.94 36.17	8 20.93 4.26	24 22.80 12.77	-	-	188 21.96 100.00
डी पिन्स-विभाग	विभाग	-	-	-	-	-	-	7 20.82 4.66	8 20.94 53.33	-	-	-	15 21.75 100.00
कार्यलयी	कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	4 20.51 80.00	1 20.17 20.00	-	5 20.63 100.00
घोष	घोष	-	-	-	-	-	1 20.12 50.00	1 20.12 50.00	-	-	-	-	2 20.23 100.00
योग	विभाग	-	120 22.34 19 22.22	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	25 22.92 35 24.09	855 28.88 100.00
कार्यलयी	कार्यलयी	-	1 20.13 14 21.77	12 21.52 29 23.54	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	29 23.54 35 24.09	792 28.88 100.00
घोष	घोष	47 25.49 28 23.04	24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	4 20.47 24 22.80	956 28.88 100.00

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 10.2 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 53% ने लड़कों हेतु विवाह की आदर्श आयु 26 वर्ष उचित बताया। लगभग 30% शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष से अधिक आयु को भी आदर्श विवाह आयु बताया। शिक्षक महिलाओं के शिक्षक स्तर में वृद्धि के साथ लड़कों हेतु विवाह की आदर्श आयु बताने में भी परिवर्तन वृद्धि के रूप में की प्रवृत्ति देखी गयी। जहां सामान्य शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने 25 से कम आयु को आदर्श कहा वहीं शिक्षितों एवं उच्च शिक्षितों ने 25 एवं 25 से अधिक आदर्श विवाह आयु को भी महत्व दिया।

कार्यालयी महिलाओं में अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं के अधिक आयु में विवाह को उचित एवं आदर्श निरूपित करने का तथ्य पाया गया। सर्वाधिक {51%} कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष एवं 28 वर्ष से अधिक को भी लगभग 4% ने आदर्श आयु कहा। अधिक उच्च शिक्षितों में 26 वर्ष से अधिक आयु को विवाह की आदर्श आयु निरूपित करते पाया।

घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक {38%} लोगों ने 25 वर्ष आदर्श विवाह आयु लड़कों हेतु बताया। शिक्षा का इनके आदर्श विवाह आयु की विचारधारा पर भी प्रभाव पड़ा है। सारिणी से स्पष्ट है कि लगभग 44% घरेलू महिलाओं ने 25 वर्ष से अधिक आयु को लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु बताया।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है तीनों प्रकार की महिलाओं में उनकी शिक्षा का आदर्श विवाह आयु व लड़कों हेतु पर प्रभाव पड़ा है। यह अवश्य रहा कि कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं में 25 से कम आयु में विवाह को कम आदर्श कहा जबकि घरेलू महिलाओं ने अधिक।

शास्त्री-संख्या-103

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लक्ष्यों के त्रिध क्रम की आदर्श आयु का विस्तारत्मक अध्ययन

वर्षों की महिलाये आदर्श आयु आयुवर्ग	18वर्ष से नीचे	19वर्ष	20वर्ष	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	25वर्ष से ऊपर	योग
20-30	शिक्षक	2883-278	1181-298	3784-328	2582-928	5286-088	2182-468	4685-388	-	222825-988
	कार्यालयी	0-99	4-95	16-67	11-28	23-42	9-46	20-72	-	100-00
	घरेलू	480-518	881-018	1782-158	1882-028	1982-278	4085-058	2582831-828	580-638	360845-458
30-40	शिक्षक	1-11	2-22	4-72	4-44	5-00	11-11	70-00	1-39	100-00
	कार्यालयी	780-818	2582-928	12-81-408	2186825-238	7688-288	4088-678	880-938	480-418	390848-268
	घरेलू	1-77	6-31	3-03	54-54	19-19	10-10	2-02	1-01	2-02
40-50	शिक्षक	180-128	2082-348	1681-878	5686-558	4084-688	113813-228	3489884785-498	-	327838-258
	कार्यालयी	0-31	6-31	4-89	17-13	12-23	34-56	10-39	14-37	100-00
	घरेलू	140-128	5-08	1281-408	380-358	99811-568	6587-368	3085-518	680-708	236827-878
50-60	शिक्षक	1381-528	680-708	3483-988	4985-788	6587-608	2482-818	5-83-748	-	223828-088
	कार्यालयी	5-83	2-69	15-25	21-97	29-15	10-76	14-35	-	100-00
	घरेलू	981-018	280-258	981-148	881-018	1581-898	2483-038	1081-268	380-388	7989-978
योग	शिक्षक	180-128	580-588	180-128	2985-398	1381-528	2182-468	680-708	710-808	8389-718
	कार्यालयी	1-20	6-02	1-20	34-94	15-66	25-30	7-23	9-43	100-00
	घरेलू	1081-178	480-518	1682-028	780-888	580-638	981-148	-	-	4185-188
योग	शिक्षक	480-478	6687-728	3483-988	156818-258	127814-858	2281822-928	8589-948	8132815-448	855810028
	कार्यालयी	-	2583-168	3684-558	5486-828	5286-578	83810-488	143818-068	37847-478	792810028
	घरेलू	2785-158	5386-198	2382-098	412888-138	115187-848	106812-388	2282-378	3083-508	856810028

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10-3 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक 23% शिक्षक महिलाओं ने लड़कियों हेतु आदर्श विवाह आयु 22 वर्ष, 47% कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष, एवं 48% घरेलू महिलाओं ने 20 वर्ष आदर्श आयु व्यक्त किया।

समस्त शिक्षक महिलाओं में 22 वर्ष से अधिक आदर्श आयु हेतु 25% ने, 68% कार्यालयी महिलाओं ने एवं 10% घरेलू महिलाओं ने 22 वर्ष से अधिक आयु में विवाह आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलायें विलम्ब विवाह एवं घरेलू महिलायें शीघ्र विवाह तथा शिक्षक महिलायें दोनों के मध्य 22 वर्षायु के विवाह को प्रोत्साहित एवं आदर्श मानती हैं।

20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने 18 वर्ष से कम आयु में विवाह की आदर्श विवाह आयु $\{$ लगभग $\}$ नहीं माना है। ठीक यही, विचार धारा लगभग प्रत्येक आयु की शिक्षक महिलाओं का है। 25 वर्ष के बाद भी विवाह, आदर्श विवाह आयु नहीं माना है।

कार्यालयी महिलाओं ने तो 18 से कम की तो बिल्कुल नहीं, वरन् 18 एवं 19 वर्षायु में भी विवाह को अधिक लोगों ने आदर्श नहीं माना है सर्वाधिक ने 24 वर्षायु में विवाह आदर्श माना है इसमें 20-30 आयु वर्ग की सर्वाधिक महिलायें हैं। शिक्षक महिलाओं की अपेक्षा दो वर्ष विलम्ब विवाह को इन्होंने महत्व दिया जो विवाह आयु के दोनों ओर पर दिखायी पड़ता है।

घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत शीघ्र विवाह को आदर्श माना है। इसमें लगभग प्रत्येक आयु वर्ग की महिलायें हैं। 22 वर्ष के बाद विवाह को कम महिलाओं ने उचित एवं आदर्श माना है।

साथी- (कटा- 104)

शिक्षक, कार्यालयी एवं धरो भूखे मरिजाओ की शिक्षा के अनुसार नईकियो के लिये विद्या की बाहर का रिपोर्टक बरखन

जादी कायु शिक्षा	मरिजाओ	18वर्ष से नीचे	18वर्ष	19वर्ष	20वर्ष	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	25वर्ष से योग उपर
जिम्मेदार	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	धरो	11 1.29 16.18	13 1.52 19.12	-	20 2.34 29.41	7 0.82 16.29	9 1.05 13.24	5 0.58 7.35	3 0.35 4.41	-	68 7.94 100.00
ग्राहमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	धरो	8 0.93 11.43	10 1.17 14.29	-	32 3.74 45.71	20 2.34 28.57	-	-	-	-	70 8.18 100.00
जुनियर	शिक्षक	-	4 0.47 66.67	2 0.23 33.33	-	-	-	-	-	-	6 0.70 100.00
	कार्यालयी	-	2 0.25	1 0.13	5 0.63	2 0.25	3 0.03	-	3 0.58	-	16 2.02 100.00
	धरो	-	28 3.27 36.84	4 0.47 5.26	16 1.87 21.05	12 1.40 15.79	4 0.47 5.26	3 0.35 3.95	9 1.05 11.64	-	76 8.88 100.00
डाई ब्लू	शिक्षक	-	4 0.47 7.84	-	14 1.64 27.45	7 0.82 13.73	18 2.11 35.29	5 0.58 9.70	3 0.35 5.88	-	51 5.96 100.00
	कार्यालयी	-	9 1.14 16.75	11 1.39 22.92	19 2.39 39.58	5 0.63 10.42	2 0.25 4.17	2 0.25 4.17	-	-	49 6.06 100.00
	धरो	4 0.47 2.78	32 3.74 22.22	-	56 6.54 38.89	8 0.93 5.55	24 2.90 16.67	3 0.35 2.08	5 0.59 3.47	12 1.40 8.33	144 16.92 100.00
स्टार	शिक्षक	1 0.12 0.94	5 0.58 4.72	6 0.70 5.66	24 2.81 22.64	17 1.99 16.03	31 3.63 29.24	10 1.17 9.43	12 1.40 11.32	-	106 12.39 100.00
	कार्यालयी	-	6 0.76 6.82	7 0.88 7.95	12 1.52 13.64	19 2.27 20.45	22 2.78 25.00	11 1.39 12.50	12 1.52 13.64	-	88 11.11 100.00
	धरो	4 0.47 3.45	33 3.86 28.45	7 0.82 6.03	28 3.27 24.14	20 2.34 17.24	12 1.40 10.34	-	4 0.47 3.45	8 0.93 6.59	116 11.55 100.00
स्नातक	शिक्षक	1 0.12 0.39	36 4.21 14.06	2 0.23 0.78	50 5.85 19.53	4 1.47 16.01	62 7.25 24.21	29 3.39 11.32	35 4.09 13.67	-	256 29.94 100.00
	कार्यालयी	-	5 0.63 1.75	4 0.51 1.40	11 1.39 3.86	20 2.33 7.02	21 2.65 7.37	50 6.31 17.54	161 20.33 56.49	13 1.64 4.56	285 35.98 100.00
	धरो	-	24 2.80 12.50	8 0.94 4.17	92 10.75 47.92	36 4.21 18.75	28 3.27 14.58	4 0.47 2.08	-	-	192 22.43 100.00
स्नात	शिक्षक	2 0.23 0.47	17 1.99 4.04	24 2.81 5.70	68 7.95 16.15	62 7.25 14.72	131 15.32 31.12	41 4.79 9.74	76 8.99 18.05	-	421 49.24 100.00
	कार्यालयी	-	3 0.38 0.86	13 1.64 3.71	7 0.88 2.00	7 0.88 2.00	34 4.29 9.17	79 9.91 22.57	197 24.87 56.29	10 1.26 2.86	350 44.19 100.00
	धरो	-	12 1.40 6.30	4 0.47 2.13	68 7.94 36.17	48 5.61 25.53	28 3.27 14.89	7 0.82 3.72	9 1.05 4.79	12 1.40 6.39	195 21.96 100.00
जी. एम	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	9 1.05 60.00	-	6 0.70 40.00	15 1.75 100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	1 0.13 20.00	1 0.13 20.00	3 0.35 60.00	-	5 0.63 100.00
	धरो	-	1 0.12 50.00	-	-	-	1 0.12 50.80	-	-	-	2 0.23 100.00
योग	शिक्षक	4 0.47 66.67	7 2.3 34 33.98	156 18.25 156.88	127 14.85 127.14	251 29.36 251.14	29.36 85 10.94	132 15.44 132.15	-	-	955 100.2 100.00
	कार्यालयी	-	25 3.16 36.4	55 5.4 54 46.82	52 6.57 52.16	57 5.3 53 10.48	143 14.06 143.18	376 47.47 376.47	123 12.90 123.12	-	792 100.2 100.00
	धरो	27 3.15 153 17.87	23 2.69 312 36.45	151 17.64 151.17	106 12.38 106.12	22 2.57 22.23	30 3.50 30.33	32 3.74 32.33	-	-	856 100.2 100.00

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श - आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 10.4 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श - आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षित महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 29% ने लड़कियों के लिए विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष, कार्यालयी महिलाओं §47% ने 24 वर्ष, घरेलू §36% महिलाओं ने 20 वर्ष विवाह की आदर्श आयु कहा है।

शिक्षक महिलाओं में देखा गया कि शिक्षा में वृद्धि के साथ उनकी आदर्श विवाह आयु की विचारधारा में भी परिवर्तन वृद्धि के रूप में हुआ। कम शिक्षितों ने 20 वर्ष से कम आयु को ही आदर्श विवाह आयु कहा लेकिन अधिक एवं अन्य शिक्षित शिक्षक महिलाओं ने अधिक आयु § सर्वाधिक 22 वर्ष § को आदर्श बताया। लगभग 25% शिक्षित महिलाओं ने 22 वर्ष से अधिक आयु को आदर्श बताया है।

कार्यालयी महिलाओं ने अपेक्षाकृत शिक्षकों के अधिक आयु को आदर्श विवाह आयु कहा। जहाँ सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्ष आदर्श बताया वहीं कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष आदर्श आयु कहा। इनमें भी शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ आदर्श विवाह आयु के विचार में परिवर्तन आया।

घरेलू महिलाओं में शिक्षा का अधिक प्रभाव आदर्श विवाह आयु पर पड़ा लेकिन उतना महत्वपूर्ण नहीं जितना शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं पर पड़ा है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने कम आयु में विवाह की आदर्श आयु बताया है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के प्रकार का विस्तारत्मक अध्ययन

परिवार का प्रकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाँच बच्चे	पाँच से अधिक	कोई बच्चा नहीं	शिक्षित	योग
20-30	शिक्षक	3083-518	5185-968	1181-298	180-128	-	-	1781-998	222825-968
	कार्यालयी	13-51	22-97	4-95	0-45	-	-	7-66	101-00
	घरेलू	5787-198	157819-828	6187-708	1281-528	-	-	2583-168	360845-458
30-40	शिक्षक	101811-798	130815-198	8189-468	2683-048	3584-088	-	1982-228	398846-268
	कार्यालयी	25-51	32-33	20-45	6-56	8-84	-	4-79	100-00
	घरेलू	3884-448	124814-508	7789-018	2582-928	984-058	210-238	2082-348	32883-748
40-50	शिक्षक	11-62	37-92	23-55	7-65	2-75	0-61	6-12	100-00
	कार्यालयी	4185-188	141817-808	6988-718	2082-538	2082-538	881-018	580-588	312859-398
	घरेलू	13-14	45-19	22-12	6-41	6-41	2-56	1-60	100-00
50-60	शिक्षक	2783-158	88810-288	4385-028	5786-668	1289-338	-	580-588	236827-578
	कार्यालयी	11-44	37-29	18-22	24-15	5-09	-	2-12	100-00
	घरेलू	1882-118	65817-608	5986-908	3383-868	1281-408	780-828	1381-528	228225-008
योग	शिक्षक	8-07	29-15	26-46	14-79	5-38	3-14	5-33	100-00
	कार्यालयी	480-518	2683-238	3284-048	380-388	280-258	280-258	881-018	7089-978
	घरेलू	5-00	32-91	40-51	3-79	2-53	2-53	10-13	100-00
योग	शिक्षक	1781-998	28832-718	6387-368	2182-458	980-708	580-588	-	144816-828
	कार्यालयी	11-81	19-44	43-75	14-68	4-17	3-47	-	100-00
	घरेलू	1381-528	1381-528	1982-118	1481-648	680-708	480-478	880-948	8389-718
योग	शिक्षक	15-66	15-66	21-69	10-87	7-23	4-39	7-64	100-00
	कार्यालयी	480-518	282-538	680-708	580-638	680-768	-	-	4185-138
	घरेलू	9-76	4-88	14-64	2-19	14-63	-	-	100-00
योग	शिक्षक	99811-588	253829-598	165819-298	7381-548	2783-168	1381-528	58-6-788	85581008
	कार्यालयी	100815-388	344843-438	168821-218	4085-058	36813-548	1081-268	3884-798	79810028
	घरेलू	152817-268	206831-078	202823-598	108812-528	6087-018	3283-748	2482-808	8581008

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.5 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में 27% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है, शेष 73% में सबसे छोटा परिवार आकार 1 मात्र एक शिशु 11.58% महिलाओं ने दो बच्चे 29.59% ने तीन बच्चे 19.29% ने चार बच्चे 8.54% ने पाँच बच्चे 3.16% ने एवं 1.52% शिक्षक महिलाओं ने पाँच से अधिक बच्चे परिवार आकार में किया है। कार्यालयी महिलाओं में 12% एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 4% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है। सारिणी से स्पष्ट है कि मात्र दो बच्चों के विचार से घरेलू महिलायें, कार्यालयी महिलाओं से पीछे हैं अथवा सभी में शिक्षक महिलाओं से भी आगे हैं। निश्चित रूप से यह तथ्य शिक्षक महिलाओं के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, लेकिन यह स्वरूप तब स्पष्ट होता है जब हम देखते हैं कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 27% है ही नहीं। जबकि कार्यालयी 12% एवं घरेलू महिलायें मात्र 4% प्रक्रिया में नहीं हैं।

20-30 आयु वर्ग में सभी शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू महिलाओं के परिवार में अधिकतर दो बच्चे हैं, दो बच्चे के पश्चात एक तथा तीन बच्चे वाली महिलायें हैं। 8% घरेलू महिलाओं के परिवार में पाँच बच्चे हैं, जो कि शिक्षक व कार्यालयी महिलाओं में नहीं हैं।

30-40 आयु वर्ग में भी दो बच्चे वाली महिलायें अधिक हैं लेकिन इस आयु वर्ग में शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू सभी महिलाओं के परिवार में पाँच व उससे अधिक भी बच्चे हैं। जो कि 20-30 आयु वर्ग की महिलाओं में नहीं हैं।

40-50 आयु वर्ग में शिक्षक तथा कार्यालयी महिलाओं के परिवार में अधिकतर दो बच्चे हैं, जबकि घरेलू महिलाओं में तीन बच्चे हैं।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं के परिवार में अधिकतर तीन बच्चे, कार्यालयी महिलाओं में दो बच्चे तथा घरेलू महिलाओं में पाँच बच्चे से अधिक है।

अतः सारिणी से स्पष्ट है कि अधिकतर शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के परिवार में दो बच्चे हैं, शिक्षक महिलाओं में अधिक आयु वर्ग में बच्चों की संख्या दो से बढ़कर तीन हो गयी, जबकि कार्यालयी महिलाओं में ऐसा नहीं पाया गया। घरेलू महिलाओं में आयु वर्ग बढ़ने के साथ - साथ परिवार के आकार में वृद्धि दिखायी पड़ी।

शालिवाहनी-संख्या-10-6

शिलाब, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक कार्यालय परिवार के आकार का विवेकात्मक अनुमान

कार्यालय परिवार महिलाये की आयु वर्ग	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	योग
20-30-	विवाहक 12.1 5.41	40.1 86.49	192.22 46.1	16.1 8.71	1.0 0.45	1.0 0.45
कार्यालयी	102.12 28.33	88.1 68.99	31.1 10.1	26.1 7.8	-	360.45 100.00
घरेलू	4.4 11.11	14.1 74.75	29.1 34.58	56.1 6.24	-	396.46 100.00
30-40	विवाहक 25.12 7.65	92.1 76.15	12.1 14.68	48.1 5.61	4.0 1.22	1.0 0.31
कार्यालयी	28.13 8.97	54.1 75.00	29.1 55.1	50.1 6.31	-	312.39 100.00
घरेलू	24.12 10.46	80.1 71.17	19.1 63.1	36.1 4.21	8.0 3.39	236.27 100.00
40-50	विवाहक 10.1 4.48	17.1 79.85	20.1 35.1	33.1 3.86	6.0 2.69	223.26 100.00
कार्यालयी	12.1 15.19	52.1 70.99	7.1 0.71	11.1 1.39	-	79.69 100.00
घरेलू	16.1 11.11	97.1 72.92	12.1 27.1	15.1 1.75	8.0 5.56	144.16 100.00
50-60	विवाहक 9.1 9.64	9.4 66.72	7.1 79.52	9.1 10.84	-	93.69 100.00
कार्यालयी	2.0 4.89	29.1 79.05	4.1 0.41	7.0 17.07	-	41.85 100.00
घरेलू	12.1 15.00	40.1 51.25	16.1 79.1	27.1 33.75	-	90.89 100.00
योग	विवाहक 55.1 14.4	43.1 18.18	69.1 57.07	107.1 71.97	1.1 1.29	2.0 2.31
कार्यालयी	144.1 96.41	18.1 21.61	70.1 10.71	95.1 6.51	1.0 1.81	792.1 100.21
घरेलू	396.46 28.33	100.00 74.75	396.46 34.58	26.1 7.8	-	556.1 100.21

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.6 में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में देखा गया है कि एक आदर्श परिवार में दो बच्चे उचित समझने वाली महिलाये 80% शिक्षक 72% कार्यालयी 72% एवं घरेलू 72% तबसे अधिक है। शिक्षक महिलाये कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं से अपेक्षाकृत दो अधिक उचित समझती है। कार्यालयी व घरेलू महिलाये लगभग बराबर दो बच्चे उचित समझती है। इसके पश्चात शिक्षक व घरेलू तीन बच्चे, उसके बाद एक बच्चे को उचित समझती है, जबकि कार्यालयी महिलाये दो बच्चे के बाद एक बच्चा उचित समझती है। तीन बच्चे के बाद चार व पाँच बच्चे उचित समझने वाली शिक्षक महिलाये मात्र 1.52% है, जबकि कार्यालयी महिलाये ने तीन बच्चे तक ही उचित समझा है घरेलू महिलाये 1.87% उचित समझती है।

20-30 आयु वर्ग में 86% शिक्षक महिलाये दो बच्चे सबसे अधिक उचित समझती है, इसके पश्चात 75% घरेलू व 69% कार्यालयी महिलाओं ने उचित समझा है। इस आयु वर्ग में शिक्षक व घरेलू दो बच्चे के बाद तीन बच्चे उचित समझती है, तथा तीन के बाद एक बच्चे को, कार्यालयी महिलाये दो बच्चे के बाद एक बच्चा तथा एक बच्चे के बाद तीन बच्चे उचित समझती है।

30-40 आयु वर्ग में शिक्षक व कार्यालयी महिलाओं ने लगभग बराबर 76% तथा घरेलू ने 72% दो बच्चों की एक आदर्श परिवार का आकार माना है, इस आयु वर्ग में सभी महिलाओं ने दो के पश्चात तीन बच्चे उचित समझे है, शिक्षक महिलाओं में 1.54% ने तीन बच्चे के बाद आदर्श परिवार का आकार माना है, इनकी संख्या अत्यधिक कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। सम्भवतः इनका आदर्श परिवार आकार अधिक मानने का कारण इनका धर्म हो सकता है।

40-50 आयु वर्ग में सर्वाधिक 76% शिक्षक महिलाओं ने दो बच्चे उचित समझे हैं, इसके पश्चात् कार्यालयी तथा घरेलू महिलाये हैं, शिक्षक महिलाओं ने दो के पश्चात् एक के अपेक्षाकृत तीन को अधिक महत्त्व दिया है, जबकि कार्यालयी में दो के पश्चात् एक को अधिक महत्त्व दिया है घरेलू महिलाओं ने लगभग बराबर महत्त्व दिया।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक व कार्यालयी महिलाओं ने लगभग बराबर 79% दो बच्चे, जबकि घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत कम 51% उचित समझे हैं इस आयु वर्ग में सभी महिलाओं ने दो के बाद तीन बच्चे को महत्त्व दिया है।

उपरोक्त विवेचन से स्पष्ट है, सभी महिलाओं ने एक आदर्श परिवार का आकार दो बच्चे माना है, शिक्षक व घरेलू महिलाओं दो बच्चे के बाद एक की वरीयता में तीन को प्राथमिकता दी है, जबकि कार्यालयी महिलाओं ने दो बच्चे के बाद तीन की वरीयता में एक को अधिक महत्त्व दिया है।

घरिणी-संख्या-107

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन

परिवार का आकार शिक्षा	महिलाये	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	पाच बच्चे से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अविवाहित	योग
बहिष्कृत शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी घरेलू	880.93 11.76	980.93 11.76	2983.27 41.13	1281.40 17.65	980.93 11.76	480.47 5.99	-	-	-	6887.94 100.00
प्राथमरी शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी घरेलू	480.47 5.71	1281.40 17.14	2282.57 31.43	1281.40 17.14	880.93 11.43	980.93 11.43	-	480.47 5.71	-	7089.13 100.00
जूनियर हाई स्कूल शिक्षक	-	-	380.35 50.00	-	-	-	-	180.12 16.67	280.23 33.33	680.70 100.00
कार्यालयी घरेलू	-	780.93 43.75	580.63 31.25	280.25 12.50	1081.26 62.50	180.13 6.25	-	-	-	1682.02 100.00
हाई स्कूल शिक्षक	580.58 9.9	1381.52 25.49	1481.64 27.45	1181.29 21.57	380.35 5.99	-	280.23 3.92	380.35 5.99	5185.96 100.00	
कार्यालयी घरेलू	380.38 6.25	1181.39 22.92	1281.52 25.00	780.99 14.58	680.76 12.50	280.25 4.17	380.39 6.25	480.51 9.33	4986.06 100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	1281.40 8.33	4485.14 30.56	3684.21 25.00	3684.21 25.00	480.47 2.78	980.93 5.56	-	480.47 5.56	144815.9 100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	1281.40 11.32	2582.92 23.58	2683.04 24.53	1481.64 13.21	580.58 4.72	580.58 4.72	780.92 6.60	1281.40 11.32	126812.39 100.00	
कार्यालयी घरेलू	1982.39 21.59	1281.52 13.64	2282.78 25.00	380.38 3.41	1081.26 11.36	580.63 5.68	1281.52 13.64	580.63 5.68	99811.11 100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	1681.87 13.79	4084.67 34.48	2983.27 24.14	880.93 9.99	2082.34 17.24	480.47 3.45	-	-	116813.5 100.00	
स्नातक शिक्षक	1383.51 5.08	7589.77 29.29	5185.96 17.92	1982.22 7.42	980.94 3.13	480.47 1.56	2182.46 8.20	4985.61 19.75	256829.94 100.00	
कार्यालयी घरेलू	4785.93 16.49	100812.63 35.09	87810.98 30.53	1081.26 3.51	780.89 2.46	280.25 0.70	1381.64 4.56	1782.39 6.67	29855.97 100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	4084.67 20.83	7289.41 37.5	4985.61 25.00	1681.97 8.33	-	980.93 4.17	480.47 2.09	480.47 2.09	172822.43 100.00	
स्नातक शिक्षक	4985.71 11.64	135815.79 32.07	6988.07 16.39	2783.16 6.41	1081.17 2.39	480.47 0.95	2783.16 6.41	100811.69 23.75	421849.24 100.00	
कार्यालयी घरेलू	3684.55 10.29	210826.52 60.00	6285.30 12.00	1882.27 5.14	480.51 1.14	-	1081.26 2.96	3083.79 9.57	350844.17 100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	7288.41 38.29	8089.35 42.55	1281.40 6.38	880.93 4.26	-	-	1681.97 16.67	-	198821.96 100.00	
डी.पिएल शिक्षक	380.35 20.00	580.58 33.33	280.23 13.33	280.23 13.33	180.12 6.67	-	-	280.23 13.33	1581.75 100.00	
कार्यालयी घरेलू	180.13 20.00	480.51 50.00	-	-	-	-	-	-	580.63 100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	-	280.23 100.00	-	-	-	-	-	-	280.23 100.00	
योग शिक्षक	99811.59	253829.59	165819.29	7389.54	2783.16	1381.52	5986.79	157817.53	9558100.00	
कार्यालयी घरेलू	106813.39	344843.43	438169.21	4085.05	2883.54	1081.26	3884.79	5887.32	7928100.00	
हाई स्कूल शिक्षक	152817.26	266831.07	202823.59	108812.62	6087.01	3283.74	2482.90	1281.40	8568100.00	

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के

आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.7 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार "परिवार के आकार" का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी स्पष्ट है कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में 27% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है शेष 73% में सबसे छोटा परिवार - आकार 1/2 मात्र एक शिशु 11.58% महिलाओं ने, दो बच्चे 29.59% ने, 3 बच्चे 19.29% ने चार बच्चे 8.54% ने, पांच बच्चे 3.16% ने एवं 1.52% शिक्षक महिलाओं ने पांच से अधिक बच्चे परिवार आकार में किया है। कार्यालयी महिलाओं में 12% एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 4% प्रजनन प्रक्रिया में नहीं है। सारिणी से स्पष्ट है कि मात्र दो बच्चों के विचार में घरेलू महिलायें, कार्यालयी महिलाओं से पीछे हैं अथवा सभी में 1/2 शिक्षक महिलाओं से भी आगे है। निश्चित रूप से तथ्य महत्वपूर्ण है, शिक्षक महिलाओं के संदर्भ में लेकिन शिक्षक महिलाओं के संदर्भ में यह स्वरूप तब स्पष्ट होता है जब हम देखते हैं कि न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 27% है ही नहीं। जबकि कार्यालयी 12% एवं घरेलू महिलायें मात्र 4% प्रक्रिया में नहीं है।

शिक्षा के अनुसार इन महिलाओं को देखने पर स्पष्ट होता कि शिक्षा के कारण शिक्षक महिलाओं में कम बच्चों के प्रति अधिक दुकाव हुआ है। उच्च शिक्षा ने अधिकांश शिक्षक महिलाओं को 1-2 बच्चों की ओर उन्मुख किया। पहले जहाँ वे अधिक बच्चों को परिवार आकार में पसन्द करती रही अधिक शिक्षा के कारण उनके हस्त पसन्दगी में तेजी से गिरावट भी आयी साथ में कम बच्चों के परिवार आकार के प्रति आकर्षण धीरे - धीरे बढ़ा। सारिणी से स्पष्ट है कि 1-2 शिशु के विचार को हाई स्कूल स्तरीय 35% ने,

डिप्लोमा स्तरीय 35% ने, स्नातक स्तरीय 35% ने, स्नातकोत्तर 43% ने, एवं डी० फिल स्तरीय 53% ने महत्त्व दिया है। जो उनके उच्च शिक्षा के साथ परिवार के कम आकार को अधिक महत्त्व देने को प्रदर्शित करता है।

कम शिक्षित कार्यालयी महिलाओं में जहाँ पहले 1-2 शिशु के लिए कम इच्छा थी, उनके शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ 1-2 शिशु के लिए लोगों का आकर्षण बढ़ा। सर्वेक्षण में पाया गया कि हाई स्कूल की 29% एवं डिप्लोमा की 35% में 1-2 बच्चे की इच्छा रही वहीं अन्य शिक्षित 52% स्नातकों, 70% स्नातकोत्तरों एवं डी० फिल स्तरीय शत - प्रतिशत कार्यालयी महिलाओं ने महत्त्व दिया।

घरेलू महिलाओं में भी ठीक यही प्रवृत्ति दिखायी पड़ी। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में 1-2 बच्चे के लिए शिक्षा के साथ आकर्षण बढ़ा। अधिक बच्चों के प्रति उनका मोह कम हुआ। यह आकर्षण, शिक्षक महिलाओं में अधिक रहा लेकिन, जब हम देखते हैं कि शिक्षक महिलाओं में 27% एवं कार्यालयी 12% तथा घरेलू महिलायें मात्र 4% प्रजनन प्रक्रिया से दूर हैं, तब आदर्श में शिक्षक महिलाओं के प्रजनन व्यवहार का स्वरूप स्पष्ट एवं उचित दिखायी पड़ता है।

सांख्यिकी-संख्या-10-ड.

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का

विभेदात्मक अध्ययन

आदर्श परिवार महिलाये शिक्षा	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	योग
अशिक्षित	शिक्षक - कार्यालयी - घरेलू 12१1.40० 17.65	- - 26१3.04१ 33.24	- - 30१3.50१ 44.12	- - -	- - -	- - 69१7.94१ 100.00
प्राथमिकी	शिक्षक - कार्यालयी - घरेलू 16१1.87१ 22.86	- - 50१5.84१ 71.43	- - 4१०.47१ 5.71	- - -	- - -	- - 70१3.18 100.00
जूनियर-हाई स्कूल	शिक्षक - कार्यालयी - घरेलू 8१०.93१ 10.53	4१०.47१ 66.67 9१1.14१ 56.25 56१6.54१ 73.68	2१०.23१ 33.33 7१०.88१ 43.75 12१1.40१ 15.79	- - -	- - -	6१०.70१ 100.00 16१2.02१ 100.00 76१9.88१ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक 2१०.23१ 3.92 कार्यालयी - घरेलू 8१०.93१ 5.56	4१०.47१ 82.35 40१5.05१ 83.33 100१11.68१ 69.44	5१०.58१ 9.80 9११.11१ 16.67 24१2.80१ 16.67	2१०.23१ 3.92 -	- - -	5११5.96१ 100.00 48१6.06१ 100.00 144१16.82१ 100.00
इंटरमीडिएट	शिक्षक 6१०.70१ 5.66 कार्यालयी 1६१2.02१ 18.18 घरेलू 12१1.40१ 10.34	87१10.18१ 82.08 60१7.58१ 68.18 84१9.81१ 72.41	13१1.52१ 12.26 12११.52१ 13.64 16११.87१ 13.79	- -	- -	106१12.39१ 100.00 88११1.11१ 100.00 116१13.55१ 100.00
स्नातक	शिक्षक 18१2.11१ 7.03 कार्यालयी 56१7.07१ 19.65 घरेलू 8१०.93१ 4.17	214१25.05१ 83.59 208१26.26१ 72.99 156१18.22१ 81.25	18१2.11१ 7.03 21१2.65१ 7.37 28१3.27१ 14.59	4१०.47१ 1.56 -	2१०.23१ 0.78 -	256१29.94१ 100.00 285१35.98१ 100.00 152१22.43१ 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक 28१3.27१ 6.65 कार्यालयी 72१9.09१ 20.57 घरेलू 32१3.74१ 17.02	320१37.43१ 76.01 248१31.31१ 70.86 136१15.89१ 72.34	68१7.95१ 16.15 30१3.79१ 8.57 20१2.34१ 10.64	5१०.58१ 1.18 -	- -	421१49.24१ 100.00 350१44.19१ 100.00 189१21.96१ 100.00
जी.पिएल.	शिक्षक 1१०.12१ 7.14 कार्यालयी - घरेलू -	14११.64१ 93.33 5१०.63१ 100.00 2१०.23१ 100.00	- -	- -	- -	15११.75१ 100.00 5१०.63१ 100.00 2१०.23१ 100.00
योग	शिक्षक 55१6.43१ कार्यालयी 144१9.18१ घरेलू 96११1.21१	68११79.65१ 570१71.97१ ६१०१७१.26१	106१११2.39१ 79१११.85१ 134१११5.65१	1१११1.29१ -	2१११0.23१ -	३५५१११००.४१ 792१११००.४१ ३५६१११००.४१

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार

के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10.8 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि एक आदर्श परिवार में एक बच्चे के आदर्श विचार में सबसे कम शिक्षक महिलायें 6% एवं सबसे अधिक 18% कार्यालयी महिलायें हैं। दो बच्चे के आदर्श परिवार आकार में सबसे अधिक 80% शिक्षक महिलायें, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें बराबर हैं। तीन बच्चे के आदर्श परिवार आकार में सर्वाधिक घरेलू महिलायें एवं सबसे कम लगभग 10% कार्यालयी महिलायें हैं। चार एवं उससे अधिक बच्चे आदर्श परिवार के सम्बन्ध में मात्र 1.29% शिक्षक महिलायें एवं कार्यालयी महिलायें एक भी नहीं हैं। स्पष्ट है कि अधिक बच्चों के आदर्श आकार में मात्र थोड़े से ही लोग हैं, फलतः उनका विशेष महत्त्व नहीं है। तीन बच्चों के आदर्श आकार में 10-15% के बीच सभी प्रकार की महिलायें हैं।

शिक्षा के अनुसार आदर्श परिवार आकार देखने पर स्पष्ट होता है कि बढ़ते शैक्षिक स्तर में शिक्षक महिलाओं को एक शिशु परिवार आकार की ओर अवश्य प्रेरित किया है लेकिन यह धीमी गति से ही हुआ है। दो बच्चों के परिवार आकार में शिक्षक महिलायें सबसे आगे एवं तीव्र रूप से प्रेरित हुई हैं। प्राथमिक स्तर से डी० फ़िल स्तर तक 67% से 93% का झुकाव उनकी प्रवृत्ति को स्पष्ट करता है। तीन शिशु के लिए किसी भी प्रकार की महिलाओं की स्पष्ट प्रवृत्ति नहीं दृष्टिगोचर हुई है।

घरेलू महिलाओं के एक बच्चे के आदर्श परिवार आकार के सम्बन्ध में स्पष्ट प्रवृत्ति शिक्षा के सम्बन्ध में नहीं दिखायी पड़ी, लेकिन दो बच्चों

के आकार में स्नातक स्तर से शिक्षा का प्रभाव दिखायी पड़ा है। कार्यालयी महिलाओं में सभी लोग एक से तीन बच्चे के आदर्श परिवार आकार में अपनी प्रवृत्ति समिट गयी है। यह अवश्य रहा है कि दो बच्चे हेतु सर्वाधिक, तब एक बच्चे हेतु एवं सबसे कम तीन बच्चे हेतु उनके आदर्श परिवार आकार की इच्छित प्रवृत्ति देखने को मिली है। कार्यालयी महिलायें अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं के शीघ्र एवं कम प्रजननता में अधिक विश्वास में केन्द्रित करती दिखायी पड़ी है।

नाम सही संख्या-109

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के लीर राज्य सरकार का नियमित मारुत

अनु-सं-राज्य मारुतये आयु वर्ग	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	तीस बच्चा तक	बलिवारित	योग
20-30	शिक्षक	5786-671 25-68	582-228 8-56	1281-400 5-41	510-581 2-25	-	1711-991 7-06	112113-091 50-45	222-25-961 100-00
	कार्यालयी	236829-791 65-56	2382-301 6-39	2513-101 6-97	319-381 0-93	-	2513-161 6-94	481-061 13-33	360845-451 100-00
	घरेलू	171817-091 43-18	849-811 21-21	3684-211 9-09	3213-741 8-08	2382-691 5-31	2783-151 6-82	410-44 1-01	396846-201 100-00
30-40	शिक्षक	165819-291 50-46	5216-081 15-90	4815-611 14-63	21-051 2-75	180-121 0-31	2012-341 6-12	3218-511 9-17	322839-251 100-00
	कार्यालयी	106813-281 33-97	155817-051 43-27	4986-191 15-71	811-011 2-56	180-131 0-32	510-031 1-60	911-011 2-56	312839-391 100-00
	घरेलू	87810-161 36-80	6487-471 27-12	2983-271 11-80	580-581 6-79	580-581 2-12	2783-151 11-44	480-471 1-69	236827-511 100-00
40-50	शिक्षक	116813-571 52-02	3784-331 16-59	3285-741 14-35	680-701 2-09	380-351 1-35	1311-521 5-83	1-82-211 5-82	223-26-091 100-00
	कार्यालयी	1-81-521 15-19	3284-041 40-51	2012-531 25-32	580-381 3-19	280-251 2-53	81-011 10-13	28-851 2-53	779-971 100-00
	घरेलू	6487-451 44-40	3483-971 23-61	2482-801 16-67	580-931 5-50	380-351 2-03	780-821 4-82	480-471 2-73	144-10-31 100-00
50-60	शिक्षक	8084-681 48-19	1281-401 14-46	1581-501 15-61	280-221 2-41	180-121 1-20	880-941 9-04	780-471 3-42	839-9-11 100-00
	कार्यालयी	880-701 14-03	881-011 19-51	2182-651 51-22	280-381 7-32	380-331 7-22	-	-	419-811 100-00
	घरेलू	1081-161 12-50	5085-841 62-50	880-931 10-00	480-461 5-00	580-581 6-25	380-351 3-75	-	808-341 100-00
योग	शिक्षक	378844-211	120814-081	105812-281	2812-571	580-591	5886-791	18719-531	8551101
	कार्यालयी	360845-451	198825-001	11581-521	1782-151	680-761	3884-701	5887-321	70210021
	घरेलू	332839-791	232827-101	96811-211	607-011	3084-211	6487-481	1281-401	55610021

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 10-9 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

न्यादर्श की समस्त महिलाओं में 26% शिक्षक, 12% कार्यालयी एवं 4% घरेलू महिलाओं ने अपने विवाह न होने एवं सन्तान न होने के कारण उत्तर नहीं दिया है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू तीनों प्रकार की महिलाओं में सर्वाधिक ने विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य एक वर्ष अन्तराल अपनाया है। इसमें शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाये घरेलू से अधिक है। जन्म - अंतराल बढ़ने के साथ - साथ कम महत्त्व देने की प्रवृत्ति तीनों प्रकार की महिलाओं में देखी गयी।

विभिन्न आयु - वर्ग की महिलाओं को उनके जन्म अंतराल के विषय में देखने पर यह पाया गया कि यद्यपि एक वर्ष सर्वाधिक ने अपनाया लेकिन शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु - वर्ग ने, कार्यालयी महिलाओं में 20-30 एवं 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं ने, एवं घरेलू महिलाओं में मात्र 50-60 आयु वर्ग को छोड़कर अन्य सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने एक वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक महत्त्व दिया है।

सूचिका-110

शिक्षक, कार्यन्वयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार शिक्षा तथा महिले बच्चे के जन्म के बीच आदर्श जन्म अन्तर्गत का विभेदात्मक अध्ययन

आदर्शजन्म प्रतिशत कार्यन्वयी	शिक्षक महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	योग
20-30	शिक्षक	102११-९२४	64१7-49४	48१5-61४	6००-70४	2४023४	-	222४25-96४
	कार्यन्वयी	45.95	28-53	21-62	2-70	0-90	-	100-00
	घरेलू	222४28-03४	127४16-04४	11४१-39४	-	-	-	360४45-45४
		61.67	35-28	3-06	-	-	-	100-00
	घरेलू	155४39-1-४	124४31-31४	84४21-21४	16४४4-04४	17४४-29४	-	396४46-26४
		18-11	14-49	9-81	1-97	1-99	-	100-00
30-40	शिक्षक	167४१9-53४	99४११-58४	22४४2-57४	25४४2-92४	14४४१-64४	-	327४39-25४
	कार्यन्वयी	51.07	30-23	6-73	7-65	4-29	-	100-00
	घरेलू	113४१4-27४	176४22-22४	23४४2-90४	-	-	-	312४39-39४
		36-22	56-41	7-37	-	-	-	100-00
	घरेलू	124४४-49४	72४४9-41४	32४४3-74४	-	9४४0-93४	-	236४27-57४
		52-54	30-59	13-56	-	3-39	-	100-00
40-50	शिक्षक	109४१2-63४	51४४5-96४	14४४१-64४	20४४2-34४	30४४3-51४	-	223४26-09४
	कार्यन्वयी	48.43	22-87	6-28	9-97	13-45	-	100-00
	घरेलू	15४४१-89४	26४४3-29४	39४४4-79४	-	-	-	79४४9-97४
		18-99	32-91	49-10	-	-	-	100-00
	घरेलू	79४४9-22४	35४४4-09४	16४४१-87४	9४४0-93४	6४४0-70४	-	144४४१6-82४
		54-86	24-30	11-11	5-56	4-17	-	100-00
50-60	शिक्षक	50४४3-95४	9४४१-35४	3४४0-35४	17४४१-99४	4४४0-46४	-	83४४9-71४
	कार्यन्वयी	60-24	10-84	3-61	20-48	4-82	-	100-00
	घरेलू	4४४0-51४	9४४१-14४	26४४3-28४	2४४0-25४	-	-	41४४5-19४
		9-76	21-95	63-41	4-89	-	-	100-00
	घरेलू	30४४3-50४	4४४४-79४	-	-	9४४१-05४	-	80४४9-35४
		37-5	51-25	-	-	11-25	-	100-00
योग	शिक्षक	427४४9-94४	223४४26-08४	87४४१0-13४	68४४१7-95४	50४४१5-85४	-	955४४१00४४४
	कार्यन्वयी	354४४4-69४	338४४2-68४	98४४१2-37४	2४४0-25४	-	-	792४४१00४४४
	घरेलू	398४४5-33४	272४४31-78४	132४४१5-42४	24४४१2-80४	40४४४-67४	-	956४४१00४४४

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार विवाह तथा

पहिले बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:--

सारिणी संख्या 11.0 में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू की आयु के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल एक वर्ष रखा है, इसके पश्चात दो वर्ष। पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा। एक वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 50% है, जबकि कार्यालयी व घरेलू महिलायें 45% है। दो वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली कार्यालयी महिलाये सबसे अधिक 43% घरेलू 32% शिक्षक 26% है। तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली सबसे अधिक 15% घरेलू, कार्यालयी 12%, शिक्षक 10% है। चार वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली सबसे अधिक शिक्षक 8%, इसके पश्चात घरेलू 2.8% तथा मात्र .25% घरेलू है। पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक 6%, घरेलू 5%, कार्यालयी शून्य है।

20-30 आयु वर्ग में कार्यालयी महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य सबसे अधिक एक या दो वर्ष आदर्श माना है, इसके पश्चात एक या दो वर्ष के अन्तराल को शिक्षक महिलाओं ने तथा तुलनात्मक रूप में घरेलू महिलाओं ने कम आदर्श माना है तीन वर्ष का अन्तराल आदर्श मानने वाली महिलाओं में शिक्षक महिलायें सबसे अधिक चार, पाँच वर्ष के अन्तराल को शिक्षक तथा घरेलू ने स्वीकार किया है, जबकि कार्यालयी महिलाओं ने तीन वर्ष तक ही आदर्श माना है।

30-40 आयु वर्ग एक व दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को शिक्षक व घरेलू महिलाओं ने एक बराबर आदर्श माना है जबकि कार्यालयी महिलाओं दो तथा तीन वर्ष को आदर्श माना है। तीन वर्ष के बाद आदर्श मानने वाली

महिलायें बहुत कम हैं, जिनमें कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

40-50 आयु वर्ग एक वर्ष के अन्तराल को सबसे अधिक घरेलू महिलाओं ने तथा शिक्षक महिलाओं ने स्वीकारा है, दो वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी महिलाओं ने अधिक तथा शिक्षक व घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत कम आदर्श माना है। तीन वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी महिलाओं ने सबसे अधिक आदर्श माना है, शिक्षक व घरेलू महिलायें बहुत कम हैं, चार तथा पाँच वर्ष के अन्तराल को शिक्षक, व घरेलू महिलाओं ने आदर्श माना है लेकिन कार्यालयी महिलाओं ने नहीं माना है।

50-60 आयु वर्ग शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को सबसे अधिक आदर्श माना इसके पश्चात् घरेलू तथा सबसे कम कार्यालयी महिलाओं ने आदर्श माना है। दो वर्ष के अन्तराल को घरेलू महिलाओं ने सबसे अधिक तथा तीन वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से अधिक आदर्श माना है चार तथा पाँच वर्ष के अन्तराल को शिक्षक तथा कार्यालयी ने स्वीकारा है, जबकि घरेलू महिलाओं ने नहीं स्वीकारा है।

सांख्यिकी संख्या ॥ १ ॥

शिक्षक कार्यालयी पद धरेल महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा परिवार बच्चे के बीच उच्च अज्ञान का विभेदाल्पक उद्देश्य

वादर्दी महिलाये जन्म अंत राल शिक्षा	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	कोई बच्चे नहीं	अधिका हित	योग
शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
धरेल	12११.40 17.65	24१2.80 35.27	16१1.97 23.53	8१0.93 11.76	4१0.47 5.99	4१0.47 5.99	-	-	69१9.94 100.00
गृह- मयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
धरेल	19१2.22 27.14	16१1.87 22.86	3१0.35 4.29	4१0.47 5.71	16१1.87 22.86	-	-	4१0.47 5.71	90१8.13 100.00
जनि- यार	-	2१0.23 33.33	1१0.12 16.67	-	-	-	1१0.12 16.67	2१0.23 33.33	6१0.70 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	2१0.25 12.50	3१0.38 18.75	9१1.14 56.25	1१0.13 6.25	1१0.13 6.25	-	-	16१2.02 100.00
धरेल	32१3.74 42.11	12१1.40 15.79	12१1.40 15.79	4१0.47 5.26	4१0.47 5.26	8१0.93 10.53	4१0.47 5.26	-	76१9.99 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	9१1.14 18.75	21१2.65 43.75	7१0.88 14.58	4१0.51 8.33	-	3१0.38 6.25	4१0.51 8.33	49१6.06 100.00
धरेल	32१3.74 22.72	56१6.54 39.99	20१2.34 13.89	8१0.93 5.56	4१0.47 2.78	20१2.34 13.89	-	4१0.47 2.78	144१15.92 100.00
बटार	शिक्षक	66१7.72 62.26	13१2.11 16.93	2१0.23 1.89	1१0.12 0.94	-	7१0.92 6.60	12१1.40 11.32	106१12.39 100.00
पीठि	कार्यालयी	20१2.53 22.73	31१3.91 35.23	12१1.52 13.64	3१0.63 5.68	3१0.38 3.41	12१1.52 13.64	5१0.63 5.69	88१11.11 100.00
पट	धरेल	22१6.07 44.83	24१2.80 20.69	12१1.40 10.34	20१2.34 17.24	8१0.93 6.99	-	-	116१13.55 100.00
स्नातक	शिक्षक	89१10.47 34.77	29१3.39 11.33	57१6.67 22.27	12१1.40 4.69	-	21१2.46 8.20	48१5.61 17.59	256१29.94 100.00
कार्यालयी	132१16.67 46.32	74१9.34 25.96	41१5.19 14.39	4१0.51 1.40	2१0.25 0.70	-	13१1.64 4.56	19१2.39 6.67	295१35.99 100.00
धरेल	76१8.99 39.58	64१7.48 33.33	12१1.40 6.25	12१1.40 6.25	8१0.93 4.17	12१1.40 6.25	4१0.47 2.09	4१0.47 2.09	172१22.43 100.00
स्नात-	शिक्षक	184१21.52 43.71	66१7.72 15.68	30१3.51 7.13	9१1.05 2.14	5१0.58 1.19	27१3.16 6.41	100१11.69 23.75	421१49.24 100.00
कोत्तर-कार्यालयी	193१24.37 55.14	68१8.58 19.43	46१5.91 13.14	3१0.38 0.86	-	-	10१1.26 2.96	30१3.79 8.57	350१44.17 100.00
धरेल	108१12.62 57.45	36१4.21 19.15	20१2.34 10.64	-	4१0.47 2.13	4१0.47 2.13	16१1.87 8.51	-	139१21.96 100.00
डी.	शिक्षक	3१0.35 20.00	2१0.23 13.33	8१0.94 53.33	-	-	-	2१0.23 13.33	15१1.75 100.00
फिल	कार्यालयी	4१0.51 80.00	1१0.13 20.00	-	-	-	-	-	5१0.63 100.00
धरेल	1१0.12 50.00	--	1१0.12 50.00	-	-	-	-	-	2१0.23 100.00
योग	शिक्षक	378१44.21	120१14.04	145१12.28	22१2.57	5१0.58	58१6.78	167१19.53	855१100.00
कार्यालयी	360१45.45	199१25.00	115१14.52	17१2.15	6१0.76	-	38१4.79	59१7.32	792१100.00
धरेल	332१38.79	232१27.10	96१11.21	60१7.01	36१4.21	64१7.48	24१2.90	12१1.40	856१100.00

शिक्षक, कार्यलय या घरेलू महिलाओं का आगत के अनुसार अन्तराल देना पड़ेगे।

कोकेशिय जन्म - अन्तराल का विचारणक अध्ययन:-

तारिफों तथा शिक्षक, कार्यलय, एवं रिटायर महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विचार तथा पढ़िने लक्ष्य के मध्य जन्म अन्तराल का विचारणक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में यह देखा गया कि सर्वाधिक महिलाओं प्राथमिकीय प्रथम श्रेणी विद्यालयोपरान्त वाहती है। समस्त शिक्षक महिलाओं में 6.70% को एक भी अन्तराल नहीं था एवं 19.53% शिक्षिकायें आध्यापित पाया गया। ऐसा रिपोर्ट में सर्वाधिक लगभग 44% ने एक वर्ष 14% ने दो वर्ष, 12% ने तीन वर्ष, लगभग 3% ने चार वर्ष एवं मात्र 0.50% शिक्षक महिलाओं ने पांच वर्ष अन्तराल रखा है। कार्यलय महिलाओं में लगभग 12% को प्रक्रिया में नहीं आता। फिर भी सर्वाधिक 45.45% ने एक वर्ष एवं 25% महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल रखा है। घरेलू महिलाओं में यह स्पष्ट रूप से स्तुति सा र्विद्यार्थी पढ़ा। लगभग 4% घरेलू महिलायें इस प्रक्रिया में नहीं हैं फिर भी सर्वाधिक लगभग 29% ने एक वर्ष, 27% ने दो वर्ष, 11% ने तीन वर्ष, 7% ने चार वर्ष, 4% ने पांच वर्ष एवं 7.40% घरेलू महिलाओं ने पांच वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल विद्यालयोपरान्त रखा है।

न्यायिक का विचारणक महिलाओं को उनके शैक्षिक - स्तर के अनुसार देखने पर यह पाया गया कि प्रत्येक शैक्षिक स्तर का महिलाओं ने विद्यालय एवं प्रथम शिक्षा के अध्ययन से कम अन्तराल रखा है। ये महिलायें चाहे शिक्षक, कार्यलय या घरेलू क्यों न हों। शिक्षकों के सर्वाधिक, उसके बाद कार्यलय महिलाओं ने एक वर्ष अन्तराल की महत्व दिया है। घरेलू महिलाओं ने सबसे कम लगभग 30% महत्व दिया है। घरेलू महिलाओं ने अपेक्षाकृत एक - दो वर्ष के अन्य वर्षों को भी महत्व दिया है।

सांख्यिकी संख्या 112

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच में

आदर्श जन्म अन्तर्गत का विधेयात्मक उद्देश्य

आदर्श जन्म अन्तर्गत शिक्षा	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाचवर्ष से अधिक	योग
असिद्धित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	44 85.14 64.71	20 82.34 29.41	4 80.47 5.88	-	-	-	69 87.94 100.00
प्राथमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	32 83.74 45.71	20 82.34 28.57	19 82.10 25.71	-	-	-	70 89.19 100.00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	-	2 80.23 33.33	2 80.23 33.33	2 80.23 33.33	-	-	6 80.70 100.00
	कार्यालयी	9 81.14 56.25	5 80.63 31.25	2 80.25 12.50	-	-	-	16 82.02 100.00
	घरेलू	28 83.27 36.84	24 82.80 31.58	12 81.40 15.79	4 80.47 5.26	8 80.93 10.53	-	76 89.88 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	23 82.69 45.09	11 81.29 21.57	5 80.58 9.80	3 80.35 5.88	9 81.05 17.65	-	51 85.96 100.00
	कार्यालयी	28 83.54 58.33	12 81.50 25.00	8 81.01 16.67	-	-	-	48 86.06 100.00
	घरेलू	72 89.41 50.00	36 84.21 25.00	16 81.87 11.11	-	20 82.34 13.89	-	144 86.82 100.00
इंटरमीडिएट	शिक्षक	51 85.96 48.11	32 83.74 30.19	10 81.17 9.43	5 80.58 4.72	8 80.94 7.55	-	106 86.12 100.00
	कार्यालयी	61 87.70 67.32	20 82.53 22.73	7 80.88 7.95	-	-	-	88 86.11 100.00
	घरेलू	36 84.21 31.03	32 83.74 27.59	28 83.27 24.14	16 81.87 13.79	4 80.47 3.45	-	116 86.13 100.00
स्नातक	शिक्षक	128 84.97 50.00	64 87.49 25.00	26 83.04 10.16	18 82.11 7.03	20 82.34 7.81	-	256 86.94 100.00
	कार्यालयी	201 85.38 70.53	52 86.57 18.25	30 83.79 10.53	2 80.25 0.70	-	-	285 86.98 100.00
	घरेलू	80 89.35 41.67	72 88.41 37.50	40 84.67 20.83	-	-	-	192 86.43 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	217 85.38 51.54	109 82.75 25.89	42 84.91 9.48	40 84.68 9.50	13 81.52 3.09	-	421 86.24 100.00
	कार्यालयी	55 86.94 15.71	24 83.93 70.00	50 86.31 14.28	-	-	-	350 86.19 100.00
	घरेलू	96 86.21 51.06	69 87.94 36.17	12 81.40 6.38	4 80.47 2.13	8 80.94 4.26	-	189 86.21 100.00
डी.फिल.	शिक्षक	8 80.94 53.33	5 80.58 33.33	2 80.23 13.33	-	-	-	15 81.75 100.00
	कार्यालयी	-	4 80.51 80.00	1 80.13 20.00	-	-	-	5 80.63 100.00
	घरेलू	-	-	2 80.23 100.00	-	-	-	2 80.23 100.00
योग	शिक्षक	427 84.94	223 82.60	97 81.18	68 81.95	50 81.55	-	855 86.10
	कार्यालयी	354 84.69	338 84.26	98 81.37	2 80.25	-	-	792 86.10
	घरेलू	389 84.33	272 83.75	132 81.54	24 82.90	40 84.67	-	857 86.10

शिक्षक, कार्यरतया एवं धरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहले

बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन:-

सारिणा संख्या 11:2 में शिक्षक, कार्यरतया एवं धरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनके विवाह तथा पहले बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वप्रथम यह देखा गया कि विवाह तथा पहले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म अन्तराल अधिकांशतः एक या दो वर्ष सर्वाधिक लोगों ने इच्छित किया है। शिक्षिकाओं में लगभग 50%, कार्यरतया महिलाओं में लगभग 49%, एवं धरेलू महिलाओं में लगभग 45% ने एक वर्ष आदर्श अन्तराल इच्छित किया। दो वर्ष अन्तराल हेतु शिक्षिकाओं ने लगभग 43% एवं धरेलू महिलाओं ने लगभग 38% ने आदर्श अन्तराल व्यक्त किया है। पाँच वर्ष से अधिक आदर्श अन्तराल जितना ने भी नहीं प्रस्ताव किया। तीन से पाँच वर्ष का अन्तराल शिक्षिकाओं ने अपेक्षाकृत अन्य लोगों के अधिक प्रयोगता प्राप्त है।

शिक्षक, कार्यरतया एवं धरेलू महिलाओं की उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक एवं सर्वोच्च शिक्षित स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षिकाओं में 49.24% में लगभग 52% ने एक वर्ष एवं लगभग 26% ने दो वर्ष आदर्श अन्तराल व्यक्त किया। डी. फिलो स्तरीय शिक्षिकाओं में एक वर्ष अन्तराल सर्वाधिक लोगों ने इच्छित किया। लगभग 30% स्नातक शिक्षिकाओं में भी सर्वाधिक 50% ने एक वर्ष एवं 25% ने दो वर्ष व्यक्त किये। कम शिक्षित शिक्षिकाओं में भी यही विचार दिखती पड़े।

समान 792 कार्यरतया महिलाओं की उनसे शैक्षिक स्तर के अनुसार आदर्शमय अन्तराल देखने पर स्पष्ट होता है कि सर्वाधिक एवं सर्वोच्च शिक्षित 44.19% महिलाओं में 70% ने दो वर्ष एवं लगभग 16% ने एक वर्ष आदर्श अन्तराल व्यक्त किया। स्नातक 22.43% कार्यरतया महिलाओं में लगभग 71% ने एक वर्ष एवं 18% दो वर्ष आदर्श अन्तराल व्यक्त किया। डी. फिलो स्तरीय यापि

सिखा चुन लेने के कारण विश्व-पारिणामानुसार नई विचारों का सर्वाधिक दो वर्षों का व्यक्त किया है। कम शिक्षित कार्यवाही महिलाओं की एक या दो वर्षों का व्यक्त करता है।

धरमू महिलाओं में भी एक वर्षों प्रचुरित दिखायी पड़ी। अत्यधिक शिक्षित महिलाओं ने भी एक या दो वर्षों के अन्तराल को सर्वाधिक व्यक्त किया। इस प्रकार साक्षरों से स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाओं अपने प्रत्येक शिक्षित स्तर के अनुसार एक या दो वर्षों व्यक्त किया। प्रायः कुछ अत्यधिक शिक्षित महिलाओं ने दो वर्षों अथवा एक वर्षों व्यक्त किया।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 11.3 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं का उनके आयु के अनुसार पहिले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म - अंतराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में न्यायार्थ की विभिन्न महिलाओं में 38% शिक्षक 25% कार्यालयी एवं 4% घरेलू महिलाओं ने सर्वेक्षण समय पर अपने विवाह न होने, सन्तान न होने आदि के कारण पहिले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म अंतराल के सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है।

सर्वाधिक 24% शिक्षक महिलाओं ने पहिले व दूसरे शिशु के मध्य तीन वर्ष का जन्म अंतराल रखा है। एक एवं दो वर्ष का अंतराल भी लगभग 23% ने रखा जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने एक एवं दो वर्ष अंतराल को अपेक्षाकृत अधिक महत्त्व दिया। सर्वाधिक लगभग 24% कार्यालयी महिलाओं ने एवं 27% घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष अंतराल रखा। तीन वर्ष अंतराल को भी महत्त्व दिया, लेकिन शिक्षक महिलाओं से कम। शिक्षक महिलाओं ने चार एवं पांच वर्ष अंतराल के बाद पांच से अधिक वर्ष का अन्तराल नहीं रखा है जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने पांच से अधिक वर्ष का भी अन्तराल रखा है।

शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल को यद्यपि सर्वाधिक महत्त्व दिया है लेकिन इसमें 30-40 एवं 40-50 आयु वर्ग की महिलाये अधिक है। इसी आयु वर्ग की महिलाओं ने तीन से अधिक वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक दो वर्ष ने और उसमें भी 20-30 एवं 30-40 आयु की महिलाये अधिक है। घरेलू महिलाओं ने भी 2 वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। इसमें 30-40 एवं 40-50 आयु की महिलाये सर्वाधिक है। इसी आयु वर्ग की घरेलू महिलाओं ने तीन एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल को भी महत्त्व दिया है।

सांख्यिकी-संख्या-114

शिक्षक, कार्यलिपि, एवं घरेलू महिलाओं की आय के अनुसार परिवार परिवेश व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अंतराल का विवेकात्मक अध्ययन

आदर्श जन्म अंतराल का आयु वर्ग	महिलाये	एकवर्ष	दो वर्ष	तीन्वर्ष	चारवर्ष	पाचवर्ष	पाचवर्ष से अधिक	सूना नहीं है	योग
20-30	शिक्षक	3.0-3.5	87.10-17.39	109.81-68.49	16.81-87.71	8.80-9.48	-	-	222.825-9.6
	कार्यालयी	1.35	4.28-30.10	203.25-63.56	4.10-51.11	20.82-53.56	-	8.11-0.1	360.845-4.5
	घरेलू	23.06	11.67	56.39	1.11	5.56	25.82	2.22	130.00
30-40	शिक्षक	12.41-4.04	18.82-10.45	224.82-62.56	29.83-27.70	30.83-50.75	6.31	14.99	396.846-2.6
	कार्यालयी	3.03	5.0-5.8	121.14-15.54	40.84-67.13	30.83-50.13	4.95	-	327.839-2.3
	घरेलू	2.25	58.87-32.16	177.82-35.49	7.80-8.93	17.82-15.47	-	14.81-7.7	312.839-3.9
40-50	शिक्षक	50.63	16.11	160.13-69.67	16.81-8.71	40.84-6.78	-	4.804-6.8	236.827-5.7
	कार्यालयी	1.69	12.81-4.08	67.90	6.78	16.95	2.80	1.69	100.00
	घरेलू	6.29	30.83-5.13	110.12-8.68	40.84-6.71	21.82-4.58	0.89	6.80-7.0	223.826-0.5
50-60	शिक्षक	50.63	22.78	12.81-26.12	2.53	11.39	-	-	100.00
	कार्यालयी	50.63	22.78	12.81-26.12	2.53	11.39	-	-	100.00
	घरेलू	-	6.80-7.0	90.89-3.58	20.82-3.48	30.83-50.83	-	9.80-9.3	144.816-9.2
योग	शिक्षक	19.82-22.2	9.81-0.5	45.82-26.54	6.02	3.61	-	2.80-2.3	83.89-7.1
	कार्यालयी	22.90	10.94	54.22	6.02	3.61	-	2.41	100.00
	घरेलू	51.22	7.50	6.80-7.0	40.84-6.78	42.50	-	-	90.89-3.5
योग	शिक्षक	4.184-7.9	24.7828-8.9	383.844-7.9	101.811-7.9	62.87-2.4	13.81	5.2	855.81002
	कार्यालयी	173.821-8.4	118.814-8.9	391.849-3.7	30.83-7.9	53.87-3.2	-	27.82-7.8	792.81002
	घरेलू	16.81-8.7	42.84-9.1	50.853-9.3	64.87-4.8	134.815-6.5	82.82-9.2	7.83-2.9	956.81002

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 11.4 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि पहिले व दूसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल को शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू महिलायें सबसे अधिक आदर्श समझती हैं, इसके पश्चात दो वर्ष के अन्तराल को शिक्षक महिलाओं ने अधिक इसके पश्चात कार्यालयी तथा घरेलू महिलाओं ने आदर्श माना है एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को तुलनात्मक रूप से कार्यालयी महिलाओं ने अधिक आदर्श माना है। तीन वर्ष से अधिक जन्म - अन्तराल को आदर्श मानने वाली शिक्षक महिलायें 20% कार्यालयी 11%, घरेलू 25% हैं। शिक्षक 1% कार्यालयी 3%, घरेलू 8% ने दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श नहीं बताया है।

20-30 आयु वर्ग में पहिले व दूसरे बच्चे के बीच एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को आदर्श मानने वाली कार्यालयी महिलायें सबसे अधिक 23%, इसके पश्चात घरेलू तथा शिक्षक महिलायें, दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को शिक्षक महिलाओं ने तुलनात्मक रूप से अधिक आदर्श माना है, तीन वर्ष के अन्तराल को कार्यालयी व घरेलू महिलाओं ने अधिक आदर्श माना है चार वर्ष के जन्म - अन्तराल को शिक्षक व घरेलू महिलाओं ने लगभग बराबर आदर्श माना है, पाँच वर्ष के जन्म - अन्तराल को सर्वप्रथम घरेलू, कार्यालयी व घरेलू महिलाओं ने आदर्श है, पाँच वर्ष से अधिक जन्म - अन्तराल को इस आयु वर्ग में मात्र घरेलू महिलाओं ने ही आदर्श माना है।

30-40 आयु वर्ग में अधिकतर शिक्षक महिलाओं ने दो तथा तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को आदर्श माना है, घरेलू महिलाओं ने भी तीन वर्ष के अन्तराल को महत्व दिया है जबकि कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष के जन्म -

अन्तराल को आदर्श माना है।

40-50 आयु वर्ग में भी शिक्षक तथा घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष को आदर्श माना है तथा कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष को आदर्श माना है।

50-60 आयु वर्ग में शिक्षक महिलायें तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को, तत्पश्चात् एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को, कार्यालयी ने एक वर्ष को घरेलू ने तीन वर्ष तथा इसके बाद पाँच वर्ष को महत्त्व दिया है।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है कि पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य तीन वर्ष का आदर्श अन्तराल शिक्षक, कार्यालयी व घरेलू महिलाओं ने इच्छित किया है चार, पाँच वर्ष के आदर्श जन्म अन्तराल की प्रवृत्ति घरेलू महिलाओं में तुलनात्मक रूप से अधिक है।

माहिती-कृपा-115

शिक्षक, कार्यसिधी वल घेणे मरिमातों की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दुसरे बच्चे के जन्म के बीच जन्म अंतरास का विवेकात्मक अध्ययन

जन्म अंतरास मरिमाते	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाचवर्ष	साठ वर्ष से अधिक	सामु. वर्ष	अधिसा-वर्ष	कोई बच्चा नहीं	योग
शिक्षा										
बहिष्कृत	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यसिधी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	घेणे	12११.40१ 17.65	16११.87१ 23.53	16११.87१ 23.53	4१०.47१ 5.99	12११.40१ 17.65	-	6१०.93१ 11.76	-	69११7.94१ 100.00
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यसिधी	-	-	-	-	-	-	-	-	-
	घेणे	18११2.10१ 25.71	20११2.34१ 28.57	9१०.93१ 11.43	4१०.47१ 5.71	-	4१०.47१ 5.71	4१०.47१ 5.71	12११1.40१ 17.14	70११9.19१ 100.00
जुनियर	शिक्षक	1१०.12१ 16.67	2१०.23१ 33.33	-	-	-	-	2१०.23१ 33.33	1१०.12१ 16.67	6१०.70१ 100.00
हाई स्कूल	कार्यसिधी	9११.14१ 56.25	5१०.63१ 31.25	2१०.25१ 12.50	-	-	-	-	-	15११2.02१ 100.00
	घेणे	4१०.47१ 5.26	48११5.61१ 63.16	16११1.87१ 21.05	8१०.94१ 10.53	-	-	-	-	76११8.89१ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	5१०.58१ 9.80	7१०.82१ 13.72	2१११2.46१ 41.18	3१०.35१ 5.98	5१०.58१ 9.80	5१०.58१ 9.80	3१०.35१ 5.88	2१०.23१ 3.92	51११5.96१ 100.00
	कार्यसिधी	20११2.53१ 41.67	12११1.52१ 25.00	6१०.76१ 12.50	-	-	3१०.38१ 6.25	4१०.51१ 8.33	3१०.38१ 6.25	48११6.06१ 100.00
	घेणे	12११1.40१ 8.33	48११5.61१ 33.33	36११4.21१ 25.00	20११2.34१ 13.89	8१०.93१ 5.56	4१०.47१ 2.78	12११1.40१ 8.33	4१०.47१ 2.78	144११16.82१ 100.00
हटर	शिक्षक	13११1.52१ 12.26	12११1.40१ 11.32	40११4.68१ 37.74	3१०.35१ 1.89	7१०.52१ 6.60	-	12११1.40१ 11.32	12११1.40१ 11.32	106११12.39१ 100.00
सीक्रेट	कार्यसिधी	24११3.03१ 27.27	12११1.52१ 13.64	7१०.88१ 7.95	4१०.51१ 4.55	3१०.38१ 3.41	2१०.25१ 2.27	19११2.39१ 21.59	5१०.63१ 3.68	18११1.52१ 13.63
	घेणे	4१०.47१	36११4.21१ 31.03	30११3.50१ 25.86	19११2.10१ 15.52	12११1.40१ 10.34	-	16११1.87१ 13.79	-	116११13.55१ 100.00
म्यासक	शिक्षक	27११3.16१ 10.54	30११3.51१ 11.71	62११7.25१ 24.21	11११1.29१ 4.29	27११3.16१ 10.54	-	30११3.51१ 11.71	48११5.61१ 18.75	21११2.46१ 9.20
	कार्यसिधी	30११3.79१ 10.53	9११11.49१ 31.93	72११0.09१ 25.26	5१०.63१ 1.75	4१०.51१ 1.40	4१०.51१ 1.40	47११5.93१ 16.49	19११2.39१ 6.67	13११1.64१ 4.56
	घेणे	20११2.34१ 10.42	48११5.61१ 25.00	40११4.67१ 20.93	32११3.74१ 16.67	4१०.47१ 2.08	-	40११4.67१ 20.83	4१०.47१ 2.08	192११22.43१ 100.00
लास	शिक्षक	40११4.68१ 9.50	55११6.43१ 13.06	90११9.36१ 19.00	57११6.67१ 13.53	13११1.52१ 3.08	-	49११5.73१ 11.63	100११11.69१ 23.75	27११3.16१ 6.41
कोत्तर	कार्यसिधी	40११5.05१ 11.43	72११9.09१ 20.57	94११11.87१ 26.86	24११3.03१ 6.86	28११3.54१ 8.00	16११2.02१ 4.57	36११4.55१ 10.29	30११3.79१ 9.57	10११1.26१ 2.86
	घेणे	44११5.14१ 23.40	12११1.40१ 6.38	36११4.21१ 19.15	5१०.94१ 4.26	-	8१०.94१ 4.26	72११9.41१ 39.29	-	8१०.94१ 4.26
डी.पिन	शिक्षक	4१०.474 26.67	3१०.35१ 20.00	2१०.23१ 13.33	-	1१०.12१ 6.67	-	3१०.35१ 20.00	2१०.23१ 13.33	15११1.75१ 100.00
	कार्यसिधी	-	-	3१०.38१ 60.00	-	1१०.13१ 20.00	-	1१०.13१ 20.00	-	5१०.63१ 100.00
	घेणे	-	1१०.12१ 50.00	1१०.12१ 50.00	-	-	-	-	-	2१०.23१ 100.00
योग	शिक्षक	90११0.53१	109११12.75१	205११23.98१	74११8.65१	53११6.19१	-	99११11.59१	167११19.53१	58११6.79१
	कार्यसिधी	123११15.93१	192११24.24१	184११23.23१	33११4.17१	36११4.55१	22११2.78१	106११13.38१	28११7.32१	38११4.79१
	घेणे	114११13.32१	229११26.75१	183११21.38१	94११10.95१	36११4.21१	12११1.40१	152११17.76१	12११1.40१	24११2.50१

शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे

बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 11:5 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले एवं दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यायार्थी की समस्त शिक्षक महिलाओं में से लगभग 39% इस प्रजननता प्रक्रिया में नहीं पायी गयी है। 10.53% ने एक वर्ष, 12.75% ने दो वर्ष, 24% ने तीन वर्ष, 8.65% ने चार वर्ष, 6.19% ने पांच वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 25% प्रजननता प्रक्रिया में नहीं है। शेष 75% में - 15.53% ने एक वर्ष, 24.24% ने दो वर्ष, 23.23% ने तीन वर्ष, 4.17% ने चार वर्ष, 4.55% ने पांच वर्ष एवं 2.78% ने पांच से अधिक वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। घरेलू महिलाओं में लगभग 22% प्रजननता प्रक्रिया में नहीं है। शेष 78% में - सर्वाधिक 26.75% ने दो वर्ष, 21.38% ने तीन वर्ष, 12.85% ने एक वर्ष, 11% ने चार वर्ष, 4.21% ने पांच वर्ष एवं 1.4% ने पांच वर्ष से अधिक अन्तराल रखा है। इस प्रकार सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने जहाँ तीन वर्ष जन्म - अन्तराल प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य रखा वहीं कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक ने दो वर्ष ही रखा।

शिक्षा के अनुसार जन्म - अन्तराल देखने पर सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षा स्तर में वृद्धि के साथ - साथ शिक्षक महिलाओं के तीन वर्षीय जन्म - अन्तराल के विचार को निरपेक्ष रूप से बल मिला। जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के साथ यह तथ्य नहीं दिखायी पड़ा। इनमें दो वर्ष एवं एक वर्ष के विचार को भी बल मिला। सामान्य शैक्षिक स्तर के कार्यालयी महिलाओं ने तो एक वर्ष को अपेक्षाकृत अधिक बल दिया है। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को भी महत्व दिया है।

लेकिन शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष या अपने सर्वाधिक दो वर्ष के जन्म - अन्तराल से कम। शिक्षक महिलाओं ने दो वर्ष को लगभग 13% एवं चार वर्ष को लगभग 9% ही महत्व दिया है। पाँच वर्ष के अन्तराल में शिक्षक महिलायें अन्य महिलाओं से अधिक हैं, लेकिन पाँच से अधिक वर्ष के अन्तराल में अन्य महिलाओं की अपेक्षा स्वयं शून्य है।

स्पष्ट है कि शिक्षा, शिक्षक महिलायें के लिये सबसे अधिक महत्वपूर्ण लेकिन कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं के लिये आंशिक महत्वपूर्ण जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में रहा।

सारणी-संख्या 11.6

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तरान

का विभेदात्मक अध्ययन

आदर्श जन्म अन्तरान	शिक्षा	पहले बच्चे के लिए वर्ष	दो बच्चे के लिए वर्ष	तीन बच्चे के लिए वर्ष	चार बच्चे के लिए वर्ष	पांच बच्चे के लिए वर्ष	पाठ वर्ष से अधिक	भाग नहीं है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	-	580.58 7.35	4184.79 60.29	-	1081.17 14.71	480.47 5.88	880.93 11.76	6887.94 100.00
प्राथमिक	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	280.23 2.86	880.93 11.43	2482.80 34.29	780.92 10.00	1581.75 21.43	380.35 4.29	1181.29 15.71	7089.19 100.00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षक	380.35 50.00	280.23 33.33	180.12 16.67	-	-	-	-	680.70 100.00
	कार्यालयी	981.14 56.25	580.63 31.25	-	-	-	-	280.23 12.50	1682.02 100.00
	घरेलू	-	-	4885.61 63.16	480.47 5.26	1681.97 21.05	580.58 6.58	380.35 3.94	7689.99 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	280.23 3.92	2082.34 39.22	780.82 13.73	1581.75 29.41	380.35 5.99	280.23 3.92	280.23 3.92	5185.96 100.00
	कार्यालयी	2883.54 58.33	881.01 16.67	881.01 16.67	---	-	-	480.51 8.33	4886.06 100.00
	घरेलू	-	680.70 4.17	94810.99 65.28	680.70 4.17	3083.50 20.83	280.23 1.39	680.70 4.17	144816.92 100.00
इंटरमीडियेट	शिक्षक	380.35 2.83	3183.63 29.24	4485.15 41.51	1581.75 14.15	580.85 4.72	280.23 1.99	680.70 5.66	106812.39 100.00
	कार्यालयी	6087.58 68.18	1782.15 19.32	680.76 6.92	-	-	-	580.93 5.69	8811.11 100.00
	घरेलू	480.47 3.45	180.12 0.36	6587.59 56.03	1381.52 11.21	2182.45 18.10	280.23 1.72	1081.17 8.62	116813.55 100.00
स्नातक	शिक्षक	981.05 3.52	4985.73 19.14	123814.39 48.05	5085.85 19.53	2082.34 7.91	580.58 1.95	-	256829.94 100.00
	कार्यालयी	6588.21 22.81	7289.09 25.26	140817.69 49.12	-	-	-	881.01 2.91	285835.98 100.00
	घरेलू	-	1681.87 8.33	124814.49 64.58	1281.40 6.25	3283.74 16.67	380.35 1.56	580.58 2.60	192822.43 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षक	2282.57 5.22	137816.02 32.54	203823.74 48.22	2182.46 4.99	3483.99 8.08	480.47 0.95	-	421849.24 100.00
	कार्यालयी	1181.39 3.14	1682.02 4.57	234829.55 66.86	3083.79 8.57	5687.07 16.00	-	380.53 0.97	350844.19 100.00
	घरेलू	1081.17 5.32	680.70 3.19	106812.38 56.38	2282.57 11.70	1081.17 5.32	680.70 3.19	2883.29 14.99	189821.96 100.00
जी.एफ.ए.	शिक्षक	280.23 3.33	880.94 53.33	580.58 33.33	-	-	-	-	1581.75 100.00
	कार्यालयी	-	-	380.38 60.00	-	280.25 40.00	-	-	580.63 100.00
	घरेलू	-	-	280.23 100.00	-	-	-	-	280.23 100.00
योग	शिक्षक	4184.79	247828.99	383844.79	101811.81	6287.25	1381.52	880.94	8558100.2
	कार्यालयी	73821.84	118814.99	391849.37	3083.79	5887.32	-	2282.78	7928100.2
	घरेलू	1681.17	4284.91	504858.49	6487.49	134815.65	2582.92	7189.29	8568100.2

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल

सारिणी संख्या 11.6 से स्पष्ट है समस्त शिक्षक महिलाओं में 99% ने, कार्यालयी महिलाओं में 97% एवं घरेलू महिलाओं में लगभग 92% ने ही आदर्श जन्म - अन्तराल प्रथम एवं द्वितीय शिक्षा के मध्य व्यक्त किया है।

समस्त शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 45% ने पहिले व दूसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श बताया है। तीन वर्ष से कम अन्तराल लगभग 34% ने ही आदर्श कहा। शैक्षिक - स्तर में वृद्धि उनके आदर्श जन्म - अन्तराल वर्ष में वृद्धि की प्रवृत्ति को दर्शाती है।

49% कार्यालयी महिलाओं ने भी तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श व्यक्त किया लेकिन इसमें तीन वर्ष से कम वर्ष अन्तराल को 37% ने आदर्श कहा। इनमें भी शैक्षिक स्तर में वृद्धि उनके आदर्श जन्म - अन्तराल में वृद्धि की प्रवृत्ति को व्यक्त करती है। लेकिन तीन वर्ष से अधिक अन्तराल के स्थान पर तीन एवं तीन से कम अन्तराल सर्वाधिक लोगों की प्रवृत्ति को स्पष्ट करती है।

घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 59% ने तीन वर्ष आदर्श व्यक्त किया है। लेकिन कार्यालयी महिलाओं की अपेक्षा इनकी प्रवृत्ति तीन वर्ष से घीसे या कम की अपेक्षा तीन एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल की ओर अधिक देखी गयी। जो प्रथम व द्वितीय बच्चे के आदर्श जन्म - अन्तराल को स्पष्ट करती है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीनों प्रकार की महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल को आदर्श व्यक्त किया लेकिन घरेलू ने सर्वाधिक उसके बाद कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं ने व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं में तीन वर्ष तीन से कम वर्ष की ओर प्रवृत्ति अन्य महिलाओं से अधिक दिखायी पड़ी।

भा.दि.पि.-सू.प्र- 11-7

प्रतिष्ठान, कार्यलयी एवं घरेलू मोहलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का विधेयात्मक अध्ययन

जन्म श्रेणी	मोहलाएँ	एकलप	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	पाच बच्चे से अधिक	कुल बच्चे	प्रतिष्ठान-रहित	मृत	योग
20-30	शिवदा	210-231 0-90	110-121 0-45	510-511 2-25	310-351 1-35	110-121 0-45	-	171-199 7-66	112113-091 50-45	91119-471 36-49	222125-961 110-00
	कार्यालयी	2012-531 5-56	610-701 1-67	4013-051 11-11	410-511 1-11	310-311 0-93	-	2513-161 6-94	4916-061 13-33	214127-021 59-44	360145-451 100-00
	घरेलू	310-351 0-76	1311-521 3-28	7313-531 13-43	3213-741 8-03	2112-451 5-30	-	1912-221 4-79	410-461 1-01	231126-971 53-33	396146-261 100-00
30-40	शिवदा	810-941 2-45	1711-991 5-19	6817-951 20-79	1511-731 4-59	510-511 1-53	-	2012-341 6-12	3213-741 9-78	162119-951 49-54	327139-951 100-00
	कार्यालयी	2913-661 9-29	4916-191 15-71	2613-231 3-33	911-141 2-99	410-511 1-28	-	510-631 1-60	911-011 2-56	192122-991 59-33	312193-391 100-00
	घरेलू	610-701 2-54	911-051 3-91	3413-971 14-41	5216-071 22-03	1111-291 4-66	-	510-511 2-12	410-461 1-60	115113-431 49-73	236127-571 100-00
40-50	शिवदा	710-821 3-14	1611-971 7-17	7013-191 31-39	1411-641 6-28	410-471 1-79	-	1311-521 5-93	1611-971 7-17	3319-711 37-22	223126-091 100-00
	कार्यालयी	911-141 11-39	2112-651 26-59	510-631 6-33	310-311 3-79	110-131 1-27	-	911-011 10-13	210-251 2-53	3013-701 37-97	7919-971 100-00
	घरेलू	710-821 4-36	410-471 2-78	5015-841 34-72	2512-921 17-36	911-051 6-25	-	-	410-461 2-79	4513-261 31-25	144116-921 100-00
50-60	शिवदा	310-351 3-61	610-701 7-23	2613-041 31-33	510-511 6-02	210-231 2-41	-	810-941 9-64	710-921 9-43	2613-041 31-33	9319-711 100-00
	कार्यालयी	610-701 12-63	811-011 19-51	110-131 2-44	210-251 4-99	-	-	-	-	2415-031 58-54	4115-191 100-00
	घरेलू	410-471 5-00	710-921 9-75	2212-571 27-5	-	2012-341 25-00	-	-	-	2713-151 33-75	3719-351 100-00
योग	शिवदा	2012-341	4014-681	109119-771	3714-331	1211-401	-	5916-791	167119-531	352141-171	95511041
	कार्यालयी	6413-031	34110-611	7219-091	1912-271	911-011	-	3914-791	5917-321	450156-921	75711041
	घरेलू	2012-341	3313-861	170120-91	110112-951	6017-011	-	2412-901	1211-401	419142-931	95611041

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या ^{॥२७} में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि 42% शिक्षक महिलायें, 57% कार्यालयी तथा 47% घरेलू महिलाओं के परिवार में मात्र दो बच्चे हैं, तथा 19.53% शिक्षक महिलायें अविवाहित, 7.32% कार्यालयी, 1.40% घरेलू महिलायें हैं। निःसन्तान 7% शिक्षक महिलायें, 5% कार्यालयी 3% घरेलू महिलायें। अतः इनके सम्बन्ध में दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शेष शिक्षक महिलाओं में दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली है। सर्वाधिक घरेलू महिलायें सबसे अधिक, इसके पश्चात् शिक्षक तथा कार्यालयी महिलायें हैं। पाँच से अधिक जन्म अन्तराल वाली महिलायें नहीं हैं। एक वर्ष के जन्म अन्तराल रखने वाली कार्यालयी महिलायें 9% हैं शिक्षक तथा घरेलू 2.34% हैं, दो वर्ष जन्म अन्तराल वाली कार्यालयी 11%, शिक्षक 5% तथा घरेलू 4%। चार वर्ष का जन्म अन्तराल वाली सबसे अधिक 13% घरेलू 4% शिक्षक, 2% कार्यालयी महिलायें हैं। पाँच वर्ष का जन्म अन्तराल वाली घरेलू 7% शिक्षक तथा कार्यालयी 1% हैं।

20-30 आयु वर्ग में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में अधिकतर तीन वर्ष का जन्म अन्तराल है। शिक्षक तथा घरेलू महिलाओं में तीन वर्ष के बाद चार वर्ष के जन्म अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं जबकि कार्यालयी में तीन के पश्चात् एक वर्ष वाली महिलायें हैं।

30-40 आयु वर्ग में भी तीन वर्ष का जन्म अन्तराल वाली शिक्षक एवं घरेलू महिलायें सर्वाधिक हैं, कार्यालयी महिलाओं में दो वर्ष के जन्म अन्तराल रखने वाली महिलायें अधिक हैं। 40-50 तथा 50-60 आयु वर्ग में भी यही

जन्म अन्तराल पाया गया है।

अतः साक्षिणी से स्पष्ट है, कि शिक्षक तथा घरेलू महिलाओं में दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच तीन वर्ष का जन्म अन्तराल अधिक है, जबकि कार्यालयी महिलाओं में दो वर्ष का जन्म अन्तराल है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार "दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल" का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 11-8 में विभिन्न वर्गीय महिलाओं की आयु के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य तीन वर्ष आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया। घरेलू महिलाओं में दो वर्ष सर्वाधिक ने व्यक्त किया। सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक लगभग 50% शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष जन्म - अन्तराल, तीन से कम लगभग 17% ने, 4-5 वर्ष अन्तराल लगभग 29% ने एवं पांच से अधिक मात्र 2% ने आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने भी सर्वाधिक 43% ने यद्यपि तीन वर्ष को महत्त्व दिया है लेकिन एक वर्ष अन्तराल को शिक्षकों एवं घरेलू महिलाओं दोनों से अधिक एवं दो वर्ष अन्तराल को मात्र शिक्षकों से अधिक महत्त्व दिया है। तीन से अधिक अन्तराल लगभग 21% कार्यालयी महिलाओं ने आदर्श बताया। घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल के स्थान पर सर्वाधिक लगभग 32% ने दो वर्ष अन्तराल उचित बताया। एक वर्ष को 9%, तीन वर्ष का 15% एवं तीन से अधिक लगभग 18% ने उचित अन्तराल बताया। घरेलू महिलाओं में लगभग 26% ने इस सम्बन्ध में कोई भी उत्तर नहीं दिया है। आयु वर्गानुसार आदर्श अन्तराल देखने पर 20-30 आयु - वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष को आदर्श कहा। 30-40 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने तीन वर्ष, एवं घरेलू महिलाओं ने तीन से कम अन्तराल को सर्वाधिक महत्त्व दिया है। 40-50 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने तीन, एवं तीन से अधिक, कार्यालयी से तीन से अधिक तथा घरेलू महिलाओं ने किसी वर्ष को विशेष महत्त्व नहीं दिया है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं में तीन वर्ष से अधिक अन्तराल पर विशेष महत्त्व दिया है।

शांखी-संख्या-119

शिक्षक, कार्यालयी वत घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दसो व तीसरो बच्चे के बीच जन्म अन्तरान का विद्यालयक अध्ययन

जन्म उत्तीर्ण शिक्षा	महिलाये	पक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चारवर्ष	पांच वर्ष	षाण वर्ष	कोई बनना से उचित नहीं	वठिका-वित्त	मागु गयी है	योग
अशिक्षित शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	8१0.93१ 11.76	7१0.82१ 10.29	26१3.04१ 38.24	11१1.29१ 16.19	-	-	-	-	-	16१1.१7१ 23.53	68१7.94१ 100.00
शांखरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	3१0.35१ 4.29	11१1.29१ 15.71	29१3.39१ 41.43	5१0.58१ 7.14	2१0.23१ 2.96	-	-	-	4१0.47१ 5.71	16१1.87१ 22.86	70१9.19१ 100.00
जूनियर	शिक्षक	-	2१0.23१ 33.33	1१0.12१ 16.67	-	-	-	1१0.12१ 16.67	2१0.23१ 33.33	--	6१0.70 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	9१1.14१ 56.25	-	-	-	-	-	-	-	7१0.99१ 43.75	16१2.02१ 100.00
घरेलू	-	2१0.23१ 2.63	24१2.80१ 31.58	29१3.39१ 38.16	9१1.05१ 11.84	-	-	4१0.47१ 5.26	-	8१0.93१ 10.93	76१9.99१ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	2१0.23१ 3.92	4१0.47१ 7.84	13१1.75१ 29.41	7१0.92१ 13.73	--	-	2१0.23१ 3.92	3१0.35१ 5.92	18१2.11१ 35.29	51१5.96१ 100.00
कार्यालयी	11१1.39१ 22.92	7१0.88१ 14.59	5१0.63१ 10.42	3१0.39१ 6.25	1१0.13१ 2.09	-	-	3१0.39१ 6.25	4१0.51१ 5.33	14१1.77१ 29.17	49१8.06१ 100.00
घरेलू	5१0.58१ 3.47	7१0.82१ 4.86	30१3.50१ 20.93	26१3.04१ 13.06	16१1.57१ 11.11	-	-	4१0.47१ 2.79	5१0.63१ 39.89	31१3.91१ 39.89	99१11.11१ 100.00
इटा	शिक्षक	4१0.47१ 3.77	12१1.40१ 11.32	25१2.92१ 23.58	2१0.23१ 1.89	7१0.82१ 6.60	-	7१0.92१ 6.60	12१1.40१ 13.82	37१6.33१ 34.91	106१12.39१ 100.00
मीडियम	कार्यालयी	23१2.90१ 26.14	8१1.01१ 9.09	9१1.14१ 10.23	-	-	-	12१1.52१ 13.64	5१0.63१ 5.67	31१3.91१ 35.23	99१11.11१ 100.00
घरेलू	-	2१0.23१ 1.72	35१4.09१ 30.17	20१2.34१ 17.24	3१0.35१ 2.59	-	-	-	-	56१6.54१ 49.25	116१13.55१ 100.00
मातृ	शिक्षक	5१0.58१ 1.95	2१0.23१ 0.78	56१65.85१ 21.89	19१2.22१ 7.42	-	-	21१2.46१ 3.20	48१5.61१ 18.75	105१12.98१ 41.02	255१29.94१ 100.00
कार्यालयी	19१2.39१ 6.67	6१1.33१ 23.16	16१2.02१ 5.61	5१0.63१ 1.75	-	-	-	13१1.64१ 4.86	19१2.39१ 6.67	14१7.18१ 51.58	285१35.99१ 100.00
घरेलू	4१0.47१ 2.09	4१0.47१ 2.08	26१3.04१ 13.54	8१0.93१ 4.17	30१3.50१ 15.63	-	-	4१0.47१ 2.09	4१0.47१ 2.09	112१13.09१ 58.33	192१22.43१ 100.00
मातृ	शिक्षक	9१1.05१ 2.14	20१2.34१ 4.75	69१3.07१ 16.39	9१1.05१ 2.14	5१0.35१ 0.71	-	27१3.16१ 6.41	100१11.69१ 23.75	184१21.52१ 43.71	421१9.24१ 100.00
कोल्लर	कार्यालयी	2१0.23१ 0.57	3१0.38१ 0.86	42१5.30१ 12.00	10१1.26१ 2.86	7१0.99१ 2.00	-	10१1.26१ 2.86	30१3.79१ 8.57	24१6.31१ 70.29	350१44.19१ 100.00
घरेलू	-	-	9१1.05१ 4.79	11१1.29१ 5.85	-	-	-	16१1.87१ 8.51	-	152१17.76१ 80.95	198१21.96१ 100.00
डी.पिन	शिक्षक	-	-	3१0.35१ 20.00	-	2१0.23१ 13.33	-	-	2१0.23१ 13.33	8१0.94१ 53.33	13१1.75१ 100.00
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5१0.63१ 100.00	5१0.63१ 100.00
घरेलू	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2१0.23१ 100.00	2१0.23१ 100.00
योग	शिक्षक	20१2.34१ 40.68१	40१4.68१ 84.11१	169१10.77१ 77.37१	4.33१ 12.14१	12१1.40१ 2.86१	-	59१6.78१ 2.86१	167१19.53१ 8.57१	352१41.17१ 70.29१	855१100.2१ 100.00१
कार्यालयी	64१6.08१	84१10.61१	72१8.09१	18१2.27१	8१1.01१	-	38१4.79१	58१7.32१	450१56.52१	792१100.१	792१100.१
घरेलू	20१2.34१	33१3.86१	179१20.91१	11१10.12१	85१60.१	7.01१	24१2.80१	12१1.40१	419१45.53१	956१100.2१	956१100.2१

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 11.9 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार उनके दूसरे एवं तीसरे बच्चे के जन्म के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यायादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में 19.53% अविवाहित, 6.78% सर्वेक्षण समय तक शिशु न होने, एवं 41.17% के मात्र दो बच्चों के कारण लगभग 32% शिक्षक महिलाओं ने ही दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल बताया है। मात्र 32% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 20% ने तीन वर्ष का अन्तराल रखा। तीन से कम मात्र 7% ने ही महत्व दिया और तीन से अधिक 6% ने। शिक्षा के अनुसार देखने पर यह प्रवृत्ति पायी गई कि जैसे - जैसे शैक्षिक स्तर में वृद्धि हुई शिक्षक महिलाओं ने एक - दो वर्ष के अन्तराल से हटकर तीन वर्ष एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल को महत्व दिया।

कार्यालयी महिलाओं में लगभग 31% के पास ही तीन बच्चे थे। अन्य 69% के अविवाहित, शिशु न होने या तीन शिशु सर्वेक्षण समय तर न होने के कारण इस प्रजनन अध्ययन में सम्मिलित नहीं हुए। कार्यालयी महिलाओं {31%} में सर्वाधिक 11% ने दो वर्ष अन्तराल को ही महत्व दिया है। शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ इनकी प्रवृत्ति एक वर्ष जन्म - अन्तराल से हटकर दो वर्ष अन्तराल पर सर्वाधिक पायी गई। तीन वर्ष को भी अपनाया लेकिन दो वर्ष से अधिक नहीं।

घरेलू महिलाओं में कार्यालयी महिलाओं की अपेक्षा शिक्षक महिलाओं की तरह प्रवृत्ति दिखायी पड़ी। लगभग 47% घरेलू महिलाओं के तीन शिशु हैं। जिसमें सर्वाधिक 21% ने तीन वर्ष जन्म अन्तराल को अपनाया है। तीन से कम को मात्र 6% एवं तीन से अधिक को लगभग 20% ने स्वीकार किया है। शिक्षा

का इन पर भी प्रभाव पड़ा है जो एक - दो वर्ष अन्तराल से तीन एवं तीन से अधिक वर्षों की ओर अंतरण किया है।

स्पष्ट है कि कार्यालयी महिलायें दूसरे व तीसरे के मध्य अपेक्षाकृत शिक्षक एवं घरलू महिलाओं के कम वर्ष जन्म - अन्तराल रखना चाहती हैं।

-सांख्यिकी-संघ 12-2-

शिक्षक, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म उत्तरात्म

का विभेदात्मक अध्ययन

आदर्श जन्म महिलाये उत्तरात्म शिक्षा	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	नागू नहीं है	योग
अशिक्षित	-	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षाव कार्यालयी घरेलू	15 1/2 75 1/2 22.06	9 1/2 1.05 1/2 13.24	8 1/2 0.93 1/2 11.76	2 1/2 0.23 1/2 2.94	16 1/2 1.87 1/2 23.53	-	18 1/2 2.10 1/2 26.47	65 1/2 7.94 1/2 100.00
प्राथमरी	-	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षाव कार्यालयी घरेलू	11 1/2 1.29 1/2 15.71	7 1/2 0.92 1/2 10.00	3 1/2 0.35 1/2 4.29	4 1/2 0.47 1/2 5.71	11 1/2 1.29 1/2 15.71	9 1/2 1.05 1/2 12.86	25 1/2 2.92 1/2 35.71	70 1/2 9.19 1/2 100.00
जूनियर हाई स्कूल	-	-	3 1/2 0.35 1/2 50.00	1 1/2 0.12 1/2 16.67	2 1/2 0.23 1/2 33.33	-	-	6 1/2 0.70 1/2 100.00
कार्यालयी घरेलू	9 1/2 1.14 1/2 56.25	5 1/2 0.63 1/2 31.25	1 1/2 0.13 1/2 6.26	-	-	-	1 1/2 0.13 1/2 6.25	16 1/2 2.02 1/2 100.00
हाई स्कूल	12 1/2 1.40 1/2 15.79	22 1/2 2.57 1/2 28.95	7 1/2 0.82 1/2 9.21	3 1/2 0.35 1/2 3.95	6 1/2 0.70 1/2 7.89	4 1/2 0.47 1/2 5.26	22 1/2 2.57 1/2 29.95	76 1/2 9.39 1/2 100.00
शिक्षाव कार्यालयी घरेलू	3 1/2 0.35 1/2 5.88	9 1/2 1.05 1/2 17.65	31 1/2 3.63 1/2 60.78	3 1/2 0.35 1/2 5.88	3 1/2 0.35 1/2 5.99	-	2 1/2 0.23 1/2 3.92	51 1/2 5.96 1/2 100.00
कार्यालयी घरेलू	25 1/2 3.16 1/2 52.08	13 1/2 1.64 1/2 27.08	7 1/2 0.88 1/2 14.58	-	-	-	3 1/2 0.35 1/2 6.25	49 1/2 6.06 1/2 100.00
घरेलू	12 1/2 1.40 1/2 8.33	61 1/2 7.13 1/2 42.36	26 1/2 3.04 1/2 18.06	13 1/2 1.52 1/2 9.03	4 1/2 0.47 1/2 2.79	2 1/2 0.23 1/2 1.39	26 1/2 3.04 1/2 18.06	144 1/2 16.92 1/2 100.00
इंटरमीडियट	2 1/2 0.23 1/2 1.89	15 1/2 1.75 1/2 14.15	20 1/2 2.34 1/2 18.87	26 1/2 3.04 1/2 24.32	34 1/2 3.99 1/2 32.09	10 1/2 1.17 1/2 9.43	-	106 1/2 12.39 1/2 100.00
कार्यालयी घरेलू	54 1/2 6.82 1/2 61.36	9 1/2 1.14 1/2 10.23	8 1/2 1.01 1/2 9.09	7 1/2 0.89 1/2 7.95	6 1/2 0.76 1/2 6.82	-	4 1/2 0.51 1/2 4.55	89 1/2 11.11 1/2 100.00
घरेलू	11 1/2 1.29 1/2 9.48	36 1/2 4.21 1/2 31.03	25 1/2 2.92 1/2 21.55	15 1/2 1.75 1/2 12.73	13 1/2 1.52 1/2 11.21	-	16 1/2 1.97 1/2 13.79	116 1/2 13.55 1/2 100.00
स्नातक	-	25 1/2 2.92 1/2 9.77	130 1/2 15.20 1/2 50.78	30 1/2 3.51 1/2 11.72	65 1/2 7.60 1/2 25.39	2 1/2 0.23 1/2 0.78	4 1/2 0.47 1/2 1.56	256 1/2 29.94 1/2 100.00
कार्यालयी घरेलू	65 1/2 8.21 1/2 22.81	75 1/2 9.47 1/2 26.32	110 1/2 13.89 1/2 38.59	7 1/2 0.89 1/2 2.46	29 1/2 3.54 1/2 9.92	-	-	295 1/2 35.99 1/2 100.00
घरेलू	12 1/2 1.40 1/2 6.25	77 1/2 9.99 1/2 40.10	21 1/2 2.45 1/2 10.94	4 1/2 0.47 1/2 2.08	4 1/2 0.47 1/2 2.08	14 1/2 0.47 1/2 7.29	60 1/2 7.01 1/2 31.25	192 1/2 22.43 1/2 100.00
स्नातको- त्तर	38 1/2 4.44 1/2 9.03	45 1/2 5.26 1/2 10.69	136 1/2 15.91 1/2 32.30	20 1/2 2.34 1/2 4.75	66 1/2 7.72 1/2 15.69	8 1/2 0.94 1/2 1.90	7 1/2 0.91 1/2 1.66	421 1/2 49.24 1/2 100.00
कार्यालयी घरेलू	9 1/2 1.14 1/2 2.57	9 1/2 1.14 1/2 2.57	214 1/2 27.02 1/2 61.14	50 1/2 6.31 1/2 14.29	66 1/2 7.96 1/2 18.96	-	2 1/2 0.25 1/2 0.57	350 1/2 44.19 1/2 100.00
घरेलू	7 1/2 0.82 1/2 3.72	63 1/2 7.36 1/2 33.51	35 1/2 4.09 1/2 18.62	12 1/2 1.40 1/2 6.39	19 1/2 2.10 1/2 9.57	-	53 1/2 6.19 1/2 29.19	199 1/2 21.96 1/2 100.00
डी फ्ल.	2 1/2 0.23 1/2 13.33	6 1/2 0.70 1/2 40.00	7 1/2 0.82 1/2 46.67	-	-	-	-	13 1/2 1.75 1/2 100.00
कार्यालयी घरेलू	-	-	3 1/2 0.38 1/2 60.00	-	2 1/2 0.25 1/2 40.00	-	-	5 1/2 0.63 1/2 100.00
घरेलू	-	2 1/2 0.23 1/2 100.00	-	-	-	-	-	2 1/2 0.23 1/2 100.00
योग	45 1/2 5.26 1/2 100.00	111 1/2 14.02 1/2 111.02	427 1/2 48.94 1/2 34.33	80 1/2 9.36 1/2 43.31	170 1/2 19.99 1/2 8.56	20 1/2 2.34 1/2 12.89	13 1/2 1.52 1/2 10.26	855 1/2 100.00 1/2 79.2
कार्यालयी घरेलू	162 1/2 20.45 1/2 80.99	277 1/2 32.36 1/2 36.81	36 1/2 4.25 1/2 14.60	53 1/2 6.19 1/2 14.60	72 1/2 9.41 1/2 14.60	29 1/2 3.39 1/2 14.60	220 1/2 25.70 1/2 14.60	856 1/2 100.00 1/2 14.60

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे

बच्चों के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या $\frac{12.0}{-}$ में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार "दूसरे एवं तीसरे बच्चों के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल" का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक 49% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श जन्म - अन्तराल तीन वर्ष व्यक्त किया है। लगभग 20% शिक्षक महिलाओं ने पाँच वर्ष एवं 2.34% ने पाँच से अधिक वर्ष अन्तराल आदर्श माना है। 5.26% ने एक वर्ष, लगभग 12% ने दो वर्ष एवं 9.36% शिक्षक महिलाओं ने चार वर्ष अन्तराल आदर्श माना है। कार्यालयी महिलाओं में भी सर्वाधिक 43.31% ने तीन वर्ष, 20.45% ने एक वर्ष, 14% ने दो वर्ष तथा चार वर्ष से अधिक आदर्श अन्तराल लगभग 21% ने माना है। घरेलू महिलाओं में लगभग 25% इस प्रक्रिया से अलग है। सर्वाधिक लगभग 32% ने दो वर्ष एवं 15% ने तीन वर्ष तथा 9.35% ने एक वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श इच्छित किया है। लगभग 21% महिलाओं ने चार वर्ष से अधिक अन्तराल आदर्श माना है। इस प्रकार शिक्षक महिलाओं ने तीन एवं तीन से अधिक, कार्यालयी महिलाओं ने तीन एवं तीन से कम तथा घरेलू महिलाओं ने दो एवं अधिक वर्ष अन्तराल को उचित माना है। कार्यालयी महिलाएँ अपने तीसरे सन्तान हेतु अधिक समय नहीं लगाना इच्छित करती हैं, यह बात सर्वेक्षण से स्पष्ट हुई।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलाओं में शैक्षिक स्तर में पूर्ति के साथ तीन वर्ष को आदर्श अन्तराल के प्रति अधिक दृढ़ता, तीन वर्ष से कम के प्रति कम इच्छा एवं तीन से अधिक वर्ष अन्तराल के प्रति भी महत्त्व देने की प्रकृति उभर कर आयी है। कार्यालयी महिलाओं में स्नातक से पूर्व स्तर में सर्वाधिक महिलाओं ने एक वर्ष या दो वर्ष को आदर्श अन्तराल माना है लेकिन स्नातक एवं अधिक शिक्षित कार्यालयी महिलाओं ने एक-दो वर्ष अन्तराल को कम आदर्श

वरीयता दिया अपेक्षाकृत तीन एवं अधिक वर्ष अन्तराल के। निश्चित रूप से कार्यालयी महिलाओं ने शिक्षा से जन्म - अन्तराल की प्रवृत्ति बढ़ती हुई स्पष्ट होती है।

घरेलू महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ क्षीण होती हुई दो वर्ष आदर्श अन्तराल के प्रति आस्था अधिक हुई हुई।

स्पष्ट है कि मात्र घरेलू महिलाओं को छोड़कर शिक्षक महिलाओं एवं कार्यालयी महिलाओं में दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श अन्तराल विभेद में शिक्षा महत्वपूर्ण कारक रही है।

सुविष्टी-सूचा-12.1

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे की टीच जय अन्तराल का विवेक त्म अध्ययन

वय अन्तराल महिलाये आयु वर्ग	एक वर्ष	दो वर्ष	तीसरा वर्ष	चार वर्ष	पाचवर्ष	पाच वर्ष से अधिक	बोर्ड बच्चा नहीं	शिक्षाति	लगा नहीं	योग
20-30	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	- 3.0-38.4 0.83 4.0-46.4 1.01	- 4.0-51.4 1.11 2.0-23.4 0.51	- 3.0-38.4 0.93 2.0-27.4 7.07	- 2.0-25.4 0.56 1.0-10.4 4.55	- - - 2.27	17.1-99.4 7.66 25.3-10.4 6.94 19.2-22.4 4.79	112.3-09.4 50.45 48.6-06.4 13.33 4.0-46.4 1.01	92.3-10.76.4 41.44 34.72.4 76.39 33.0-4.5.4 73.79	222.25-96.4 100.00 360.45-4.5.4 100.00 396.46-26.4 100.00
30-40	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	5.0-58.4 1.53 14.0-77.4 4.49 7.0-81.4 2.97	18.2-11.4 5.50 14.1-77.4 4.49 26.3-04.4 11.44	4.0-47.4 1.22 1.0-13.4 0.32 6.0-70.4 2.54	3.0-35.4 0.92 4.0-51.4 1.28 3.0-35.4 1.27	1.0-12.4 0.31 - - - -	20.2-34.4 1.12 5.0-63.4 1.60 5.0-58.4 1.60	32.3-74.4 9.79 8.1-01.4 2.56 4.0-47.4 2.78	27.95.4 73.09 31.39-39.4 100.00 19.46.4 66.95	327.38-25.4 100.00 312.39-39.4 100.00 236.7-57.4 100.00
40-50	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	8.0-95.4 3.59 3.0-38.4 0.79 8.0-93.4 5.56	25.2-92.4 11.21 2.0-25.4 1.2 11.1-29.4 7.64	6.0-70.4 2.69 1.0-13.4 1.27 2.0-23.4 1.39	5.0-58.4 2.24 - - 2.0-23.4 1.39	1.0-12.4 0.45 - - - -	13.1-52.4 5.83 8.1-01.4 10.13 - -	16.1-87.4 7.17 2.0-25.4 2.53 4.0-47.4 2.78	142.16-61.4 63.68 62.7-83.4 79.45 144.16-82.4 75.00	223.26-08.4 100.00 79.9-97.4 100.00 144.16-82.4 100.00
50-60	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	4.0-47.4 4.82 4.0-51.4 9.76 9.1-05.4 11.25	12.1-40.4 14.46 2.0-25.4 4.89 2.0-23.4 2.5	2.0-23.4 2.41 - 5.0-59.4 6.25	3.0-35.4 3.61 - 1.0-12.4 1.25	- - - - -	8.0-93.4 7.64 - - -	7.0-82.4 9.43 - - -	44.5-15.4 52.01 30.3-79.4 73.17 42.4-91.4 52.50	93.9-71.4 100.00 41.5-18 100.00 90.9-35.4 100.00
योग	शिक्षक कार्यालयी घरेलू	17.1-99.4 24.3-03.4 28.3-27.4	55.6-43.4 20.2-53.4 67.7-83.4	12.1-40.4 4.0-51.4 31.3-62.4	12.1-40.4 4.0-51.4 15.1-75.4	2.0-13.4 - -	58.6-78.4 33.4-79.4 24.2-30.4	167.10-53.4 58.7-32.4 17.1-40.4	160.40.4 619.79-03.4 620.72-43.4	955.102.4 792.100.4 956.100.4

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 12.1 में शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में मात्र 14% शिक्षक, 10% कार्यालयी एवं 23% घरेलू महिलाओं ने ही उत्तर दिया है। शेष ने विवाह न होने, स्वर्क्षण समय तक एक भी शिशु न होने या चौथा शिशु न होने के कारण उत्तर देने में असमर्थ रही।

कम उत्तरदाताओं के होने पर भी शिक्षकों में सर्वाधिक ने तीन वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष, एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष जन्म अन्तराल रखा है। एक एवं दो वर्ष अन्तराल रखने में शिक्षक सबसे कम एवं घरेलू सबसे अधिक रही। पांच वर्ष से अधिक अन्तराल भी शिक्षक महिलाओं में पाये गये लेकिन उनकी संख्या कम होने के कारण कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकल सकता।

20-30 आयु वर्ग में शिक्षक महिलायें जहाँ लगभग शून्य रहीं वहीं 30-40 एवं 40-50 में अपेक्षाकृत अधिक एवं तीन वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक ने स्वीकार भी किया है। 50 वर्ष के बाद यह प्रवृत्ति कम दिखायी पड़ी है। कार्यालयी महिलाओं में विभिन्न आयु वर्ग में विशेष प्रवृत्ति नहीं दिखायी पड़ी। हाँ यह अवश्य रहा कि अधिकांश एक से तीन वर्ष अन्तराल में संकेन्द्रित रहे।

घरेलू महिलाओं की 30-40, 40-50 एवं 50-60 आयु वर्ग में अधिकांश लोगो ने दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को स्वीकार किया है।

...शालिणी:श्रृंखला-12.2

जिल्हाक, कार्यालयी पद घेतून अधिकारजो की रिहाणा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मूल जन्म वन्तरान का विभेदात्मक वृ.व्यय

जन्म वर्ष	भोजलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीनवर्ष	चारवर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	कोई बच्चा नहीं	अधिका- रित	भागू नहीं हैं	योग
रिहाणा											
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	11 1/2 29 1/2	7 1/2 22 1/2	6 1/2 20 1/2	-	-	-	-	-	-	44 1/2 14 1/2	63 1/2 7 94 1/2
गृह- माली											
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	13 1/2 52 1/2	6 1/2 20 1/2	5 1/2 20 1/2	4 1/2 14 1/2	4 1/2 14 1/2	-	-	-	4 1/2 14 1/2	39 1/2 4 44 1/2	70 1/2 9 119 1/2
पुनरा स्थापना											
कार्यालयी	4 1/2 12 1/2	-	-	-	-	-	-	1 1/2 12 1/2	2 1/2 23 1/2	3 1/2 35 1/2	6 1/2 70 1/2
घरेलू	3 1/2 35 1/2	18 1/2 10 1/2	9 1/2 65 1/2	5 1/2 35 1/2	1 1/2 12 1/2	-	-	4 1/2 47 1/2	-	36 1/2 21 1/2	76 1/2 9 99 1/2
कार्यालयी	2 1/2 23 1/2	1 1/2 9 1/2	2 1/2 23 1/2	4 1/2 14 1/2	4 1/2 14 1/2	1 1/2 9 1/2	2 1/2 23 1/2	3 1/2 35 1/2	32 1/2 74 1/2	51 1/2 5 96 1/2	
घरेलू	7 1/2 29 1/2	5 1/2 20 1/2	3 1/2 35 1/2	-	-	-	3 1/2 35 1/2	4 1/2 51 1/2	26 1/2 28 1/2	49 1/2 6 06 1/2	
कार्यालयी	1 1/2 12 1/2	2 1/2 23 1/2	1 1/2 9 1/2	4 1/2 14 1/2	2 1/2 23 1/2	-	-	4 1/2 47 1/2	92 1/2 10 75 1/2	144 1/2 16 92 1/2	
घरेलू	0 1/2 6 1/2	1 1/2 9 1/2	1 1/2 9 1/2	2 1/2 23 1/2	1 1/2 9 1/2	-	-	2 1/2 23 1/2	63 1/2 89 1/2	100 1/2 0 0	
कार्यालयी	1 1/2 12 1/2	3 1/2 35 1/2	1 1/2 9 1/2	3 1/2 35 1/2	2 1/2 23 1/2	-	-	7 1/2 29 1/2	12 1/2 40 1/2	63 1/2 7 37 1/2	
घरेलू	0 1/2 6 1/2	2 1/2 23 1/2	1 1/2 9 1/2	2 1/2 23 1/2	1 1/2 9 1/2	-	-	6 1/2 25 1/2	11 1/2 32 1/2	59 1/2 43 1/2	
कार्यालयी	12 1/2 52 1/2	2 1/2 23 1/2	2 1/2 23 1/2	-	2 1/2 23 1/2	-	-	12 1/2 52 1/2	5 1/2 20 1/2	53 1/2 6 69 1/2	
घरेलू	13 1/2 64 1/2	2 1/2 23 1/2	2 1/2 23 1/2	9 1/2 37 1/2	4 1/2 14 1/2	-	-	13 1/2 64 1/2	5 1/2 20 1/2	80 1/2 23 1/2	
कार्यालयी	-	3 1/2 35 1/2	1 1/2 9 1/2	9 1/2 37 1/2	4 1/2 14 1/2	-	-	-	-	84 1/2 81 1/2	
घरेलू	-	2 1/2 23 1/2	1 1/2 9 1/2	7 1/2 29 1/2	3 1/2 35 1/2	-	-	-	-	72 1/2 41 1/2	
कार्यालयी	5 1/2 20 1/2	6 1/2 25 1/2	11 1/2 29 1/2	2 1/2 23 1/2	6 1/2 25 1/2	1 1/2 9 1/2	2 1/2 23 1/2	2 1/2 23 1/2	49 1/2 5 61 1/2	156 1/2 19 24 1/2	
घरेलू	1 1/2 9 1/2	2 1/2 23 1/2	4 1/2 14 1/2	0 7/2	2 1/2 23 1/2	0 3/2	2 1/2 23 1/2	8 1/2 20 1/2	18 1/2 75 1/2	60 1/2 94 1/2	
कार्यालयी	--	18 1/2 27 1/2	1 1/2 9 1/2	-	-	-	-	13 1/2 64 1/2	19 1/2 39 1/2	234 1/2 20 55 1/2	
घरेलू	--	6 1/2 25 1/2	1 1/2 9 1/2	7 1/2 29 1/2	6 1/2 25 1/2	-	-	4 1/2 14 1/2	6 1/2 25 1/2	92 1/2 11 1/2	
कार्यालयी	6 1/2 25 1/2	5 1/2 20 1/2	27 1/2 16 1/2	3 1/2 35 1/2	-	-	-	27 1/2 16 1/2	100 1/2 11 69 1/2	253 1/2 29 59 1/2	
घरेलू	1 1/2 9 1/2	1 1/2 9 1/2	6 1/2 25 1/2	0 7/2	-	-	-	6 1/2 25 1/2	25 1/2 75 1/2	60 1/2 94 1/2	
कार्यालयी	1 1/2 13 1/2	1 1/2 13 1/2	14 1/2 77 1/2	4 1/2 51 1/2	8 1/2 25 1/2	-	-	10 1/2 26 1/2	30 1/2 79 1/2	278 1/2 36 36 1/2	
घरेलू	0 1/2 6 1/2	0 1/2 6 1/2	4 1/2 14 1/2	1 1/2 9 1/2	0 1/2 6 1/2	-	-	2 1/2 23 1/2	8 1/2 20 1/2	82 1/2 29 1/2	
कार्यालयी	-	1 1/2 12 1/2	5 1/2 20 1/2	2 1/2 23 1/2	2 1/2 23 1/2	-	-	16 1/2 87 1/2	-	164 1/2 19 16 1/2	
घरेलू	-	0 1/2 6 1/2	1 1/2 9 1/2	1 1/2 9 1/2	1 1/2 9 1/2	-	-	8 1/2 20 1/2	-	87 1/2 23 1/2	
कार्यालयी	3 1/2 35 1/2	-	-	-	-	-	-	-	2 1/2 23 1/2	10 1/2 16 1/2	
घरेलू	20 1/2 00	-	-	-	-	-	-	-	13 1/2 33 1/2	66 1/2 67 1/2	
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5 1/2 20 1/2	
घरेलू	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100 1/2 00	
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5 1/2 20 1/2	
घरेलू	-	-	-	-	-	-	-	-	-	100 1/2 00	
कार्यालयी	17 1/2 99 1/2	15 1/2 75 1/2	55 1/2 6 43 1/2	12 1/2 1 40 1/2	12 1/2 1 40 1/2	2 1/2 23 1/2	58 1/2 6 78 1/2	167 1/2 19 93 1/2	517 1/2 60 46 1/2	855 1/2 100 1/2	
घरेलू	25 1/2 3 03 1/2	26 1/2 3 28 1/2	20 1/2 2 53 1/2	4 1/2 0 51 1/2	4 1/2 0 51 1/2	-	38 1/2 4 79 1/2	58 1/2 7 32 1/2	613 1/2 78 03 1/2	792 1/2 100 1/2	
कार्यालयी	28 1/2 3 27 1/2	59 1/2 6 89 1/2	67 1/2 7 83 1/2	31 1/2 3 62 1/2	15 1/2 1 75 1/2	-	24 1/2 2 40 1/2	12 1/2 1 40 1/2	620 1/2 72 43 1/2	956 1/2 108 1/2	

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे एवं चौथे

बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 12.2 में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे एवं चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 87% प्रजननता की इस प्रक्रिया में सम्मिलित नहीं है। शेष 13% शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 6.43% ने तीन वर्ष जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 10% महिलायें ही इस प्रक्रिया में हैं जिसमें सर्वाधिक 3.03% ने एक वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। अन्य वर्षों को लगभग 1% ने ही महत्त्व दिया है। घरेलू महिलाओं में लगभग 18% ने तीन वर्ष, 6.89% ने दो वर्ष एवं 3.27% ने एक वर्ष जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है। तीन वर्ष से अधिक किसी ने भी महत्त्व नहीं दिया है। स्पष्ट है कि तीसरे एवं चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल में सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू ने तीन वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है जबकि कार्यालयी ने एक वर्ष।

विभिन्न वर्ग की महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक स्तर के साथ तीन वर्ष का अन्तराल अपनाया गया, जबकि कार्यालयी में प्रत्येक शैक्षिक स्तर की महिलाओं ने एक वर्ष को महत्त्व दिया।

घरेलू महिलाओं में जहाँ पहले अशिक्षितों एवं प्राथमिक स्तरीय महिलाओं ने एक वर्ष को महत्त्व दिया, शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ उन्होंने भी तीन वर्ष एवं दो वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया।

भारतीय-संस्था-123

एवं परिवार वाली शिक्षा, कर्मचारी एवं घरेलू नस्लाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के स्तर में छात्रों को

प्राथमिक आयु वर्ग	नस्लायें	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	शिक्षाक	4 १2-19 १	-	4 १2-19 १
	कार्यालयी	100-00	-	100 00
	घरेलू	-	-	-
30-40	शिक्षाक	20 १10-99 १	4 1 22-53 १	61 १33-52 १
	कार्यालयी	32 79	67-21	100-00
	घरेलू	-	-	-
40-50	शिक्षाक	43 १23-63 १	64 १35-16 १	107 १58-79 १
	कार्यालयी	40 19	59-81	100-00
	घरेलू	-	-	-
50-60	शिक्षाक	5 १2-75 १	5 १2-75 १	10 १5-49 १
	कार्यालयी	50-00	50-00	100-00
	घरेलू	-	-	-
योग	शिक्षाक	72 १39 56 १	110 १60 44 १	192 १100 2 १
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	-	-

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.3 में परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में छात्रों को दिये गये परामर्श का अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि छात्रों का सम्बन्ध शिक्षक महिलाओं से प्रत्यक्ष है फलतः शिक्षक महिलायें ही उन्हें परामर्श दे सकती हैं। अन्य कर्मचालयी एवं घरेलू महिलाओं का छात्रों को परामर्श देने का औचित्य ही नहीं उठता। फलतः सारिणी में छात्रों को ही दिये गये परामर्श के विचार समकित हैं।

सर्वेक्षण में देखा गया कि पूर्ण परिवार की 182 शिक्षक महिलाओं में लगभग 40% ने ही छात्रों को परामर्श दिया है शेष 60% ने परामर्श नहीं दिया है। परामर्श देने वाली महिलाओं में सर्वाधिक 40-50 आयु वर्ग की। उसके बाद 30-40 आयु की महिलायें हैं। 20-30 एवं 50-60 आयु वर्ग की अत्यधिक कम महिलायें हैं। जिन्होंने कम ही छात्रों को परामर्श दिया है।

परामर्श न देने वालों में सर्वाधिक 40-50 एवं 30-40 आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें हैं। 20-30 आयु वर्ग की सभी ने परामर्श दिया है।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 40-50 आयु वर्ग की 59% एवं 30-40 आयु वर्ग की 34% हैं। 40-50 में 40% ने एवं 30-40 आयु वर्ग की 33% ने परामर्श दिया है जबकि 40-50 आयु वर्ग में 60% एवं 30-40 आयु वर्ग में 67% ने परामर्श नहीं दिया है।

इस प्रकार पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में अधिकांश लोगों ने परामर्श नहीं दिया है। यद्यपि युवा शिक्षक महिलाओं की संख्या कम है लेकिन उनमें शत प्रतिशत परामर्श देने की प्रवृत्ति पायी गयी है।

पुर्ण परिवार वाले शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के समुहार छात्रों को दिये गये परामर्श का विस्तारत्मक अध्ययन

आदिपणी-कैम्प-124

प्रा.अर्थी- वर्ग	महिलाये	परामर्श दिया हे	परामर्श नहीं दिया हे	योग
अशिक्षित				
शिक्षक	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-
घरेलू	-	-	-	-
शिक्षक	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-
घरेलू	-	-	-	-
प्राइमरी				
शिक्षक		180.55 रु.	311.50 रु.	
कार्यालयी		281.09 रु.	100.00	
घरेलू		66.67		
हाई स्कूल				
कार्यालयी				
घरेलू				
हाई		683.29 रु.	19810.44 रु.	
शिक्षक		31.58	100.00	
कार्यालयी				
घरेलू				
स्कूल				
कार्यालयी				
घरेलू				
इण्टर		1085.49 रु.	29815.93 रु.	
शिक्षक		34.48	100.00	
कार्यालयी				
घरेलू				
मी.ए.ए.ए.ट				
कार्यालयी				
घरेलू				
शिक्षक		1882.39 रु.	52828.57 रु.	
कार्यालयी		34.62	100.00	
घरेलू				
स्नातक				
कार्यालयी				
घरेलू				
शिक्षक		34810.26 रु.	75841.21 रु.	
कार्यालयी		65.38	100.00	
घरेलू				
स्नात				
शिक्षक		35818.13 रु.	42123.08 रु.	
कार्यालयी		44.00	56.00	
घरेलू				
कोत्तर				
कार्यालयी				
घरेलू				
शिक्षक		381.65 रु.	482.17 रु.	
कार्यालयी		75.00	100.00	
घरेलू				
डी.फिन.				
कार्यालयी				
घरेलू				
शिक्षक		72829.56 रु.	110820.44 रु.	
कार्यालयी				
घरेलू				
योग				
शिक्षक			1828100.28 रु.	
कार्यालयी				
घरेलू				

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.4 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार छात्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में छात्रों को दिए गए परामर्श के सम्बन्ध में मात्र शिक्षक महिलायें ही महत्वपूर्ण हैं। अन्य महिलाओं का छात्रों को परामर्श का औचित्य ही नहीं उठता। पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में अधिक 60% ने छात्रों को परामर्श नहीं दिया है, तथा 40% ने परामर्श दिया है।

छात्रों को परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं में सबसे अधिक स्नातकोत्तर शिक्षक महिलायें हैं। इसके पश्चात् स्नातक, इण्टर मीडिएट, हाई स्कूल, जूनियर हाई स्कूल शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है। सर्वाधिक शिक्षित डी० एम० स्तरीय शिक्षक महिलायें मात्र 4 हैं जिसमें 75% ने परामर्श दिया है। परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या बढ़ते है।

पूर्ण परिवार Completed Family & वाली शिशु, कायलियी एवं षरेलु महिलाओ की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वाञ्छनीयता -
 -सांख्यिकी-संख्या-12.5
 के संदर्भ में सम्बन्धी त मिनो को दिये गये परास्कर्ष का विभेदात्मक अध्ययन

प्राप्ति आयु वर्ष	महिलाये	परास्कर्ष दिया हे	परास्कर्ष नहीं दिया हे	योग
20-30	शिशु	301-654 75 00	180-558 25-00	482-198 100-00
	कायलियी	983-754 56-25	782-928 43-75	1666-678 100-00
	षरेलु	582-144 55-56	481-718 44-44	983-858 100-00
30-40	शिशु	35819-238 57 38	26814-298 42-62	61833-528 100-00
	कायलियी	101842-088 67-33	49820-421 32-67	150862-508 100-00
	षरेलु	38816-244 40-91	34814-538 47-22	72830-778 100-00
40-50	शिशु	71830-018 66-36	36819-788 33-64	107849-798 100-00
	कायलियी	23889-588 44-23	29812-088 55-77	52821-678 100-00
	षरेलु	45819-238 40 91	65827 788 59 09	110847 018 100 00
50-60	शिशु	482-198 40-00	683-298 60-00	1085-498 100-00
	कायलियी	1385-428 59-09	983-758 40 91	2289-178 100-00
	षरेलु	1988-128 44-19	24810-268 55-81	43818-398 100-00
योग	शिशु	113862-098	69837-918	182810028
	कायलियी	146860 838	94839-178	240810028
	षरेलु	107845-738	127854-278	234810028

पूर्ण परिवार , Completed Family) पाली शिक्षक, कार्यरत एवं धरेलू
 माँदलाओं की आयु के अनुसार परिवार नियोजन की परिभाषा के तदर्थ व
 सम्बन्धी एवं विभिन्न को दिए गए परामर्श का विवेकात्मक अध्ययन:-

ताबिले में संख्या-12.5 में पूर्ण परिवार & Completed Family के
 पाली शिक्षक, कार्यरत एवं धरेलू माँदलाओं की आयु के अनुसार परिवार
 नियोजन की परिभाषा के तदर्थ व सम्बन्धी एवं विभिन्न को दिए गए परामर्श
 का विवेकात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक माँदलाओं ने परामर्श
 दिया है, जबकि इस वर्ग की कार्यरत महिलाएँ एवं धरेलू माँदलाएँ परामर्श
 देने में अत्यधिक पाछे हैं। इस आयु वर्ग की शिक्षक माँदलाओं की संख्या काफी
 अपेक्षाकृत कम है, लेकिन महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर अन्य वर्ग की माँदलाओं की
 संख्या अधिक है और उन्होंने परामर्श कम दिया है।

30-40 आयु वर्ग में कार्यरत महिलाओं की संख्या सबसे अधिक,
 इसके बाद शिक्षक माँदलाएँ, तथा धरेलू माँदलाएँ हैं। इस आयु वर्ग की
 कार्यरत महिलाओं ने सबसे अधिक लगभग 67% ने सम्बन्धी व विभिन्न को
 परामर्श दिया है, शिक्षक माँदलाओं ने भी परामर्श दिया है कार्यरत महिलाओं
 की अपेक्षाकृत कम परामर्श दिया है। धरेलू माँदलाओं में अधिक ने परामर्श नहीं
 दिया है।

40-50 आयु वर्ग में शिक्षक माँदलाएँ लगभग 59%, कार्यरत महिलाओं
 22% धरेलू माँदलाएँ 47% हैं। इस आयु वर्ग में शिक्षक माँदलाओं ने सबसे अधिक
 परामर्श दिया है, जबकि कार्यरत एवं धरेलू माँदलाओं में अधिकतर लगभग
 60% ने परामर्श नहीं दिया है।

50-60 आयु वर्ग में सबसे अधिक धरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया। उनकी संख्या भी अपेक्षाकृत अधिक रही लेकिन परामर्श न देने वाली शिक्षक महिलायें रही।

साधारण से स्पष्ट है कि यद्यपि पूर्ण परिवार की सर्वाधिक कार्यलयी महिलायें, उसके बाद धरेलू एवं शिक्षक महिलायें हैं। परामर्श न देने वाली में यह अनुक्रम तो ठीक है, लेकिन परामर्श देने वाली में अनुक्रमत्मक एवं गुणात्मक रूप से ठीक विपरीत है। सर्वाधिक परामर्श शिक्षक महिलाओं ने दिया है, धरेलू महिलाओं का स्थान दूसरा है, लेकिन कार्यलयी महिलाओं ने सर्वाधिक कम ४ धरेलू महिलाओं का आधो ४ ने परामर्श दिया है।

निश्चित रूप से, कार्यलयी महिलाओं में परिवार नियोजन की जागरूकता के संदर्भ में परामर्श देने के विषय में उनकी जुगुप्सा निराशाजनक है, इसके विपरीत शिक्षक महिलाओं का व्यवहार आशाजनक रहा है।

सांख्यिकी-संख्या- 12.6

पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धी व मित्रों को दिये गये परामर्श विभेदात्मक अध्ययन

प्रकार (शिक्षा)	परिवाराये	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
आशिक्षित	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	4 ११.71 १ 23.53	13 ११०.24 १ 76.47	17 ११7.26 १ 100.00
प्राथमिकी	शिक्षाक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	7 ११2.99 १ 38.89	11 ११2.01 १ 61.11	13 ११7.69 १ 100.00
जूनियर हाई स्कूल	शिक्षाक	2 ११1.09 १ 66.67	1 ११0.55 १ 33.33	3 ११1.65 १ 100.00
	कार्यालयी	5 ११2.08 १ 62.50	3 ११0.55 १ 37.50	8 ११3.33 १ 100.00
	घरेलू	9 ११3.85 १ 42.86	12 ११5.13 १ 57.14	21 ११९.97 १ 100.00
हाई स्कूल	शिक्षाक	13 ११7.14 १ 68.42	6 ११3.29 १ 31.58	19 ११०.44 १ 100.00
	कार्यालयी	15 ११2.60 १ 62.50	9 ११3.75 १ 37.50	24 ११०.00 १ 100.00
	घरेलू	12 ११5.13 १ 32.43	25 ११०.68 १ 67.57	37 ११5.91 १ 100.00
इण्टर मीडियट	शिक्षाक	16 ११8.79 १ 55.17	13 ११7.14 १ 44.83	29 ११०.93 १ 100.00
	कार्यालयी	21 ११९.75 १ 52.50	19 ११९.12 १ 47.50	40 ११०.09 १ 100.00
	घरेलू	11 ११4.70 १ 36.67	19 ११९.12 १ 63.33	30 ११०.92 १ 100.00
स्नातक	शिक्षाक	31 ११७.03 १ 59.62	21 १११.54 १ 40.38	52 ११०.57 १ 100.00
	कार्यालयी	34 ११४.17 १ 53.13	30 ११२.5 १ 46.88	64 ११०.67 १ 100.00
	घरेलू	18 ११7.69 १ 35.29	33 ११४.10 १ 64.71	51 ११०.79 १ 100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षाक	47 ११२5.82 १ 62.67	28 १११5.39 १ 37.33	75 ११०.21 १ 100.00
	कार्यालयी	69 ११२8.75 १ 67.65	33 १११3.75 १ 32.35	102 ११०.42 १ 100.00
	घरेलू	44 १११8.80 १ 75.86	14 १११5.99 १ 24.14	58 ११०.79 १ 100.00
डीएफएल	शिक्षाक	4 ११२.19 १ १००.००	-	4 ११२.19 १ १००.००
	कार्यालयी	2 ११०.83 १ १००.००	-	2 ११०.83 १ १००.००
	घरेलू	2 ११०.85 १ १००.००	-	2 ११०.85 १ १००.००
योग	शिक्षाक	113 ११६२.०९ १	69 ११३७.९१ १	182 ११००.११
	कार्यालयी	146 ११६०.८३ १	94 ११३९.१७ १	240 ११००.११
	घरेलू	107 ११४५.७३ १	127 ११५५.२७ १	234 ११००.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.6 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सबसे अधिक 62% शिक्षक महिलाओं ने सम्बन्धियों व मित्रों को परामर्श दिया है, इसके पश्चात् लगभग बराबर 61% कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है, तथा तुलनात्मक रूप से सबसे कम 46% घरेलू महिलाओं ने परामर्श दिया है। परामर्श न देने वाली महिलाओं में सबसे अधिक 54% घरेलू महिलायें, इसके पश्चात् कार्यालयी महिलायें 39% तथा सबसे कम शिक्षक महिलायें हैं।

शिक्षक महिलाओं में शिक्षा का सम्बन्धियों एवं मित्रों को दिए गए परामर्श से निश्चित ही प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। अधिक परामर्श देने वालों का प्रतिशत उच्च शिक्षितों में अधिक एवं कम परामर्श दाताओं का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम शिक्षितों में अधिकतर देखा गया है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षित डी० फिल० ने शत प्रतिशत परामर्श दिया है। सबसे अधिक स्नातकोत्तर स्तरीय कार्यालयी महिलायें हैं, जिसमें 68% ने परामर्श दिया है। स्नातकोत्तर से कम घरेलू महिलाओं ने परामर्श अपेक्षाकृत कम दिया है। स्नातकोत्तर एवं डी० फिल० घरेलू महिलाओं ने परामर्श अधिक दिया है। शिक्षक स्तर में वृद्धि के साथ - साथ परामर्श देने वाली घरेलू महिलाओं का प्रतिशत बढ़ा है।

पूर्ण या (Barry Completed Family) वाली रिहायक, कार्यालयी, घरेलू महिलाओं की बायु के अनुसार परिवार नियोजन की माहिणी-सूची-12.7

बाधनीयता के स्तर में जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

प्राप्ति बाधनीयता	महिलायें	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
20-30	रिहायक	381.654 75.00	180.558 25.00	482.198 100.00
	कार्यालयी	280.834 12.5	1485.858 87.5	1686.698 100.00
	घरेलू	381.284 33.33	682.568 66.67	983.858 100.00
30-40	रिहायक	39821.434 63.93	22812.098 36.07	61833.528 100.00
	कार्यालयी	1887.504 12.00	132855.008 88.00	150862.508 100.00
	घरेलू	1385.564 18.06	59825.218 81.94	72830.778 100.00
40-50	रिहायक	78842.864 72.89	29815.938 27.10	107858.798 100.00
	कार्यालयी	983.704 17.31	43817.928 82.69	52821.668 100.00
	घरेलू	27111.544 24.55	83835.474 75.45	110847.018 100.00
50-60	रिहायक	683.294 60.00	482.198 40.00	1085.498 100.00
	कार्यालयी	582.084 22.72	1787.088 77.27	2289.178 100.00
	घरेलू	1616.944 37.21	27811.544 62.79	43828.488 100.00
योग	रिहायक	126869.234	56830.778	192800.018
	कार्यालयी	34813.338	206885.838	240899.178
	घरेलू	59825.218	175874.798	234899.018

पूर्ण परिवार Completed family, वार्ता शिक्षक, कार्यालयी एवं धरेलू

महिलाओं का आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में

जनसमुदाय को दिख गए परामर्श का निम्नलिखित अध्ययन:-

वार्ता संख्या 12.7 में पूर्ण परिवार Completed family वार्ता शिक्षक, कार्यालयी एवं धरेलू महिलाओं का आयु के अनुसार परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में जनसमुदाय को दिख गए परामर्श का निम्नलिखित अध्ययन प्रदर्शित है।

20-30 आयु वर्ग में सबसे अधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है, जबकि वही वर्ग का धरेलू महिलायें एवं कार्यालयी महिलायें परामर्श देने में ज्यादा कम पड़े हैं। वही आयु वर्ग का शिक्षक महिलाओं का संख्या यद्यपि अपेक्षाकृत कम है, लेकिन वह महत्वपूर्ण है। दूसरी ओर अन्य वर्ग की महिलाओं की संख्या जायक है, और उन्होंने परामर्श कम दिया है।

30-40 आयु वर्ग में कार्यालयी महिलाओं की संख्या सबसे अधिक संख्या में उसके बाद धरेलू महिलायें तथा शिक्षक महिलायें हैं इस आयु वर्ग की 64% शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है, कार्यालयी महिलाओं में 88% ने जनसमुदाय को परामर्श नहीं दिया है, तथा धरेलू महिलाओं में 82% ने परामर्श नहीं दिया है।

40-50 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने अन्य आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं की तुलना में सबसे अधिक परामर्श दिया है। इस आयु वर्ग कार्यालयी व धरेलू महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया है।

50-60 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने अधिक परामर्श दिया है, उसके बाद धरेलू महिलाओं तथा सबसे कम इस आयु वर्ग में कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है।

एक प्रकार का न. कालिका यादवजी में परिवार नियोजन की
 योजनाओं के तहत में प्रस्ताव देने की प्रवृत्ति निराशाजनक है. मन्त्रि
 योजनाओं का समर्थन उचित है।

छात्रिणी-संख्या - 128

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गये परामर्श का विवरण:

प्राप्ति शिक्षा	महिलायें	परामर्श दिया है	परामर्श नहीं दिया है	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	-	1787.26	1787.26
			100.00	100.00
प्राथमरी	शिक्षक	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-
	घरेलू	381.28	1586.41	1877.69
		16.67	83.33	100.00
जूनियर-	शिक्षक	180.55	281.09	361.65
		33.33	66.67	100.00
हाई-स्कूल	कार्यालयी	180.42	72.92	83.33
		12.50	97.50	100.00
	घरेलू	582.14	1686.84	2188.97
		23.81	76.19	100.00
हाई-स्कूल	शिक्षक	1186.04	84.39	1910.44
		57.89	42.11	100.00
	कार्यालयी	280.83	229.17	410.00
		8.33	91.67	100.00
	घरेलू	782.97	3082.82	3765.81
		18.92	81.08	100.00
इण्टर -	शिक्षक	19810.44	105.49	29815.93
		65.52	34.48	100.00
	कार्यालयी	682.58	34.14	4086.67
		15.00	85.00	100.00
	घरेलू	983.85	219.97	3012.82
		30.00	70.00	100.00
स्नातक	शिक्षक	36819.78	169.79	36989.57
		69.23	30.77	100.00
	कार्यालयी	782.92	5723.75	6486.67
		10.94	89.06	100.00
	घरेलू	1385.56	3886.24	5171.79
		25.49	74.51	100.00
स्नात-	शिक्षक	55830.22	20810.99	75641.21
		73.33	26.67	100.00
	कार्यालयी	1886.67	8683.83	10242.50
		15.69	84.31	100.00
	घरेलू	2088.55	3886.24	5974.79
		34.48	65.52	100.00
डी.एन.ए.	शिक्षक	482.19	-	482.19
		100.00	-	100.00
	कार्यालयी	280.83	-	280.83
		100.00	-	100.00
	घरेलू	280.85	-	280.85
		100.00	-	100.00
योग	शिक्षक	126869.23	5830.77	132700.00
	कार्यालयी	34814.17	20685.83	54500.00
	घरेलू	59825.21	175874.79	234600.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.8 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार जनसमुदाय को दिये गए परामर्श का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि पूर्ण परिवार वाली शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक 69% ने जनसमुदाय को परामर्श दिया है शेष 31% ने परामर्श नहीं दिया है। घरेलू महिलाओं में 25% ने परामर्श दिया है तथा 75% ने परामर्श नहीं दिया है। कार्यालयी महिलाओं में सबसे कम 14% ने परामर्श दिया है तथा शेष 86% ने परामर्श नहीं दिया है।

शिक्षा का जनसमुदाय को दिये गये परामर्श से निश्चित ही प्रत्यक्ष सम्बन्ध है। अधिक परामर्श देने वालों का प्रतिशत उच्च शिक्षितों में अधिक एवं कम परामर्श दाताओं का प्रतिशत अपेक्षाकृत कम शिक्षितों में अधिकतर देखा गया है। शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में विभिन्न शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने में उनकी संख्या में भी वृद्धि दिखायी पड़ी है। शिक्षक महिलाओं ने अपेक्षाकृत घरेलू एवं कार्यालयी महिलाओं से अधिक परामर्श दिया है। कार्यालयी महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श न देने में धीरे - धीरे कमी आयी है, यह भी महत्वपूर्ण तथ्य पाया गया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 12.9 में पूर्ण परिवार की महिलाओं का उनके आयु वर्ग के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं की विवाह आयु 21-25 आयु वर्ग एवं घरेलू सर्वाधिक घरेलू महिलाओं की 18-21 आयु वर्ग पायी गई। समस्त शिक्षक महिलाओं में 15 वर्ष से कम आयु में एक भी नहीं, 15-18 आयु वर्ग में लगभग 7%, 18-21 आयु वर्ग में 5%, 21-25 आयु वर्ग में 60%, 25-30 आयु वर्ग में 23% एवं 30 से अधिक आयु में विवाहित लगभग 6% शिक्षक महिलायें पायी गई। कार्यालयी महिलाओं में 15 वर्ष से कम आयु में लगभग 2%, 15-18 आयु वर्ग में 8%, 18-21 आयु वर्ग में 16%, 21-25 आयु वर्ग में 62% एवं 25-30 आयु वर्ग में 3% महिलायें विवाहित पायी गई। घरेलू महिलाओं में 15 वर्ष से कम आयु में विवाहित लगभग 8%, 15-18 आयु वर्ग में 19%, 18-21 आयु वर्ग में 39%, 21-25 आयु वर्ग में 19%, एवं 25-30 आयु वर्ग में 15% महिलाओं को विवाहित पाया गया। इस प्रकार घरेलू महिलाओं में कम आयु वर्ग में विवाहित महिलायें अपेक्षाकृत अधिक पायी गई हैं।

शिक्षक महिलाओं में जहां 15-30 एवं 30 से अधिक आयु में विवाहित महिलायें पायी गई वहीं कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में 15 से कम आयु में विवाहित तथा 15-30 आयु में विवाहित महिलायें देखी गई। सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 आयु में पाया गया वहीं घरेलू महिलाओं का 18-21 आयु में सर्वाधिक देखा गया।

. गाँव-संख्या-130

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विद्या की आयु का विभाजन है।

विद्या की आयु शिक्षा	महिलाये	15वर्ष से नीचे	15-18वर्ष	19-21वर्ष	21-25वर्ष	25-30वर्ष	30वर्ष से अधिक	योग
अशिक्षित	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	9१3.85१ 52.94	4१1.71१ 23.53	2१0.95१ 11.76	2१0.95१ 11.76	-	-	17१7.१6१ 100.00
प्राथमरी	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	4१1.71१ 22.22	10१4.27१ 55.56	3१1.28१ 16.67	1१0.43१ 5.56	-	-	19१7.१9१ 100.00
जूनियर-	शिक्षा	-	3१1.65१ 100.00	-	-	-	-	3१1.65१ 100.00
	कार्यालयी	1१0.42१ 12.50	3१1.25१ 37.50	3१1.25१ 37.50	1१0.42१ 12.50	-	-	8१3.35१ 100.00
	घरेलू	3१1.28१ 14.29	5१2.14१ 23.81	8१3.42१ 38.09	3१1.१8१ 14.29	2१0.95१ 9.52	-	21१9.१9१ 100.00
हाई-स्कूल	शिक्षा	-	9१4.95१ 47.37	-	6१3.29१ 31.58	3१1.१5१ 15.78	1१0.55१ 5.26	19१10.44 100.00
	कार्यालयी	2१0.93१ 8.33	6१2.50१ 25.00	8१3.33१ 33.33	7१2.92१ 29.17	1१0.42१ 4.17	-	24१10.00१ 100.00
	घरेलू	2१0.85१ 5.41	11१4.70१ 29.73	20१8.55१ 54.05	2१0.85१ 5.41	2१0.95१ 5.41	-	37१15.81१ 100.00
इण्टर-	शिक्षा	-	-	1१0.55१ 3.45	16१9.79 55.17	9१4.95१ 31.03	3१1.65१ 10.34	29१15.93१ 100.00
	कार्यालयी	1१0.42१ 2.50	2१0.83१ 5.00	29१12.08१ 72.50	9१3.33१ 10.00	-	-	40१16.१7१ 100.00
	घरेलू	-	3१1.28१ 10.00	18१7.१9१ 60.00	6१2.56१ 10.00	3१1.29१ 10.00	-	30१12.१9१ 100.00
स्नातक	शिक्षा	-	-	4१2.19१ 7.69	31१17.03१ 59.62	17१9.34१ 32.69	-	5१28.१57१ 100.00
	कार्यालयी	-	2१0.83१ 3.13	18१7.50१ 29.13	4१1.7.08१ 64.06	3१1.25१ 4.69	-	64१26.67१ 100.00
	घरेलू	-	6१2.56१ 11.76	31१13.25१ 60.78	9१3.95१ 17.65	5१2.14१ 9.80	-	51१21.79१ 100.00
स्नात-	शिक्षा	-	-	4१2.19१ 5.33	53१29.12१ 70.67	11१6.04१ 14.67	7१3.85१ 9.33	75१41.१21१ 100.00
	कार्यालयी	-	5१2.08१ 4.90	4१1.67१ 3.92	9११37.92१ 99.22	2१0.93१ 1.90	-	102१4१.50१ 100.00
	घरेलू	-	5१2.14१ 8.62	9१3.95१ 15.5१	१0१9.55१ 34.48	24१10.१6१ 41.38	-	59११4.79१ 100.00
जी.पी.एल	शिक्षा	-	-	-	3१1.65१ 75.00	1१0.55१ 25.00	-	4११19१ 100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	2१0.93१ 100.	-	2१0.93१ 100.00
	घरेलू	-	-	-	2१0.95१ 100.00	-	-	2१0.95१ 100.00
योग	शिक्षा	-	12१6.59१	9१4.95१	109१59.99१	41१22.53१	11११.१04१	19११100.१
	कार्यालयी	4१1.67१	18१7.50१	१2११5.83१	149१61.67१	9१3.35१	-	१4११100.१
	घरेलू	18१7.69१	44१13.90१	9११39.99१	45१19.23१	36१15.33१	-	234१100१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.0 में विवाह की आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में पूर्ण परिवार की महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 60% शिक्षक महिलाओं ने 21-25 वर्षायु में, 62% कार्यालयी महिलाओं ने 21-25 वर्षायु में एवं सर्वाधिक 39% घरेलू महिलाओं ने 15-18 वर्षायु में विवाह किया है।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में लगभग 7% ने 15-18 वर्षायु में, 5% ने 18-21 वर्षायु में, 23% ने 25-30 एवं 6% ने 30 से अधिक आयु में विवाह किया है। इस प्रकार लगभग 89% शिक्षक महिलाओं का विवाह 21 से अधिक आयु में हुआ है। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 2% ने 15 वर्ष से कम आयु में, 8% ने 15-18 आयु में, 26% ने 18-21 आयु में विवाह किया है। 25 से अधिक आयु में मात्र लगभग 3% कार्यालयी महिलाओं का विवाह हुआ है। घरेलू महिलाओं में 15 से कम आयु में लगभग 8%, 15-18 आयु में 19%, 18-21 आयु में 39% 21-25 आयु में 19% एवं 25-30 आयु में 15% घरेलू महिलाओं का विवाह हुआ है।

शिक्षा के अनुदान इन महिलाओं की विवाह आयु को देखने पर सर्वेक्षण में पाया गया कि शिक्षा के स्तर में वृद्धि ने विवाह आयु को बढ़ाया है। जहाँ 15-18 एवं 18-21 वर्षायु को लोक महत्व देते रहे शैक्षिक स्तर में परिवर्तन ने 21-25 एवं 25-30 आयु में विवाह को निर्धारित किया। कार्यालयी महिलाओं की ठीक यही प्रवृत्ति देखी गयी लेकिन इसमें सर्वाधिक 21-25 एवं 18-21 वर्षायु में विवाहित महिलाएँ पायी गईं। शैक्षिक स्तर में वृद्धि ने घरेलू महिलाओं के विवाह आयु को भी प्रभावित किया यह बात सारिणी से स्पष्ट है। कम आयु में विवाह से अधिक आयु में 18-21 एवं उससे अधिक आयु में विवाह आयु का परिवर्तन देखा गया।

गाँव की विधायक-131

गाँव की विधायक का कार्यक्षेत्र एवं क्षेत्र में स्थित गाँवों की नामों के अनुसार विधायक की कार्यक्षेत्र का विवरण नीचे दिया गया है

गाँव का नाम	21वर्ष से	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	26वर्ष	27वर्ष	28वर्ष	29वर्ष	30वर्ष	योग
विधायक	-	-	-	-	180-55	281-09	180-55	-	-	-	480-19
कार्यालयी	-	180-42	-	280-83	280-93	381-25	481-67	180-42	381-25	-	1686-67
घरेलू	-	6-25	-	12-50	12-50	18-75	25-00	6-25	18-75	-	100-00
	-	-	-	-	280-85	481-71	280-85	180-43	-	-	983-95
	-	-	-	-	22-22	44-44	22-22	11-11	-	-	100-00
विधायक	-	-	-	281-09	1589-24	1387-14	482-19	22812-09	582-75	-	61833-52
कार्यालयी	-	180-42	180-42	180-42	381-25	782-92	1184-58	124851-67	280-93	-	150862-50
घरेलू	-	0-67	0-67	0-67	2-00	4-67	7-33	82-67	1-33	-	100-00
	-	-	-	782-99	25810-68	32813-68	381-23	481-71	180-43	-	7230-77
	-	-	-	9-72	34-72	44-44	4-17	5-56	1-39	-	100-00
विधायक	-	1055	-	88439	1085-49	66836-26	1984-95	984-95	482-19	-	10788-79
कार्यालयी	-	0-93	-	7-48	9-35	61-68	8-41	8-41	3-74	-	100-00
घरेलू	-	-	280-33	381-25	180-42	983-75	1485-83	1987-5	481-67	-	52821-67
	-	3-85	1-92	5-77	1-92	17-31	26-92	34-62	7-69	-	100-00
	1084-27	782-19	280-85	1586-41	57824-36	280-85	180-43	1586-41	180-43	-	110847-01
	9-09	6-36	1-82	13-64	51-82	1-82	0-91	13-64	0-91	-	100-00
विधायक	-	281-09	-	180-55	180-55	482-19	-	180-55	-	-	1085-49
कार्यालयी	-	20-00	10-00	10-00	40-00	10-00	10-00	10-00	10-00	-	100-00
घरेलू	-	-	381-25	-	280-83	-	280-83	1485-83	180-43	-	2889-17
	1184-70	782-99	381-28	1084-27	481-71	381-28	280-85	280-95	-	-	100-00
	5-53	16-28	0-98	23-26	9-30	6-98	4-65	4-65	-	-	100-00
विधायक	-	381-65	-	180-55	1186-04	30816-48	81844-51	1588-24	31817-03	-	1828100-28
कार्यालयी	-	-	481-67	582-08	6882-50	883-33	1987-92	31812-92	157865-42	-	2408100-2
घरेलू	2183-97	1485-99	582-14	180-43	1485-55	90838-46	39816-67	782-99	2188-97	-	2348100-2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार "लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु" का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.1 में पूर्ण परिवार की महिलाओं के अनुसार लड़कों के लिए आदर्श विवाह आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक 45% शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष, 65% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष एवं 38% घरेलू महिलाओं ने 25 वर्ष लड़कों के आदर्श विवाह आयु हेतु व्यक्त किया है।

शिक्षक महिलाओं में 21-29 वर्ष आदर्श व्यक्त किया गया है जिसमें सर्वाधिक 26 वर्ष के साथ - साथ 17% ने 28 वर्ष, 16% ने 25 वर्ष, 6% ने 24 वर्ष, 5% ने 29 वर्ष आदर्श व्यक्त किया है। वस्तुतः 24 वर्ष से कम आयु को विवाह हेतु कम आदर्श माना गया है। कार्यालयी महिलाओं में 22-29 वर्ष आदर्श आयु विवाह हेतु व्यक्त किया गया। जिसमें अधिकतर महिलाओं ने 25 वर्षों परान्त आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है। घरेलू महिलाओं में 21 वर्ष से कम आयु को लगभग 9% ने आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। लगभग 61% ने 21-25 वर्ष को उचित एवं आदर्श बताया इस प्रकार मात्र 31% ने 25 से अधिक आयु को आदर्श विवाह आयु बताया।

लड़कों हेतु विवाह आयु को आयु वर्गानुसार देखने पर यह पाया गया कि मात्र 50-60 को छोड़कर शेष अन्य आयु वर्ग की महिलाओं ने अधिक आयु को विवाह हेतु आदर्श कहा। प्रत्येक वर्ग की कार्यालयी महिलाओं ने अधिक & अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं से भी अधिक & आयु वर्ग को आदर्श व्यक्त किया। घरेलू महिलाओं में यह स्थिति नहीं देखी गई। अधिक आयु की महिलाओं के शीघ्र विवाह को आदर्श कहा जो महत्वपूर्ण प्रसुक्ति है। 20-30, 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं ने अपेक्षाकृत अधिक आयु को आदर्श कहा है।

मालिका-सूची-18.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यरत एवं घरेलू शिक्षकों की शिक्षा के अनुपात तथ्यों के विवेक शिक्षा की अवधि वसु का विवरण 1980

शिक्षण मापनाम	21 वर्ष से नीचे	21 वर्ष	22 वर्ष	23 वर्ष	24 वर्ष	25 वर्ष	26 वर्ष	27 वर्ष	28 वर्ष	29 वर्ष	30 वर्ष	योग
अभिज्ञान शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यरत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	62.55 35.29	-	-	-	31.29 17.65	21.35 11.76	52.14 29.41	11.43 5.85	-	-	-	177.96 100.00
प्रारम्भिक शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
कार्यरत	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	52.14 27.78	-	-	-	-	41.71 22.22	41.71 22.22	31.29 16.67	21.35 11.11	-	-	117.96 100.00
नृसिंह शिक्षक	-	21.09 66.67	-	11.55 33.33	-	-	-	-	-	-	-	31.66 100.00
कार्यरत	-	-	2.83 25.00	2.83 25.00	31.25 37.50	11.42 12.50	-	-	-	-	-	43.33 100.00
घरेलू	11.43 4.76	11.43 4.76	11.43 4.76	-	11.43 4.76	11.43 4.76	11.43 4.76	-	11.43 4.76	-	-	51.97 100.00
कार्यरत	-	11.55 5.26	-	-	11.55 5.26	52.75 26.32	52.75 26.32	31.65 15.29	42.19 21.05	-	-	191.04 100.00
घरेलू	-	-	-	4.17	31.25 12.50	31.25 12.50	71.90 35.17	52.05 20.83	52.05 20.83	-	-	241.00 100.00
कार्यरत	-	83.42 21.62	21.85 5.41	-	41.71 10.31	83.42 21.62	97.85 24.32	-	41.71 10.31	21.35 5.41	-	371.31 100.00
नृसिंह शिक्षक	-	-	-	-	31.25 10.31	52.75 17.42	11.55 4.17	11.09 4.39	11.09 4.39	11.09 4.39	52.75 17.42	79.15 100.00
कार्यरत	-	-	-	-	-	11.42 4.76	31.25 12.50	19.17 7.50	17.08 4.50	-	-	40.16 100.00
घरेलू	41.71 13.33	52.14 10.17	-	-	62.56 20.00	31.25 12.50	11.43 4.76	-	62.56 20.00	-	-	301.19 100.00
स्नातक शिक्षक	-	-	-	-	42.19 7.69	47.69 24.92	20.99 38.46	42.19 7.69	94.95 17.31	11.55 1.92	-	51.97 100.00
कार्यरत	-	-	21.85 3.13	11.42 1.56	-	21.85 3.13	52.08 7.81	31.25 4.60	47.69 7.69	41.67 1.25	-	64.06 100.00
घरेलू	52.14 9.80	-	21.85 3.92	-	13.56 25.49	17.42 33.33	10.31 19.61	21.35 3.92	21.35 3.92	-	-	51.21 100.00
स्नातक शिक्षक	-	-	-	-	31.65 4.00	63.29 8.00	41.22 54.67	52.75 6.67	11.55 1.53	42.19 5.33	-	73.41 100.00
कार्यरत	-	-	-	11.42 0.90	-	11.42 0.90	41.67 3.92	41.67 3.92	83.36 8.52	52.08 4.90	-	102.42 100.00
घरेलू	-	-	-	11.42 1.72	72.99 12.07	39.16 67.24	52.14 8.62	11.43 1.72	52.14 8.62	-	-	58.24 100.00
डी.एन. शिक्षक	-	-	-	-	-	-	31.65 75.00	11.55 25.00	-	-	-	43.19 100.00
कार्यरत	-	-	-	-	-	-	-	-	11.42 50.00	11.42 50.00	-	21.85 100.00
घरेलू	-	-	-	-	-	11.43 50.00	11.43 50.00	-	-	-	-	21.85 100.00
योग	-	31.65	-	11.55	11.42	30.16	81.44	15.13	31.67	10.54	-	187.10
कार्यरत	-	-	41.71	51.09	62.56	83.33	197.92	31.17	157.65	42.19	-	240.10
घरेलू	21.85	14.29	52.14	11.42	34.14	90.39	116.67	72.99	21.85	21.35	-	234.10

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.2 में पूर्ण परिवार वाली महिलाओं की शिक्षा के अनुसार लड़कों के लिए आदर्श विवाह आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक लगभग 45% शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष को, 65% कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष को एवं 38% घरेलू महिलाओं ने 25 वर्षायु में विवाह आदर्श माना है।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 45% ने 26 वर्ष, 8% ने 27 वर्ष, 17% ने 28 वर्ष एवं 5% ने 29 वर्ष में विवाह आदर्श व्यक्त किया। 16% ने 25 वर्ष को एवं लगभग 8% ने 25-24 वर्ष में विवाह आदर्श माना। कार्यालयी महिलाओं में लगभग 65% 28 वर्ष को एवं 4% ने 29 वर्ष को महत्व दिया है। 8% कार्यालयी महिलाओं ने 26 वर्ष एवं 13% ने 27 वर्ष को लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। लगभग 10% कार्यालयी महिलाओं ने 21-25 आयु में विवाह आदर्श माना। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 38% ने 25 वर्ष को आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया। 25-29 आयु में विवाह 29% ने आदर्श माना। 24 वर्ष में विवाह को 15% ने एवं 21-23 वर्ष के विवाह को 9% ने तथा 21 से कम आयु में 9% ने आदर्श विवाह आयु किया।

शिक्षा के अनुसार लड़कों हेतु आदर्श विवाह आयु देखने पर यह पाया गया कि कम शिक्षित महिलाओं ने अपेक्षाकृत कम आयु में विवाह एवं अन्य शिक्षितों ने अधिक आयु में विवाह को आदर्श व्यक्त किया है। शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं में जहाँ अधिकतर लोगों ने 26 वर्ष के बाद विवाह को आदर्श कहा वहीं घरेलू महिलाओं ने 24 वर्ष के बाद विवाह को उचित एवं आदर्श कहा।

-सांख्यिकी-संख्या-133

पूर्ण परिवार वाली शिशु, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु, कर्म अन्तर्गत के अनुसार लक्ष्यों के लिये विवाह की वार्षिक आयु का विन्दुत्व अध्ययन

विवाह की आयु	18वर्ष से नीचे	19वर्ष	20वर्ष	21वर्ष	22वर्ष	23वर्ष	24वर्ष	25वर्ष	25वर्ष से ऊपर	योग
20-30										
शिशु	-	-	-	-	-	281.098	281.098	-	-	482.198
कार्यालयी	-	-	-	280.838	1084.278	481.718	-	-	-	100.00
घरेलू	-	-	381.288	381.288	381.288	25.00	-	-	-	168.338
योग	-	-	381.288	381.288	381.288	25.00	-	-	-	100.00
30-40										
शिशु	-	-	2181.548	482.198	23812.648	482.198	984.958	-	-	61883.528
कार्यालयी	-	-	34.43	6.56	57.70	6.56	14.75	-	-	100.00
घरेलू	-	381.288	782.998	883.428	883.428	24810.268	96841.638	481.718	-	150884.168
योग	180.438	1285.138	682.568	29812.398	1987.698	16.00	64.00	2.67	-	100.00
	1.39	16.67	8.33	40.28	25.00	-	381.288	4.17	-	100.00
40-50										
शिशु	-	683.298	281.098	1683.798	35819.238	29815.938	11.6.048	-	-	107858.798
कार्यालयी	-	5.61	1.87	14.95	32.71	27.10	7.48	-	-	100.00
घरेलू	-	-	-	280.838	582.088	682.568	22889.178	280.838	-	52821.678
योग	682.568	280.838	1.87	383.85	12851.38	1987.698	42.51	3.85	-	100.00
	5.45	1.82	49.09	10.91	16.36	2.73	8.18	5.45	-	100.00
50-60										
शिशु	-	482.198	180.258	-	281.098	-	381.658	-	-	1085.498
कार्यालयी	-	40.00	10.00	20.00	20.00	30.00	-	-	-	100.00
घरेलू	-	481.678	381.288	582.088	381.288	280.838	280.838	180.428	-	2288.171
योग	482.198	180.258	13.64	13.64	9.09	2.09	9.09	4.55	-	100.00
	682.568	582.148	19.88	44.19	481.718	381.288	682.568	-	-	43818.388
	13.95	11.63	-	-	9.30	6.98	13.95	-	-	100.00
60-70										
शिशु	-	1085.498	381.658	381.288	481.288	5828.598	20810.998	-	-	1828100.288
कार्यालयी	-	481.678	682.568	1485.838	1987.508	26810.838	4818.788	20810.998	-	2808100.288
घरेलू	1385.568	1988.128	682.568	1084.878	33814.108	25810.688	682.568	1887.698	-	2348100.288

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार लड़कियों के विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.3 में विभिन्न पूर्ण परिवार की महिलाओं के आयु-वर्गानुसार लड़कियों के विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक महिलाओं ने 20-24 आयु वर्ग को लड़कियों हेतु आदर्श व्यक्त किया गया है।

सर्वाधिक लगभग 29% शिक्षक महिलाओं ने लड़कियों हेतु विवाह की आदर्श आयु 22 वर्ष व्यक्त किया है। 22 से अधिक 23 एवं 24 आयु को समान महत्त्व देकर लगभग 21% ने आदर्श व्यक्त किया है। 24 से अधिक आयु किसी ने भी आदर्श व्यक्त नहीं किया है। यदि 20-22 आयु वर्ग को देखे तो स्पष्ट होता है कि लगभग 71% ने मात्र इन्हीं तीन आयु को आदर्श माना है। 20 से कम मात्र 7% ने ही आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने आदर्श विवाह हेतु कुछ अधिक ही आयु - वर्गों को आदर्श माना है। 50% महिलाओं ने 24 वर्ष को, 19% ने 23 वर्ष को, 11% ने 22 वर्ष को 8% ने 21 आयु को उचित माना है। 24 से अधिक मात्र 25 आयु को लगभग 3% ने ही उचित बताया है। 21 से कम आयु को लगभग 10% आदर्श माना है। घरेलू महिलाओं में यह आदर्श अपेक्षाकृत निम्न आयु को महत्त्व देकर व्यक्त किया गया है। लगभग 45% ने 20 वर्ष को, 14% ने 21 वर्ष को एवं 11% ने 22 वर्ष को उचित आदर्श व्यक्त किया है। 20 से कम आयु को 16% ने एवं 22 से अधिक आयु को लगभग 14% ने आदर्श माना। मात्र घरेलू महिलाओं ने ही 18 से कम आयु को भी 5.56% ने आदर्श माना है।

पूर्ण परिवार की महिलाओं को उनके आयु वर्गानुसार लड़कियों के आदर्श आयु के विचारों को देखने पर स्पष्ट होता है कि मात्र 20-30 आयु वर्ग ने 20 से कम आयु को आदर्श नहीं माना है इसमें भी शिक्षक महिलायें 22 से अधिक, कार्यालयी 20 से अधिक एवं घरेलू 19 से अधिक आयु को उचित मानती हैं। अधिक आयु को आदर्श व्यक्त करने में 30-40 एवं 40-50 आयु वर्ग की महिलायें अधिक पायी गई हैं। शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने तो 18 से कम आयु में विवाह को पूर्णतः वर्जित किया है। मात्र घरेलू नहीं ठीक माना है।

भाषिणी-क्रमांक-134

पूर्व पाश्चर धानी विभाजक, कार्यलयी एवं घोषु मोसनाको की विभाजक, गुणक लक्ष्मी के लने विभाजक की कार्यलयी एवं का विभाजक एवं अल्पक

विभाजक की कार्यलयी	1800	1900	1900	2000	2100	2200	2300	2400	2500	योग
विभाजक										
अभिहित										
कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	863 4 4 47.06	923.851 22.94	-	-	-	-	-	-	-	1777.261 100.00
प्रधानी										
कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	512.141 27.78	411 711 22.22	-	512.141 27 78	411 711 22.22	-	-	-	-	1877.601 100.00
जुआर-										
विभाजक	130.591 33 33	211 091 66 67	-	-	-	-	-	-	-	361.775 100.00
कार्यलयी	-	210.931 66.00	110.401 12.50	210.931 25.00	110.421 12.50	110.421 12.50	-	110.421 12.50	-	863.331 100.00
घरेलू	-	311 281 14 29	311 281 14.29	1215.131 57.14	311 281 14.29	-	-	-	-	2111.971 100.00
कार्यलयी										
विभाजक	311 051 15 78	-	211 091 10 53	713 951 31.94	211 091 10 53	713 951 31.94	311 051 15 78	-	-	19110.441 100.00
कार्यलयी	-	110 931 9.33	512.081 20.93	1024.171 41.67	512.081 20 33	110.931 9 33	-	-	-	24110.001 100.00
घरेलू	-	210 951 5.41	-	2511.131 7.57	210.951 5.41	210.951 5.41	-	512.141 13.51	110 431 2.70	37115.911 100.00
कार्यलयी										
विभाजक	-	110 591 3 45	-	914.951 31.05	914 301 27.59	914.951 31.03	110 091 11.09	-	-	29115.931 100.00
कार्यलयी	-	-	-	210.031 5.00	612.501 15.00	913.751 27.50	1114.581 27.50	121 5.001 30.00	-	40116.671 100.00
घरेलू	-	-	210.851 6.67	1215.131 40.00	913.851 30.00	1110.431 3.33	-	411.711 13.33	210.851 6.67	30117.021 100.00
कार्यलयी										
विभाजक	-	110 591 1.92	110.591 1.92	1518.241 28.85	1116.041 21.15	1317.141 25.00	613.291 11.54	512.751 9.62	-	52128.571 100.00
कार्यलयी	-	-	-	612.501 9.38	411.671 6.25	1317.501 28 13	34114.171 53.13	210.831 3 13	-	64126.671 100.00
घरेलू	-	-	110 431 1.96	35115.381 70.59	813.421 15.69	411.711 7.84	210.951 3.92	-	-	51121.791 100.00
कार्यलयी										
विभाजक	-	412.191 5.33	-	1116.041 14.67	1518.241 20.00	28.13.391 37 33	713 851 9.33	1015.491 13.33	-	75141.211 100.00
कार्यलयी	-	-	-	-	-	1014.171 9 80	16.6.671 15.69	73130.421 71.57	311.751 2.94	102142.501 100.00
घरेलू	-	-	-	1516.411 25.86	712.991 12 07	11.7 211 29 31	4.1 711 6 99	913 951 13.52	210 511 13 34	59124.791 100.00
कार्यलयी										
विभाजक	-	-	-	-	-	-	311.651 75.00	110 551 25 00	-	412 191 100.00
कार्यलयी	-	-	-	-	-	-	-	-	210 33 100.00	210 33 100.00
घरेलू	-	110.431 50.00	-	-	-	110.431 50.00	-	-	-	210.431 100.00
कार्यलयी										
विभाजक	-	1015 491	511 651	37120 331	41122.531	51.29 571	20 10.991	19.16 441	-	18211001
कार्यलयी	-	4.1 671	612.501	14.65 831	19.27.501	20.10 831	45 19 751	120150.001	7.2 921	240 1001
घरेलू	1315 561	19.13 121	612.561	105144 971	33.14.101	25.10.691	6.12.541	19.7.691	9.3.951	23411001

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.4 में शिक्षा के अनुसार लड़कियों के लिये विवाह की आदर्श आयु का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि आदर्श आयु व्यवहृत करने वाली पूर्ण परिवार की समस्त महिलाओं में मात्र घरेलू महिलाओं ने 18 वर्ष से कम आयु में आदर्श विवाह आयु व्यवहृत किया है। पूर्ण परिवार की महिलाओं ने अधिकतम विवाह की आदर्श आयु 25 वर्ष व्यवहृत किया है लेकिन इसमें शिक्षक महिलायें नहीं हैं।

सर्वाधिक लगभग 29% शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्षायु में विवाह आदर्श बताया है। लगभग 23% ने 21 वर्षायु, 20% ने 20 वर्षायु, 11% ने 23 वर्षायु, 10% ने 24 वर्षायु तथा मात्र 7% शिक्षक महिलाओं ने 18 एवं 19 वर्षायु में विवाह आदर्श बताया है। कार्यालयी महिलाओं ने 18-25 आयु में विवाह आदर्श बताया। इसमें सर्वाधिक 50% महिलाओं ने 24 वर्ष में विवाह आदर्श व्यवहृत किया है। लगभग 19% ने 23 वर्ष, 11% ने 22 वर्ष, 8% ने 21 वर्ष, 6% ने 20 वर्ष, एवं मात्र लगभग 4% ने 18 एवं 19 वर्षायु में विवाह आदर्श बताया। लगभग 60% घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक महत्त्व 20-22 वर्ष को दिया है। 20 से कम आयु को 16% एवं 22 से अधिक आयु को लगभग 14% ने आदर्श विवाह आयु व्यवहृत किया। इस प्रकार सर्वाधिक 29% शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्ष को, 50% कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष को एवं 45% शिक्षक महिलाओं ने 20 वर्षायु को आदर्श विवाह आयु व्यवहृत किया है।

शिक्षा के अनुसार आदर्श विवाह आयु के विचारों को देखने पर शिक्षक महिलाओं में यह प्रवृत्ति देखी गई कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि विवाह की आदर्श आयु में परिवर्तन की स्पष्ट करती है। अधिकांशतः उच्च शिक्षित शिक्षक महिलायें 20-25 आयु को सर्वाधिक 29% ने 22 वर्षायु को महत्त्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं ने 22-25 आयु वर्ग को सर्वाधिक 50% ने 24 वर्षायु को सर्वाधिक महत्त्व दिया है। उच्च शिक्षा ने अधिक आयु में विवाह को प्रेरित किया है।

घरेलू महिलाओं में लगभग 17% ने कम आयु में विवाह को आदर्श व्यक्त किया है। इसमें सर्वाधिक लोग कम शिक्षित पाये गये। यद्यपि घरेलू महिलाओं ने अधिक आयु में भी विवाह आदर्श व्यक्त किया लेकिन इसमें उनकी संख्या अपेक्षाकृत कम पायी गई।

-सि.ए.पी.-संख्या-135

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अन्तर्गत से अनुसार उनके परिवार के प्रकार का

विवेकात्मक नदयन

परिवार का प्रकार	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	पाच बच्चे से अधिक	योग
20-30							
शिक्षाक	-	180-55	311-65	-	-	-	482-19
कार्यालयी	-	25-00	75-00	-	-	-	100-00
घरेलू	311-28	913-75	712-92	-	-	-	1686-57
	33-33	56-25	43-75	-	-	-	100-00
		612-56	-	-	-	-	913-95
		66-67	-	-	-	-	100-00
30-40							
शिक्षाक	683-29	2513-74	1719-34	713-85	512-75	110-55	61833-57
कार्यालयी	9-84	40-99	27-87	11-48	9-19	1-64	100-00
घरेलू	813-33	78132-50	3911-25	2018-33	512-08	-	150862-50
	5-33	52-00	26-00	13-33	3-33	-	100-00
	1113-42	1913-12	2711-54	913-95	612-56	-	72830-77
	15-28	26-37	37-50	12-50	9-33	-	100-00
40-50							
शिक्षाक	1186-04	34118-68	30119-78	1417-69	683-29	683-29	107859-79
कार्यालयी	10-28	31-78	33-64	13-08	5-61	5-61	100-00
घरेलू	-	32113-33	1787-08	381-25	-	-	52621-67
	-	61-54	32-09	5-77	-	-	100-00
	-	2311-97	59125-21	2113-97	280-85	-	11087-01
	-	25-45	53-64	19-09	1-82	-	100-00
50-60							
शिक्षाक	-	412-19	-	683-29	-	-	1085-49
कार्यालयी	-	40-00	-	60-00	-	-	100-00
घरेलू	-	983-75	682-50	582-03	280-83	-	2289-17
	-	40-90	27-27	2-75	9-09	-	100-00
	-	1988-12	1385-56	481-71	782-99	-	431-33
	-	44-19	30-23	9-30	16-28	-	100-00
योग							
शिक्षाक	1719-54	64135-16	56130-77	27134-84	1116-04	713-95	182810026
कार्यालयी	813-33	128153-33	69123-75	2881-67	782-92	-	240810026
घरेलू	14185-99	72120-71	97147-31	3418-25	151-41	-	2347-234

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को आयु के अनुसार

उनके परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या -13.5- में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग के अनुसार उनके परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीनों वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक कार्यालयी 240 तथा घरेलू 234 एवं उसके अनन्तर शिक्षक महिलायें हैं। इन सभी के परिवार पूर्ण हो चुके हैं। भविष्य में इनकी प्रजननता पर प्रतिबन्ध लग गया है।

20-30 आयु वर्ग में शिक्षक महिलाओं एवं कार्यालयी महिलाओं के परिवार का आकार दो एवं तीन बच्चे पाये गए पाया गया, जबकि घरेलू महिलाओं में परिवार का आकार अधिकतम दो पाया गया।

30-40 आयु वर्ग में परिवार का आकार घरेलू एवं कार्यालयी महिलाओं में पाँच जबकि शिक्षक महिलाओं में पाँच से अधिक भी पाया गया। शिक्षक महिलाओं में भी पाँच से भी अधिक आकार पाया गया लेकिन इनकी संख्या मात्र एक महिला होने के कारण महत्वहीन है। इस आयु - वर्ग में सर्वाधिक महिलाओं का परिवार का आकार मात्र दो - तीन शिशु रहा। समस्त शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 41% एवं समस्त कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 52% के परिवार का आकार अधिकतम दो शिशु इच्छित किया, जबकि घरेलू महिलाओं में दो से अधिक शिशु इच्छा की प्रवृत्ति देखी गयी।

40-50 आयु - वर्ग की महिलाओं में मात्र कार्यालयी, महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं के परिवार का आकार पाँच बच्चों से अधिक ही पाया गया। इस आयु की कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं के परिवार का आकार मात्र दो सन्तान है, जबकि शिक्षक महिलाओं में दो एवं तीन सन्तान दोनों महत्वपूर्ण है।

सर्वेक्षण में 50-60 आयु वर्ग की अपेक्षाकृत कम महिलाएँ हैं, फिर भी 20-30 आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार दो से चार सन्तान तक जबकि अन्य महिलाओं ने पाँच रखा। एक शिक्षक के विचार को 40-50 एवं 50-60 आयु वर्ग में मान शिक्षक महिलाओं को छोड़कर 40-50 आयु की किलों ने भी स्वीकार नहीं किया।

अध्ययन में देखा गया कि एक सन्तान या पाँच से अधिक सन्तान के विचार को कम महिलाओं ने स्वीकार किया लेकिन अधिकतर महिलाओं ने दो से चार सन्तान को परिवार आकार को गड़त्ता दी है। इन सभी में दो, तीन परिवार आकार को शिक्षक महिलाओं एवं कार्यरत महिलाओं ने गड़त्ता दिया। धरतू महिलाओं ने दो चार के परिवार के आकार को गड़त्ता दिया है।

सुरिणी-संख्या= 136

पूर्व परिवार वाली शिक्षक, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार " एक वार्षिक परिवार के आकार " का विधेयात्मक अध्ययन

वर्ग-श्रेणी- आयु	शिक्षक	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	योग
20-30	शिक्षक	10.55	10.55	28.09	-	-	48.19
	कार्यलयी	25.00	25.00	50.00	-	-	100.00
	घरेलू	20.93	9.75	52.03	-	-	166.67
योग	12.50	56.25	31.25	-	-	100.00	100.00
30-40	शिक्षक	11.06	39.42	14.43	9.94	28.09	61.33
	कार्यलयी	18.03	63.93	14.75	5.28	-	100.00
	घरेलू	8.67	11.49	26.10	21.67	-	150.62
योग	15.16	42.81	15.86	20.83	-	100.00	100.00
40-50	शिक्षक	10.15	92.45	15.83	14.02	-	107.59
	कार्यलयी	9.35	76.64	11.84	5.77	-	100.00
	घरेलू	12.15	29.12	13.41	3.61	2.73	52.81
योग	16.67	5.77	13.41	11.84	2.73	100.00	100.00
50-60	शिक्षक	10.14	94.35	13.85	11.82	-	110.87
	कार्यलयी	9.09	76.36	11.82	2.73	-	100.00
	घरेलू	4.65	34.88	60.47	-	-	100.00
योग	23.12	125.88	32.17	28.10	-	182.10	182.10
योग	शिक्षक	23.12	125.88	32.17	28.10	-	182.10
	कार्यलयी	23.12	125.88	32.17	28.10	-	182.10
	घरेलू	33.14	144.61	54.23	3.12	2.73	234.81

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार एक आदर्श परिवार आकार का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 13.6 में एक आदर्श परिवार आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने उसके बाद शिक्षक तथा घरेलू महिलाओं ने आदर्श परिवार आकार में दो बच्चों को आदर्श व्यक्त किया है।

समस्त शिक्षक महिलाओं ने 1-4 बच्चों को सर्व आदर्श परिवार आकार में सम्मिलित किया है जिसमें लगभग 13% शिक्षक महिलाओं ने एक बच्चा, 69% ने दो बच्चे, 18% ने तीन बच्चे एवं मात्र 1% ने चार बच्चा आदर्श व्यक्त किया है कार्यालयी महिलाओं में लगभग 10% ने एक बच्चा, 72% ने दो बच्चा, 18% ने तीन बच्चा आदर्श व्यक्त किया है। तीन से अधिक एक भी आदर्श नहीं माना है। घरेलू महिलाओं में लगभग 14% ने एक बच्चा, 62% ने दो बच्चा, 23% ने तीन बच्चा एवं मात्र 1% ने चार बच्चा आदर्श बताया है। इस प्रकार दो बच्चे को सर्वाधिक फिर तीन एवं दो को आदर्श कहा। अन्य को बिल्कुल महत्त्व नहीं दिया है।

आयु के अनुसार आदर्श परिवार आकार देखने पर यह पाया गया कि विभिन्न आयु के सर्वाधिक लोगो ने दो बच्चों को आदर्श व्यक्त किया लेकिन आयु के वृद्धि के साथ दो बच्चे के विचार के प्रति अधिक महत्ता एवं सुदृढ़ स्थिरता देखी गयी। यह बात शिक्षकों, कार्यालयी एवं घरेलू तीनों प्रकार की महिलाओं के साथ देखा गया।

सांख्यिकी-सूची- 13.7

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयीय घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार परिवार के स्तर का विवेक। - ६४ न

परिवार का प्रकार	शिक्षक	कार्यालयीय	घरेलू	एक बच्चे	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पांच बच्चे	पांच बच्चे से योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयीय	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	100.43	100.43	883.42	381.28	411.71	-	-	1767.90
		5.89	5.83	47.06	17.65	23.53	-	-	100.00
प्राथमिकी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयीय	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	200.85	381.28	782.99	381.28	381.28	-	-	1867.69
		11.11	16.67	39.89	16.67	16.67	-	-	100.00
द्वितीय	शिक्षक	-	-	381.65	-	-	-	-	381.65
	कार्यालयीय	-	381.25	381.25	-	-	-	-	100.00
	घरेलू	-	37.50	37.50	-	-	-	-	100.00
हाई स्कूल	शिक्षक	-	100.43	1285.13	381.28	582.14	-	-	2169.97
	कार्यालयीय	-	4.76	57.14	14.28	23.81	-	-	100.00
बैक स्कूल	शिक्षक	100.55	683.30	783.95	281.09	381.65	-	-	1960.44
	कार्यालयीय	5.26	31.58	36.84	10.53	15.78	-	-	100.00
	घरेलू	-	983.75	1084.17	381.25	280.83	-	-	2460.00
		2.70	37.50	41.67	12.50	8.33	-	-	100.00
उप-द	शिक्षक	381.65	884.39	984.95	482.19	281.09	381.65	-	2960.93
	कार्यालयीय	10.34	27.59	31.03	13.79	6.89	10.34	-	100.00
	घरेलू	280.83	1285.00	2289.17	100.42	381.25	-	-	4060.67
		5.00	30.00	55.00	2.50	7.5	-	-	100.00
स्नातक	शिक्षक	100.09	1586.41	983.42	381.28	280.95	-	-	3060.97
	कार्यालयीय	6.67	50.00	26.67	10.00	6.67	-	-	100.00
स्नातक	शिक्षक	582.75	1583.24	1789.34	1186.04	281.09	281.09	-	5229.57
	कार्यालयीय	9.62	28.85	32.69	21.15	3.85	3.85	-	100.00
	घरेलू	481.67	3081.25	2188.75	983.75	-	-	-	6462.67
		6.25	46.89	32.81	14.06	-	-	-	100.00
स्नातक	शिक्षक	381.28	582.14	37815.81	682.56	-	-	-	5121.79
	कार्यालयीय	5.89	9.80	72.55	11.76	-	-	-	100.00
स्नातक	शिक्षक	884.40	31817.03	20810.99	1085.49	482.19	281.09	-	75641.21
	कार्यालयीय	10.67	41.33	26.67	13.33	5.33	2.67	-	100.00
बोत्तर	शिक्षक	280.83	72830.00	1385.42	1586.25	-	-	-	102642.50
	कार्यालयीय	1.96	70.59	12.75	14.71	-	-	-	100.00
	घरेलू	582.14	41817.52	983.85	381.28	-	-	-	5924.79
		8.62	70.69	15.52	5.17	-	-	-	100.00
जी.फिल.	शिक्षक	-	482.19	-	-	-	-	-	482.19
	कार्यालयीय	-	100.00	-	-	-	-	-	100.00
	घरेलू	-	280.83	-	-	-	-	-	280.83
		--	100.00	-	-	-	-	-	100.00
योग	शिक्षक	1789.35	64835.16	56830.77	27814.94	1186.04	783.95	-	1828100.88
	कार्यालयीय	883.33	128853.33	69829.75	28811.67	782.92	-	-	2408100.88
	घरेलू	1485.98	72830.77	98842.31	34814.53	1586.41	-	-	2348100.88

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को शिक्षा के अनुसार उनके परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 137 में पूर्ण परिवार वाली विभिन्न महिलाओं का उनके "परिवार आकार" का अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में शिक्षक महिलाओं के परिवार का आकार पाँच बच्चों से अधिक भी पाया गया। जबकि कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के अधिकतम पाँच बच्चे देखे गये। शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 36% के परिवार का आकार दो शिशु पाया गया। लगभग 9% के एक शिशु एवं 31% के तीन शिशु पाया गया। कार्यालयी महिलाओं में भी सर्वाधिक 53% का परिवार आकार दो शिशु, 3% के एक शिशु एवं 29% के तीन शिशु परिवार आकार में पाये गये। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लोगों ४ लगभग 42% ४ के परिवार का आकार तीन शिशु पाया गया। लगभग 6% के एक शिशु, एवं 31% के परिवार का आकार दो शिशु पाया गया।

शिक्षा एवं परिवार आकार को साथ - साथ देखने पर स्पष्ट होता है, कि जहाँ इन शिक्षित शिक्षक महिलाओं में दो से अधिक शिशु पाये गये वही अधिक शिक्षित शिक्षक महिलाओं में दो एवं एक शिशु वाले परिवार आकार के प्रति जागरूकता देखी गयी। यद्यपि यह प्रभाव पूर्णतया नहीं स्पष्ट है लेकिन आंशिक रूप से अवश्यमेव दिखायी पड़ती है। कार्यालयी महिलाओं के साथ यह स्पष्ट दिखायी पड़ता है। तीन परिवार आकार से विकृचन की प्रवृत्ति दिखायी पड़ि है। घरेलू महिलाओं में जहाँ स्नातक स्तर तक शिक्षितों में तीन एवं तीन से अधिक शिशु के परिवार आकार अधिक महिलाओं के देखे गये वही स्नातकोत्तर एवं डी० फिल० स्तरीय में दो शिशु वाले परिवार आकार को सर्वाधिक घरेलू महिलाओं में अपनाया है।

सांख्यिकी-सूचकांक-13.8

पूर्वा पारखार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार "एक जार्न परिवार के आकार" का लिंगानुपात

आदर्श जन्म अंतराल	महिलाये	एक बच्चा	दो बच्चे	तीन बच्चे	चार बच्चे	पाच बच्चे	पाच बच्चे से अधिक	योग
शिक्षा								
अज्ञात	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	280.85	1184.70	411.71	-	-	-	1787.26
		11.76	64.71	23.53	-	-	-	100.00
प्राथमिक	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	481.71	1285.13	280.35	-	-	-	1947.19
		22.22	66.67	11.11	-	-	-	100.00
मिडिल-	शिक्षा	-	180.55	211.09	-	-	-	391.64
			33.33	66.67	-	-	-	100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	-	682.58	280.83	-	-	-	963.41
			75.00	25.00	-	-	-	100.00
	घरेलू	280.83	1485.98	582.14	-	-	-	2149.95
		9.52	66.67	23.81	-	-	-	100.00
हाई स्कूल	शिक्षा	-	1387.14	482.17	211.09	-	-	1981.40
			68.42	21.05	11.11	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	2083.33	411.67	-	-	-	2495.00
			83.33	15.67	-	-	-	100.00
	घरेलू	582.14	1988.12	1184.70	280.85	-	-	3745.81
		13.51	51.35	29.73	5.41	-	-	100.00
एडवर्ड	शिक्षा	211.09	1981.40	984.39	-	-	-	2976.88
		6.89	65.52	27.59	-	-	-	100.00
सी. एट	कार्यालयी	381.25	3112.91	682.50	-	-	-	4076.66
		7.50	77.50	15.00	-	-	-	100.00
	घरेलू	481.71	1988.12	682.56	180.43	-	-	3032.82
		13.33	63.33	20.00	3.33	-	-	100.00
स्नातक	शिक्षा	482.19	37820.33	1186.04	-	-	-	5088.56
		7.69	71.15	2.15	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	983.75	40810.67	1586.25	-	-	-	6480.67
		14.06	62.50	23.44	-	-	-	100.00
	घरेलू	52.14	35814.98	1184.70	-	-	-	5182.62
		9.80	68.63	21.57	-	-	-	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षा	1789.34	51828.02	783.95	-	-	-	7581.31
		22.67	68.00	9.33	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	1184.58	74830.83	1787.08	-	-	-	10812.49
		10.78	72.55	16.67	-	-	-	100.00
	घरेलू	1184.70	32813.63	1386.41	-	-	-	58824.79
		18.97	55.17	25.86	-	-	-	100.00
डी. फिल	शिक्षा	-	482.19	-	-	-	-	482.19
			100.00	-	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	280.83	-	-	-	-	280.83
			100.00	-	-	-	-	100.00
	घरेलू	-	280.35	-	-	-	-	280.35
			100.00	-	-	-	-	100.00
योग	शिक्षा	23812.64	125868.68	32817.58	281.09	-	-	132810.99
						-	-	
	कार्यालयी	2389.58	173872.08	44818.33	-	-	-	240810.99
						-	-	
	घरेलू	33814.10	144861.54	54823.08	381.28	-	-	234810.99
						-	-	

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार एक आदर्श परिवार के आकार का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 13.8 में एक आदर्श परिवार आकार का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में देखा गया कि सर्वाधिक महिलाओं ने अपने परिवार में दो बच्चों के परिवार आकार को आदर्श व्यक्त किया है। दो शिक्षा के आदर्श परिवार हेतु 69% शिक्षक महिलाओं ने, 72% कार्यालयी महिलाओं ने, एवं 62% घरेलू महिलाओं ने विचार व्यक्त किये हैं। लगभग 13% शिक्षक, 10% कार्यालयी एवं 14% घरेलू महिलाओं ने एक आदर्श परिवार में एक बच्चे को आदर्श बताया है। तीन बच्चों को आदर्श बताने में लगभग 18% शिक्षक, 18% कार्यालयी एवं 23% घरेलू महिलायें हैं। चार बच्चों के आदर्श परिवार आकार हेतु मात्र शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने विचार व्यक्त किये हैं। कार्यालयी महिलायें चार शिक्षा के आदर्श परिवार के सम्बन्ध में मौन रहीं।

शिक्षा के साथ आदर्श परिवार आकार की संकल्पना को देखने पर सर्वेक्षण में यह पाया गया कि अत्यधिक शिक्षित महिलाओं ने एक एवं दो शिक्षा को अधिक आदर्श बताया। दो से अधिक बच्चों के लिए कम शिक्षितों में आदर्श अपेक्षाकृत अधिक पाया गया।

सामाजिक-संख्या-139

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं के आयु-वर्ग अंतराल के अनुसार विवाह तथा परिवार संबंध

के मध्य जन्म - अंतराल का विस्तृत अध्ययन

जन्म अंतराल आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30	शिक्षा	281.09	-	281.09	-	-	-	482.19
	कार्यालयी	50.00	210.83	582.08	-	-	-	100.00
	घरेलू	983.75	12.50	31.25	-	-	-	1686.67
30-40	शिक्षा	56.25	381.28	682.56	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	-	33.33	66.67	-	-	-	100.00
	घरेलू	2583.74	29815.93	482.19	281.09	180.55	-	61833.52
40-50	शिक्षा	40.98	47.50	6.56	3.78	1.64	-	100.00
	कार्यालयी	32813.33	86835.83	24810.00	883.33	-	-	150862.5
	घरेलू	21.33	57.33	16.00	5.33	-	-	100.00
50-60	शिक्षा	27811.54	1988.12	682.56	682.56	582.14	983.85	72830.77
	कार्यालयी	37.50	26.39	8.33	8.33	6.97	12.50	100.00
	घरेलू	48826.37	37820.33	1487.69	683.29	281.09	-	107859.79
योग	शिक्षा	44.86	34.58	13.08	5.40	1.87	-	100.00
	कार्यालयी	1285.00	2088.33	1787.08	381.25	-	-	52821.67
	घरेलू	23.08	38.46	32.69	5.77	-	-	100.00
योग	शिक्षा	34814.53	34814.53	24810.26	883.42	381.28	782.97	110847.01
	कार्यालयी	30.91	30.91	21.82	7.27	2.73	6.36	100.00
	घरेलू	180.55	884.39	180.55	-	-	-	1085.49
योग	शिक्षा	10.00	80.00	10.00	-	-	-	100.00
	कार्यालयी	481.67	883.33	782.92	381.25	-	-	2289.17
	घरेलू	18.18	36.36	31.82	13.64	-	-	100.00
योग	शिक्षा	280.85	27811.54	883.42	280.95	180.43	381.28	43813.38
	कार्यालयी	4.65	62.79	18.60	4.65	2.33	6.98	100.00
	घरेलू	76841.76	74840.66	21811.54	884.39	381.65	-	1828100.28
योग	शिक्षा	57823.75	116843.33	53822.08	1485.83	-	-	240,100.28
	कार्यालयी	63826.92	83835.47	44819.80	1686.84	983.85	1988.12	234,100.28
	घरेलू							

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के

अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक

अध्ययन: -

सारिणी संख्या 189 में विभिन्न आयु को भी पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में पाया गया है कि पूर्ण परिवार की 182 शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल एक वर्ष $\{ 41.76\%$ या दो वर्ष $\{ 40.66\%$ ने रखा है। पाँच वर्ष से अधिक अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा है। पूर्ण परिवार की 240 कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष $\{ 48.33\%$ का जन्म - अन्तराल रखा। पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष $\{ 35.47\%$ एवं एक वर्ष $\{ 26.92\%$ का अन्तराल विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य रखा।

20-30 आयु वर्ग में अधिकांश महिलाओं ने तीन वर्ष का अन्तराल रखा। इनकी संख्या ही अत्यधिक कम है, फलतः महत्वपूर्ण निष्कर्ष नहीं निकल सकते। 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने एक एवं दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को बराबर महत्व दिया, कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने एक वर्ष के जन्म - अन्तराल को सर्वाधिक महत्व दिया। मात्र घरेलू महिलाओं ने अधिक वर्ष के जन्म - अन्तराल को इच्छित किया। 40-50 आयु वर्ग की विभिन्न महिलाओं में मात्र शिक्षक महिलाओं को छोड़कर शेष कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लोगो ने दो वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्व दिया। इस वर्ग की सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष को महत्व दिया।

50-60 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षित महिलायें एवं कार्यालयी महिलाओं ने विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य दो वर्ष का एवं घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष की सर्वाधिक महत्व दिया। इस आयु वर्ग में अधिकतम महिलायें अधिक वर्ष का जन्म - अन्तराल नहीं रखना चाहती है, यह सारिणी से स्पष्ट है।

इस प्रकार सारिणी से स्पष्ट है कि विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल सर्वाधिक शिक्षित महिलाओं ने एक दो वर्ष, एवं कार्यालयी तथा घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल रखा है।

कार्यालयी-संख्या-140

पूर्व परिवार वाली शिशुओं, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अंतराल के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म अंतराल के मध्य आदर्श जन्म अंतराल का विश्लेषण

आदर्श जन्म अंतराल आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाँच वर्ष	पाँच वर्ष से अधिक	योग
20-30	शिशु	-	31-65	110-55	-	-	-	462-198
	कार्यालयी	93-75	52-08	210-83	-	-	-	100-00
	घरेलू	56-25	31-25	12-50	-	-	-	168-678
30-40	शिशु	52-14	31-28	110-43	-	-	-	100-00
	कार्यालयी	55-56	33-33	11-11	-	-	-	93-858
	घरेलू	42-19	41-22-53	105-49	63-29	-	-	100-00
40-50	शिशु	6-56	67-21	16-39	9-84	-	-	150-62-508
	कार्यालयी	110-49-17	24-10-00	83-33	-	-	-	100-00
	घरेलू	79-67	10-00	5-33	-	-	-	72-35-778
50-60	शिशु	26-11-11	37-15-81	93-85	-	-	-	100-00
	कार्यालयी	36-11	51-59	12-50	-	-	-	107-58-798
	घरेलू	39-29-43	51-29-02	94-94	42-19	42-19	-	100-00
50-60	शिशु	36-45	47-62	8-41	3-74	3-74	-	52-21-678
	कार्यालयी	21-8-75	25-10-42	62-56	-	-	-	100-00
	घरेलू	40-38	43-08	11-54	-	-	-	110-47-018
50-60	शिशु	52-22-22	34-14-53	10-6-84	8-3-42	-	-	100-00
	कार्यालयी	47-27	33-91	14-55	7-27	-	-	108-498
	घरेलू	110-55	98-41	-	-	-	-	100-00
50-60	शिशु	10-00	90-00	-	-	-	-	22-1-178
	कार्यालयी	41-67	62-50	12-5-00	-	-	-	100-00
	घरेलू	18-18	27-27	54-55	-	-	-	43-3-3-3
योग	शिशु	16-6-84	27-11-54	-	-	-	-	100-00
	कार्यालयी	37-21	62-79	-	-	-	-	182-608
	घरेलू	44-24-18	104-57-14	20-10-99	10-5-49	4-2-19	-	245-1068
योग	शिशु	152-63-33	60-25-00	28-11-67	-	-	-	234-100-3
	कार्यालयी	99-42-31	101-43-10	26-11-11	8-3-42	-	-	
	घरेलू							

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

विवाह तथा पहिले बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक

अध्ययन:-

सारिणी संख्या 14.0 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग के अनुसार उनके विवाह तथा पहिले बच्चे के जन्म के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सर्वेक्षण में विवाह तथा प्रथम सन्तान के मध्य जन्म - अन्तराल तथा डोना चाहिए, तथा न्वेक्षण में देखा गया है कि 20-30 वर्गीय महिलाओं में मात्र शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श माना है। यद्यपि ऐसी शिक्षक महिलाओं का संख्या अति अन्य है, लेकिन महत्वपूर्ण है। 30-40 आयु वर्ग में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 67.21% ने विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल दो वर्ष, सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं 78.67% ने एक वर्ष एवं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं 51.39% ने दो वर्ष माना है। सर्वाधिक चार वर्ष का आदर्श अन्तराल मात्र शिक्षक महिलाओं ने माना है।

40-50 आयु वर्ग में घरेलू महिलाओं को छोड़कर अन्य महिलाओं ने दो वर्ष का आदर्श अन्तराल सर्वाधिक लोगों ने माना है। घरेलू महिलाओं ने एक ही वर्ष माना है। सर्वाधिक आदर्श अन्तराल 5 वर्ष मात्र शिक्षक महिलाओं 3.74% ने स्वीकार किया है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने अधिक अन्तराल को इच्छित नहीं किया है। यहाँ की कार्यालयी ने तीनवर्षे एवं अन्य सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल आदर्श माना है।

सारिणी से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलायें में सर्वाधिक 57.14% ने दो वर्ष, 24.18% ने एक वर्ष, 11% ने तीन वर्ष, 5.49% ने चार वर्ष एवं 2.19% ने पाँच वर्ष का अन्तराल आदर्श माना है। कार्यालयी महिलायें कम अन्तराल होना अधिक पसन्द करती हैं, यथा लगभग 63% ने एक वर्ष, 25% ने दो वर्ष, एवं 12% ने तीन वर्ष का अन्तराल उचित स्वीकार किया है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 43% ने दो वर्ष, 42% ने एक वर्ष, 11% ने तीन वर्ष एवं लगभग 3% ने चार वर्ष को विवाह तथा प्रथम शिशु के मध्य अन्तराल आदर्श माना है।

-सांख्यिकी-सूची-14.1

पूर्व प्राथमिक स्तर की शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा से अनुसार विद्यार्थियों तथा परिवारों के मुख्य जन्म अन्तर्गत

का विधेयात्मक अध्ययन

उच्च-स्तरीय महिलाये शिक्षा	वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
शिक्षा	-	-	-	-	-	-	--
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	--
घरेलू	411.71	722.99	280.95	280.85	180.43	180.43	1787.26
	23.53	41.13	11.76	11.76	5.89	5.93	100.00
ग्रामरी	-	-	-	-	-	-	-
शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	883.49	582.14	180.43	180.43	381.28	-	1887.69
	44.44	27.78	5.56	5.56	16.67	-	100.00
जूनियर-	-	21.09	120.55	-	-	-	381.65
शिक्षा	-	66.67	33.33	-	-	-	100.00
कार्यालयी	582.03	28.83	180.42	-	-	-	883.33
	62.50	25.00	12.50	-	-	-	100.00
घरेलू	1084.27	582.14	280.95	180.43	180.43	280.85	2189.97
	47.62	23.81	9.52	4.76	4.76	9.52	100.00
हार्ड-स्कुल	शिक्षा	884.39	683.29	381.65	180.95	180.55	19810.44
	42.11	31.58	15.79	5.26	5.26	-	100.00
कार्यालयी	983.33	1184.58	582.03	-	-	-	24810.00
	33.33	45.83	20.83	-	-	-	100.00
घरेलू	381.29	983.42	1184.70	280.85	180.43	1285.13	37815.91
	8.11	21.62	29.73	5.41	2.70	32.43	100.00
जूनियर-	शिक्षा	1085.49	1186.04	783.85	-	180.55	29815.93
	34.48	37.93	24.14	-	3.45	-	100.00
सिफ्ट	कार्यालयी	1982.50	1787.09	582.08	-	-	40816.67
	45.00	42.50	12.50	-	-	-	100.00
घरेलू	883.42	983.75	582.14	782.79	180.43	-	30812.92
	26.67	30.00	16.67	23.33	3.33	-	100.00
स्नातक	शिक्षा	22812.09	23812.64	482.19	281.09	180.55	52828.57
	42.31	44.23	7.69	3.85	1.92	-	100.00
कार्यालयी	1987.92	2089.33	1184.58	1485.83	-	-	64826.67
	29.69	31.25	17.19	21.89	-	-	100.00
घरेलू	782.99	28811.97	983.85	381.29	180.43	381.28	51821.79
	13.73	54.90	17.65	5.98	1.96	5.98	100.00
स्नातकोत्तर	शिक्षा	33818.13	31817.03	683.29	582.75	-	75841.21
	44.00	41.33	9.00	6.67	-	-	100.00
कार्यालयी	782.92	64826.67	31812.92	-	-	-	102842.50
	6.86	62.75	30.39	-	-	-	100.00
घरेलू	2289.40	2188.97	1385.56	-	180.43	180.43	58824.79
	37.93	36.21	22.41	-	1.72	1.72	100.00
जी.फिल.	शिक्षा	381.65	180.55	-	-	-	482.19
	75.00	25.00	-	-	-	-	100.00
कार्यालयी	-	280.83	-	-	-	-	280.83
	-	100.00	-	-	-	-	100.00
घरेलू	180.43	-	180.43	-	-	-	280.85
	50.00	-	50.00	-	-	-	100.00
योग	शिक्षा	76841.70	74840.61	21811.54	884.39	381.65	182810.21
	57823.75	116840.33	53822.03	1485.93	-	-	2408100.21
	63826.92	83835.47	44819.80	1686.84	983.95	-	2348100.21

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 14 में विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। कार्यालयी महिलाओं ने चार वर्ष से अधिक अन्तराल एवं शिक्षक महिलाओं ने पांच वर्ष से अधिक अन्तराल किसी ने नहीं रखा लेकिन न्यादर्श के पूर्ण परिवार वाली 8.12% घरेलू महिलाओं ने पांच से अधिक वर्ष भी जन्म - अन्तराल रखा है। शिक्षक महिलाओं में एक एवं दो वर्ष का जन्म - अन्तराल सर्वाधिक लगभग 82% में पाया गया। तीन, चार एवं पांच वर्ष अन्तराल कम महिलाओं ने रखा। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 48% ने दो वर्ष का जन्म अन्तराल रखा उसके बाद लगभग 24% ने एक वर्ष एवं 22% तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा। घरेलू महिलाओं ने विवाह के बाद प्रथम शिशु हेतु कुछ अपेक्षाकृत संतुलित जन्म - अन्तराल रखा। लगभग 27% घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष, 35% ने दो वर्ष, 19% ने तीन वर्ष, 7% ने चार वर्ष 4% ने पांच वर्ष एवं लगभग 8% ने पांच से अधिक वर्ष से अधिक वर्ष जन्म - अन्तराल रखा। स्पष्ट है कि अधिकांशतः शिक्षक महिलाओं ने विवाह के बाद शीघ्र ही एवं कार्यालयी व घरेलू ने दो वर्ष के बाद प्रथम शिशु का जन्म दिया है।

शिक्षक महिलाओं को उनकी शिक्षा के साथ देखने पर कोई विशेष प्रवृत्ति नहीं दिखायी पड़ी। अधिकांशतः महिलायें एक एवं दो वर्ष जन्म - अन्तराल से लगी रहती। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में थोड़े परिवर्तन की प्रवृत्ति दिखायी पड़ी। शिक्षा के कारण एक वर्ष अन्तराल से दो एवं कुछ अधिक अन्तराल की ओर विचलन दिखायी पड़ा।

घटि उणी-संख्या-14.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहिले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म

अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

जन्म-उत्पत्ति महिलाये शिक्षा	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
शिक्षित							
शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	12१5.13१	5१2.14१	-	-	-	-	17१7.26१
	70.59	29.41					100.00
अशिक्षित							
शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-
कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-
घरेलू	10१4.27१	6१2.56१	2१0.85१	-	-	-	18१7.69१
	55.56	33.33	11.11				100.00
जूनियर- हाईस्कूल							
शिक्षक	-	2१1.09१	1१0.55१	-	-	-	3१1.65१
		66.67	33.33				100.00
कार्यालयी	7१2.92१	1१0.42१	-	-	-	-	8१3.33१
	87.50	12.50					100.00
घरेलू	9१3.85१	7१2.99१	4१1.71१	1१0.43१	-	-	21१8.97१
	42.86	33.33	19.05	4.76			100.00
हाईस्कूल							
शिक्षक	5१2.75१	11१6.04१	3१1.65१	-	-	-	19१10.44१
	26.32	57.89	15.79				100.00
कार्यालयी	19१7.92१	3१1.25१	2१0.83१	-	-	-	24१10.00१
	79.17	12.50	9.33				100.00
घरेलू	15१10.69१	9१3.85१	3१1.28१	-	-	-	37१15.81१
	67.57	24.32	8.11				100.00
जूनियर- कोलेज							
शिक्षक	6१3.29१	13१7.14१	8१4.39१	-	2१1.09१	-	29१15.93१
	20.69	44.83	27.59		6.89		100.00
कार्यालयी	33१13.75१	5१2.08१	2१0.83१	-	-	-	40१16.67१
	82.50	12.50	5.00				100.00
घरेलू	14१9.98१	8१3.42१	5१2.14१	3१1.28१	-	-	30१12.82१
	46.67	26.67	16.67	10.00			100.00
स्नातक							
शिक्षक	16१8.79१	24१13.18१	2१1.09१	8१4.39१	2१1.09१	-	52१28.57१
	30.77	46.15	3.85	15.38	3.85		100.00
कार्यालयी	49१20.42१	9१3.75१	6१2.50१	-	-	-	64१26.67१
	76.56	14.06	9.38				100.00
घरेलू	5१2.14१	39१16.24१	8१3.42१	-	-	-	51१21.79१
	9.90	74.51	15.69				100.00
स्नातक- कोलेज							
शिक्षक	17१9.34१	50१27.47१	6१3.29१	2१1.09१	-	-	75१41.21१
	22.67	66.67	8.00	2.67			100.00
कार्यालयी	44१18.33१	40१16.67१	18१7.50१	-	-	-	102१42.50१
	43.14	39.22	17.65				100.00
घरेलू	24१10.26१	28१11.97१	2१0.85१	4१1.71१	-	-	58१24.79१
	41.38	48.28	3.45	6.89			100.00
पी.एफ.सी.							
शिक्षक	-	4१2.19१	-	-	-	-	4१2.19१
		100.00					100.00
कार्यालयी	-	2१0.83१	-	-	-	-	2१0.83१
		100.00					100.00
घरेलू	-	-	2१0.85१	-	-	-	2१0.85१
			100.00				100.00
योग							
शिक्षक	44१24.18१	104१37.14१	20१10.99१	10१5.49१	4१2.19१	-	182१100.4१
कार्यालयी	152१63.33१	60१25.00१	28१11.67१	-	-	-	240१100.११
घरेलू	99१42.31१	101१43.16१	26१11.11१	8१3.42१	-	-	234१100.११

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार विवाह तथा पहले बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 14.2 में विवाह तथा पहले बच्चे मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

अध्ययन से स्पष्ट है कि सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने 1-1 वर्ष अन्तराल को आदर्श व्यक्त किया है लेकिन सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने एक ही वर्ष अन्तराल आदर्श माना है। शिक्षक महिलाओं ने 1-5 वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने 1-3 वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने 1-4 वर्ष अन्तराल आदर्श व्यक्त किया है।

लगभग 24% शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष, 57% ने दो वर्ष, 11% ने तीन वर्ष, 6% ने चार एवं 2.19% ने पांच वर्ष अन्तराल आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष को सर्वाधिक एवं दो तीन वर्ष को कम महत्त्व देते देखा गया। घरेलू महिलाओं में अधिकांशतः एक एवं दो अन्तराल को आदर्श माना है।

शिक्षा के अनुसार पूर्ण परिवार के जन्म - अन्तराल को देखने पर सारिणी से स्पष्ट होता है कि शैक्षिक स्तर में परिवर्तन जन्म - अन्तराल में भी परिवर्तन वृद्धि के रूप में प्रकट होता है लेकिन कार्यालयी महिलाओं में कुछ विपरीत रहा। अधिक उच्च शिक्षितों में तीन वर्ष को पूर्व की अपेक्षा अधिक महत्ता मिली। घरेलू महिलाओं ने एक एवं दो वर्ष अन्तराल को शिक्षा के प्रत्येक स्तर पर समान महत्त्व दिया।

सांख्यिकी-सूची-143

पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग अन्तर्गत के अनुसार " पहिले व दुसरे बच्चे के

मध्य नम्य अन्तराल" का विवेकात्मक अध्ययन

उच्च अन्तराल आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
20-30	शिक्षाक	140-55१	-	3५1-65१	-	-	-	-	4१2-19१
		25-00		75-00					100-00
	कार्यालयी	3५0-42१	5१2-08१	8५3-33१	-	-	-	-	16५6-67१
30-40	घरेलू	18-75	31-25	50-00	-	-	-	3१1-28१	9१3-85१
		-	3५1-28१	-	3१1-28१	-	-	33-33	100-00
			33-33		33-33				
40-50	शिक्षाक	14१7-69१	23१12-64१	13५7-14१	3५1-65१	2१1-09१	-	6१3-29१	61 (33 52)
		22-95	37-70	24-59	4-92	3-28	-	9-84	100-00
	कार्यालयी	22१9-17१	75१31-25१	29१12-08१	9१3-75१	7१2-92१	-	8१3-33१	150१62-50१
50-60	घरेलू	14-67	50-00	19-33	6-00	4-67	-	6-33	100-00
		18१7-69१	28१11-97१	9१3-85१	5१2-50१	-	-	11१4-70१	72१30-76१
		25-00	38-89	12-50	8-33	-	-	15-28	100-00
40-50	शिक्षाक	22१12-09१	37१20-32१	22१12-09१	7१3-85१	3५4-39१	-	11१6-04१	107१58-79१
		20-56	34-57	20-56	6-54	7-48	-	10-28	100-00
	कार्यालयी	11१4-71१	7१2-99१	19१7-69१	11१4-71१	5१2-14१	-	-	52१22-22१
50-60	घरेलू	21-15	13-46	34-62	21-15	9-62	-	-	100-00
		18१7-69१	34१14-53१	49१20-94१	1१0-43१	8१3-42१	-	-	110१47-01१
		16-36	30-91	44-55	0-91	7-27	-	-	100-00
50-60	शिक्षाक	-	-	6१3-29१	4१2-19१	-	-	-	10१5-49१
				60-00	40-00	-	-	-	100-00
	कार्यालयी	1१0-42१	10१4-17१	9१3-75१	2१0-83१	-	-	-	22११9-17१
50-60	घरेलू	4-55	45-45	40-91	9-09	-	-	-	100-00
		9१3-85१	13१५-56१	11१4-70१	10१4-27१	-	-	-	45१११-38१
		20-93	30-23	25-58	23-26	-	-	-	100-00
योग	शिक्षाक	37१20-33१	60१32-97१	44१24-18१	14१7-69१	10१5-49१	-	17१9-34१	182१100१
	कार्यालयी	37१15-42१	97१40-42१	64१26-67१	22१9-17१	12१5-00१	-	8१3-33१	240१107१
	घरेलू	45१19-23१	78१33-33१	69११-9-44१	20१8-55१	8१3-42१	-	14१५-99१	23११100१

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

पहले बच्चे तथा दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या 14.3 में पूर्ण परिवार वाली विभिन्न प्रकार की सर्वेक्षित महिलाओं यथा शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के विभिन्न आयु वर्ग के उनके प्रजननता व्यवहार के सम्बन्ध में पहले तथा दूसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि न्यादश के समस्त महिलाओं में शिक्षक महिलायें 182, कार्यालयी महिलायें 240 एवं घरेलू महिलायें 234 हैं, जिन्होंने अपना परिवार पूर्ण कर लिया है।

विभिन्न आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग की महिलाओं में यद्यपि प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य सर्वाधिक जन्म - अन्तराल घरेलू महिलाओं ने चार वर्ष रखा लेकिन उनकी संख्या अपेक्षाकृत शिक्षक महिलाओं एवं कार्यालयी महिलाओं से कम है। इन्होंने अन्तराल मात्र तीन वर्ष ही रखा है।

30-40 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक कार्यालयी महिलायें हैं। इन्होंने जहाँ पाँच वर्ष का सर्वाधिक अन्तराल शिशुओं के मध्य रखा वहीं शिक्षक महिलाओं ने तो इससे कम लेकिन घरेलू महिलाओं ने नहीं रखा।

40-50 आयु वर्ग की महिलाओं में प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य अधिकतम अन्तराल शिक्षक, घरेलू : ने पाँच वर्ष से अधिक रखा। वहीं अन्य महिलाओं को पाँच से कम वर्ष ही अन्तराल रखा। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने शिशुओं के मध्य अधिकतम जन्म - अन्तराल मात्र चार वर्ष ही रखा।

विभिन्न आयु वर्ग की महिलाओं में यद्यपि यह प्रवृत्ति देखी गयी कि दो एवं तीन वर्ष का अन्तराल होने पर लोगों की संख्या में उत्तरोत्तर कमी हुई

सांख्यिकी-संख्या-144

पूर्ण परिवार वाली शिक्षाक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अंतराल के अनुसार - पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य

		बादर्सी जन्म अंतराल का विभेदात्मक अध्ययन							
बादर्सी जन्म अंतराल	महिलायें	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है योग	
आयु वर्ग									
20-30	शिक्षाक	140-55	-	140-55	241-09	-	-	42-19	100-00
	कार्यालयी	25-00	240-83	742-92	341-25	240-55	-	240-83	1646-67
	घरेलू	-	12-50	43-75	18-75	12-50	-	12-50	100-00
30-40	शिक्षाक	42-19	1648-79	3147-03	442-19	442-19	21-09	6133-52	100-00
	कार्यालयी	6-56	26-23	50-81	6-56	6-56	3-28	642-50	15042-50
	घरेलू	742-92	40416-67	73430-42	742-92	1747-08	-	4-00	100-00
40-50	शिक्षाक	4-67	26-67	48-67	4-67	11-33	-	441-71	72430-77
	कार्यालयी	-	742-99	39416-24	1546-41	843-42	-	5-56	100-00
	घरेलू	9-72	52-78	20-83	11-11	-	-	-	-
50-60	शिक्षाक	643-29	23412-64	44424-18	1146-04	1548-24	241-09	643-29	107458-79
	कार्यालयी	5-61	21-49	41-12	10-28	14-02	1-87	5-61	100-00
	घरेलू	1044-17	1747-03	1044-17	240-83	943-75	-	411-67	52421-67
योग	शिक्षाक	19-23	32-69	19-23	3-85	17-31	-	7-69	100-00
	कार्यालयी	-	1847-69	63424-92	2048-55	140-43	-	843-42	11047-01
	घरेलू	16-36	57-27	18-18	0-90	-	-	7-27	100-00
योग	शिक्षाक	241-09	-	542-75	241-09	-	-	140-55	1045-49
	कार्यालयी	20-00	-	50-00	20-00	-	-	10-00	100-00
	घरेलू	240-83	-	140-42	742-92	1245-00	-	2249-17	100-00
योग	शिक्षाक	9-09	-	4-55	31-82	54-55	-	43418-38	100-00
	कार्यालयी	-	642-56	37415-81	-	-	-	-	-
	घरेलू	13-95	86-05	-	-	-	-	-	100-00
योग	शिक्षाक	1347-14	39421-43	8144-51	19410-43	19410-43	442-19	743-65	1824100-24
	कार्यालयी	1947-92	59424-58	91437-92	1947-92	40416-67	-	1245-00	2404100-24
	योग	-	31413-25	141460-26	55414-96	943-85	-	1847-69	2344100-24

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

पहले बच्चे व दूसरे बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक

अध्ययन:-

सारिणी संख्या 14:4- में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु वर्ग अन्तराल के अनुसार पहिले बच्चे व दूसरे बच्चे के जन्म के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी से स्पष्ट है कि 20-30 आयु वर्ग में किसी का विशिष्ट जन्म वर्ष अन्तराल को महिलाओं ने परान्द नहीं किया है। यहाँ यह अवश्य है कि दो या दो से अधिक वर्ष जन्म - अन्तराल रखना उचित समझा है।

30-40 आयु वर्ग में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं 50.81 ने तीन वर्ष एवं 26.23% ने दो वर्ष का तथा 6.56% ने एक वर्ष का जन्म - अन्तराल उचित माना है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 49% ने तीन वर्ष एवं 26.67% ने दो वर्ष का अन्तराल आदर्श माना है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 52.78% ने तीन एवं लगभग 21% ने चार वर्ष का जन्म - अन्तराल माना है।

40-50 आयु वर्ग की महिलाओं में सर्वाधिक शिक्षक महिलायें 41.12% ने तीन वर्ष, 21.49% ने दो वर्ष, कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक 32.69% ने दो वर्ष, 57.27% ने तीन वर्ष नया घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 57% ने तीन वर्ष एवं लगभग 19% ने चार वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श माना है।

50-60 आयु वर्ग में भी तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को शिक्षक, घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक महत्व दिया है। कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष के अन्तराल को महत्व दिया है।

इस प्रकार सर्वेक्षण में यह देखा गया कि पूर्ण परिवार की महिलाओं ने अपनी आयु वर्गानुसार प्रथम एवं द्वितीय शिशु के जन्म के मध्य तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल आदर्श माना है। शिक्षक महिलाओं ने जहाँ तीन वर्ष के अन्तराल को सर्वाधिक लोगो ने लगभग 45% ने आदर्श माना वहीं सर्वाधिक लगभग 38% कार्यालयी महिलाओं ने तीन एवं 17% ने पाँच वर्ष को आदर्श माना। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 60% ने तीन वर्ष के अन्तराल को आदर्श माना है।

विभेदात्मक अध्ययन

जन्म अंतराल महिलाये	एकवर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांचवर्ष	पांचवर्ष से अधिक	ज्ञात नहीं	योग	
शिक्षा									
अशिक्षित	शिक्षाक	-	-	-	-	-	-	-	
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	
	घरेलू	3११.28 17.65	4११.71 23.53	4११.71 23.53	2१०.85 11.76	4११.71 23.53	-	17१7.2 100.00	
प्राथमरी	शिक्षाक	-	-	-	-	-	-	-	
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	
	घरेलू	4११.71 22.22	6१2.56 33.33	6१2.56 33.33	2१०.85 11.11	-	-	18१7.69 100.00	
जूनियर-	शिक्षाक	1१०.55 33.33	2११.09 66.67	-	-	-	-	3११.65 100.00	
	हार्ड-स्कूल	कार्यालयी	4११.67 50.00	3११.25 37.50	1१०.42 12.50	-	-	-	8१३.33 100.00
		घरेलू	1१०.43 4.76	15१6.41 71.43	3११.28 14.29	2१०.85 9.52	-	-	21१8.97 100.00
हार्ड-स्कूल	शिक्षाक	1१०.55 5.26	6१3.29 31.57	5१2.75 26.32	1१०.55 5.26	5१2.75 26.32	1१०.55 5.56	19११०.44 100.00	
	कार्यालयी	7१2.92 29.17	11१4.58 45.83	6१2.50 25.00	-	-	-	24११०.00 100.00	
	घरेलू	4११.71 10.81	14१5.98 37.84	11१4.70 29.73	7१2.99 18.92	1१०.43 2.70	-	37११5.81 100.00	
इण्टर-	शिक्षाक	7१3.85 24.15	6१3.29 20.69	11१6.04 37.93	1१०.55 3.45	1१०.55 3.45	3११.65 10.34	29११5.93 100.00	
	मीडियट	कार्यालयी	18१7.50 45.00	11१4.58 27.50	6१2.50 15.00	2१०.83 5.00	1१०.42 2.50	2१०.83 5.00	40११6.67 100.00
		घरेलू	2१०.85 6.67	12१5.13 40.00	8१3.42 26.67	5१2.14 16.67	3११.28 10.00	-	30११2.82 100.00
स्नातक	शिक्षाक	14१7.69 26.92	17१9.34 32.69	11१6.04 21.15	1१०.55 1.92	4१2.19 7.69	5१2.75 9.62	52१28.57 100.00	
	कार्यालयी	4११.67 6.25	30११2.50 46.93	24११०.00 37.50	2१०.83 3.13	1१०.42 1.56	4११.67 6.25	64१26.67 100.00	
	घरेलू	11१4.70 21.57	18१7.69 35.29	9१3.85 17.65	2१०.85 3.92	-	11१4.70 21.57	51१21.79 100.00	
स्नात- कोत्तर	शिक्षाक	13१7.14 17.33	27११4.83 36.00	16११०.79 21.33	11१6.04 14.67	-	8१4.39 10.67	75१4१.21 100.00	
	कार्यालयी	4११.०7 3.92	42१११.50 41.18	25११०.42 24.51	18१7.50 17.65	10१4.17 9.80	2१०.93 1.96	102१4८.50 100.00	
	घरेलू	20१8.55 34.48	3१३.42 13.79	27१११.54 46.55	-	-	3११.28 5.17	58१24.79 100.00	
जी.पी.एल.	शिक्षाक	1१०.55 25.00	2११.09 50.00	1१०.55 25.00	-	-	-	4१2.19 100.00	
	कार्यालयी	-	-	2१०.83 100.00	-	-	-	2१०.83 100.00	
	घरेलू	-	1१०.43 50.00	1१०.43 50.00	-	-	-	2१०.85 100.00	
योग	शिक्षाक	3१,20.33	60१31.98	44१24.18	14१7.69	10१5.49	17१9.34	182११०.१	
	कार्यालयी	37११5.42	97१40.42	64१26.67	22१9.17	12१5.00	8१3.33	24११०.०	
	घरेलू	45११9.23	78१33.33	69१29.48	20११०.55	8१3.42	14१5.99	234११०.०	

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 14.5 में पहिले व दूसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाओं ने पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य दो वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। इन महिलाओं ने सर्वाधिक अन्तराल पांच वर्ष का रखा है। इससे अधिक अन्तराल रखने वाली महिलायें सर्वेक्षण में नहीं पायी गई। शिक्षक महिलाओं में 9.34%, कार्यालयी 3.33% एवं लगभग 6% घरेलू महिलाओं ने पहिले व दूसरे शिशु के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया। इसका कारण उनके मात्र एक ही शिशु का होना रहा। दूसरे शिशु के जन्म का कोई औचित्य ही नहीं उठता क्योंकि उनका परिवार भी पूर्ण हो चुका है।

एक वर्ष जन्म - अन्तराल रखने वाली सर्वाधिक लगभग 20% शिक्षक, 19% घरेलू एवं 15% कार्यालयी महिलायें पायी गई। दो वर्ष का जन्म - अन्तराल सर्वाधिक लगभग 40% कार्यालयी, 33% घरेलू एवं 32% शिक्षक महिलायें पायी गई। तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली सर्वाधिक लगभग 29% घरेलू, 27% कार्यालयी एवं 24% शिक्षक महिलायें पायी गईं। चार एवं पांच वर्ष का भी अन्तराल देखा गया।

शिक्षा के अनुसार जन्म - अन्तराल देखने पर यह पाया गया कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि होने पर शिक्षक महिलाओं ने एक वर्ष एवं तीन से अधिक वर्ष के जन्म अन्तराल को कम महत्त्व देकर दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया है। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में कोई विशिष्ट प्रवृत्ति नहीं फिर भी दो वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक महत्त्व देते देखा गया।

पूर्व परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे खम्बे के मध्य आदर्श जन्म अन्तराल

		का विभेदात्मक अध्ययन							
आदर्श जन्म अन्तराल	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	सामू. नं०	योग
शिक्षा									
जाराशिक्षित	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	-	2१0.85	11४4.70	-	2१0.85	-	2१0.95	17१7.२6
			11.76	64.71		11.76		11.76	100.00
प्राथमरी	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	-	6१2.56	4१1.71	3१1.28	2१0.85	-	3१1.29	19१7.69
			33.33	22.22	16.67	11.11		16.67	100.00
जूनियर-	शिक्षा	2१1.09	1१0.55	-	-	-	-	-	3१1.65
		66.67	33.33						100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	2१0.83	5१2.08	-	-	-	-	1१0.42	8१3.30
		25.00	62.50					12.50	100.00
	घरेलू	-	-	12१5.13	3१1.28	2१0.85	-	4१1.71	21१9.97
				57.14	14.29	9.52		19.05	100.00
हाई स्कूल	शिक्षा	2१1.09	7१3.85	6१3.29	4१2.19	-	-	-	19१10.44
		11.11	36.84	31.58	21.05				100.00
	कार्यालयी	5१2.09	8१3.33	8१3.33	-	-	-	3१1.25	24१10.00
		20.83	33.33	33.33				12.50	100.00
	घरेलू	-	3१1.28	28१11.97	2१0.99	1१0.43	-	3१1.29	37१13.69
			8.11	75.68	5.41	2.70		8.11	100.00
कण्टर-	शिक्षा	1१0.55	13१7.14	8१4.39	3१1.65	1१0.55	1१0.55	2१1.09	29१15.93
		3.45	44.83	27.59	10.34	3.45	3.45	6.89	100.00
मीडियट	कार्यालयी	12१5.00	17१7.08	6१2.50	-	-	-	5१2.09	40१17.67
		30.00	42.50	15.00				12.50	100.00
	घरेलू	-	1१0.43	19१9.12	7१2.99	1१0.43	-	2१0.85	30१17.92
			3.33	63.33	23.33	3.33		6.67	100.00
स्नातक	शिक्षा	3१1.65	8१4.39	19१10.44	4१2.19	11१6.04	5१1.65	4१2.19	59१29.57
		5.77	15.38	36.54	7.69	21.15	5.77	7.69	100.00
	कार्यालयी	-	28१11.67	34१14.17	-	-	-	2१0.83	64१26.67
			43.75	53.13				3.13	100.00
	घरेलू	-	14१5.93	27१11.54	8१3.42	1१0.43	-	1१0.43	51१21.79
			27.45	52.94	15.69	1.96		1.96	100.00
स्नात-	शिक्षा	5१2.75	10१5.49	47१25.82	5१2.75	7१3.85	-	1१0.55	75१41.21
		6.67	13.33	62.67	6.67	9.33		1.33	100.00
कोत्तर	कार्यालयी	-	1१0.42	43१17.92	19१7.92	38१15.83	-	1१0.42	102१42.50
			0.98	42.16	18.63	37.25		0.98	100.00
	घरेलू	-	5१2.14	38१16.24	12१5.13	-	-	3१1.28	58१24.79
			8.62	65.52	20.69			5.17	100.00
जी.पि.सि.	शिक्षा	-	-	1१0.55	3१1.65	-	-	-	4१2.19
				25.00	75.00				100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	2१0.83	-	-	2१0.83
						100.00			100.00
	घरेलू	-	-	2१0.85	-	-	-	-	2१0.95
				100.00					100.00
योग	शिक्षा	13१7.14	39१21.43	81१44.50	19१10.44	19१10.44	4१2.19	7१3.85	182१100.00
	कार्यालयी	19१7.92	59१24.58	91१37.92	19१7.92	40१16.67	-	12१5.00	240१100.00
	घरेलू	-	31१13.25	141१60.26	35१14.96	9१3.85	-	13१7.69	234१100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 14.6 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार पहिले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है। सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक 45% शिक्षक महिलाओं ने 38% कार्यालयी महिलाओं ने एवं 60% घरेलू महिलाओं ने पहले व दूसरे बच्चे के मध्य तीन वर्ष आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया है। 4% शिक्षक, 5% कार्यालयी एवं 8% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है।

प्रथम एवं द्वितीय शिशु के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल एक वर्ष लगभग 7%, दो वर्ष 21%, तीन वर्ष 45%, चार वर्ष 10%, पांच वर्ष 10%, एवं पांच से अधिक 2% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श अन्तराल व्यक्त किया है। पूर्ण परिवार वाली लगभग 8% कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष, 25% ने दो वर्ष, 38% ने तीन वर्ष, 8% ने चार वर्ष, 17% ने पांच वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श व्यक्त किया है। पांच से अधिक किसी कार्यालयी महिला ने आदर्श अन्तराल नहीं व्यक्त किया है। घरेलू महिलाओं ने 2-5 वर्ष को ही आदर्श अन्तराल माना है। 2 वर्ष को 13% ने, तीन वर्ष को 60% ने चार वर्ष को 15% ने एवं पांच वर्ष का मात्र 4% ने आदर्श अन्तराल व्यक्त किया है।

शिक्षा के अनुसार पहले व दूसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल को देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षा का शिक्षक महिलाओं के आदर्श जन्म - अन्तराल के विचारों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ा है। कम शिक्षितों में जहाँ एक एवं दो वर्ष अन्तराल के प्रति अधिक महत्ता देते देखा गया। उच्च शिक्षितों में तीन एवं तीन से अधिक को महत्ता देते पाया गया। कार्यालयी महिलाओं में एक दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक तथा अधिक एवं उच्च शिक्षितों में तीन तथा अधिक वर्ष अन्तराल को आदर्श व्यक्त करते पाया गया। घरेलू महिलाओं ने सर्वाधिक तीन वर्ष को आदर्श जन्म - अन्तराल व्यक्त किया है।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी, एवं घरेलू महिलाओं की आयु के अनुसार

दूसरे बच्चे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन:-

सारिणी संख्या-147--- में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार उनके दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रस्तुत है।

सारिणी में स्पष्ट है कि एक वर्ष के जन्म अन्तराल को उपनाने वाली शिक्षक महिलायें 10.44%, कार्यालयी महिलायें 7.5 एवं घरेलू महिलायें 7.69 है। दो वर्ष का अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 17.03%, कार्यालयी महिलायें 23 एवं घरेलू महिलायें 7 है। तीन वर्ष का अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 18.13, कार्यालयी महिलायें 10.42 एवं 35.04, घरेलू महिलायें है। चार वर्ष का अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 3.29%, कार्यालयी महिलायें 2.08 एवं 8.12, घरेलू महिलायें है। चार से अधिक वर्ष का अन्तराल रखने वाला मात्र शिक्षक महिलायें एवं घरेलू महिलायें अधिक हैं।

सर्वेक्षण में यह पाया गया कि 20-30 आयु वर्ग में कम महिलायें होने के कारण विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है, फिर भी उनमें शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने एक परिवार में मात्र दो बच्चों को महत्व दिया है। 30-40 आयु वर्ग की महिलाओं में यद्यपि 50.82 शिक्षक महिलायें, 57.33 कार्यालयी महिलायें एवं 41.67 घरेलू महिलायें इस प्रक्रिया में लागू नहीं है, फिर भी सर्वाधिक लगभग 25% शिक्षक महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल 23% कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल एवं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं 19.44 ने भी तीन वर्ष का अन्तराल दूसरे व तीसरे शिशु के मध्य रखा है।

40-50 आयु वर्ग की समस्त महिलाओं में यद्यपि लगभग 42% शिक्षक महिलायें, 62% कार्यालयी महिलायें एवं 25% घरेलू महिलायें प्रक्रिया में लागू नहीं है, फिर भी इनमें सर्वाधिक लगभग 15% शिक्षक महिलाओं ने, 23%

कार्यालयी महिलाओं ने दो लगभग 52% घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष के जन्म अन्तराल को रखा है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने तीन वर्ष { मात्र कार्यालयी महिलाओं को छोड़कर 2 वर्ष } का अन्तराल रखा है। यद्यपि उनकी संख्या अत्यधिक नहीं है, फिर भी अति महत्वपूर्ण नहीं कहे जा सकते।

इस प्रकार स्पष्ट है कि सर्वाधिक महिलाओं ने दूसरे एवं तीसरे बच्चे के मध्य दो वर्ष का अन्तराल रखा है। कार्यालयी महिलाओं को छोड़कर घरेलू एवं शिक्षक महिलाओं ने चार वर्ष से अधिक जन्म अन्तराल को स्वीकार किया है।

शांति-संस्था-148

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं शैली महिलाओं के आयु वर्ग अन्तराल के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श

		जन्म - अन्तराल का विवेकात्मक अध्ययन								
आदर्श जन्म अन्तराल	आयु वर्ग	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग	
	शिक्षक	-	482-198	-	-	-	-	-	482-198	100-00
20-30	कार्यालयी	582-088	381-258	481-678	186-258	-	-	3818-758	1686-678	100-00
	घरेलू	31-25	18-75	25-00	6-25	-	-	18-75	100-00	100-00
	योग	-	-	381-288	280-858	-	-	481-718	983-858	100-00
	घरेलू	-	-	33-33	22-22	-	-	44-44	100-00	100-00
	शिक्षक	582-758	1286-598	36819-788	-	-	482-198	482-198	61833-528	100-00
	कार्यालयी	8-19	19-67	59-02	-	-	6-56	6-56	100-00	100-00
30-40	कार्यालयी	1987-928	34814-178	86835-838	782-928	481-678	-	-	150862-508	100-00
	घरेलू	15-83	22-67	57-33	5-93	3-33	-	-	100-00	100-00
	योग	782-998	2289-408	883-428	-	582-148	-	30812-828	72830-768	100-00
	घरेलू	9-72	30-56	11-11	-	6-94	-	41-67	100-00	100-00
	शिक्षक	1387-148	19810-448	41822-538	683-298	1286-598	1085-498	683-298	107855-798	100-00
	कार्यालयी	12-15	17-76	38-32	5-61	11-21	9-35	5-61	52821-678	100-00
40-50	कार्यालयी	385-428	582-088	1084-178	1385-428	1987-928	-	280-838	100-00	100-00
	घरेलू	15-85	6-09	19-23	15-00	23-17	-	2-44	110847-018	100-00
	योग	381-288	582-148	481-718	883-428	883-428	582-178	77832-918	100-00	100-00
	घरेलू	2-73	4-55	3-64	7-27	7-27	4-55	70-00	1085-498	100-00
	शिक्षक	180-558	-	984-958	-	-	-	-	100-00	100-00
	कार्यालयी	10-00	280-838	180-428	782-928	481-678	-	481-678	22889-178	100-00
50-60	कार्यालयी	18-18	9-09	4-55	31-82	18-18	-	18-18	43818-388	100-00
	घरेलू	-	-	180-438	380-528	582-148	-	34814-538	100-00	100-00
	योग	19810-448	31817-038	90849-458	683-298	1286-598	1487-698	1085-498	182810028	100-00
	कार्यालयी	31812-928	44818-338	10184-038	8811-678	27811-258	-	983-758	240810028	100-00
	घरेलू	1084-278	27811-548	1686-848	1385-568	1887-698	582-148	145861-978	234810028	100-00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग अन्तराल के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 1418 में पूर्ण परिवार की विभिन्न महिलाओं के आयु वर्गों के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच आदर्श जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है की लगभग 5% शिक्षक, 4% कार्यालयी एवं 61% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है। सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल जहाँ तीन वर्ष व्यक्त किया है वहीं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल आदर्श माना है।

शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य पांच वर्ष से अधिक अन्तराल भी आदर्श माना है जबकि कार्यालयी महिलाओं ने बिल्कुल नहीं माना है। एक वर्ष अन्तराल आदर्श मानने में कार्यालयी सबसे आगे देखी गयी और घरेलू सबसे पीछे। दो वर्ष अन्तराल में भी ठीक यही स्थिति देखी गयी लेकिन तीन वर्ष अन्तराल में शिक्षक महिलायें सर्वाधिक पायी गईं। अधिक वर्ष अन्तराल में तीनों प्रकार की महिलाओं को देखा गया लेकिन घरेलू सर्वाधिक नहीं।

आयु वर्गानुसार 20-30 में तो नहीं लेकिन 30-40 में पांच एवं पांच से भी अधिक वर्ष, आदर्श अन्तराल माना गया। कार्यालयी महिलाओं ने पांच वर्ष से अधिक वर्ष अन्तराल आदर्श स्वीकार नहीं किया है। 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं ने तीन वर्ष अधिकतम लेकिन कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने पांच वर्ष अधिकतम आदर्श अन्तराल दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य व्यक्त किया है।

पूर्वा परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का

विश्वदात्मक अध्ययन

अनुसूचित	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाँचवर्ष के अधिक	सांगू नहीं	योग
अशिक्षित	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	7५2.99 41.18	5५2.14 29.41	3५1.28 17.65	1५0.43 5.89	-	-	1५0.43 5.89	17५7.26 100.00
प्राथमरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	3५1.29 16.67	5५1.28 16.67	11५4.70 61.11	-	-	-	1५0.43 5.56	19५7.69 100.00
द्वितीय- दर-स्कूल	शिक्षक	-	2५1.09 66.67	1५0.55 33.33	-	-	-	-	5५1.65 100.00
	कार्यालयी	3५1.25 3.75	-	-	-	-	-	5५2.01 6.50	8५3.33 100.00
	घरेलू	-	2५0.85 9.52	9५3.85 42.86	7५2.99 33.33	3५1.28 14.29	-	-	21५8.93 100.00
द्वितीय-स्कूल	शिक्षक	2५1.09 10.53	4५2.19 21.05	4५2.19 21.05	1५0.55 5.26	1५0.55 5.26	-	7५3.85 36.84	19५10.4 100.00
	कार्यालयी	4५1.67 16.67	5५2.00 20.83	2५0.83 8.33	1५0.42 4.17	1५0.42 4.17	-	11५4.58 45.83	24५10.00 100.00
	घरेलू	4५1.71 10.81	2५0.85 5.41	21५8.97 56.76	6५2.56 16.22	1५0.43 2.70	-	3५1.28 8.11	37५15.91 100.00
द्वितीय- नीचिपट	शिक्षक	3५1.65 10.34	4५2.19 13.79	8५4.39 27.59	1५0.55 3.45	2५1.09 6.89	-	11५6.04 37.93	29५15.93 100.00
	कार्यालयी	3५1.28 7.50	7५2.92 17.50	8५3.33 20.00	-	-	-	22५9.17 55.00	40५16.67 100.00
	घरेलू	-	1५0.43 36.37	16५6.84 53.33	4५1.71 13.33	3५1.28 10.00	-	6५2.56 20.00	30५12.9 100.00
स्नातक	शिक्षक	7५3.85 13.46	11५6.04 21.15	6५3.29 11.54	2५1.09 3.85	6५3.29 11.54	-	20५10.99 38.46	52५28.57 100.00
	कार्यालयी	8५3.33 12.50	40५16.67 62.50	5५2.08 7.81	2५0.83 3.13	-	-	9५3.75 14.06	64५24.67 100.00
	घरेलू	1५0.43 1.96	1५0.43 1.96	22५9.40 43.14	1५0.43 1.96	7५2.99 13.33	-	19५9.12 37.25	51५21.79 100.00
स्नात - कोत्तर	शिक्षक	7५3.35 9.33	10५5.49 13.33	14५7.69 19.67	2५1.09 2.67	3५1.65 4.00	-	39५21.43 52.00	75५41.21 100.00
	कार्यालयी	-	3५1.25 2.94	10५4.17 9.80	2५0.83 1.96	-	-	87५36.25 85.29	102५42.50 100.00
	घरेलू	-	4५1.71 6.89	-	-	-	-	54५23.08 93.10	58५24.79 100.00
जी.फिल.	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	4५2.19 100.00	4५2.19 100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	2५0.83 100.00	2५0.83 100.00
	घरेलू	-	-	-	-	-	-	2५0.95 100.00	2५0.95 100.00
योग	शिक्षक	19५10.44	31५17.03	33५19.13	6५3.29	12५6.59	-	81५44.51	182५100.2
	कार्यालयी	18५7.50	55५22.92	25५10.42	5५2.08	1५0.42	-	136५56.67	240५100.2
	घरेलू	15५6.41	18५7.69	8५35.04	19५8.12	14५5.98	-	86५36.75	234५100.2

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन :-

सारिणी संख्या 14.9 में दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं के तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा। सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष का ही अन्तराल रखा। दूसरे व तीसरे शिक्षा के मध्य लगभग 10% शिक्षक, 8% कार्यालयी एवं 6% घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष जन्म - अन्तराल रखा। दो वर्ष जन्म - अन्तराल लगभग 17% शिक्षक, 23% कार्यालयी एवं 8% घरेलू महिलाओं ने जन्म - अन्तराल रखा। तीन वर्ष जन्म अन्तराल लगभग 18% शिक्षक, 10% कार्यालयी एवं 35% घरेलू महिलाओं ने जन्म - अन्तराल रखा। चार एवं पाँच वर्ष का भी अन्तराल पाया गया। शिक्षक महिलाओं में लगभग 45%, कार्यालयी में 57% एवं 37% घरेलू महिलाओं के तीसरा बच्चे न होने से उत्तर नहीं दिया।

शिक्षा के अनुसार जन्म - अन्तराल का अध्ययन करने पर शिक्षक महिलाओं में कोई विशेष प्रवृत्ति नहीं पायी गयी। अधिकांशतः दो एवं तीन वर्ष अन्तराल को सर्वाधिक ने रखा। कार्यालयी महिलाओं के शैक्षिक स्तर में वृत्ति उनके दो वर्ष अन्तराल को अधिक महत्त्व देने को व्यक्त करता है। घरेलू महिलाओं में भी शिक्षा स्तर में परिवर्तन एक दो वर्ष से तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्त्व देना व्यक्त करता है।

पूर्व पाठ्यार वाणी शिक्षा, कार्यलयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तग

विधेयात्मक अध्ययन

तृतीय जन्म संख्या	नादलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	लागू नहीं है	योग
शिक्षा									
प्राथमिक	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	100.95 11.76	200.85 11.76	-	-	301.28 17.62	-	1004.27 58.82	1707.00 100.00
उच्चरी	शिक्षक	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	100.43 5.56	100.43 5.56	-	100.43 5.56	301.28 16.67	-	1200.13 66.67	1807.60 100.00
द्वितीय	शिक्षक	-	-	201.09 66.67	100.55 33.33	-	-	-	301.65 100.00
हाई स्कूल	कार्यालयी	501.25 37.5	301.25 37.5	100.42 12.5	-	-	-	100.42 12.5	803.33 100.00
	घरेलू	200.95 9.52	200.85 9.52	100.43 4.76	100.43 4.76	100.43 4.76	-	1405.98 66.67	2108.97 100.00
टी.टी.सूल	शिक्षक	201.09 10.53	201.09 10.53	1106.04 57.79	-	201.09 10.53	-	201.09 10.53	19010.44 100.00
	कार्यालयी	1104.58 45.83	803.33 33.33	200.83 8.33	-	-	-	301.25 12.5	24010.00 100.00
	घरेलू	200.95 5.41	502.14 13.51	200.95 5.41	200.85 5.41	100.43 2.70	100.43 2.70	24010.26 64.86	37015.81 100.00
एण्टर-	शिक्षक	100.55 3.45	402.19 13.79	904.95 31.03	201.09 6.99	502.75 17.24	804.39 27.59	-	29015.93 100.00
सी.एच.सी.	कार्यालयी	602.50 15.00	903.75 22.50	803.33 20.00	702.92 17.5	602.50 15.00	-	401.67 10.00	40016.67 100.00
	घरेलू	100.43 3.33	200.85 6.67	301.28 10.00	502.14 16.67	301.28 10.00	-	1606.84 53.33	30012.82 100.00
स्नातक	शिक्षक	-	502.75 9.68	38020.87 73.08	402.19 7.69	301.65 5.77	201.09 3.85	201.09 3.85	52028.57 100.00
	कार्यालयी	903.75 14.06	2108.75 32.81	27011.25 42.19	200.83 3.13	502.08 7.81	-	-	64026.67 100.00
	घरेलू	100.43 1.96	702.99 13.73	502.14 9.80	100.43 1.96	100.43 1.96	401.71 7.84	32013.68 62.75	51021.79 100.00
स्नातक-कोत्तर	शिक्षक	1407.69 18.67	20010.99 26.67	29015.93 38.67	-	201.09 2.67	402.19 5.33	603.29 8.00	75041.21 100.00
	कार्यालयी	200.83 1.96	301.25 2.94	61025.42 59.80	1907.92 19.63	1606.67 15.69	-	100.42 0.98	102042.50 100.00
	घरेलू	100.43 1.72	602.56 10.34	502.14 8.62	301.28 5.17	602.56 10.34	-	37015.81 63.79	58024.79 100.00
जी.फिल.	शिक्षक	201.09 50.00	100.55 25.00	100.55 25.00	-	-	-	-	402.19 100.00
	कार्यालयी	-	-	200.83 100.00	-	-	-	-	200.83 100.00
	घरेलू	-	200.85 100.00	-	-	-	-	-	200.83 100.00
योग	शिक्षक	19010.44	31017.03	90049.45	603.29	1206.59	1407.69	1005.49	1820100.00
	कार्यालयी	31012.92	44018.35	101042.08	28011.67	27011.25	-	903.85	2400100.00
	घरेलू	1004.27	27011.54	1606.94	1305.56	1907.69	502.14	145061.97	2340100.00

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 15.0 में विभिन्न पूर्ण परिवार वाली महिलाओं की शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

अध्ययन से स्पष्ट है कि लगभग 5% शिक्षक, 4% कार्यालयी एवं 62% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है फलतः 95% शिक्षक, 96% कार्यालयी एवं 38% घरेलू महिलाओं के दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य आदर्श जन्म-अन्तराल के विचार प्रस्तुत है। शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 49% ने तीन वर्ष, 17% ने दो वर्ष, 10% ने एक वर्ष, 8% ने पाँच वर्ष से अधिक, 7% ने पाँच वर्ष एवं 3% ने चार वर्ष अन्तराल दूसरे व तीसरे के मध्य आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 42% ने तीन वर्ष, 18% ने दो वर्ष, 13% ने एक वर्ष, 12% ने चार वर्ष एवं 11% ने पाँच वर्ष अन्तराल आदर्श बताया। घरेलू महिलाओं में इस सम्बन्ध में 62% महिलायें मौन रहीं, जो तीसरी सन्तान को आदर्श नहीं मानती है। फिर भी 38% महिलाओं में सर्वाधिक ने दो वर्ष, फिर पाँच वर्ष अन्तराल को आदर्श माना। तीन वर्ष अन्तराल को मात्र 7% ने ही महत्व दिया।

शिक्षा के अनुसार दूसरे व तीसरे सन्तान हेतु आदर्श जन्म - अन्तराल देखने पर शिक्षक महिलाओं में यह प्रवृत्ति दिखायी पड़ी कि जहाँ कम शिक्षित महिलायें एक, दो, एवं तीन वर्ष अन्तराल को महत्व देती हैं वहीं अधिक एवं उच्च शिक्षित तीन वर्ष से सर्वाधिक के साथ - साथ चार पाँच एवं पाँच से अधिक वर्ष अन्तराल को भी आदर्श व्यक्त किया है। कार्यालयी महिलाओं ने भी सर्वाधिक महत्व तीन वर्ष को आदर्श कह कर दिया है। उच्च शिक्षितों में चार - पाँच वर्ष अन्तराल की प्रवृत्ति उभरी लेकिन कोई महत्वपूर्ण नहीं। घरेलू महिलाओं में बहुत ही कम लोगो ने उत्तर दिया है। संख्या में अल्प होने पर कोई विशेष निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

सांख्यिकी-संख्या-15।

पूर्व परिवार वाली शिष्टांक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु-वर्ग अंतराल के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अंतराल का

विश्लेषात्मक अध्ययन

जन्म अंतराल आयु वर्ग	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पांच वर्ष	पांच वर्ष से अधिक	योग
20-30	शिष्टांक	-	-	-	-	-	-	482.19
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	100.00
	घरेलू	-	-	-	-	-	-	1686.67
30-40	शिष्टांक	381.65	582.75	482.19	180.55	-	-	482.19
	कार्यालयी	4.92	8.19	6.56	1.64	-	-	100.00
	घरेलू	782.92	782.92	883.33	180.42	280.83	-	15862.50
40-50	शिष्टांक	4.67	4.67	5.33	0.67	1.33	-	83.33
	कार्यालयी	381.28	582.14	381.28	280.85	280.85	-	57824.36
	घरेलू	4.17	6.94	4.17	2.78	2.78	-	79.17
50-60	शिष्टांक	482.19	783.85	1387.14	281.09	-	-	81844.51
	कार्यालयी	3.74	6.54	12.15	1.87	-	-	75.70
	घरेलू	782.92	280.83	180.42	-	-	-	49820.42
योग	शिष्टांक	13.46	3.85	1.92	-	-	-	94.23
	कार्यालयी	782.99	883.42	782.99	180.43	-	-	87837.18
	घरेलू	6.36	7.27	6.36	0.91	-	-	79.09
योग	शिष्टांक	180.55	381.65	180.55	180.55	-	-	482.19
	कार्यालयी	10.00	30.00	10.00	10.00	-	-	40.00
	घरेलू	280.83	381.25	280.83	-	-	-	1586.25
योग	शिष्टांक	9.09	13.64	9.09	-	-	-	68.18
	कार्यालयी	381.28	481.71	280.85	180.43	180.43	-	32113.68
	घरेलू	6.98	9.30	4.65	2.33	2.33	-	74.42
योग	शिष्टांक	884.39	1588.24	1889.89	482.19	-	-	137175.27
	कार्यालयी	983.75	12830.00	1186.58	180.42	280.83	-	205835.42
	घरेलू	1385.56	1787.26	1285.13	481.71	381.28	-	195879.06
योग	शिष्टांक	884.39	1588.24	1889.89	482.19	-	-	137175.27
	कार्यालयी	983.75	12830.00	1186.58	180.42	280.83	-	205835.42
	घरेलू	1385.56	1787.26	1285.13	481.71	381.28	-	195879.06

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 15.1 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के आयु - वर्ग के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के बीच जन्म - अन्तराल का अध्ययन प्रदर्शित है।

सर्वेक्षण से स्पष्ट है कि 75% शिक्षक, 85% कार्यालयी एवं 80% घरेलू महिलाओं ने इस सम्बन्ध में कोई उत्तर नहीं दिया है। मात्र 25% शिक्षक, 15% कार्यालयी एवं 20% घरेलू महिलाओं के तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म अन्तराल के संभव प्रदर्शित है।

शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 10% ने तीन वर्ष, 8% ने दो वर्ष, 4% ने एक वर्ष तथा मात्र 2% ने चार वर्ष अन्तराल रखा। चार से अधिक अन्तराल किसी ने भी नहीं रखा। पूर्ण परिवार की कार्यालयी महिलाओं में सर्वाधिक महिलाओं ने दो वर्ष एवं तीन वर्ष तथा 4% ने एक वर्ष अन्तराल रखा। चार एवं पांच वर्ष अन्तराल कम ही लोगों ने रखा जिनसे कोई स्पष्ट निष्कर्ष नहीं निकल सकता है। घरेलू महिलाओं में सर्वाधिक 7% ने दो वर्ष, 6% ने एक वर्ष, 5% ने तीन वर्ष, 2% ने चार वर्ष, एवं मात्र एक प्रतिशत ने पांच वर्ष अन्तराल रखा। किसी ने भी पांच से अधिक वर्ष अन्तराल नहीं रखा। इस प्रकार दो वर्ष से अधिक जन्म - अन्तराल शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू तीनों ने ही कम रखा। अधिकतर महिलाओं ने दो से कम वर्ष अन्तराल रखा।

आयु वर्ग के अनुसार देखने पर उनकी संख्या अधिकतर कम होने के कारण किसी विशेष निष्कर्ष पर नहीं पहुँचा जा सकता। हाँ इतना अवश्य रहा कि सर्वाधिक शिक्षकों, कार्यालयी महिलाओं एवं घरेलू महिलाओं ने तीन से कम वर्ष अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया।

पूर्ण परिवार वाली शिक्षा, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुपात तीसरे व चौथे दर्जे के मध्य जन्म जनसंख्या का विभाजन अध्ययन

जन्म अंतराल	महिलाये	एक वर्ष	दो वर्ष	तीन वर्ष	चार वर्ष	पाच वर्ष	पाच वर्ष से अधिक	सांगू नहीं है	योग
शिक्षा									
अशिक्षित	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	41.71 23.53	10.43 5.93	-	-	-	-	1.5.13 70.59	17.7.20 100.00
प्राथमिकी	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	-	-
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	-	-
	घरेलू	72.99 33.89	10.4 5.56	-	-	-	-	10.4.9 55.56	18.7.19 100.00
जूनियर-	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	31.65 100.00	31.65 100.00
	कार्यालयी	20.83 25.00	-	-	-	-	-	6.2.50 75.00	8.3.3 100.00
	घरेलू	20.85 9.52	6.1.16 28.57	20.35 9.52	-	10.4 4.76	-	10.4 47.62	21.3.97 100.00
हाई-स्कूल	शिक्षा	21.09 10.53	10.55 5.26	10.55 5.26	10.55 5.26	-	-	14.7.60 77.78	19.10.44 100.00
	कार्यालयी	31.25 1.50	20.83 3.35	20.33 9.33	-	-	-	17.7.08 70.93	24.10.00 100.00
	घरेलू	-	9.3.95 24.32	20.95 5.41	-	20.95 5.41	-	24.10.76 64.86	37.15.91 100.00
इण्टर-	शिक्षा	21.09 6.89	10.55 3.45	5.2.75 17.24	10.55 3.45	-	-	20.10.99 68.97	29.15.93 100.00
	कार्यालयी	31.25 7.50	10.42 2.50	20.93 5.00	-	-	-	34.14.17 95.0	40.16.17 100.00
	घरेलू	-	-	31.09 10.00	10.43 3.33	-	-	26.11.11 90.67	31.1.9 100.00
स्नातक	शिक्षा	21.09 3.85	5.2.75 9.62	8.4.39 15.38	-	-	-	37.20.33 71.15	52.28.57 100.00
	कार्यालयी	-	9.3.75 14.06	-	-	-	-	55.22.92 85.94	64.26.67 100.00
	घरेलू	-	-	20.85 3.92	10.43 1.96	-	-	48.20.51 94.12	51.21.79 100.00
स्नात	शिक्षा	21.09 2.67	10.5.49 13.33	10.55 1.33	21.09 2.67	-	-	59.32.42 78.67	75.41.21 100.00
	कार्यालयी	10.42 0.98	-	7.2.92 6.86	10.42 0.98	20.83 1.96	-	91.37.92 89.22	102.4.50 100.00
	घरेलू	-	-	3.1.28 5.17	20.85 3.45	-	-	53.22.65 91.38	58.24.79 100.00
डी.फिल.	शिक्षा	-	-	-	-	-	-	4.2.19 100.00	4.2.19 100.00
	कार्यालयी	-	-	-	-	-	-	20.83 100.00	20.83 100.00
	घरेलू	-	-	-	-	-	-	20.85 100.00	20.85 100.00
योग	शिक्षा	8.4.39	17.9.34	15.8.24	4.2.19	-	-	137.75.27	182.100.7
	कार्यालयी	9.3.75	12.5.00	11.4.58	10.42	20.83	-	205.85.42	240.100.2
	घरेलू	13.5.80	17.7.26	12.5.13	4.1.71	3.1.28	-	185.79.06	234.100.7

पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन

सारिणी संख्या 15.2 में पूर्ण परिवार वाली शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं की शिक्षा के अनुसार तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का विभेदात्मक अध्ययन प्रदर्शित है।

सारिणी से स्पष्ट है कि तीसरे व 75% शिक्षक महिलाओं, 85% कार्यालयी महिलाओं, 79% घरेलू महिलाओं के तीन बच्चे हैं, अतः तीसरे व चौथे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल का प्रश्न नहीं उठता। शिक्षक महिलाओं में तीन वर्ष तथा इसके पश्चात् लगभग बराबर दो वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें हैं, दो एवं तीन वर्ष के बाद एक वर्ष का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें 4% हैं, पाँच तथा पाँच वर्ष से अधिक का जन्म - अन्तराल रखने वाली शिक्षक महिलायें नहीं हैं। कार्यालयी महिलाओं ने भी सबसे अधिक दो तथा तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है, कार्यालयी महिलाओं में बहुत कम 0.83% लोगों ने पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल रखा है। घरेलू महिलाओं में दो, वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली घरेलू महिलायें सबसे अधिक, इसके पश्चात् एक वर्ष तथा तीन वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें हैं। घरेलू महिलाओं ने चार तथा पाँच वर्ष का जन्म - अन्तराल वाली शिक्षक महिलायें बहुत कम हैं। स्पष्ट है कि तीन वर्ष के बाद के जन्म - अन्तराल को किसी न भी महत्त्व नहीं दिया है।

विभिन्न वर्ग की महिलाओं को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि शिक्षक महिलाओं ने प्रत्येक स्तर एक दो तथा तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को अपनाया है, कार्यालयी महिलाओं ने भी दो तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को महत्त्व दिया है।

घरेलू महिलाओं में जहाँ पहले अधिधितों एवं प्रथमिक स्तरीय महिलाओं ने एक वर्ष को महत्त्व दिया शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ इन्होंने भी दो तीन वर्ष के जन्म - अन्तराल को अधिक महत्त्व दिया है।

अध्याय - 6

निष्कर्ष

(CONCLUSIONS)

निष्कर्ष

अपने अध्ययन तथा आवश्यक व्याख्या के उपरान्त निम्नलिखित निष्कर्षों पर पहुँचते हैं -

परिवार नियोजन से सहमति एवं असहमति

शिक्षक महिलाओं के परिवार नियोजन के विचार से सहमति एवं असहमति देखने पर यह पाया गया कि 98.95% सहमत एवं मात्र 1.05% असहमत महिलायें हैं। आयु के अनुसार मात्र 40-50 आयु वर्ग की एक प्रतिशत एवं 50-60 आयु वर्ग की लगभग 6% शिक्षक महिलाओं को छोड़कर शेष सभी सहमत पायी गईं। इन महिलाओं का उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार देखने पर उच्च शिक्षितों में सहमति का उच्च स्तर पाया गया। वैवाहिक स्थिति के अनुसार विवाहित 99% एवं अविवाहित शत प्रतिशत सहमत हैं। धर्मानुसार हिन्दुओं एवं ईसाईयों में शत प्रतिशत सहमति एवं मुसलमानों एवं सिक्ख धर्मानुयायियों में अपेक्षाकृत कुछ कम सहमति देखी गई।

परिवार नियोजन के विचार से सहमति के कारणों को देखने पर लगभग 37% बच्चों के अच्छे पालन पोषण के लिए, 27% आर्थिक कारणों से, 19% महिलाओं के सुखी जीवन के विचार से एवं 18% जनसंख्या के विचार से शिक्षक महिलायें सहमत पायी गईं। असहमत होने के कारणों के अनुसार मात्र अल्प शिक्षक महिलाओं ने इसे धर्म के विरुद्ध, महिलाओं के लिए हानिकारक एवं सन्तोषजनक सुरक्षात्मक विधि की अनुपलब्धता बताया।

89% शिक्षक महिलाओं के स्वयं के विचार से शिक्षक वर्ग परिवार नियोजन कार्यक्रम को जन कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकता है। शेष 11% ने इसके विरुद्ध विचार प्रकट किये। लगभग 96% शिक्षक महिलाओं ने जनसंख्या शिक्षा को पाठ्यक्रम में समावेश की स्वीकृत प्रदान की शेष 4% ने अस्वीकृति दी है। जनसंख्या शिक्षा के प्रदान करने के शैक्षिक स्तर के सम्बन्ध में सर्वाधिक महिलाओं ने हाई स्कूल एवं इससे अधिक शैक्षिक स्तर से शुरू करने की स्वीकृत दी है। परिवार नियोजन कार्यक्रम की निरुत्साहित करने वाले लोगों को 80% शिक्षक महिलाओं

ने दण्ड की स्वीकृति दी है जबकि शेष 20% ने इसे अनुचित माना है।

परिवार नियोजन की वांछनीयता एवं शिक्षक महिलाओं द्वारा परामर्श

परिवार नियोजन की विचार धारा से लगभग 99% सहमत है। सर्वेक्षण में देखा गया कि शिक्षक महिलाओं ने परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में लोगों को परामर्श भी दिया है। प्रचार कार्य में इनका योगदान महत्वपूर्ण कहा जा सकता है। शिक्षिकाओं ने न केवल छात्रों को वरन जन समुदाय मित्रों एवं सम्बन्धियों को भी परामर्श दिया है। न्यादर्श की समस्त शिक्षक महिलाओं में लगभग 77% ने छात्रों को परामर्श दिया है। इसमें प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की महिलाओं का योगदान है। परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में परामर्श देने का कार्यक्रम शिक्षित शिक्षिकाओं में कम एवं अधिकाधिक शिक्षितों में अधिक देखा गया है।

सर्वेक्षण में पाया गया कि लगभग 61% शिक्षक महिलाओं ने अपने सम्बन्धियों एवं मित्रों को भी परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में उचित परामर्श दिया है। इसमें प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की शिक्षिकाएँ हैं।

परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में शिक्षक महिलाओं ने जनसमुदाय को भी परामर्श दिया है। न्यादर्श की लगभग 66% शिक्षिकाओं ने जनसमुदाय को उचित परामर्श दिया है।

उपर्युक्त मुख्य तथ्यों से स्पष्ट है कि शिक्षक महिलाओं ने सर्वाधिक छात्रों को, उसके बाद जनसमुदाय को एवं सम्बन्धियों तथा मित्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के सम्बन्ध में उचित परामर्श दिया है। छात्रों को सर्वाधिक परामर्श उनके सन्निकटता का परिचायक है, लेकिन अपने परिधि से निकल कर जनसमुदाय, मित्रों एवं सम्बन्धियों को भी जनसंख्या, एवं परिवार नियोजन की वांछनीयता को स्पष्ट करके समाज में अपनी विशिष्टता एवं उपयोगिता को सिद्ध एवं सार्थक किया है। परिवार नियोजन के विचारों को समाज के आदर्शों के प्रतिमूर्ति इन शिक्षक महिलाओं ने प्रसारित एवं प्रचारित कर नियोजन कार्य में अपने अस्तित्व को भी स्पष्ट किया है।

विवाह की आयु

प्रजननता में पुनरुत्पादन के अवसर का अत्यधिक महत्व होता है। यह विवाह आयु पर महत्वपूर्ण रूप से निर्भर करता है। शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के अध्ययन में, न्यादर्श में 20% शिक्षक महिलायें अविवाहित एवं शेष 80% विवाहित पायी गई। इन विवाहित शिक्षक महिलाओं को उनके विवाह की आयु देखने पर यह पाया गया कि सर्वाधिक 27% महिलाओं की विवाह आयु 21-25 आयु वर्ग रही है। 25 से अधिक आयु में विवाहित लगभग 17% शिक्षक महिलायें पायी गई। कम आयु में भी विवाह शिक्षिकाओं के हुए है। लगभग 4% शिक्षक महिलाओं का विवाह 15 वर्ष के पूर्व, 17% का विवाह 15-18 आयु वर्ग एवं 16% का 18-21 आयु वर्ग में विवाह हुआ है। युवा शिक्षिकाओं में अधिक आयु में विवाह करने की प्रवृत्ति देखी गई।

21-25 आयु वर्ग में विवाहित लोगों को उनके शैक्षिक स्तर के अनुसार अध्ययन करने पर यह देखा गया कि लगभग 15% स्नातकोत्तर, 30% स्नातक, 12% इण्टर एवं 6% जू0 हाई स्कूल स्तरीय पायी गयीं।

स्पष्ट है कि प्रजननता विवाह आयु एवं शिक्षा दोनों से प्रभावित होती है। विवाह आयु कम होने पर प्रजननता के अवसर अधिक एवं विवाह आयु अधिक होने पर प्रजननता के कम अवसर प्राप्त होंगे। 21-25 एवं इससे अधिक भी विवाह आयु निश्चित रूप से पुनरुत्पादन अवसर को प्रभावित करेगी। शिक्षा का भी पुनरुत्पादन - अवसर एवं विवाह आयु पर प्रभाव पड़ता है। शिक्षा के क्षेत्र में अधिक आयु व्यय करने पर विलम्ब विवाह पुनरुत्पादन अवसरों में उतनी छी कटौती का अनुसरण करती है। कम शिक्षा एवं शीघ्र विवाह, पुनरुत्पादन अवसरों को बढ़ाती है। अध्ययन में विलम्ब विवाह एवं उच्च शिक्षा उनके पुनरुत्पादन अवसरों में कमी को स्पष्ट करती है।

आदर्श विवाह आयु

अध्ययन में यह पाया गया कि शिक्षक महिलाओं ने विभिन्न आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है। लड़कियों हेतु आदर्श विवाह आयु सर्वाधिक

लगभग 30% ने 22 वर्ष आदर्श माना है। 23 वर्ष को 10% एवं 24 वर्ष को 15% शिक्षक महिलाओं ने उचित एवं आदर्श माना है। शिक्षक महिलाओं ने कम आयु में विवाह को आदर्श नहीं माना है। और न प्रोत्साहित किया है। 20 से नीचे आयु में विवाह 8% ने, 20 वर्ष को 18% ने एवं 21 वर्ष को 15% ने उचित एवं आदर्श माना है। 24 वर्ष से अधिक आयु में विवाह को शिक्षिकाओं ने स्वीकृति नहीं दिया है।

अध्ययन में यह देखा गया कि स्नातकोत्तर स्तरीय एवं अन्य शिक्षक स्तरीय सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 20-24 आयु के मध्य विवाह एवं डी० फिल० स्तरीय ने सर्वाधिक शिक्षिकाओं ने 22 वर्षायु में विवाह आदर्श माना है। निश्चित रूप से आदर्श विवाह आयु बढ़ने पर शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के नये प्रतिमानों की स्थापना होगी।

लड़को हेतु आदर्श विवाह आयु शिक्षक महिलाओं ने अलग ही व्यक्त किया है। सर्वाधिक लगभग 53% शिक्षिकाओं ने 26 वर्ष आदर्श विवाह आयु लड़को हेतु उचित माना है। 27 वर्ष को 20% ने एवं 28 वर्ष को 12% ने उचित माना है इसमें सर्वाधिक शिक्षिकाओं 30-40 आयु वर्ग की है। मात्र 2% ने 21 वर्ष आयु को विवाह हेतु आदर्श आयु माना है। स्नातकोत्तर शिक्षिकाओं को 26 वर्ष आयु उचित माना है। स्नातक शिक्षिकाओं में भी सर्वाधिक क्रमशः 26, 27 तब 28 वर्षायु को उचित माना है। सर्वाधिक शिक्षित डी० फिल० स्तरीय ने 26 एवं 27 वर्ष को आदर्श माना है। जू० हा० स्कूल स्तरीय ने 23 एवं हाई स्कूल स्तरीय ने 24 वर्षायु में विवाह उचित माना है।

शिक्षक महिलायें एवं उनके परिवार का आकार

अध्ययन में 20% महिलायें अधिवाहित एवं शेष 80% अधिवाहित पायी गईं। लगभग 7% अधिवाहित महिलाओं के सर्वेक्षण समय तक एक भी सन्तान नहीं थी। इस प्रकार शेष 73% शिक्षक महिलाओं के परिवार आकार में सबसे कम एक शिशु 12%, दो शिशु 30%, तीन शिशु 19%, चार शिशु 9%, पांच शिशु 3% एवं पांच से अधिक मात्र 1.52% शिक्षक महिलाओं के पाया गया। सर्वाधिक 30%

महिलाओं के दो सन्तान पायी गयी। 20-30, 30-40 एवं 40-50 तीनों आयु वर्गों में सर्वाधिक महिलाओं के दो सन्तान पायी गई। 20-30 आयु वर्ग में दो सन्तान के बाद एक सन्तान वाली सर्वाधिक महिलायें हैं, जो स्वाभाविक भी हैं। 19% शिक्षक महिलाओं के तीन सन्तान पायी गई, इसमें 50-60 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षिकायें देखी गईं।

शैक्षिक स्तर के अनुसार परिवार आकार देखने पर यह प्रवृत्ति देखी गयी कि सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं § 49% स्नातकोत्तरीय § एवं सर्वाधिक उच्च शिक्षित महिलाओं अधिकतर लोगों ने दो शिक्षा वाले परिवार आकार को अपनाया है।

आदर्श परिवार आकार

लगभग 6% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श परिवार आकार एक शिक्षा, 81% ने दो शिक्षा, एवं दो से अधिक शिक्षा 13% शिक्षक महिलाओं ने आदर्श माना है। सर्वाधिक 81% शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की शिक्षिकायें हैं जिसमें स्नातकोत्तर सर्वाधिक लगभग 40% एवं जू0 हा0 स्कूल की न्यूनतम महिलायें हैं। सर्वाधिक उच्च शिक्षित डी0 फिल0 स्तरीय ने भी दो शिक्षा के परिवार आकार को आदर्श माना है।

शिक्षक महिलाओं की प्रजननता एवं जन्म - अन्तराल

विवाह तथा प्रथम शिक्षा के मध्य जन्म अन्तराल के सम्बन्ध में मात्र 73% शिक्षक महिलाओं के ही प्राथमिक समक एकत्रित हुआ है। शिक्षक महिलाओं ने विवाह एवं प्रथम शिक्षा के मध्य कम अन्तराल रखा है। यथा 44% ने एक वर्ष, 14% ने दो वर्ष, 12% ने तीन वर्ष, 3% ने चार वर्ष एवं 0.5% ने 5 वर्ष एवं अधिक अन्तराल रखा है। लगभग सभी आयु की महिलाओं ने प्रत्येक वर्ष अन्तराल को वरीयता दी है। सर्वाधिक शिक्षिकाओं स्नातकोत्तर स्तरीय ने एक एवं सर्वाधिक उच्च शिक्षित डी0 फिल0 स्तरीय ने तीन वर्ष अन्तराल रखा है।

प्रथम एवं द्वितीय शिक्षा के मध्य सर्वाधिक 24% ने तीन वर्ष के अन्तराल को अपनाया है। इसमें प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तरीय शिक्षक महिलायें हैं।

द्वितीय एवं तृतीय शिक्षा के मध्य सर्वाधिक लगभग 20% शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल रखा है। इसमें लगभग 32% शिक्षिकाओं के ही प्राथमिक समक इकट्ठे हैं जो विभिन्न आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर को धारण करते हैं।

तृतीय एवं चतुर्थ शिक्षा के मध्य 13% शिक्षिकाओं में सर्वाधिक लोगों ने 3 वर्ष अन्तराल को महत्त्व दिया है। इसमें स्नातकोत्तर सर्वाधिक है। डी० फिल० स्तरीय शिक्षिकाओं के एक या दो ही शिक्षा होने के कारण उनके मध्य अन्तराल के प्रश्न का औचित्य ही नहीं उठता है।

आदर्श जन्म - अन्तराल

अध्ययन में देखा गया कि प्रत्येक आयु की महिलाओं ने विवाह एवं प्रथम शिक्षा के मध्य कम से कम जन्म - अन्तराल आदर्श माना है। लगभग 50% ने एक वर्ष एवं 26% ने 2 वर्ष तथा मात्र 6% ने 3 एवं अधिक अन्तराल को आदर्श माना है। सर्वाधिक स्नातकोत्तर शिक्षिकाओं में अधिकांशतः 25% ने एक वर्ष एवं 13% ने दो वर्ष अन्तराल आदर्श माना है।

प्रथम एवं द्वितीय शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल सर्वाधिक लगभग 45% ने तीन वर्ष एवं 29% ने दो वर्ष आदर्श माना है। इसमें सर्वाधिक स्नातकोत्तर स्तरीय शिक्षिकाओं में सर्वाधिक ने 3 वर्ष एवं डी० फिल० स्तरीय शिक्षिकाओं में दो वर्ष जन्म - अन्तराल आदर्श माना है।

द्वितीय एवं तृतीय शिक्षा के मध्य सर्वाधिक लोगों ने तीन वर्ष जन्म - अन्तराल उचित एवं आदर्श माना है। इसमें लगभग 50% शिक्षिकाएँ हैं, जो प्रत्येक आयु वर्ग एवं शैक्षिक स्तर की हैं।

शिक्षक महिलाएँ पूर्ण परिवार

न्यादर्श की समस्त 855 शिक्षक महिलाओं में 182 ऐसी महिलाएँ हैं। जिनका परिवार पूर्ण हो चुका है। इन शिक्षक महिलाओं के प्रजननता सम्बन्धी व्यवहार इस प्रकार है -

परिवार नियोजन की वांछनीयता सम्बन्धी परामर्श

समस्त 182 पूर्ण परिवार की महिलाओं में लगभग 40% ने छात्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता सम्बन्धी उचित परामर्श दिया है शेष ने परामर्श नहीं दिया है। छात्रों के साथ यह प्रवृत्ति देखी गयी कि शिक्षक महिलाओं की आयु बढ़ने के साथ - साथ परामर्श देने की प्रवृत्ति में कमी ही आयी। जू० डा० स्कूल एवं डि० फ़िन० स्तरीय शिक्षिकाओं में सर्वाधिक ने परामर्श दिया लेकिन अन्य शैक्षिक स्तरीय शिक्षिकाओं में अधिकांशतः लोगों ने परामर्श नहीं दिया है।

सम्बन्धी एवं मित्रों को 62% ने परामर्श दिया। शेष 38% शिक्षक महिलाओं ने परामर्श नहीं दिया। मात्र 50-60 आयु वर्ग को छोड़कर। शेष सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं में अधिकांशतः लोगों ने परामर्श दिया है। इसमें सभी शैक्षिक स्तर की महिलायें सम्मिलित हैं। डी० फ़िन० स्तरीय शत - प्रतिशत ने परामर्श दिया है।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में लगभग 69% ने जनसमुदाय को भी परामर्श दिया है। शेष 31% ने परामर्श नहीं दिया। इसमें सभी आयु वर्ग की शिक्षिकायें सम्मिलित हैं।

मात्र छात्रों को छोड़कर शेष सम्बन्धी - मित्रों एवं जनसमुदाय को परिवार नियोजन की वांछनीयता सम्बन्धी परामर्श में यह देखा गया कि शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ परामर्श देने वाली शिक्षक महिलाओं की संख्या में भी वृद्धि हुई है। लेकिन छात्रों के साथ ठीक विपरीत प्रवृत्ति देखी गयी।

विवाह आयु

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक लगभग 60% की विवाह आयु 21-25 वर्ष में पायी गयी। 21 से कम आयु में विवाहित मात्र 5% शिक्षिकायें ही पाई गईं। 25-30 आयु में लगभग 26% एवं 30 से अधिक आयु में भी विवाहित

लगभग 7% शिक्षक महिलायें पाई गयीं। 21-25 आयु में विवाहित सर्वाधिक स्नातकोत्तर महिलायें रही। अन्य शैक्षिक स्तर में भी यही आयु वर्ग सर्वाधिक पाया गया।

आदर्श विवाह आयु

पूर्ण परिवार की सर्वाधिक 45% शिक्षक महिलाओं ने लड़कों के लिए आदर्श विवाह आयु 26 वर्ष आयु उचित आदर्श बताया है। इसमें सर्वाधिक शिक्षिकायें 30-40 एवं 40-50 आयु वर्ग से सम्बन्धित हैं। जो विभिन्न शैक्षिक स्तर की शिक्षक महिलायें हैं। डी० फ़िल० स्तरीय अधिकांश शिक्षिकाओं ने 28 वर्ष की आदर्श विवाह आयु कहा।

लड़कियों के लिए 30-40 आयु वर्ग की सर्वाधिक शिक्षिकाओं ने 20 एवं 22 वर्ष उचित कहा। 40-50 आयु वर्ग ने भी 20, 21 एवं 23 वर्ष उचित रखा। लेकिन 50-60 आयु वर्ग में सर्वाधिक महिलाओं ने 18 वर्ष ही आदर्श रखा। वस्तुतः सर्वाधिक लोगो ने 22 वर्ष ही आदर्श कहा है। इसमें उच्च शिक्षित सर्वाधिक हैं।

परिवार आकार

पूर्ण परिवार की सर्वाधिक लगभग 35% ने 2 बच्चे एवं 31% शिक्षक महिलाओं ने 3 बच्चे के परिवार आकार को महत्व दिया। मात्र 1 बच्चे को 9% ने ही महत्व दिया। जिन्होंने अधिक बच्चों को परिवार आकार में सम्मिलित किया। ऐसे लोगों का प्रतिशत 25 है कम आयु की महिलाओं में कम { 2 बच्चे } एवं अधिक आयु की महिलाओं में 3 बच्चों के महत्व की प्रवृत्ति देखी गयी। शिक्षा के अनुसार भी जैसे - जैसे शैक्षिक स्तर में वृद्धि हुई परिवार आकार कुछ सिमटता सा दिखायी पड़ा।

आदर्श परिवार आकार

आदर्श परिवार में पूर्ण परिवार की सर्वाधिक 69% शिक्षक महिलाओं ने 2 बच्चे को ही उचित कहा। 1 बच्चे को 13% ने एवं 2 से अधिक को 18% ने

ही उचित कहा। इसमें प्रत्येक शैक्षिक स्तर एवं आयु वर्ग की शिक्षक महिलायें हैं।

शिक्षा जन्म - अन्तराल

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में देखा गया कि दीर्घकालीन शैक्षणिक जीवन के बाद वे भी विवाह के बाद यथा शीघ्र सन्तान चाहती हैं। एक वर्ष अन्तराल जहां 42% ने रखा वहीं 2 वर्ष अन्तराल 41% ने रखा।

प्रथम एवं द्वितीय सन्तान के मध्य दो एवं तीन वर्ष, द्वितीय एवं तृतीय तथा तृतीय एवं चतुर्थ के मध्य सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 3 एवं 2 वर्ष जन्म अन्तराल रखा। इसमें 50-60 एवं 40-50 आयु वर्गीय सर्वाधिक एवं प्रत्येक शैक्षिक स्तर की शिक्षक महिलायें हैं।

आदर्श शिक्षा - जन्म - अन्तराल

पूर्ण परिवार वाली विभिन्न शिक्षक महिलाओं ने विवाह एवं प्रथम शिक्षा के मध्य 2 वर्ष के अन्तराल को आदर्श सर्वाधिक लगभग 57% महिलाओं ने माना है। एक वर्ष को भी लगभग 24% ने आदर्श रखा। लेकिन प्रथम एवं द्वितीय सन्तान के मध्य तथा द्वितीय तथा तृतीय सन्तान के मध्य आदर्श जन्म - अन्तराल सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष आदर्श व्यक्त किया।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं का विभेदात्मक अध्ययन

शोध कार्य में शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार के साथ - साथ कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं को भी विभेदात्मक अध्ययन किया गया है। समाज में आदर्श स्वरूप शिक्षक महिलायें एवं कार्यालयी, महिलाओं तथा घरेलू महिलाओं के जनानिकी विचार शोध को नयी दिशा देते हैं। 855 शिक्षक महिलाओं के साथ - साथ 792 कार्यालयी एवं 856 घरेलू महिलाओं के सम्बन्ध में प्राथमिक समक एकत्रित किये गये।

परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में लोगों के परामर्श देने के सम्बन्ध में शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं के विचार देखने पर यह पाया

गया कि शिक्षकों ने इस क्षेत्र में सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। महिला शिक्षकों ने न केवल छात्रों को वरन् मित्रों व सम्बन्धियों तथा जनसमुदाय को भी परामर्श दिया है जबकि अन्य महिलाओं से छात्रों को परामर्श का औचित्य ही नहीं उठता। मित्रों एवं सम्बन्धियों को भी सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है। सबसे कम लगभग 42% कार्यालयी महिलाओं ने मित्रों व सम्बन्धियों को परामर्श दिया है। प्रत्येक शिक्षक स्तर की शिक्षक महिलाओं ने परामर्श दिया है जबकि यह प्रवृत्ति कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में अधिक शिक्षितों में देखी गयी। यद्यपि शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु की महिलाओं ने परामर्श दिया है लेकिन 20-30 आयु वर्ग में घरेलू महिलायें अधिक हैं। जनसमुदाय को भी सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने एवं सबसे कम लगभग 38% कार्यालयी महिलाओं ने परामर्श दिया है। शिक्षा के स्तर वृद्धि के साथ परामर्श दाताओं की संख्या वृद्धि जुड़ी पायी गयी।

विवाह - आयु के सम्बन्ध में भी विभेदात्मक अध्ययन किया गया। सर्वोच्चतम सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं की विवाह आयु 21-25 वर्ष जबकि सर्वाधिक घरेलू महिलाओं की 18-21 वर्ष पायी गयी। कम आयु में विवाहित अपेक्षाकृत उच्च शिक्षित नहीं पायी गईं। 21-25 आयु में विवाहित अधिक शिक्षित महिलायें देखी गईं। कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं में पाया गया कि निम्न स्तरीय शिक्षा शीघ्र विवाह प्रवृत्ति एवं उच्च शिक्षा विलम्ब विवाह को प्रोत्साहित करती है। घरेलू महिलाओं में भी देखा गया लेकिन स्पष्टतया नहीं।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने विवाह की आदर्श आयु के सम्बन्ध में विभिन्न विचार प्रकट किये हैं। लड़कियों हेतु सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 22 वर्षायु, सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्षायु एवं सर्वाधिक घरेलू महिलाओं ने 20 वर्षायु, आदर्श विवाह आयु व्यक्त किया है। शिक्षा का कार्यालयी एवं शिक्षक महिलाओं पर पड़े प्रभाव अपेक्षाकृत घरेलू महिलाओं के अधिक पाया गया। शिक्षक महिलाओं ने लड़कियों हेतु 18 से कम से या 25 वर्ष आयु के बाद विवाह आदर्श नहीं माना है। कार्यालयी महिलाओं ने भी शीघ्र विवाह

को आदर्श नहीं माना है। 24 वर्षायु को सर्वाधिक एवं ज़रते भी 20-30 की अधिकतर महिलाओं ने आदर्श व्यक्त किया है। लगभग प्रत्ये आयु - वर्ग की घरेलू महिलाओं ने शीघ्र ॥ सर्वाधिक ने 20 वर्षायु ॥ विवाह को आदर्श महत्व दिया है।

लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु के सम्बन्ध में शिक्षक महिलाओं ने सबसे अधिक 26 वर्ष को, कार्यालयी महिलाओं ने 28 वर्ष को तथा घरेलू महिलाओं ने 25 वर्ष माना है। शैक्षिक स्तर के अनुसार जूनियर हाई स्कूल स्तरीय शिक्षक महिलाओं को छोड़कर शेष सभी शैक्षिक स्तरों की शिक्षक महिलाओं में शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ लड़कों के लिए विवाह की आदर्श आयु में वृद्धि दिखायी पड़ी है। घरेलू महिलाओं में उच्च शिक्षित महिलाओं ने 23 वर्ष से कम आयु को आदर्श नहीं माना है। लगभग 61% घरेलू महिलाओं ने 25-26 वर्ष को आदर्श माना है। आयु वर्ग के अनुसार देखने पर स्पष्ट होता है कि 20-30 आयु वर्ग में मात्र घरेलू महिलाओं को छोड़कर किसी ने भी 21 वर्ष से कम आयु को आदर्श नहीं माना है। सभी आयु वर्ग की शिक्षक महिलाओं ने 26 वर्ष को ही आदर्श माना है जबकि कार्यालयी महिलाओं में अधिक आयु वर्ग की महिलाएँ कम आयु को आदर्श मानती हैं। घरेलू महिलाओं में 50-60 आयु वर्ग की महिलाओं को छोड़कर शेष सभी विवाह की आदर्श आयु अधिक चाहती हैं।

परिवार आकार के सम्बन्ध में पाया गया कि सर्वाधिक महिलाओं का परिवार आकार दो शिशु का है। लगभग 12% शिक्षक महिलाओं का परिवार आकार एक शिशु, 30% के दो शिशु एवं 19% के तीन शिशु पाया गया। कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं में भी ठीक यही प्रवृत्ति पायी गई है। सभी आयु वर्ग की महिलाओं ने दो शिशु को महत्व दिया लेकिन 50-60 आयु वर्ग में दो से अधिक शिशु को महत्व प्राप्त हुआ।

सर्वाधिक लगभग 80% शिक्षक, 72% कार्यालयी एवं 71% घरेलू महिलाओं ने आदर्श परिवार आकार में दो शिशु आदर्श व्यक्त किया। शिक्षिकाओं की तुलना में लगभग तीन गुनी कार्यालयी महिलाओं ने एक सन्तान को आदर्श माना।

तीन से अधिक को भी मात्र कार्यालयी महिलाओं को छोड़कर अन्य ने महत्व दिया। शैक्षिक स्तर में वृद्धि ने शिक्षक महिलाओं को तीन से दो शिक्षा की ओर प्रेरित किया। कार्यालयी महिलायें शीघ्र एवं कम शिक्षा को अधिक महत्व देती पायी गई। युवा महिलाओं में दो शिक्षा के आदर्श आकार को महत्व अधिक देते पाया गया। बच्चों के जन्म के सम्बन्ध में जन्म - अन्तराल का भी अध्ययन किया गया। विवाह एवं प्रथम शिक्षा के मध्य प्रत्येक वर्गीय महिलाओं ने कम ही अन्तराल रखने का प्रयत्न किया है। यद्यपि एक वर्ष अन्तराल सभी आयु - वर्ग की महिलाओं ने अपनाया लेकिन शिक्षक महिलाओं में प्रत्येक आयु वर्ग ने 20-30 एवं 30-40 आयु वर्ग की कार्यालयी महिलाओं ने, एवं मात्र 50-60 आयु वर्ग को छोड़कर सभी घरेलू महिलाओं ने एक वर्ष को महत्व दिया है। आदर्श जन्म - अन्तराल सर्वाधिक महिलाओं ने एक वर्ष ही व्यक्त किया है। एक के बाद दो वर्ष अन्तराल को ही सर्वाधिक महत्व दिया है।

प्रथम एवं द्वितीय शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल जहाँ सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष रखा वहीं कार्यालयी ने दो एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष अन्तराल रखा। शिक्षा - स्तर में वृद्धि ने शिक्षक महिलाओं के तीन वर्ष अन्तराल को अधिक बल प्रदान किया। इसमें प्रौढ़ महिलायें अधिक है। आदर्श अन्तराल सभी ने तीन वर्ष व्यक्त किया है लेकिन इसमें घरेलू महिलायें सर्वाधिक एवं शिक्षक महिलायें कम रही। कार्यालयी महिलाओं ने तीन एवं इससे कम अन्तराल आदर्श कहे जबकि घरेलू एवं शिक्षक महिलाओं ने तीन एवं तीन से अधिक आदर्श व्यक्त किये। 20-30 आयु वर्ग की सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल को आदर्श कहा जिसमें शिक्षक अपेक्षाकृत कम हैं।

द्वितीय एवं तृतीय शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष अन्तराल रखा, जबकि कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष। इनके शैक्षिक स्तर में वृद्धि शिक्षिकाओं के दो से तीन वर्ष अन्तराल कार्यालयी महिलाओं के एक से दो वर्ष अन्तराल एवं घरेलू महिलाओं के एक - दो से तीन वर्ष अन्तराल की ओर अंतरण स्पष्ट करता है। आदर्श अन्तराल के विचार वास्तविकता से भिन्न हैं। सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने तीन

वर्ष एवं घरेलू ने दो वर्ष ही आदर्श व्यक्त किया है।

तृतीय एवं चतुर्थ शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में चौथे शिक्षा हेतु यद्यपि 14% शिक्षक महिलाओं ने, 10% कार्यालयी ने, एवं 23% घरेलू महिलाओं ने उत्तर दिया है फिर भी इसमें सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू ने तो तीन वर्ष अन्तराल रखा और सर्वाधिक कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष। तृतीय एवं चतुर्थ सन्तान हेतु आदर्श जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में लगभग सभी मौन ही रहे जो उनके प्रजननता व्यवहार को स्पष्ट करता है।

शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें : पूर्ण परिवार

न्यादर्श की 855 शिक्षक महिलाओं में पूर्ण परिवार की 182, 792 कार्यालयी महिलाओं में 240, एवं 856 घरेलू महिलाओं में 234 पूर्ण परिवार वाली महिलायें हैं।

पूर्ण परिवार की शिक्षक महिलाओं में लगभग 40% ने छात्रों को परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में परामर्श दिया है। शेष ने परामर्श नहीं दिया है। शिक्षक महिलाओं के आयु - वृद्धि के साथ परामर्श देने की प्रवृत्ति में वृद्धि देखी गई। लेकिन शैक्षिक स्तर में वृद्धि के साथ यह प्रवृत्ति नहीं देखी गयी। छात्रों को मात्र शिक्षक महिलाओं ने ही परामर्श दिया है। अन्य लोगों के द्वारा परामर्श का औचित्य भी नहीं उठता। सम्बन्धी एवं मित्रों को परामर्श देने में शिक्षक महिलायें अग्रणी रही। कार्यालयी महिलायें भी अधिक पायी गई। लेकिन घरेलू महिलाओं में अधिक अनुपात नहीं देखा गया। युवा शिक्षक महिलाओं में परामर्श देने का कार्य अधिक देखा गया। कम शिक्षित महिलाओं में कम एवं अपेक्षाकृत उच्च स्तरीय महिलाओं में अत्यधिक परामर्श देने की प्रवृत्ति पायी गई। परिवार नियोजन की वांछनीयता के संदर्भ में इन महिलाओं के द्वारा जनसमुदाय को दिये गये परामर्श को देखने पर यह देखा गया कि मात्र शिक्षक महिलायें ही ऐसी सर्वाधिक हैं जिन्होंने जनसमुदाय को सहयोग दिया है। घरेलू में अपेक्षाकृत कम एवं कार्यालयी महिलाओं में अत्यधिक कम परामर्श देने की प्रवृत्ति पायी गई। युवा शिक्षक महिलाओं में परामर्श

की अधिक प्रवृत्ति तो युवा कार्यालयी महिलाओं में ठीक विपरीत स्थिति देखी गयी शिक्षक - स्तर में वृद्धि के साथ - साथ शिक्षक महिलाओं में ही परामर्श की अधिक प्रवृत्ति पायी गई।

विवाह की आयु के विभेदात्मक अध्ययन में यह देखा गया कि सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का विवाह 21-25 वर्ष में एवं घरेलू महिलाओं का 18-21 आयु में हुआ है। कम शिक्षित महिलाओं विशेषकर घरेलू महिलाओं का कम आयु एवं अधिक व उच्च शिक्षित विशेषकर शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं का अधिक आयु में विवाह हुआ है। निश्चित रूप से शिक्षा का विवाह आयु से सम्बन्ध स्पष्ट दिखायी पड़ता है। लड़कों हेतु आदर्श विवाह - आयु के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 26 एवं इससे अधिक वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने 28 एवं अधिक वर्ष लेकिन घरेलू महिलाओं ने 25 एवं उसे कम आयु को अधिक महत्व एवं उचित बताया। शिक्षा का आदर्श विवाह आयु पर प्रभाव पड़ता है। यह तथ्य देखने में आया। अधिक शिक्षितों ने अधिक आयु में लड़कों हेतु विवाह आदर्श बताया। लड़कियों हेतु आदर्श विवाह - आयु के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने 20-22 वर्ष, कार्यालयी महिलाओं ने 24 वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने 20 वर्ष आदर्श आयु उचित बताया। कम शिक्षित महिलाओं ने लड़कियों हेतु कम आदर्श आयु व्यक्त किया जबकि अधिक उच्च शिक्षित महिलाओं ने अधिक आयु लेकिन 24 वर्ष से कम को आदर्श बताया।

परिवार के आकार के सम्बन्ध में सर्वाधिक शिक्षक एवं कार्यालयी महिलाओं ने दो बच्चे, एवं घरेलू महिलाओं ने तीन बच्चों को परिवार के आकार में महत्व दिया है। एक बच्चे मात्र शिक्षक महिलाओं में सर्वाधिक पाये गये। उच्च शिक्षितों में परिवार आकार कम पाया गया। सर्वाधिक शिक्षक, कार्यालयी एवं घरेलू महिलाओं ने बच्चों के परिवार आकार को आदर्श बताया। इसमें कार्यालयी एवं शिक्षक महिलायें अपेक्षाकृत अधिक हैं। ग्रीढ़ महिलाओं में परिवार आकार अधिक उचित नहीं माना गया है। युवा घरेलू महिलायें भी कम परिवार आकार को आदर्श व्यक्त करती पायी गईं। उच्च शिक्षितों ने एक एवं दो बच्चों को आदर्श बताया है, जो महत्वपूर्ण तथ्य है।

पूर्ण परिवार की विभिन्न महिलाओं के बच्चों के मध्य जन्म - अन्तराल के सम्बन्ध में भी अध्ययन किया गया। सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने विवाह तथा पहले शिक्षा जन्म के मध्य एक वर्ष, कार्यालयी एवं घरेलू ने दो वर्ष रखा है लेकिन इन्होंने आदर्श में परिवर्तित रूप उचित व्यक्त किया है। शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष लेकिन कार्यालयी महिलाओं ने एक वर्ष उचित व्यक्त किया है। पहले व दूसरे शिक्षा के मध्य जन्म - अन्तराल विभिन्न महिलाओं में सर्वाधिक ने दो वर्ष रखा है। लेकिन इन्होंने आदर्श अन्तराल तीन वर्ष उचित व्यक्त किया है। दूसरे व तीसरे बच्चे के मध्य जन्म - अन्तराल सर्वाधिक शिक्षक एवं घरेलू महिलाओं ने तीन वर्ष एवं कार्यालयी महिलाओं ने दो वर्ष रखा है लेकिन आदर्श - अन्तराल के सम्बन्ध में शिक्षकों ने पूर्ववत् लेकिन कार्यालयी ने तीन वर्ष एवं घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष उचित माना है। इसमें उच्च शिक्षित अधिक महिलायें पायी गईं। तीसरे एवं चौथे शिक्षा के मध्य सर्वाधिक शिक्षक महिलाओं ने तीन वर्ष, एवं कार्यालयी तथा घरेलू महिलाओं ने दो वर्ष का अन्तराल रखा है। यद्यपि इनकी संख्या कम है फिर भी पूर्ण परिवार की होने के कारण महत्वपूर्ण है।

अध्याय - 7

सर्वेक्षण - अनुभव

(FIELD - EXPERIENCE)

सर्वेक्षण अनुभव (Field Experience)

प्रस्तुत शोध " शिक्षक महिलाओं और प्रजननता " के अनुभवगम्य अध्ययन हेतु सर्वेक्षण इलाहाबाद नगर के संदर्भ में किया गया है। 7 अगस्त 1983 से प्रारम्भ होकर 20 जुलाई 1984 में लगभग 11 महीने के अन्तराल में सर्वेक्षण अनुभव की विभिन्न परिस्थितियों से गुजरना पड़ा। सर्वेक्षण दो भिन्न चरणों में सम्पन्न हुआ। प्रथम - विद्यालयों के ग्रीष्मावकाश के पूर्व, द्वितीय ग्रीष्मावकाश के बाद। सर्वेक्षण शोध का अत्यन्त महत्वपूर्ण अंग होता है। इसमें शोधकर्ता को विभिन्न नियमों व परिनियमों में बदल होकर Investigation करना पड़ता है।

सर्वेक्षण में पुरुष शोध कर्ता को अत्यधिक कठिनाइयाँ सहनी पड़ती हैं लेकिन यदि शोध कर्ता महिला हो तो, सर्वेक्षण अवधि में उत्पन्न हुई कठिनाइयाँ और अधिक दुष्कर रहती हैं।

लगभग एक दशक से परिवार नियोजन एवं परिवार कल्याण सम्बन्धी कार्यक्रमों एवं घोषित सरकारी नीतियों के अनुचित क्रियान्वयन से प्रत्येक शोध कर्ता को क्षेत्र में परेशानी होती है। सर्वेक्षण कर्ता शोध एवं अनुसन्धान का सजग प्रहरी होता है लेकिन यह बात निर्भर करती है कि, सर्वेक्षण - क्षेत्र एवं न्यादर्श की क्या वस्तु स्थिति है।

प्रजननता के विषय में फिर गए सर्वेक्षण में यह देखा गया कि सामान्य लो गो के अलावा शिक्षक आदर्श वर्ग, शिक्षक महिलाओं में भी भ्रम एवं अपूर्ण धारणाएँ व्याप्त हैं। शिक्षकों एवं समाज के आदर्श वर्ग माने गए शिक्षिकाओं से ही यह आशा की जा सकती है, कि वे अवश्य सहयोग देंगे, लेकिन उनसे शोध सम्बन्धी पूर्ण जानकारीयाँ प्राप्त करना अत्यधिक कठिन कार्य है। समाज में महिलाओं की स्थिति विशेष अच्छी नहीं है। जहाँ एक ओर हम महिला वर्ष एवं महिला

संगठनों के माध्यम से महिलाओं के उत्थान के लिए कुछ करना चाहते हैं 'वहीं' इस क्षेत्र में विपरीत तथ्य मिले। न्यादर्श की महिला शिक्षिकाओं से पूर्णतया सहयोग न मिलना इस बात की पुष्टि करता है, कि आज की महिलाओं के उत्थान में महिलायें ही बाधक हैं। विद्यालय की प्रधानाचार्याओं से अपेक्षा एवं असहयोग मिला। अपने प्रशासनिक प्रधानाचार्या के पद का दुरुपयोग करते हुए, "चलो, हटो यहाँ से। ऐसे फालतू काम के लिए मेरे पास वक्त नहीं है, कमरे में मत घुसिए निकलिये" आदि कटु व्यवहार ने स्वयं उनकी प्रजननता व्यवहार के अध्ययन में बाधा एवं शोध अध्ययन के क्षेत्र में निराशा उत्पन्न की। वस्तुतः शिक्षक महिलाओं का अध्ययन विद्यालयों में ही संभव है, और विद्यालयों में प्रधानाचार्याओं की अनुमति के बिना सर्वेक्षण कार्य होना संभव ही नहीं था। ऐसी स्थिति में किसी ऐसी महिला या शिक्षिका की खोज करके सर्वेक्षण की अनुमति एवं सर्वेक्षण प्रक्रिया का प्रारम्भ करना मेरे लिए अत्यधिक कठिन था। फिर भी आशा, विश्वास एवं धैर्य से मुझे शोध में होने वाली परेशानियों को विशेषकर महिलाओं के लिए यह समस्या स्वभाविक है, ऐसा मानकर मैं अपने कार्य में हतोत्साहित नहीं हुई।

अध्ययन के विषय में शिक्षक महिलाओं का भी ज्ञान विशेष उल्लेखनीय नहीं रहा। प्रायः उनके अन्दर झिझक एवं तात्कालिक उत्पन्न हुई अज्ञानता को मैं पूर्णतया दूर नहीं कर पायी लेकिन इस मनोवृत्ति को अत्यधिक कम करने में अवश्य सफल रही, जिसके कारण शोध प्रक्रिया अप्रभावित रही। विषम परिस्थितियों के होने पर भी अधिकांशतः महिला शिक्षिकाओं ने सहयोग दिया। शिक्षिकाओं के प्रजननता व्यवहार के अध्ययन के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन हेतु कार्यालयी एवं सामान्य घरेलू महिलाओं का भी अध्ययन किया गया जिनसे अपर्याप्त सहयोग मिला।

शोध उपाधि हेतु बिना किसी आर्थिक सहायता के अनुभवगम्य अध्ययन निश्चित रूप से दुसह्य कार्य है। नगर के विभिन्न विद्यालयों की स्थिति में अत्यधिक विषमता है। शोध स्थल को खोजना एवं व्यय साध्य वाहन से पहुँचना

मेरे लिए दुष्कर सा रहा । वर्तमान सामाजिक परिस्थितियों में कितनी लड़की
॥शोध छात्रा॥ का शोध सर्वेक्षण कार्य में विचरण एवं उत्पन्न हुई व्यक्तिगत
परेशानियाँ मनुष्य की वैचारिक स्थिति एवं मानवीय कुण्ठाओं को व्यक्त करती
है ।

अध्याय - 8

नीति हेतु संस्तुतियां

(POLICY - RECOMMENDATIONS)

नीति हेतु संस्तुतियाँ (Policy Recommendations)

शिक्षक महिलायें एवं उनके प्रजननता सम्बन्धी व्यवहार को इलाहाबाद नगर की परिधि के सम्बन्ध में अध्ययन करने पर नीति में परिवर्तन के लिए निम्न सुझाव प्रस्तावित हैं-

- 1- समाज में महिलाओं की शिक्षा के प्रति संकीर्ण दृष्टिकोण बदलना चाहिए तथा उनकी शिक्षा के प्रति उदार नीति अपनानी चाहिए ।
- 2- शिक्षक वर्ग , समाज का आदर्श वर्ग होने के कारण परिवार नियोजन कार्यक्रम को जनकार्यक्रम बनाने में सर्वाधिक सहयोग दे सकता है, इसमें महिला शिक्षकों का योगदान पुरुष शिक्षकों से अधिक ही हो सकता है। इसलिए शिक्षक महिलायें अपने प्रयत्नों द्वारा राष्ट्र के आर्थिक विकास के बढ़ते अवरोधों को कम कर सकती हैं। यद्यपि कार्यालयी एवं घरेलू महिलायें भी अपवाद नहीं हैं, लेकिन इनका क्षेत्र कुछ सीमित अवश्य होता है।
- 3- समाज में शैक्षिक स्तर के परिणामात्मक एवं गुणात्मक स्तर में वृद्धि एवं उन्नयन हेतु प्रयत्न करना चाहिए । साथ ही, प्रौढ़ शिक्षा को भी प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- 4- जनसंख्या शिक्षा अनिवार्य होनी चाहिए । इस सम्बन्ध में उच्चस्तरीय अध्ययन एवं अनुसंधान भी अपेक्षित है।
- 5- जनसंख्या शिक्षा को पूर्व माध्यमिक स्तर या उसके पूर्व ही लागू करना चाहिए ।
- 6- शिक्षिकाओं एवं कार्यालयी महिलाओं के लिए जनसंख्या शिक्षा प्रकोष्ठ (Population education cell), Population education workshop और Population club की स्थापना, स्वायत्त संस्थाओं एवं सरकारी संस्थाओं एवं उनके नियोजकों द्वारा करना चाहिए ।

7- घरेलू महिलाओं के लिए सरकार की ओर से निःशुल्क प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, परिवार कल्याण केन्द्र, चल अस्पताल (Mobile Hospital) एवं उचित सलाह केन्द्रों की स्थापना करनी चाहिए। प्रचार एवं प्रसार का क्षेत्र विस्तृत होना चाहिए। निजी अस्पताल की स्थापना को प्रोत्साहन देना चाहिए। शिक्षिकाओं को जनसंख्या शिक्षा, परिवार कल्याण या परिवार नियोजन के विषय में अपने सम्पर्क में आने वाले लोगों को विस्तृत एवं वैज्ञानिक रूप से तथ्य बताना चाहिए। शिक्षक महिलाओं को छात्रों को बताने में उचित सन्तुलन एवं विवेकपूर्वक काम करना चाहिए। परिवार कल्याण कार्यक्रमों के प्रति शिक्षक महिलायें आदर्श परिवार के विषय में जानकारी देकर, बढ़ते आर्थिक भार को स्पष्ट करके एवं गिरते स्वास्थ्य को बताकर लोगों की अभिरूचि बढ़ा सकती हैं।

8- परिवार कल्याण कार्यक्रम के अन्तर्गत आवश्यक शिशु विहीन महिलाओं को वैज्ञानिक एवं चिकित्सीय सहायता उपलब्ध करानी चाहिए।

9- प्राथमिक परिवार कल्याण केन्द्रों पर उचित व्यवस्था होनी चाहिए। चिकित्सकों, नर्सों, सेविकाओं की संख्या में बृद्धि तथा प्रचार हेतु अधिक साधन विनिधान की आवश्यकता है।

10- राज्यों को दी जाने वाली केन्द्रीय सहायता बढ़नी चाहिए तथा निम्न जन्म दर लाने हेतु आवश्यक कानून बनाने में स्वतन्त्रता देनी चाहिए।

11- परिवार कल्याण के बजट एवं वास्तविक हुए व्यय के मध्य अन्तर को कम करना चाहिए।

12- निम्न जन्म दर अपनाने वाले लोगों को द्रव्यिक सहायता देनी चाहिए।

13- विवाह पंजीकरण अनिवार्य होना चाहिए। तथा नव विवाहित दम्पतियों समुचित जानकारी निःशुल्क उपलब्ध करानी चाहिए।

14- समाज में लड़कियों को लड़कों के समान महत्त्व देना चाहिए।

- 15- शिशु जन्म-अन्तराल 3-5 वर्ष अवश्य होना चाहिए ।
- 16- परिवार आकार में मात्र दो शिशु ही होना चाहिए । " एक युगल एक शिशु के प्रचार को भी प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- 17- विवाह आयु में वृद्धि होनी चाहिए । लड़कियों के लिए 21-24 वर्ष तथा लड़कों के लिए 26-28 वर्ष होनी चाहिए ।
- 18- शिशु मृत्यु दर घटानी चाहिए ।
- 19- प्रवास एवं शहरीकरण को प्रोत्साहन देना चाहिए ।
- 20- परिवार आकार के संकुचन में धर्म बाधक है, इसलिए राष्ट्रीय हित में धर्म की संकीर्णताओं को ध्यान नहीं देना चाहिए ।
- 21- परिवार कल्याण - कार्यक्रम में सरकारी संस्थाओं के साथ -2 निजी संस्थाओं का समावेश व प्रोत्साहन आवश्यक है ।
- 22- प्रजननता सम्बन्धी तथ्यों का विश्लेषण वैज्ञानिक दृंग से अपेक्षित है, यह कार्य विभिन्न स्वैच्छिक संस्थाओं समितियों यथा रेडियो , दूरदर्शन, समाचार पत्र साहित्य, सिनेमा, प्रचार - प्रसार एवं जनमत द्वारा ही संभव है । राज्यकीय तंत्र का क्रियाशील होना भी आवश्यक है ।
- 23- परिवार कल्याण कार्यक्रम को निरूत्साहित करने वालों के प्रति वैधानिक कार्यवाही की जानी चाहिए ।

अध्याय - 9

अध्याय में शोध हेतु संस्तुतियां
(RECOMMENDATIONS FOR FURTHER RESEARCH)

भविष्य में शोध हेतु संस्तुतियाँ

Recommendations for further research

शोध -प्रक्रिया एक निश्चित परिधि में सीमित होने पर शोध कर्ता की दृष्टि प्रत्येक स्थान पर यद्यपि केन्द्रित नहीं होती है, तथापि उसके तीक्ष्ण चक्षु वस्तुगत या विषयगत परिधि को भेदने एवं इसके दर्शन को आत्मसात करने में नहीं चूकते हैं।

“नियोजन” अपने आप में एक संतुलित संकल्पना है, चाहे वह आर्थिक नियोजन से अपना सम्बन्ध रखती हो या प्रजननता के “परिवार नियोजन” अवधारणा से। शोध में “प्रकृति” की सीमितता एवं “प्रकृति” के विस्तार दोनों को समान महत्त्व देना चाहिए। परिवार-कल्याण पर हुए शोध, परिवार नियोजन पर हुए शोध कार्यों से कम नहीं होना चाहिए अन्यथा मानव कल्याणकारी इन विभिन्न शास्त्रों की अपनी उपयोगिता ही संदिग्ध दृष्टिगोचर होगी।

मानव के प्रजननता व्यवहार अध्ययन में आवश्यकता है अब उन शोधों को प्रश्रय देने की, जो प्रजननकारियों के उत्प्रेरक बन सकें। मानव संहार यदि मनुष्य द्वारा संभव है, तो मानव-कल्याण भी उन्हीं से ही होगा। इस दिशा में जनसंख्या शिक्षा पर होने वाले शोध कार्यों एवं अनुसंधानों को प्रोत्साहन प्रजननता व्यवहार अध्ययन को और अधिक सरल एवं सुरुचिपूर्ण बना सकता है।

शिक्षक महिलाओं के प्रजननता व्यवहार अध्ययन में सिक्के के दूसरे पहलू, उनके पतियों के प्रजननता व्यवहार का अध्ययन और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ठीक इसी प्रकार से पुरुष शिक्षकों के प्रजननता-व्यवहार अध्ययन में उनकी पत्नियों के व्यवहार का अध्ययन अपेक्षित हो जाता है। अध्ययन में दृष्टव्य है कि, शिक्षक महिलायें अपने प्रजननता व्यवहार की प्रक्रिया में अपने पतियों पर अधिक दायित्व सौंपने की कोशिश करती हैं, जो एक विशिष्ट, सीमा में शोध अध्ययन का विषय हो सकता है, तो निश्चित रूप से समाज में आदर्श के प्रतिरूप शिक्षक,

शिक्षिकाओं का अपना अस्तित्व क्या होगा यह विचारणीय है। बौद्धिक जगत के इन प्रजननकारियों को सामान्य लोगों में गणना करना अपने आप में अविशेषपूर्ण

एवं असंगत होगा।

हमारा समाज इतना रूढ़िवादी है कि, परिवार नियोजन कार्यक्रम के सम्बन्ध में और परिवार नियोजन विधियाँ के अनुसरण के सम्बन्ध में भी लोगों को संकोच होता है, तथा परिवार नियोजन विधियाँ भी पूरी तरह से सन्तोषजनक नहीं हैं जो सर्वसाधारण को पूरी तरह से आवश्यक जानकारी से सन्तुष्ट कर सकें। न जाने क्यों सरकारी प्रयत्न एवं निजी क्षेत्र में विभिन्न प्रयासों के बाद भी लोग समुचित लाभ नहीं उठा पा रहे हैं? नियोजन कार्यक्रम से सम्बन्धित कर्मचारियों की भूमिका अपेक्षाकृत कम सफल एवं कुछ संदिग्ध होती जा रही है। अतः इस दिशा में पर्याप्त सफलता न मिलने का बहुआयामी दृष्टिकोण पुनः शीघ्र अनुसंधानों को निर्देशित करता है।

अध्याय - 10

ग्रंथ - संदर्भ - सूची

(BIBLIOGRAPHY)

BIBLIOGRAPHY

1. Agrawal, S.N.
Some Problems of India's Population. Vora and Co.
Publishers Ltd., Bombay.
2. Agrawal, S.N.
India's Population Problems. Tata McGraw Hill
Pub. Co., Bombay.
3. Agrawal, Dr.S.K.
Principles of Demography.
4. Bown, Iane
Population Book, Cambridge University Press,
1955.
5. Barclay, George, W.
Technique of Population Analysis. John Willey
& Sons, New York, 1958.
6. Berelson and others
Family Planning and Population Programs. The
University of Chicago Press, Chicago & London.
7. Bhande, Asha, A. and Kanitkar, Tara
Principles of Population Studies.
8. Brien, John, A.O.
Family Planning in an Exploding Population.
Amerind Publishing Co. Pvt. Ltd., New Delhi,
Bombay, Calcutta, New York.

9. Barbara, K. Herz
Official Development Assistance for Population activities.
10. Bajpeyi, Dr.S.R.
Social Research and Surveys, Kitab Mahal.
11. Casseen, R.H.
Population, economy and Society. The Mac Millan Company of India, Delhi, 1983.
12. Coal, A.J. and Hooves, E.M.
Population Growth and economic development in India, 1956.
13. Chandrasekhar, S. (Edited)
Asia's Population Problems.
14. Chandrasekhar, C. and Kuder, Kathesine
Family planning through clinic report of a survey of family Planning Clinics in Greater Bombay. Allied Publishers Private Ltd., Bombay, London, New York.
15. Davis, Kingslay
The Population of India and Pakistan. Princeton, Princeton University Press.
16. Desai, P.B.
Size and Sex Composition of Population in India (1901-1961). Asia Publishing House, 1969.

17. Donald, Bogue, J.
Demographic Techniques of Fertility analysis.
Community and Family Study Center, University
of Chicago, 1970.
18. Gyan Chand
Some aspect of population in India, 1957.
19. Gyan Chand
Population in perspective study of population
crisis in India in the context of new social
Horizons. Orient Longman Ltd., New Delhi, 1972.
20. Goel, R.P.
Fertility and Family Planning in Western Uttar
Pradesh. Demographic Research Centre, Draft
Report.
21. Goad, W.J.
World Revolution and Family Patterns.
22. Hauper and Duncan
The study of Population (edited).
23. Heer, David, M.
Society and Population.
24. Janes, Hywel, G.
An Introduction to modern theories of Economic
Growth, McGraw Hill Book Company, 1976.
25. Jail Pal, P.Ambannavap.
A Demographic study of Maharashtra State,
N.I.F.P., New Delhi, 1975.

26. Kapadia, K.M.
Marriage and Family in India.
27. Ohlin Goran
Population Control & Economic Development, 1967.
28. Myr^Aal Gunnar
Asian Drama, An enquiry into the Poverty of nations - Vol. II. Penguin Books Ltd., Middlesex England, 1968.
29. Memoria, C.B.
Population Growth and Economic Development in India, Sahitya Bhawan, Agra.
30. Mishra, Bhaskar, D.
An Introduction to the study of Population.
South Asian Publishers Pvt. Ltd., 1980.
31. Oberoi, A.S. and Singh, H.K. Manmohan
Cause and consequences of Internal Migration.
Oxford University Press, 1983.
32. Peterson, W.
Population in Economic Growth, North Holland Publishing Co. Amsterdarn, 1977.
33. Pitchford J.D.
Contributions to economic Analysis Population in Economic Growth, North Holland/American Elsevier, 1974.

34. Premi, M.K. Ramanamma, A. Bambawali, Usha
An Introduction to Social Demography. Vikar
Publishing House, Pvt. Ltd., 1983.
35. Sharma, Anup, D.
Population Explosion in India, D.Litt. Dissertation,
University of Allahabad, 1972.
36. Sehgal, Jag Mohan
The Population distribution in greater Bombay.
Asian Economic Review, Vol. III, No. 2 FIS, 1966
37. Srivastava, Jagdish Narain
1971 Densus - India and Uttar Pradesh Demographic
Research Centre, University of Lucknow, 1971.
38. Stamper, B. Maxwell
Population and Planning in Developing Nations.
A Review of Sixty Development plans for the
1970's. The Population Council, New York.
39. Saxena, D.N.
Differential Urban Fertility in Lucknow.
Demographic Research Centre, University of
Lucknow.
40. Thomson, Warren, S and Lewis I. David. T. '
Population problems, Tata McGraw Hill.
41. Tiler, K.S.
Social Research, Survey and Statistics. Railway
Crossing Sitapur Road, Lucknow, 84

42. Uppal, J. S. (Edited)
India's Economic Problems.
43. Valentey, Prof. D.I. (Edited)
The theory of population. Essays in Marxist
Research Progress Publishers, Moscow, 1978.
44. Wilpinson and Bhandarkar
Research Methodology on Social Sciences,
Himalayan Publishing House, Nagpur.

B. PERIODICALS, MONOGRAPHS & CONFERENCE REPORTS

1. A report of the United nations World Population Conference, 1974.
2. Artha Vijnana - Journal of Gokhale Institute of Politics and Economics, Pune.
3. Annual Report, 1984-85. Ministry of Education, Government of India.
4. A study of Attitudes of Married Couples towards Family Planning in Ahmedabad by Dr.Tara Patel G.V.P. 259-500.8.64, University School of Social Sciences, Gujarat University.
5. A survey Fertility and Family Planning in Western Uttar Pradesh. R.P. Goyal.
7. A Review of Determinants and Policy Levers, Reducing Fertility in Developing Countries. Rodolfo. A. Bulatao.
7. Asian Population, Study Series, Population Strategy in Asia. The Second Asian Population Conference, Tokyo, United Nations. Nov. 1972.
8. Conference reports on recent population Trends in South Asia. New Delhi, 1983.
9. Country Monograph, Series No. 10, Population of India, 1982, U.N.O.
10. Centre Calling, Mass Mailing Unit, Department of Family Welfare, Government of India, New Delhi.

11. Demography India
 - Vol. 7, No. 1 & 2, Jan.-Dec, 1978.
 - Vol.12, No. 1 Jan.-June,1983.
 - Vol.12, No. 2 July-Dec, 1983.
 - Vol.13, No. 1 & 2, Jan.-Dec.,1984.
 - Vol.14, No. 1 Jan.-June,1985.
12. District Plan Allahabad, 1984 and 1985. Office of the District Magistrate.
13. District Census Book, Allahabad, 1971. Part XA, Part XB, Govt. of Uttar Pradesh.
14. District Statistical Diary, Allahabad District Statistical Office, Allahabad.
15. Demographic Situation in India. N.I.F.P. Report Series No. 15, April 1975.
16. Economic and Political Weekly, ASameeksha Trust Publication, Bombay.
17. Economic Survey, 1985-86. Ministry of Finance, Government of India.
18. Economic Times, Bombay, Nov. 1986. F.P. Programmes, "Are we putting the cart before the horse ?"
19. Family Planning Enquiry in Dharwar Talupa (Mysore State), B.D. Kale. Demographic Research Centre Institute of Economic Research Yidyagiri - Dharwal-4 (Mysore State), 1966.
20. Hand Book on Population - Centre for Adult, Continuing Education and Extension, University of Delhi, 1983.

21. Indian Economic Review, Vol. IV, No. 1, Feb. 1958.
22. In search of Population Policy, National Academy of Sciences, Washington, 1974.
23. India - Town and Country Planning Organisation
Towards a human Settlement Policy in India,
New Delhi - 1975.
24. India, 1984, 1985, Ministry of Information, Government
of India.
25. Income and Superimposing Variables and Fertility by
Dr. A.D. Sharma.
26. Journal of Population Research, National Institute
of Family Planning, New Delhi.
27. Journal of Development Economics (A Stochastic
learning model of Migration), Vol. 5/ No. 2,
June 1978, U.S.A.
28. Milbank Memorial Fund, Quarterly, 40 Wall street,
New York, N.Y. 10005

Article "Changes in the Social and Demographic
Attributes of women in "Who's Who", Myrna E. Frank
and Clyde V. Kiser.
29. Milbank Memorial Fund Quarterly, July, 1962, Vol. XL,
No. 3, 40, Wall Street, New York -5.

Article, "A Family Planning Program in a Large
Population Group by Yoshio Koya, President,
Family Planning Federation of Japan, Consultant
to Japanese National Railways.

30. Milbank Memorial Fund Quarterly, Jan. 1965, Vol. XLIII,
No. 1.
Article, "Female Employment and Fertility in Lima,
Peru. J. Mayona Styees.
31. News Letter - Published by the Family Planning Association,
Mostimer St. London.
32. Population Bulletin - Population Reference Bureau,
I.N.C., Washington.
33. Population Index - Office of the Population Research,
Princeton University, New Jersey.
34. Population and Development - International Conference
on Population, Mexico City, August, 1984.
35. Population Reports -
Series M, No. 7, Sept. - Oct. 1983
Series M, No. 8, Sept. - Oct. 1985
Series C, No. 9, May 1985.

The Johns Hapkins University, U.S.A.
36. Population and Development Series No. 1, World Bank
Staff Working Papers, Number 676, Family Planning
Programs, The Client's Perspective, Ainsworth,
Martha.
37. Population and Development Series No. 17, World Bank
Staff Working Papers, Number 676, Recent Fertility
Declines, Brazil, Colombia and Mexico, Thomas
W. Merrick.

45. The Indian Journal of Economics, Published by
Department of Economics, University of Allahabad,
Allahabad.
46. World Population Conference, Vol. III, 1965, United
Nations.
47. Year-book, 1974-75. Family Welfare Planning in
India.
48. Yojana (Weekly) - Published by Ministry of Home
affairs, Government of India.

परिशिष्ट
(APPENDICES)

- अ - हलाहाबाद नगर: आकड़े एवं तथ्य
ब - प्रश्नावली - पत्रक (QUESTIONNAIRE)

सारिणी संख्या 15.3

इलाहाबाद नगर की जनसंख्या वृद्धि 1853-1981

जनगणना वर्ष	जनसंख्या	दशक वृद्धि	प्रतिशत वृद्धि
1853	72,093	-	-
1966	1,05,924	+ 33,831	46.9
1972	1,43,693	+ 37,769	36.0
1881	1,60,118	+ 16,425	11.4
1891	1,75,246	+ 15,128	9.4
1901	1,72,032	- 3,214	-1.8
1911	1,71,697	- 1,335	-0.8
1921	1,57,220	-14,477	-8.4
1931	1,73,895	+ 16,675	10.6
1941	2,46,229	+ 72,324	41.6
1951	3,32,615	+ 86,386	35.1
1961	4,43,964	+121,349	36.5
1971	4,90,622	+46,658	10.5
1981	6,16,051	+1,25,429	25.6

स्रोत: इलाहाबाद रिट्रास्पेक्ट सन्ड प्रास्पेक्ट-बी०एन० पाण्डेय

सारिणी संख्या 15.4

इलाहाबाद नगर एवं जनपद की जनसंख्या वृद्धि

जनगणना वर्ष	इलाहाबाद नगर		इलाहाबाद जनपद	
	जनसंख्या	प्रतिशत वृद्धि	जनसंख्या	प्रतिशत वृद्धि
1921	1,57,220	-	14,02,350	-
1931	1,73,895	10.5	14,88,303	6.2
1941	2,46,229	41.6	18,08,866	21.5
1951	3,32,615	35.1	20,44,117	13.0
1961	4,43,964	33.5	24,38,376	19.3
1971	4,90,622	10.5	29,37,278	20.5
1981	6,16,051	25.6	37,97,033	29.3

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद- इलाहाबाद, 1984
अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान- 3090

सारिणी संख्या 15-5

इलाहाबाद का विगत तीन जनगणना वर्षों में जनसंख्या संरचना

जनगणना वर्ष	जनसंख्या			प्रतिशत
	कुल जनसंख्या	पुरुष	स्त्री	
1961	2438376	1263981	1174935	४ 48.16 ४
1971	2937278	1546282	138996	४ 47.32 ४
1981	3797033	200877	1788262	४ 47.1 ४

स्त्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनमद- इलाहाबाद-1984

अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, 30990

सारिणी-संख्या 15.6

इलाहाबाद की ग्रामीण व, नगरी जनसंख्या 1961-1981

जनगणना वर्ष	जनसंख्या				
	कुल	ग्रामीण	प्रतिशत	नगरी	प्रतिशत
1961	2438376	1994412	81.79	443969	18.21
1971	2937278	2395175	81.54	542103	18.46
1981	3797003	3023445	79.63	773588	20.37

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद इलाहाबाद, 1984

अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य निर्धारण संस्थान, उ०५०

सारिणी संख्या 157

धर्मानुसार जनपद की जनसंख्या - 1981

धर्म	जनसंख्या	प्रतिशत
हिन्दू	33,01,290	86.94
इस्लाम	4,84,948	12.77
ईसाई	6,722	0.18
सिख	2,728	0.07
अन्य	1,275	0.03
अधोषित	70	-
योग	37,97,033	100.00

स्त्रोत : जिला जनगणना पुस्तिका , 1981 जनगणना , इलाहाबाद ।

सांख्यिकी संख्या 158

जनपद में मान्यताप्राप्त शिक्षा संस्थान

वर्ष	ज०बे०	सी०ब०लिक	हाईस्कूल तथा		महा	विश्वविद्यालय	
	स्कूल	स्कूल	इंटरमीडिएट	इंटरमीडिएट	विद्यालय		
	कुल	कुल	बालिका	कुल	बालिका		
1981-82	1766	360	68	206	30	16	1
1982-83	1842	404	68	211	30	16	1
1983-84	1842	404	68	213	39	16	1
ग्रामीण क्षेत्र में	1699	319	52	160	6	3	-
नगरीय क्षेत्र में	143	85	16	53	24	13	1

स्रोत: सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद- झज्जाराबाद, 1984
अर्थ एवं संख्या प्रभाग, राज्य नियोजन संस्थान, 3090

सारिणी संख्या 15.9

साक्षरता एवं जनसंख्या घनत्व-1981

इलाहाबाद जनपद/नगर	साक्षरता प्रतिशत			क्षेत्र वर्ग किमी	घनत्व प्रति वर्ग किमी
	कुल	पुरुष	स्त्री		
जनपद	27.99	41.51	12.81	7261	523
नगर	28.61	-	-	62.94	9788

स्रोतः

सांख्यिकीय पत्रिका, जनपद-इलाहाबाद, 1984

×इलाहाबाद 1985, निदेशक, सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग,

3090, लखनऊ।

एवं

प्रगति- इलाहाबाद

जनसम्पर्क कार्यालय, इलाहाबाद।

भारत की कुल जनसंख्या 16.0

॥ अविभाजित देश के लिए अनुमान ॥

<u>वर्ष</u>	<u>जन संख्या ॥ करोड़ों में ॥</u>
300 ईसा पूर्व	10.0 में 14.0
1600 ईसवी	10.0
1800	12.0
1834	13.0
1845	13.0
1855	17.5
1867	19.4
1872	25.5

जनसंख्या ॥ भारत की आज की सीमाओं ॥ के लिए

<u>वर्ष</u>	<u>जनसंख्या ॥ करोड़ों में ॥</u>
1901	23.8
1911	25.2
1921	25.1
1931	27.9
1941	31.9
1951	36.1
1961	43.9
1971	54.8
1981	68.4

2.9 करोड़ की वृद्धि

x स्रोत: किंगले डेविस - "पापुलेशन ऑफ इन्डिया एण्ड पाकिस्तान "

शिक्षक महिलायें एवं प्रजननता

॥ इलाहाबाद नगर की शिक्षक महिलाओं का वैयक्तिक अध्ययन ॥
प्रश्नावली

संस्था का नाम

1. नाम _____
2. आयु _____
3. शिक्षा उच्चतम शैक्षिक अर्हता _____
4. धर्म _____
5. पता _____
6. वैवाहिक स्थिति विवाहित / अविवाहित / विधवा / परित्यक्ता _____
7. विवाह के समय आयु _____
8. व्यवसाय _____
9. उत्तरदाता का वर्गीकरण शिक्षक / कार्यालयी / घरेलू महिला _____

पृष्ठ भूमि

1. पिता का नाम श्री _____
2. पिता का पता _____
3. पिता की उम्र _____
4. पिता का धर्म _____
5. पिता की शिक्षा _____
6. पिता का व्यवसाय _____
7. पिता की सन्तान _____

स्वयं के व्यवसाय का वर्षन

- | | प्रवेश तिथि | छोड़ने की तिथि |
|----------|-------------|----------------|
| 1. पहला | _____ | _____ |
| 2. दूसरा | _____ | _____ |
| 3. तीसरा | _____ | _____ |

परिवार नियोजन के बारे में ज्ञान

1. आपको परिवार नियोजन के बारे में जानकारी किस आयु में हुई।
2. आपमें परिवार नियोजन के विषय में रुचि किस प्रकार उत्पन्न हुई।

परिवार नियोजन के विषय में विचार

1. क्या आप परिवार नियोजन के विचार से सहमत हैं ? ॥ हाँ/नहीं ॥
2. यदि हाँ तो उसके क्या कारण हैं ?
 - ॥अ॥ आर्थिक कारणों से
 - ॥ब॥ बच्चों के अच्छे पालन-पोषण के लिए।
 - ॥स॥ महिलाओं के अच्छे जीवन के लिए
 - ॥द॥ जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए
3. यदि नहीं तो उसके क्या कारण हैं ?
 - ॥अ॥ यह धर्म के विरुद्ध है।
 - ॥ब॥ यह महिलाओं के लिए हानिकारक है।
 - ॥स॥ कोई सन्तोषजनक, सुप्रकारिक विधि उपलब्ध नहीं है।
 - ॥द॥ अन्त में संयमित जीवन न बिताने के कारण सामाजिक आदर्शों का पतन हो जायेगा।
4. क्या आपने अपना निजी परिवार नियोजित किया है ? हाँ / नहीं

5. §अ§ क्या आपने परिवार नियोजन की वांछनीयता के बारे में जनसमुदाय को परामर्श दिया है ?
हाँ / नहीं
- §क§ अपने सम्बन्धी और मित्रों को
हाँ / नहीं
- §2§ अपने छात्रों को
हाँ / नहीं
6. क्या आप कुछ ऐसी प्रेरणा प्रस्ताव सेवाओं में कार्यरत/घरेलू/शिक्षक महिलाओं के लिए प्रस्तावित कर सकती हैं जिससे कि वह अपने सहकर्मियों/छात्रों व अन्य को जनसंख्या समस्या व परिवार नियोजन की जानकारी दे सकें ?
7. क्या आप सोचती है कि घरेलू/सेवाओं में कार्यरत/शिक्षक महिला वर्ग परिवार नियोजन को जन - कार्यक्रम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकती है।
हाँ / नहीं
8. आपके विचार से क्या जनसंख्या शिक्षा को पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया जाना चाहिए।
हाँ / नहीं
9. यदि हाँ तो विद्यार्थी को किस स्तर से जनसंख्या की : प्राथमिक/जूनियर शिक्षा मिलनी चाहिए।
हाई स्कूल/हाई स्कूल/
विश्वविद्यालय
10. परिवार नियोजन कार्यक्रम के सम्बन्ध में इस योजना को निरूत्साहित करने वाले लोगों को दण्डित किया जाना चाहिए।
हाँ / नहीं
11. आपके विचार से विवाह की आदर्श आयु क्या होनी चाहिए लड़कियों के लिए _____
लड़कों के लिए _____
12. परिवार नियोजन के प्रकार में जो संस्थाएँ कार्य कर रही हैं, उनकी कार्यविधि में क्या आप परिवर्तन प्रस्तावित कर सकती हैं ?
- §1§ सरकारी संस्थाएँ _____
- §2§ निजी संस्थाएँ _____

जानकारी देने वालों की अपनी स्थिति

1. क्या आपके विचार से आदर्श परिवार में बच्चों की संख्या कितनी होनी चाहिए 1/ 2/ 3/ 4/ 5/ 5+

2. आपके परिवार में बच्चों की संख्या कितनी है 1/ 2/ 3/ 4/ 5/ 5+

3. आपके बच्चों के जन्म के बीच में कितना अन्तराल है?

१११ पहले बच्चे के जन्म के पहले _____

११२ पहले और दूसरे बच्चे के बीच में _____

११३ दूसरे और तीसरे बच्चे के बीच में _____

११४ तीसरे और चौथे बच्चे के बीच में _____

११५ अन्य _____

4. आपके विचार से आदर्श जन्म अन्तराल क्या होना चाहिए

१११ पहले बच्चे के जन्म के पहले _____

११२ पहले और दूसरे बच्चे के बीच में _____

११३ दूसरे और तीसरे बच्चे के बीच में _____

११४ तीसरे और चौथे बच्चे के बीच में _____

११५ अन्य _____

5. आप यदि अपने उचित विचार के अनुस्यू अपने परिवार को नहीं बना पायें हैं तो उसके लिए आप किन कारणों को उत्तरदायी समझती हैं

१११ आपके पति की आपके विचारों से असहमति _____

११२ आपके पति के इस सम्बन्ध में कम सहयोग के कारण _____

११३ यू ही कुछ आलस्य और कम हृदयता के कारण _____

११४ आवश्यक बातों तथा परिवार नियोजन विधियों के कम जानने के कारण _____

११५ अन्य कारण _____